# He Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 19] No. 19। नई दिल्ली, सनिवार, मई 10, 1986 (वेशाख 20, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 10, 1986 (VAISAKHA 20, 1908)

इस माग में भिन्न पृथ्ड संख्या दी अन्ति है विश्वते कि वह अलग संस्थान के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—बन्द 1 PART III—SECTION 1

रुख न्यामालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 मार्च 1986

सं० ए० 19016/5/85-प्रशा० 1--सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क सथा स्वर्ण (नियंत्रण) प्रणील न्यायाधिकरण, नई दिल्ली में 23 दिसम्बर, 1985 से निजो सचिव के प्रतिनियुक्ति पद से प्रत्यावर्तन के परिणामस्वरूप श्रो टी० श्रार० वीराराघवन उसी तारीख से 67 दिन की छुट्टो पर चले गए थे और 28 फरवरी 1986 के पूर्वाल्ल से संघ लोक सेवा धायांग के के० स० स्टे० से० संवर्ण में निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेष्ट ''क") के पद का कार्यभार संभाल लिया है ।

एम० पी० जन ग्रवर सचिव (का० प्रणा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

प्रवर्तन निषेशालय

चिवेगी मुद्रा चिनियमन श्रिधिनियम नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986

सं० ए-11/31/76--इस निवेशात्य के प्रवर्तन अधिकारी श्री मार०के० एस० निम को एतद्द्वारा 18-3-86 (अपराम्म) से भगला भादेश जारो होने तक इस निदेशालय के श्रीनगर स्थित उप-क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापन्न रूप में मुख्य प्रवर्तन प्रधिकारी नियुक्त किया जाता है ।

सं० ए-11/31/76---इस निदेशालय के प्रवर्तन ग्रिधिकारी श्री श्रार० रविन्द्र नाथ को एसद्द्रारा 31--3-86 (पूर्वाह्न) से श्रमला श्रादेश जारी होने एक इस निदेशालय के हैदराबाद स्थित उप-क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापन्न रूप में मुख्य प्रवर्तन श्रिधकारी नियुक्त किया जाता है ।

> एल० के० सिध**वी** उप-निदेशक (प्रशासन)

प्रशासन कार्मिक एवं प्रशिक्षण सुधार, लोकशिकायस तथा

पेंशन मंद्रालय

(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

नहैं दिल्ली-110003, दिनांक 16 ग्रप्नैल 1986

सं० ए०-19036/28/84-प्रशा० 5--निवर्तन होने पर, केन्द्रोध अन्वेषण न्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री दीवार सिंह पुलिस

(18093)

उपाधीक्षक, की सेवाएं दिनांक 31 मार्च 1986 श्रपराह्न से पंजाब सरकार को सींप दी गयी हैं।

#### दिनांक 17 धप्रैल 1986

सं० ए०-19019/1/82-प्रमा०-5--प्रत्यावर्तन होने पर, श्री जी० राम बन्द्र: भा० पु० सेवा० (गुजरात-1955), संयुक्ता विदेशक, केन्द्रोय जन्बेषण ब्यूरो तथा विशेष पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं विशंक 14 श्रप्रैल, 1986 श्रपराह्म से गुजरात सरकार को मौंपी जाती हैं।

> धर्मपाल भस्ला प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भन्वेषण ब्युरो

#### गृह मंत्रालय

श्रपराध-शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान न**ई** दिल्ली-110055, दिनांक 18 सार्च 1986

सं० 1/2/86 -प्राई० सी० एफ० एस०---- निदेशक, अपराध-गास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान, श्री एस० एस० गोला, श्राणु-लिपिक ग्रेड ''सी'' गृह मंत्रालय को विष्ठ निजी सहायक के पद पर प्रतिनियुक्ति के प्राधार पर 650-- 960/-- रुपए के वेतन मान पर दिनांक 6-3-86 पूर्वीह्न में प्रथमतः एक वर्ष की श्रवधि के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

प्रतिनियुक्ति की अवधि के दौरान श्री एस० एस० गोला को वित्त मंत्रालय के समय-समय पर संगोधित ज्ञापन सं० एफ-1(II)-ई-I (बी) दिनांक 7-11-75 के उपबन्ध सथा प्रतिनियुक्ति की अन्य सामान्य णती के अनुसार चिनियमित किया जाएगा।

श्रार० एस० कुलकर्णी, नि**दे**शक

महानिदेशक, के० रि० पु० बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 ध्रप्रैल 1986

सं० डी० एक दो/81 स्था० एक---केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सहायक कमांडेंण्ट श्री एम० एच० खान के, केन्द्रीय सेवा नियमाचली (चीधरी कम्पाइलेजन) खण्ड-एक के धनुच्छेद 67 के तहत जनहित में, भारत के व्यापार सेला प्राधिकरण में मुख्य रक्षा श्रधिकारी के रूप में, प्रस्तावित पूर्ण विलन (एडजोर्पसन) के फलस्वरूप उक्षत श्रधिकारी द्वारा प्रस्नुत तकनीकी त्याग पत्र राष्ट्रपति जो द्वारा दिनांक 11-6-84 से स्वोकृत किया जाता है ।

#### दिनांक 14 धप्रैल 1986

सं० ओ०-दो०-2144/86-स्थापना- ---राष्ट्रशी जी, ने डाक्टर विनाद कुसार की प्रस्थायी रूप मे आगामी आदेश जारो होने तक केन्द्रोय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयूटो श्राफिसर (डी० एस० पी०/कंम्पनी कमांडर) के पद पर 24 मार्च 1986 श्रपराह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

#### दिनांक 15 प्रप्रैल 1986

सं० ओ० दो०→1971/84—स्थापना—महानिवेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने धाँ० टी० के० राय को दिनांक 25-3-86 पूर्वाह्म में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनएठ निकित्सा प्रधिकारों के पद पर केवल एक माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमिश नियृक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

एम० ध्रशोक राज सहायक निदेशक (स्थापना)

# महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली, दिनांक 11 धप्रैल 1986

सं० ई- (16016/1)/1/85- कार्मिक-I- - प्रपने मूल विभाग को प्रत्यावित होने के फलस्वरूप श्री बी० के० पोपली ने 31 मार्च 1986 (पूर्वाह्म) से सहायक निदेशक (लेखा) के० औ० गु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

#### दिनांक 16 म्रप्रैल 1986

सं० ई-16014(2)/17/85-कार्मिक-1-पुनर्नियुक्ति पर, श्री श्रार० के० सिंह ने दिनांक 1 श्रप्रैल, 1986 (पूर्वाह्न) से के० औं० मु० ब० यूनिट, सी० पी० टी०, कलकत्ता के उप कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

मं० ई-16014(2)/3/86-कार्मिक-1-- प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, 104 सहायक बटालियन, केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस बल, नई दिल्ली के कमांडेंट श्री एन० एस० यादच ने 20-3-86 (पूर्वीह्न) को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली में श्रपनी श्रागमन रिपोर्ट वे वी हैं। बाद में उन्होंने के० औ० सु० ब० यूनिट, मारुति उद्योग लिमिटेड, गुड़गांव में प्रस्थान किया जहां उन्होंने 3 श्रप्रेल, 1986 के पूर्वीह्न से कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

**ह० भ्रपठ्नीय** महानिदेशक/के० ओ० **सू**०ब

# श्रम एवं पूनर्वास मंत्रालय श्रम विभाग (श्रम ब्यूरों)

श्चिमला-171004, दिनांक 2 मर्ड 1986

सं 5/1/86-सी.पी.आई. — मार्च, 1986 में बौद्योगिय श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1986 के स्तर 633 से पांच अंक बढ़ के 638 (छः सौ अठतीस) रहा। मार्च, 1986 माह का सूचकांव (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 77% (सात सौ पचहत्तर) है।

जितन्द्र नाथ शम निद्येशव षित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्यविभाग)

भितेन्ति कागन कारखाना होर्गगाबाद~45,1005 दिनांक 15 अर्रैल 1986

श्री बी० एम० परदेगी, नियंत्रण निरीक्षक को दिनांक 2-10-84 से 5-9-85 तक पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० श्र०-35-880-40-1000- द० श्र० -40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्त-

नई विल्ली-110002 विनांक 7 मप्रैल 1986

संव प्रशासन 1 काव प्राव संख्पा 4—-इम कार्यालय के स्वायो लेबा परीक्षा प्रधिकारी श्री एमव एनव गोयल वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परीणाम स्वरूप 30 प्रश्रैल 1986 प्राराह्म को भारत सरकार की सेवा से मेवा निवृत्त हो जावेंगे। उनकी जन्म सिथि 2 श्रश्रैल 1928 हैं।

स० प्रशासन 1 का० भ्रा० संख्या 5---इस कार्यालय के एक स्वायी लेखा परीक्षा श्रधिकारी श्री सी० पी० खन्ना वार्धक्य श्रीय प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 30 अर्पेल 1986 अपराह्म को भारतं सरकार की सेवा से निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्मितिथि 7 भ्रपेल 1928 है।

सं० प्रशासन 1 का० आ० संख्या II→-निदेशक, लेवा परोक्षा केन्द्रीय राजस्त्र--I इस कार्यान्य के निमानिखित स्थानापन्न लेखा परोक्षा अधिकारियों को 840-1200 काए के समयमान में दिनांक 1-4-1986 से स्थायी ऋप से नियुक्त करते हैं ---

- 1. श्री एम० बी० जौहरी
- % श्री के० के० ग्रग्रवाल
- 3. श्री के० एल० राजपूत

सं० प्रणासन 1/कार्यातय प्रादेग सं० 12--श्रीमान निदेगक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय राजस्त्र) इस कार्यात्रय के निम्तितित्रत स्थायी अनुभाग प्रधिकारी श्रत्र सहायक लेखा परीक्षा श्रिकारी को स्थानापत्र लेखा परीक्षा श्रिकारी के बेत न कम 840-1200 रु० में 8-4-1986 पूर्वात्र से धगले श्रादेण श्राने तक नियुक्त करते हैं :---

- (1) श्री लखबीर सिंह
- (2) श्री एल० मार० मर्मी

एम० एल० खुराना उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्र० महालेखाकार (लि० वा ह०) का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 31 मार्च 1986

सं० ले० व० ह०/हा० स्था० (स्था० घरो०)/4-10-3/ 85-86--इम हार्यात्य के निम्नलिखित कर्मचारी श्रीधवर्षिता के कारण 28-2-1986 श्रपराह्न से सेवानिवृक्त हो गया है :---

श्री के॰ पी॰ रामकुरुप, लेखा श्रधिकारी

ह०/--श्रपठ नीय महालेखाकार

कार्यात्तव महालेखाकार (लेखा एवं हक), राजस्थान जयपुर, दितांक 15 भन्नील 1986

सं० प्रमा० II/राजात्र प्रधि०/85-87/20-महालेखाकार (लेखा च हकदारी) राजस्थान, जयपुर ने श्री
एम० पी० जै। श्रनुभाग श्रक्षिकारी को पदोन्नत करके दिनांक
7-4-86 (श्रपराह्न) के श्रप्रता श्रादेशों के जारी होने तक
इसी कार्यात्य में स्थानापत्र लेखा श्रक्षिकारों के पद पर नियुक्त
किया गया है ।

ए० के० मैन्ना चरिष्ठ उपमहालेखाकार /प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यात्य, रक्षा लेख महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 अप्रैल 1986

सं० प्रणा०-1/1150/1/जिल्द→-IV---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा श्रायोजित सिघिल सेवा (मुख्य) परीक्षा 1984 के परिणाम के श्राधार पर जिम्मलिक्ति व्यक्तियों को, भारतीय रक्षा लेका सेवा में परिवीआर्थियों के रूप में उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीखों से, सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

ऋ० मं० नाम	नियुक्ति को तारीख
1. कु० गुरजात के० सोंधी	26-08-85 (पूर्वाह्न)
2. श्री निर्मल चन्द्र धस्थाता	13-01-86 (पूर्वाह्म)
<ol> <li>श्रो गरेल्ना अंत्रानेयुलू</li> </ol>	24-12-85 (पूर्वाह्न)
<ol> <li>श्रो मुदी प्रवाहम लिकन</li> <li>श्रो नचल किशोप</li> </ol>	16-12-85('अपराह्म') 13-12-85 ('अपराह्म')
<ol> <li>श्री गंजानन डो० पुन्गले</li> </ol>	31-1285 (पूर्वाह्म)
<ol> <li>श्री आलोक चतुर्वेदी</li> </ol>	26-08-85 (जगराह्न)
8. श्रो ती० डो० वधला	09-1285 पूर्वीह्न)
9. श्रो रहात कबीर चौधरो	060186 (पूर्वाह्व)

ग्रार० बी० कपूर रक्षा लेखा भ्रपर महानियंत्रक (प्रशा०)

#### रक्षा मंत्रालय

#### भारतीय छाईनेंस फैक्टरियां सेवा

#### श्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 16 श्रप्रैल 1986

सं० 26/जी/85 - - त्रो सी० न रसिमालु, संयुक्त महा-प्रबन्धक (स्थानापन एवं स्थायी प्रबन्धक) दिनांक 1 जनवरी, 1985 (अपराह्म) से स्बेच्छा पूर्वक आईनेंस फैक्टरो सेवा से निबृत्त हुए ।

> वो० के० मेह्सा उप महानिदेशक

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, प्रायात एत्रं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 7 ध्रश्रैल 1986 श्रायात एवं निर्या व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1493/84-त्रगासन (राज०)/226---इस कार्यालय में श्री जो० सी० महे, नियंत्रक, श्राधात-नियंति सेवा निवृत्ति को भ्रायुपूरी करलेन पर 31 मार्च, 1986 के श्रपराह्न से तरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/424/56-त्रशासन (राज०)/2285--सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियाति के कार्यालय, नई दिल्लो में श्री वी० के० मेहता, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के वर्ग 1) 31 मार्च, 1986 के श्रपराह्म से सरकारो सेवा से निवृत्त हो गए।

> शंकर चन्व उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायास-नियीस कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायास-नियीत

पूर्ति तथा निपटान मानिदेशालय (प्रशासन मनुभाग ए--6)

नई दिल्लो, दिनांक 16 प्रप्रैल 1986

सं० ए-31014/1/85/ए-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा शिक्षा एत्हाल निस्तितिका स्थानापन्न सहायक निरोक्षण प्रतिकारियों (बस्त्र) की प्रत्येक के नाम के धारो दो गई सारीख से सहायक निरोक्षण प्रधिकारी (बस्त्र) के स्थायो पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

<b>फ</b> ०सं० श्रधिकारी कान	म स्थायीकरण की तारीख
1 2	3
सर्वेश्री	
1. ओ० पी० मलहोत्रा	01-01-1981
2. जे० एल० महाना	13-05-1981

1 2	3
3. एस० सी० कोहली	01-01-1983
4. एस० के० चकवर्ती	01-09-1984
5. डो० एस० बनर्जी	01-02-1986

ग्रार० पी० शाही उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

#### इस्पाप्त और खान मंत्रालय

#### खान विभाग

भारतीय खान न्यूरो

नागपुर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1986

सं० ए-19011(393)86-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति को सिफारिश पर श्रो वी० एस० मूर्ती, सहायक खनन भूषिज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन रूप में किनष्ठ खनन भूषिज्ञानी के पद पर दिनांक 17 मार्च 1986 (पूर्वाह्म) से पदोन्नति प्रदान को गयी है ।

सं० ए० 19011(388)85-स्था० ए०----राद्रपति, संख लोक ग्रेवा श्रायोग की सिफारिशों पर श्री डब्ल्यू० के० सोनटमके को भारतीय खान ब्यूरों में वरिष्ठ खनन भूषिज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1--4-1986 के श्रपराह्म से श्रागमी श्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> पी० पी० वाबी प्रशासन अधिकारी भारतीय खान स्पूरो

# श्राकाणवणी महानिदेशालय

## नई दिल्लो, दिनांक 11 प्रप्रैल 1986

सं० 12/1/70-चिज-एस-2--श्री के० बी० सुम्झाराव; फार्न रेडियो प्रिविकारो, प्राक्तासवाणा हैदराबाद स्वैच्छिक रूप से 1 भ्रप्रैल, 1986 (पूर्वीह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

> मोहन फोसिस उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

भारत के समाचारपत्नों के पंजीयक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1986

सं० ए--190124/84-प्रशासन---इस कार्यालय की विनांक 14--6--1985 की सम संख्यक श्रधिसुचना के ऋम में रक्षा लेबा नियंत्रक (ओ० प्रार० एस०), मद्रास के कार्यालय के स्थाना-पन्न लेखा भिधकारी (0/482) श्री प्रार० श्रीधरत की भारत के समाचारपत्नों के पंजीयक के कार्यालय, बम्बई में परिचालन अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति की भ्रवधि विद्यमान एतों के श्रम्तर्गत 3-1-86 से और एक वर्ष के लिए बढ़ाई जाती है।

#### दिनांक 21 मार्च 1986

सं० ए-19011/2/84-प्रशासन--इस कार्यालय को दिनांक 31-1-1985 की समसंख्यक श्रिधसूचना के कम में रक्षा लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के लेखा श्रिधकारी श्री एम० के० गोस्कामी की भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय, नई दिन्तों में परिवालन श्रिकारों के रून में प्रतिनियुक्ति की अन्तर्गत 27-12-85 से 26-12-86 तक और एक वर्ष के लिए बढ़ाई जाती है।

कृपा सागर भारत के समाचार पत्नों के पंजीयक

# स्वास्थ्य सेचा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1986

सं ० ए०-12025/3/84-के० स० स्वा० स्वा० यो०-I (भाग)--स्वारक्ष्य सेवा महानिदेशक ने श्रो एस० जी० गुष्ते को 17 फरचरी, 1986 पूर्वीह्न से के० स० स्वा० यो०, कलकत्ता, में प्रशासिक प्रिवेक्तारी के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है ।

टी० एस० राष उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो)

# नई दिल्लो, दिनांक 16 श्रोल 1986

सं० ए० 12026/2/84-प्रगासन---स्वास्थ्य सेवा महा-निदेग कि ने श्री एम० के० भट्ट को 18 मार्च, 1983 से आगामी आदेगों तक स्थास्थ्य सेवा महानिदेशाय, नई दिल्लो में तकनीको अधिकारी (भण्डार) के पद पर प्रतिनिधुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है ।

> पी० के० घई उप निदेशक प्रशासन (सी० ए**ण्ड वी**०)

# कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1986

मि॰ सं॰ 2-3/85-स्थापना-I-विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति, ग्रुप ''बी'' की सिफारिश पर, श्री जे॰ एस॰ बेदी, सहायक प्रदर्शनो श्रधिकारो (ग्रेड-2), जो

सहायक प्रदर्शनी अधिकरी (ग्रेष-I) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से काम कर रहे थे, को 20~3→ 86 के पूर्वाह्व से आगामी श्रादेशों तक उक्त पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है ।

#### दिनांक 16 भ्रप्नेल 1986

मि० सं० 5-51/86-स्थापना-I-विस्तार निदेशालय, कृषि संतालय, (कृषि और सहकारिता विभाग) की विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप बी) की सिफारिण पर श्री पी० एन० सेठ को दिनांक 12-5-1985 से छायाचित्रण श्रविकारी, समान्य केन्द्रोय सेवा, ग्रुप-बी (राजपत्तित) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है ।

भ्रार० जी० बनर्जी निदेगक प्रशासन

# समेकित मीन उद्योग परियोजना एरणाकुलम, दिनांक 10 धप्रैल 1986

सं० स० मी० प०/प्रशा०/VIII/7-2/86--श्रो के० गोयों को समेकित मीन उद्योग परियोजना में 27-1-1986 के पूर्वाह्न से ध्रगले श्रादेश होने तब ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "ख" (राजधितत) गैर-अनुसूचितीय में प्रशांतन इंजोनियर के रूप में, श्रस्यायी तौर पर नियुक्त किया जाता है ।

भ्रार० सेत्यराजन निदेणक

# परमाणु ऊर्जा घिभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना नरौरा, दिनांक 19 भ्रप्रैल 1986

कि प॰ वि॰ प॰/मर्ती/II(६)/86 एस 4154— परियोजना निदेशक, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, न॰ प॰ वि॰ प॰ के प्रस्थायी सहायक लेखाकार श्रीमती पी॰ ए॰ तेजवानी को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में सदर्थ रूप से ६० 650—30—740—35—880—द० रो०40—960— के वेतन-मान में विनांक 7 फरवरी, 1986 के प्रपराह्म से अग्रिम श्रादेशों तक श्रयचा निरन्तर पदधारी की नियुक्ति होने तक, बोनों में से जो भी पहले हो, के लिए सहायक लेखा श्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> समीर हुक्कू मु**रु**य प्रशासन श्रधिकारी

# क्रम और भंडार निदेशालय

बस्यई-400 001, दिनांक 11 प्रप्रैल 1986

क्रभंति/जे०-8/स्था०/2104--निवर्तन की श्रायुत्राप्ति के फलस्वरूप इस निर्देशालय में केन्द्रीय ऋग के एकक के सहायक ऋय प्रधिकारी, श्री छब्ल्यू० सी० जैथी दिनांक 31-3-1986 (प्रपराह्म) को सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए।

> एस० कुष्णन, प्रशासन प्रधिकारी-II

# बम्बई, 400001, दिनांक 15 भ्रत्रेल 1986

क्रमंनि/41/3/85-प्रशा०/2162-परमाण् विभाग, अब और भंडार निदेगालय के निदेगक ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तया स्थानापन्न सहायक लेखा प्रधिकारी, श्री एल० उन्नीकृष्णन को इसी निदेशालय में दिनांक 14-2-1986 (पूर्वाह्म) से 22-3-1986 (प्रपराह्म) तक 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में लेखा अधिकारी → के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है। यह नियुष्टित कोटा क्षेत्रीय लेखा एकक, कोटा के वेतन एवं लेबा पविकारी, श्री एस० श्रार० सिदल्याली के स्थान पर की गयी है जिन्हें उभा अवधि के लिए छुट्टी प्रदान को है।

सं० कभंनि/41/3/85-प्रशा०/2167--न्यरमाण् विभाग, कय भ्रौर भंडार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल, श्री टी० जी० मैथ्यू को इसी निदेशालय में दिनांक 3-3-1986 (पूर्वीह्न) से 4-4-1986 (प्रगराह्म) तक 650:-30-740-35-880-इ० रो०-40-960 छार् के वेतनान में सहायह लेबा अधिकारी के पर पर तर्श्य आधार पर स्था।-पन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधि-कारी, श्री ए० प्रार० नायर के स्थान पर की गयी है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

> बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन भ्रधिकारी

# परमाणु खनिज प्रभाग हैदराबाद-16, दिनाँक भन्नील 1986

सं० पखप्र-2/3271/81-प्रशासन--श्री के० किशन द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक प्रधि-कारी/एस० बी० के पद से दिया गया त्यागपत परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 20-6-1984 के पूर्वाक्ष से स्वीकार कर लिया गया है।

#### दिनॉक 16 अप्रैल 1986

सं० पखप्र-16/8/85-भर्ती--निदेशक परमाण खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जी विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक ग्रौर स्थानापन्न लेखापाल, श्री राम नाय का उसी प्रभाग में श्री भाई० एस० मोखा, सहायक लेखा अधिकारी के छुट्टी पर चले जाने पर 20→2→86 से 21-3-86 तक तदर्थ रूप से स्थानायन्त सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> एस० पदमनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1986

सं ० ए०-19011/16/80-स्था ० I--सेवा-निवृत्ति की श्रायु प्राप्त करदे पर श्री एस० बलराम, उप महानिदेशक 31 मार्च, 1986 (प्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं। जे० सी० गर्ग

संयुक्त निदेशक प्रशासन

### नई विल्ली, दिनांक 9 धर्मल 1986

सं० ए-12025/1/84-ई० डब्ल्यू०--राष्ट्रपति, श्री एस० सी० नरूला को दिनौंक 25 मार्च, 1986 (पूर्वाह्न) से श्रीर श्रन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में 700-1300 रुपए के वेतनमान में, स्थानायन क्षमता में, विद्युत एवं यांत्रिक म्राधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं

श्री नरूला को विद्युत एवं यांत्रिक वर्कशाय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

> वेद प्रकाश उपनिदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

# नई दिल्ली-40066, दिनोंक 6 प्रप्रैल 1986

विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित श्रधिकारियों ने सेवा-निवृत्ति की भ्रायु प्राप्त करलेने पर प्रश्येक के नाम के सामने दी नयो तारीख से प्रथने पद का कार्यभार छोड़ दिया है :---

<b>秀∘</b> सं∘	नाम व पदनाम	तैनासी का स्टेशन	सेवा निवृत्ति की की तारीख
1	2	3	4
1. ব 2. উ	र्वश्री गि० ए० ग्रास्त्री, तकनीकी श्रधिकारी गे०के० चोपड़ा, तकनीकी ग्रधिकारी	वैमानिक संचार स्टेणन, हैदराबाद वैमानिक संचार स्टेणन, पालम	(अपराह्म)

(1) (2)	(3)	(4)
	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता वैमानिक संचार स्टेशन, सम्बर्ध	(भ्रपराह्म)

वी० जय**चन्द्रन** उपनिदेशक, प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 15 मप्रैल 1986

सं० ए-12025/1/84-ई० एस०--पंध लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर, राष्ट्रपति श्री टी० डी० नागेश्वर राव को दिनांक 28-2-1986 (पूर्वीह्स) से श्रन्य श्रादेश होने तक, 700-1300 रुपए के वेतनमान में उड़न योग्यता श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री टो०डी० नागेश्वर रावको महानिदेशक नागरविमानन, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया गया है।

> एम० भट्टाचार्जी उपनिदेशक, प्रशासन

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिणस्ट्रार का कार्यालय
उच्च न्यायालय जोधपुर के समक्ष

माननीय राजस्थान

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 के सम्बन्ध में

एवम्
स्टेण्डर्ड वूलग्स लिमिटेड के सम्बन्ध में

1984 का कम्पनी परिवाद सं० 2

में० मधु केमिकल्स सेन्टर,

रूप सदन, गंगा नहर रोड,

बीकानेर ।

परिवादी

# जयपुर, दिनांक 7 फरवरी 1986

सं० एस० टी० ए०/लिक्बी/1834/माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के म्रादेश दिनांक 20-10-1985 उपरोक्त सम्बन्ध में के द्वारा उपरोक्त लिखित कम्पनी कम्पनीज म्राधिनियम, 1956 के प्रावधानों के भ्रन्तगंत परिसमापन हेतु भ्रादेशित की गयी थी।

> ्वी० प्र० सिंघल रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज राजस्थान

कम्पनी घ्रधिनियम, 1956 ग्रीर देज इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 भग्नैल 1986

सं० 23035/560(5)→-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि देज इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर ग्राबाकास सिस्टेमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकता, विनांक 15 ग्रप्रैल 1986

सं० 32083/560(5) -- कम्पनी श्रिधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचनण की जीती है कि श्राबाकास सिस्टेमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौर रमेन सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकता दिनांक 15 अप्रैल 1986

सं० 20006/560(5)~- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुप्ररण में एतद्द्रारा सूचना दी जाती है कि रमेन सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम थ्राज रिकस्टर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर जे० बी० घोष एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1986

सं० 16569/560 (5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की बारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचमा दी जाती है कि जें० बी॰ घोष एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर कणक प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1986

सं 24530/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कणक प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेंड का माम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भौर रूपनारायणपुर विवार इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विवय में

कलकत्ता, दिमांक 15 अप्रैल 1986

सं० 29757/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रूपनारायणपुर दिवार इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर हाशदार एजेंसीज प्राइवट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1986

सं० 27284/560 (5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि हालदार एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का माम आज रिजस्टर मे काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटिस हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर **ऊवा लुबरिकेश**न एण्ड <mark>प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में</mark>

कलकत्ता, विनांक 15 अप्रैल 1986

सं० 32756/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि ऊषा लुबिस्डिंध्स एख प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर ब्लू एंजल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1986

सं० 30847/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ब्लू एंजेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रांट उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रौर सस्येन बोस प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 15 ग्रग्रैल 1986

सं० 27392/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि सत्येन बीस प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टिए से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है । कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर बरानगर आयरन एण्ड स्टील वर्कस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1986

सं० 24264/560 (5)—कम्पनो अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एनव्हारा सूचना दी जाती है कि बरानगर आयरन एण्ड स्टील वर्क्स प्राह्वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटिक हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर मै० पुरुषोत्तम एक्सपोर्टस प्राह्नेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1986

सं० 26335/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि मै० पुरुषोत्तम एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर माधवी पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1986

सं॰ 26289/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एनव्द्वारा सूचना दी जाती है कि माधवी पिक्चमें प्राइवेट निमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भीर एमरि इन्स्ट्र्मेट्स प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 15 मर्प्रेल 1986

सं० 26364/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचमा दी जाती है कि एमरि इन्वेस्टमेंटस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रांर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

डी० के० पाल कम्पनियों का रिजस्ट्रार, कलकत्ता, पश्चिम अंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं एवरेस्ट सिरामिक्स कारपोरेशन लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल 1986

सं० 670/12180/560 (5.)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि एवरेस्ट सिरामिक्स कारपोरेशन लिमिटड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है स्रोर उक्त कम्पनी विघटित होगयी हैं। कम्पनी अधिनियम, 195३ एवं कोन.मे प फेशन्स प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल 1986

सं० 684/17222/530 (5)—कम्पनी अधिनियमः
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में,
एसद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कोसमेक फेशन्स प्रा० विभिटेड
का नाम आज रिजस्टर से जाट दिया गया है श्रीण उक्त कम्पनी
विघटित हो गयी है ।

वीं० राधाकृष्णन जम्यनियों एर अनिष्तिस रक्तिस्ट्रार, अम्बर्द महाराष्ट्र,

# आयकर आयुक्त का कार्यालय कोचीन,-682016 दिनांक 2 अप्रैल 1986 आदेश

विषय --स्थापना आयक्रर अधिकारी 'ग्रुप 'खं' के रूप में पदोन्नति ।

सी० सं० 2/प्रमा०/कोण/86-87-श्री कुर्सवला एमं० नोर्ज, आयकर निरीक्षक के ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, ग्रुप 'ख' के पद पर स्थापनापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके द्वारा कार्यभार संभाष्ट्र लेने की तारीख मे तथा अगले आदेश पर्यन्त, पदोन्नत निया जाता है।

- 2. वह दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन होगा।
- 3. उपर्युक्त पदोन्निनि अनिक्तिम तथा किसी सूचना के बिना समाप्य करने लायक है। यह पदोन्निक पदोन्न अधियारी को पदोन्नत ग्रेड में अपना वरीयता अथवा उसः पद में जारी रखने का कोई अधिकार नहीं प्रदान करती है।

# दिनांक 8 अप्रैल 1986 (म्रायकर)

आदश सं ० 1/86-87--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की उपधारा (1) व (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग ाक्ते हुंए , कोचिन आयार आयुक्त में एतद्द्वारा तृष्णुर में विकालिखित शिलिल नमाप्त करना हूं ---

- आयकर सिक्ल
- पर्वे सिकल
- 2. यह अधिसूचना दिनांक 15-4-1986 ो ागू होगी।

अदेश सं० 2/80-87--आयन्य अधिनियम 1961 की (1961 को 43) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन्नियों का प्रयोग करते हुए, कोचिन आयन्य आयुक्त में एतद्द्वारा निदेश देता हूं कि निम्नोकित अनुसूची में दिए गए वार्डी महिन तृश्णूर में विम्निलिखित नए आयक्र जार्यालयों का सूजन दिया जाएगा —

# अनुसूची

क्रम० सकिल का नाम सं०		रीक्षी <sup>ह</sup> सहायक आयुक्त का रेंज
1 2	. 3	4
1. आयकर सक्ति——I तृष्णा ्र	आयकर कार्यालय, ए-वार्ड आयकर कार्यालय, बी-वार्ड आयकर कार्यालय, मी-वार्ड आयकर कार्यालय, डी-वार्ड आयकर, कार्यालय, ई-वार्ड	निरोक्षी सहायक आयुनत, तृश्यूर रेंज तृश्यूर।
2. आयकर सफिल-II त्रृण्यूर	आयकर कार्यालय ए∽वार्ड आयकर कार्यालय, बी–वार्ड	निरीक्षी महायक तृश्णूररेंज, तृश्णूर

2. यह अधिसूचना दिनांक 15-4-1986 से लाग होगी।

एम० जे० मासन कोचीन, आयकर आयुक्त प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, तहाकक मायकर आव्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० मर्इ- 1/37-ईई/7746/85-86--मत:

मुझे, निसार श्रहमद

नावकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके शवात् 'उनत अभिनिवन' कहा गया हैं), की भाख 269-च के नभीन तकन प्राधिकारी की यह जिल्लास करने का कारण है कि स्नावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार नृत्व 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 122, जो. 12वीं, मंजिल ग्रौतीनगर, ए-विंग 98 नेपियनसी रोड, मलबार हिल बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रौर इत्तसे उपाबद्ध श्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर भिंध नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं दिनौंक 28-8-1985

को कुर्वेक्स बस्वीस के उचित नाजार मूल्य से का के व्यवसान प्रतिकाल के जिल् अन्तरित की गई है और मुक्के कह विकास अरने का कारन है कि यथापूर्वोक्स सम्बर्धि का उचित्र नाजार भूरूव, इसके व्यवसान प्रतिकाल से, एंडे व्यवसान प्रतिकाल का गंबह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और नंतरिती (अन्तरितिवा) के बीच एंडे अन्तरन के लिल् सब बाबा गया प्रतिकाल, निक्कासिवास उद्वेष्ट्य से उच्या अन्तरण जिल्हित में बाल्यानिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुर्द किसी आम की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कनी करने वा उत्तते वचने में कृषिभा के लिए; और/वा
- (क) एती किसी जाव या किसी भन जा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा जकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कभीम, निम्निसिक क्यक्तियों, अर्थात ु⊶ (1) श्रीमती स्मिता जितेंद्र झवेरी।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती ग्ररूणा के० झवेरी, यामिनी के० झवेरी। नोता के० झवेरो श्रौर मोना के० झवेरो। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रोमतो स्मिना जे० झवेरी। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविभि बातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की बविभ , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति ब्राह्म स्वारा;
- (थ) इत त्र्वना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उपत स्थानर बम्मीत में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताकरी के पात सिसित्त में किए जा तकोंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभितिवस के अभ्वाद 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उक्त अभ्वाद में दिवा गवा है।

# अनुसुषी ं

फ्लैट नं 122, जो 12वीं मंफिल, शाँसी नगर नरोमन ए-विंग, 98 नेंपियन सी० रोड, बम्बई-७में स्थित है। श्रन्सूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/7288/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई हारा दिनौंक 26-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1 बस्बई

दिनौंक : 2-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) ही भारा 269-म (1) के नभीन त्यना

#### नारत प्रस्कर

#### कार्यासय, बहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 2 ग्रप्नेंल 1986

निदेश सं० प्रई-1/37ईई/7623/85-86--- अतः :

मुझे, निसार श्रहमद भायकर विश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्जे इसके पश्चात् 'उक्त विश्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम श्रीभकारों को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604 जो 65ी मंजिल, राजमाला प्रिमायसेन को० ग्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, 87-बी० नेपियनसी रोड, यबम्बई 6 में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 14-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रितफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विस्तात कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का अभित बाजार कुन्ब, उसके क्यमां श्रीतफल से, एसे क्यमान श्रीतफल का बन्दह श्रीतसत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरल से सिए तब श्रीवा गया श्रीतफन, निम्नसिवित उच्चेक्व से अक्स बन्तरण विचित में शस्तविक कम से किंपित नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरूप ने हुई कियों बाव की बावत, अथव वीधिनवन के वधीन कर दोने के बन्तरूक ने दायित्व में कमी करने मा उत्तवे बचने में पृत्तिका के विष्णु: बीर वा/
- (भ) ऐसी किसी बाब वा किसी भन वा बन्य बास्तियाँ करे, चिन्हें भारतीय बायकर बिधीनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फ्रियाने में सुविधा के सिष्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—- (1) श्रो टी० बो० एस० यापर।

(अन्सरक)

(2) श्री राजेश मणिलाल सोनी, श्रीमती मंजुला एम० सोनो भ्रौर श्रोमती भारतो विनोद सोनी। (श्रन्तरिती)

क्यों कह कृषना क्राक्की कालके पूर्वोक्त प्रंपरित के वर्षन के लिल कार्यनाहिना करता हुई।

उन्त कमरित में अर्थन के बंबंध में कोई भी जानेन ह---

- (क) इव स्वमा के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की स्वीप वा तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर तृत्वना की तानीस से 30 दिन की नवीय, को जी जबिप बाद में बनाया होती हो, से जीवर प्रोंक्य व्यक्तियों में से किसी स्वीपत हवारा;
- (च) इस तूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच थं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर धंपीता में हितबहुभ किसी कन्म व्यक्ति ह्यारा नभोहस्ताक्षरी के भारत निवित में किए या नकोंगे।

लक्किरण:--इसमें प्रवृक्त कर्जी बीए वर्षे का, को उक्त मीर्थीनवन के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा है उस सभ्याय में दिया सबा है।

#### वयुक्की

फ्लैट नं० ६०४, जो ६5ो मंजिन, राजमाला जिलायनेव को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० नेपियनसो रोड, बम्बई ६ में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी कि सं० श्रई-1/37–ईई/7169/85–86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 14–8–1985 द्वारा रजीस्टर्ड किया गया है।

निमार श्रहमड सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) श्रर्जन रेंज∼1, बस्बई

दिनाँक: 2-4-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 2 ग्रप्रैल 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/7810/85-86---श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1607, जो, 16वीं मंजिल, पंचरत्न को-भ्राप० हाउनिंग सोनायटी लि०, मामा परमानंद मार्ग, श्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (भीर इसने उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), भीर जिलका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 30-8-1985

द्यों पूर्विक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अंतरण स हुइ ाकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; गौरू/यां
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

 अतः विक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, ां, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपशास (०) के विधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, विश्वीत् :--- 1. श्री गणेशभाई एम० पटेल

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स विनस जॅम्स

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं रे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्याकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, श्रो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### **न**न्स्ची

प्लैंट नं० 1607 जो 16वीं, मंजिल, पंचरग्तन को० भ्राप० हाउसिंग सोतायटी लि० मामा परमानन्द मार्ग भ्रपेरा हाउस बम्बई-4 में स्थित है।

म्रानुसूचो जैनाकी कर संर म्रई-1/37-ईई/7348/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 30-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनौक: 2-4-1986

्रश्रम्प आहें.टी.एम.एस.,-----

मायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत संस्थार

# फार्नाजय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/5576/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 402, जो गाडी पार्कींग खुली जगह नं० 14, के साथ रहेजा चेंबर्स 215 नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनूसूची ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम 1961 की धार 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजीस्ट्री है। दिनौंज 8 ग्रामस्त 1985।

करे पूर्वी ... तस्पारत के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई ही बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक ही बार असरक (अतरकार) प्रार अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निसिक्ति उद्योध्य से उक्त बन्तरण मिकित में बास्त-विक रूप से करिश्त नहीं किया नया है हि—

- (क) अन्तरण से हुद्दें किसी आग की, बाधत, स्वक्त भीवनियप के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिद्ध; बौदः/कः
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृविभा के सिए;
- अत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीनंद बाल एच० केबा,श्री श्रशोक एन० केला श्री सूभाष एन० केला श्रौर श्री किशोर एन० केला:

(श्रन्तरक)

(2) मोंटरोझ ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लि०। (अन्तरक)

को यह सूचना पारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्ताय के जिल् कार्यवाहियां सूच करता हो।

क्षमत संपत्ति के अर्थन के संपंध में कोई भी शतकाष 2---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (च) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकोंचे।

स्पच्छीकारणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुस्ची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 402, जो खुली जगह गड़ी पार्कींग के लिए नं० 14 के साथ इमारत रहेजा चेंबर्स 213 नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/7132/85-86 श्र<sup>१</sup>र जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 8-8-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रैंक-1, बम्बई

विनांक: 2-4-1986

प्रचल नाइ.टी.एन.एस.-----

विकास क्रीभीनवन, 1961 (1961 का 48) की भारा 269 म (1) के क्रमीन क्रमना

#### भाषत सरकार

### नार्वासय, सञ्चान वाचकर काकूनक (निर्माण)

श्चर्णन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 2 श्चर्येल 1986 निर्देश सं० श्चर्य-1/37-ईई/7730/85-86--श्चतः, मुझे निसार श्चरमद

बावकार मिनियम 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्थे इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा नमा हैं), की धारा 269-व में नभीन तकान मनियकारी की वह विश्वास करने था भारण है कि स्थासर सम्बद्धित, विश्वता उपित सामार मूज्य 1,00,000/- का से जरिनक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्याश्यय नं० 1516 जो 15वीं, मंजिल, मेकर वेंधर 5 नरोमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है). ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थिती सक्षम प्राधिकारी के कायोलय में रजीस्ट्री है, दिनौंक 22-8-19転5 को पूर्वोक्त तभ्यीतः के उक्तिः बह्वार श्रुत्य हो कन के अध्यमान प्रतिकल के लिए अंबरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि बधावृज्ञाक्य सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कथमान प्रतिकल से, एते कथमान प्रतिकल का पन्तक प्रतिकत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (मंतरितियाँ) के बीच एोबे अंतरण के लिए तब पासा गया प्रतिकास, निम्नतिबित उद्वोदय से उस्त संतरण लिबित में श्रास्क्रविक क्य से कथित नहीं किया नवा है :----

- (क) बंतरण ते हुइं विस्ती नाव की वायख, उपख जीभीनवम के अभीन कर देने के अंशरक के दावित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा को सिह;

वतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण क्री, क्री, डक्त अधिनियम की भारा 269-ग उपभारा (1) क्री वधीत, निस्त्रसिचित व्यक्तिस्तियों स्थापित रू—  श्रो ग्रदुल हकीम कुक्डा और श्रीमती श्रवेदा बाबु हकीम कुक्डा।

(ग्रन्तरक)

2. बाबी इंटरप्राथजेस।

(भ्रन्तरिती)

3. ध्रन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाबन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्वीक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त न्योक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इत स्वता, के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय है 45 किन के भीतर अनत स्वाधर सम्माता में दिया-बक्का विक्षी सम्ब कारिक क्लाध सभोहरवाकारी -शव निविद्य में किए या तकारी।

स्वक्रीकरणः----इतने त्रयुक्त क्रकां शीर वधाँ का, जो उपर अधिमित्रम को तथ्याय 20-क में परिमाधित हैं। कहीं वर्ष होना को उन्न सभाव में विका क्या हैं।

#### वनसूची

कार्यालय नं० 1516, जो 15वॉ, मंजिन, मेकर चेंबर्स 5, नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है । धनुसूची जैसाकि ऋ० सं० फ्रई-1/37-ईई/7270/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्गई द्वारा दिनौंक 22-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक: 2-4-1985

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस.-----

**बायकर जीधनियत्र, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-म (1) के बभीन तुचना

भारत सरकार

कार्यात्सम् , सहायक आमकर आवृत्तः (निद्रोक्षण)

श्रर्जन रंज-1. बम्बई बम्बई, दिनाँक 2 अप्रैल 1986

श्रई- 1/37- ईई/7652/85- 86--श्र**त**: निर्देश मुझे, निसार श्रहमद

अप्रकार नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) (यिव इतमें इसके परवात् 'उक्त जीभनियम' कहा गर्वाह"), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मुस्य 1,99,●●9/- क. से अभिक ही

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 702, जो 7वीं, मंजिल, रिजेंट चेंबर्स प्लाट नं० 208, ब्लाक 3 नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित (और इसमे श्रनुसूची' में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजस्दी है दिनांक 16-8-1985।

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उनित बानार मृत्य से कम के दहसमान प्रतिफल के सिए कॅलरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि नभाप्यॉक्त सम्पत्ति का उचित वाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिप्तियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकन, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है है---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त निधिनियम की नभीन कर दोने को अन्तरक के दारियल में कभी करने या उससे अधाने में सविधा दायित्य के लिए; और/या
- (क्र) एेसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तिकों को जिन्हें भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपन आविकायम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविष्ट वें सिद्

बतः वय, उन्त वीधीनवन की धारा 269-ग के वन्तरण 🐔, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उफ्धारा (1) दे सभीतः, जिस्तिलि**वितः र विका**र्यः, त्र्वात् स्त्रा

- (1) श्री ए० बी० बालन और श्री जानकी बालन। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स मधीन फैब्रीय पालीग्राफ (श्राइ) लिमिटेड। (भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की बर्गीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चलाकी तानीम से 30 दिन की अवधि, जो भी क्यरिंभ बाद में समान्त होती हो, में भीतर प्रवेशिय **व्यक्तिकार्ज में से किसी व्यक्ति** बुवारा;
- (व) इस त्वना के रावपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी जन्म व्यक्ति व्यापा, अभोइस्ताक्षरी के पास सिष्धित में किए जा सकेंने।

<del>राज्यीकरणः-----इतर्वे प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उपत</del>े वर्षितियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिशा त्रवा 🗗 🔝

# नग्रुखी

कार्यालय नं० 702, जो, 6वीं मंजिल, रिजेंट चेंबर्स प्लाट नं० 208, ब्लाक नं० 3, नरीमन पाइंट, बम्बई-21मे स्थित है।

म्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/7197/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-4-1986

प्रक्य आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 2 प्रप्रैल 1986

निदेश सं० ग्रर्ছ-1/37—ईई/7602/85—86—-ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 38 जो 3री, मंजिल, अँटलांटा इमारत प्लाट नं० 209, नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के घ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है

दिनांक 9-8-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से निभक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अब्बेक्य से उक्त जन्तरण सिचित में बास्तिक क्ष्य से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; बार/धा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अव, उक्त शिक्षितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तितयों, अधीत क्ष---

- (1) मेससं जेंद्रन लेंबोरेटोरीण प्राइवेट लि ०। (ग्रम्तरक)
- (2) मेसर्स रिव शिक्ष पेपर मिल्स प्राइवेट लि०। (अन्तरिती)

नन्ने यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याग अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में रिए जा सकीगं।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुत्त्वी

कार्यालय नं० 39, जो, 3री मंजिल, घटलांटा इमारत प्लाट नं० 209, नरीमन पाइंट बम्बई-21 हू स्थित है। प्रनुसूची जैसांकि क्र० सं० दर्द-1/37-हैई/7146/85-86 और जो लक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजीस्टई किया गया है।

निसार श्रहमब सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-4-1986

# प्रस्प नार्दं .टी . एन . एस . ---=-----

आसकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्फ् बम्बर्फ्, दिनांक 2 अप्रैल 1986 निदेश सं० अर्फ्-1/37-ईर्फ्) 7601/85-86-अतः मझे भिसार अहमद

अगयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं कार्यालय नं 31, जो, 3री, मंजिल, अटलांटा 209, नरीमन पाइटट बम्बई—21 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीए पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजीस्ट्री है। दिनांक 8-8-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्व , उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्व , उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्व के किया विश्व के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्होच से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मीनयम के अधीन कर घंने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर 'नम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 3---5601/86

- (1) मेसर्स जेट्रान सुबोरेटोरीज प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स रिव शशा पेपर मिल्म प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रिष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

कायिसय नं० 31, जो 3री, मंजिल, अटलांटा 209, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है। अनुसुची जैसाकी क० सं० अई-1/37-ईई/7145//85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 9-8-1985 को रजीस्टई िया गया है।

निमार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंल्-1, बम्बई

दिमांक: 2-4-1986

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.---- -

आप्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्वा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज्-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7758/85-86--अत: मुझे निसार अहमद

क्षेत्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे असर्थे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन दक्षण प्रतिभकारी को यह निक्यास करने का धारण है कि स्थापर सम्पत्त, जिसका उजित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संव कार्यालय नंव 31, 37, ग्रीर 38, री, मंजिल, अटलांटा इमारत प्लाट नंव 209, नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित हैं। (ग्रीर इसमे उपाबद अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। दिनांक 27-8-1985

भे प्रॉक्त सम्मित के विश्व बायार मृज्य से कम के सम्मान अतिफल के लिए बंतरित की मर्च है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोंन्त सम्मित का उमित बायार मृज्य, असके क्रयणान पतिकल से एने अप्रयान पतिकल का निव्ह प्रतिकत ने अभिक है और मंतरक (बंतरका) और बंतरिती (जन्तरितिया) के जीप एंडे अन्तरण के निष् तब पाना बचा अतिकल, विम्निनिवित उन्हों के स्वयं सम्बद्ध है है कि

- (क) विश्वपण से हुइ किसी बाद की वाक्स, क्या किय-विश्वस कें बभीन कर दोने के वेतरक के दासिक की कमी करवे वा उससे दभने में सुविधा की किए; बॉर/न।
- (क) एती किसी जाव या किसी भन या बच्च आस्तियों की चिन्हों भारतीय आयकर निभिन्नमा, 1922 (1922 का 11) वा उस्क अभिनियम, या अन- कर अभिनियम, या अन- कर अभिनियम, रा अन- कर अभिनियम, रा अन- कर अभिनियम, रा अन- कर अभिनियम, रा अन- प्रतिस्ति इंगारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, कियाने में मुजिया के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) रिव शिश पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) बॅन्क आफ ऋेडिंग एण्ड मामर्स इंटरनेशानल (वेअर सिस) लि॰

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहैं)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यक्ति में से किसी का उत्त द्वारा
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन को तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित के किए या दकीचे 1

स्वक्रिकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जी अच्छ विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका वशा है।

#### जगस जी

कार्यालय नं० 31, 37, श्रीर 38 जो, 3री, मंजिल, अटलांटा इमारत प्लाट नं० 209, नरीमन पाइठट बम्बई-2 में स्थित है।

अनुभुची जैमाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7300/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-4-1986

# प्रकृष् आहो ् टो .. एन . एन . ----

# आयकर अधितियम 1961 (1961 का 43) की 269-क (1) के अभीन स्वना

#### भारत चडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्षेश सं अई-1/37-ईई/7580/85-86--अत: मुझे, निसार अहमद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पत्रभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उफिर बाजार मूल्य 1,,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रांर जिसकी संव कार्यालय नंव 84 जो 8वी, मंजिल, मित्तल चेंबर्स नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीर इसमे उनाबद्ध अनुसूची में ऋार पूर्ण रुख से वर्णित है), ऋार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्दी है। दिनांक 8-8-1985

का प्रवक्ति स्पोत्त क उचित बाजार मस्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोचित सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुन्दै किड़ी जाव की वावस, उत्थव मिभिनियम को अभीन कर दन को सन्तरक को दाक्तिक को कनी करने वा उत्तते बचने में सविधा के निए; और/या
- (का) एंसी किसी जाम या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जलरा अधिनियम. या भन-कार विभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे सिए;

अक्षः वयः, जेवतः वीधीनवत्र की भारा 269-ग के वन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मती सुनीला खोसला।

(अन्तरक)

(2) बैंकों इंजीनियर्स।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ा---

- (क) इत सचाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी क्यींनातयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जविध, जो भी वयि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्त) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति एवारा अभोहस्ताक्षरी निधित में किए वा सकते।

लक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जायकर कि धिनियम के अध्याय 20 - क में परिभावित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया नवा है।

# अनुसूची

कार्यालय नं० 84, जो 8वी, मंजिल, मित्तल चेंबर्स निरीमन पाइंट, बम्बई-21 मे स्थित है। अनसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7126 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-4-1986

#### प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन सुबना

भारत सरकार

# कार्याक्षय, अहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंध-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निर्वेश सं० अई--1/37-ईई/7582/85-86--अत: मुझे निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), जहीं भास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

प्रांर िसकी सं ायित्य नं 97, जो 9वी, मिलल, बजाज भवन नरीमन पाइंट बम्बई—21 में स्थित है। (ग्रांर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से बणित है), ग्रांर जिसका जरारनामा आयकर अधिनियम 1961. की धारा 269 ज, घ ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 8-8-1985 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के कार्याम शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं। बिनांक का जीवत बाजार मृख्य से कम के कार्याम शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकार) बार अतिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उसत बन्तरण सिकत में बास्तिक स्था से कथित नहीं दिना नया है दिन्त

- (क) जनसरण सं हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बासित्व में कमी करने वा उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

कतः वभ, उक्त विभिनियम की भारा 269-त को अनुसरक को, मी, उक्त व्यक्तियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभृति ॥ ~ (1) मेसर्स गौरी सिन्स भागीदार श्री शिष्टान चन्द गुप्ता विमला देवी सुशील कुमार गुप्ता श्रीर विनोद कुमार गुप्ता।

(अन्तरक)

- (2) लक्ष्मण भाई कन्स्ट्रक्शन इंडिया प्राइवेड लिमिटे। (अस्तरिती)
- (3) अन्तरिती। (वह ज्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी मास्रोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी क्येक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्येक्सि ब्वाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थाबिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्वाय 20 क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 97 जो, 9वी, मंजिल, बजार भवन नरीमन बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-1/37-ईई/85-86-7129/85-96 क्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-4-1986

थस्य **अह**ि टी. एन. एस.: -------

# भायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ शारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### नारल करकाह

कार्यात्तय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, धम्बई बम्बई, दिनांक 7 अप्रैल 1986

निर्देश पं० अई-1/37-ईई/7821/85-86-- अतः

मुझे, निसार अहमद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण्य हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका अधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जितकी तं ज जनीत हा हिस्सा प्रिमायसेस जो, स्ट्रक्चर्स के ताथ वन्द्राय बडावा पोटी एउनं ० 75 (स्रंश) 81, 86, स्रार 88 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपबद्ध अनुसूची में सीर पूर्ण रुप प विणित हैं), सीर जिसका करारतामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 30-8-1985

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्केंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पामा गया प्रतिफल, निम्निशिवत उच्दिय से उच्त कन्तरण शिवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ध--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी जाय या भन या जन्य बास्तियों को, जिल्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था किया जाना चाहिए जा, जिलाने जे स्विता के दिवह:

बतः बन्न, उपस विभिन्यम की धारा 269-न भी बन्दरन में , में , इक्त बिधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन , निम्नलिबित व्यक्तियों, अवस्ति क्र— (1) भेसर्स जनक मैन्युफक्नरीग वर्क्स।

(अन्स्प्रः)

(2) मेसर्स अंकीत इंटरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

- (3) मेसर्स मेटलबतुसु इंडिया प्रांश मेसर्स कास्मेटीनस (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) देना बैंक सायन शाखा। (वह ब्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्लाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हां।

**उक्त संपत्ति के अर्जन के** संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पाल निस्ति में किए जा सकींगे।

स्थलाकरणः — इसमें प्रमुकत शक्यों माँर पर्यों का, जो उक्त व्यापितवन, के बभ्यान 20-स में परिभाषितः हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही,

#### अमृस्ची

जमीन का हिस्सा ग्रीर प्रिमायजेस जो स्ट्रक्चर्स के साथ अन्टाप हिल बडाला सीटी एम० नं० 75 (ग्रांश) 81, 86, ग्रीर 88, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं० अई-1/37-ईई/7359/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विश्तांक 30-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निनार अहमद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंग-1, बम्बई

दिनांक: 7-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1बम्बर्ध बम्बई, विभाक 2 अप्रैल 1986 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7603/85-86--अत: मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सठ० कार्यालय नठ2 37, जो, 3रा, मंजिल, श्रयलाटा इमारम त्लाँट नं० 209 नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध अनुसुषा में श्रीर पूर्ण रुप से विजित है), ग्रीप जिसका गणिकामा आयकर अधि-शिम 1861 की धारा 269 है, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजास्कृ है (दिनांक 9-8-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, "नम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

- (1) मैंपर्स जेट्रान लेबोरेटोरोज प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स रिव शक्षि पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

कार्यालय नं० 37 जो, 3री, मंजिल, अटलांटा इमारत प्लाट नं० 209, जो प्ररीमण पाइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं। अनुमुची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7147/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼1, बम्बई

दिनाक: 2-4-1986

प्रकार नार्यं हो हो । एस् , एस् ह = = = = =

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के सभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर वायुक्त (निष्टीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 अर्प्रैल 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7734/85-86--अत: मुझे निसार अहमद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं व ब्लाक नं व 48, जो 5वीं, मंजिल, प्रेम-मिलन 87-बी व नेरियन्सी रेड बम्बई-26 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में श्रौर पूर्ण कर से विणित है), श्रौर जिसका कराण्यामा आरयण अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिमांक 26-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बालार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाबार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्षयमान प्रतिकल का नन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिए में पास्तविक रूप से क्षिक महीं किया गया है क्ष--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बान कर बाबल, उक्त अभिनियम के बधीन कर बामें के बच्चरक के बामित्व में कमी करने या उक्त वचने में कृषिना के लिए; और/वा
- (ख) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिलाने में मुविधा के लिए:

अत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाल (1)। अं तथीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ह—- (1) श्रीमती सुधाबेन के० आगा।

(अन्तर्क)

(2) श्री दिलीप पी० शहा श्रीर श्रीमती उपा दिलीप शहा।

(अन्तरिती )

(3) अन्तरक। (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थंथ के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

स्वत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वांत के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की शविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वांत की तासील से 30 दिन की अविभ , जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवंकित व्यक्तियों में से किसी क्विकत व्वारः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए या सकने।

स्विधिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, भी उक्ष अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा, को उस सध्याय में दिया बना हैं।

### जन्तुची

ब्लाक नं 48, जो 5वी, मंजिल, प्रेंम-मिलन 87 बी० नेपियमसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-\$ $\frac{1}{2}$ 7-\$ $\frac{1}{2}$ 7-\$ $\frac{1}{2}$ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रैंज–1, बम्बई

दिनां क : 2-4-1986

# मक्त वार्वं दो पुरु पुरु ::------

# ापकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाहा 269-म (1) के स्थीन सुचना

#### भारत बहुनमह

कार्यालया, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिमांक 2 अप्रैल 1986

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/7581/85-86--अत: मुझे निसार अहमद

क्षांश्कर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रांग शिसकी सं० फ्लैंट नं० 153, जो 15वी, मंजिल, लिलाम अपार्टमेंट तफ परेड बम्बई-5 में स्थित है (भीर इसले उपाबद्ध लनुसूची में श्रांर पूर्ण रुप मे वर्णित है), श्रांग जिल्हा जगानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ज, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के ार्यालय में रजिस्ट्री है; दिसांक 8-8-

का पूर्विका सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम को स्थमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य उसके क्ष्यमान प्रतिकल सं, एसे स्थमान प्रतिकल का क्ल्यूझ प्रतिकात सं अधिक है और जन्तरक (जंतरकाँ) जार वंतरिती प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जंतरकाँ) जार वंतरिती प्रतिकात से अधिक है जार जन्तरक (जंतरकाँ) जार वंतरिती प्रतिकात से अधिक स्थाप के सिए स्थ पावा गया प्रतिक कम निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में वास्तिक क्ष्य से किश्त नहीं किया गया है क्ष्य-

- (क) धन्यारण ने हुई किसी नाय की नान्त उपत अधिनियम के अभीन कर दोने के वन्तरक के योगित्य में क्यी करने वा उचार देवने में वृतिभा के किए; और/वा
- भिन्ही किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तिनों को, जिन्ही भारतीय नायकर निभिन्नित , 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की उसोधनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना वाहिए था, जियाने में कृतिका है जिहा;

अतः कथा, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण को, मौ, गक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को क्षीन, निम्नलिकिल स्थिक्बयों, अर्थीत् क्र-- (1)श्री श्रीकान्त शर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर एच० केवलरामानो।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितो ।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह क्षमा भारी करके पृथींकत सम्मत्ति के वर्षन से निम् कर्मवाहियां सुरू करता हूं।

# उक्त बन्गरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बास्रेय ह---

- (क) इस बुक्ता के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर तृक्ता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षारी को पास सिवित मों किए वा सकोंने ।

स्वक्दीकरण:—-इसमें त्रयुक्त सम्बों वरि पर्यों का, को अक्त कांभीनिक्स, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### श्रनस् ची

फ्लैंट नं० 153, जो 15वीं, मंजिल, सतनाम अपार्टमेंट कफ परेड बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर सं० अई-1/37-ईई/7128/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 8-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

िंसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 2-4-1986

प्रकम् बार्षः, स्त्रीः, स्त्राः, एषः, न्यान-न्याः

भाषकर विधियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### मारत सहस्रार

कार्याजय, सहायक जायकर वायुक्त (विरोक्तक)

अर्जान रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिशांक 2 अप्रैल 1986

मिदेण सं० अर्ह-1/37—र्हर्ष/7800/85—86——अत: मुझे, निसार अहमद

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'सकत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन, सक्तम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका स्विधा वाकार बक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15 जो सुनीमा इमाप्त, एक परेड, बम्बई-5 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञा है), श्रीर िहान अराध्यामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन अमबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में प्रजीरेट्री है, दिमांक 29-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्षयमान बितकस के सिए बन्तरित की गई है और मृत्रे वह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्कोक्त संपत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकृत का बंद्ध प्रतिकृत से बिधक है और बन्दरक (जन्तरकों) और कशारिक्षी (बन्द्रितिकों) के बीच एसे अभ्यरण के बिए तम शाबा बन इतिकश्च, विक्निसिचित् उद्वर्षक से उस्त क्न्द्रम् सिचित में वास्त्रविक रूप से कीशत बढ़ी किया ग्या है क्रू

- कि सम्बन्ध के अपने कियों करने की बावाय काथ समितियान की अभीन धार वीमें की अम्बन्धक की दायित्व में कमि असने या उससे बचने मी सजिधा को लिए; बार्डिया
- (क) एती किसी जाव ना किसी भन या जस्य जारितकों को, जिन्हों भारतीय नाव-कर निभिन्नका, 1922 (1922) का 11) या उपरः निभिन्नका, 1922 का 12) या उपरः निभिन्नका, 27) के मुक्तेयनार्थ अपरिश्त क्यारा प्रमुख नहीं किया स्था भा या किया जाना नाहिए भा कियाने में त्विभा के किया।

क्षतः स्वयः, उपता विधिविषयं की पाराः 269-थं क थनुस्रथं कें, में स्थल विधिविषयं की भाग 269-वं की उपभाशः (1) वं अभीकः विकासितिति व्यक्तिकाँ, वर्षाकः । । 4—56GI/86 (1) श्री िश्चम जी० रामचन्दानी र्ग्नारः श्रीमती लक्ष्मीवार्ष्ट बी० रामचन्दानी।

(अन्तर्ह)

(2) श्री एम० एल० पटवारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया एम करका हूं।

#### उपन्त सम्पन्ति को बर्चन को सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की दारीख सं 45 विन की अवधि वा स्टब्स्टरमी स्वन्तियों पर कृपना की तामीच से 30 दिन की अवधि में भी वधि वाद में स्वाच्या होती हों, की भीतर वृज्यों कर क्विस्टर्स में से किसी खासित ब्यास:
- (का) इस सचना के समयन में नकाशन की तारीक में 45 विश्व के भारार अक्त स्थावन सम्मात्त में दूराबद्ध किसी सम्मा कार्यका द्वारा अभाहस्ताकारी के ताल निवास में किए जा सकाँगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी रक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

#### प्रमसुची

फ्लैंट न • 15, जो सुनीता इमाप्त कफ परेड सूनीता को० आप० हाउर्फिंग सोसायटी लिमिटेड, इफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुनुची जैनाकी करु सरु अर्ड-1/37-ईर्ड/7339/ 85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-8-1985 को रजीस्टर्ड जिया गया है।

> ित्यार अहमद अक्षम प्राधिकारी महायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंज-1, बम्बई

दिमांक: 2-4-1986

अ**स्प बाह**ें. टी., **एव**ं, **एस**ं,------

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

### कार्बालय, सहायक आयक्तर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निदेश सं० अई-1/37~र्डि/7628/85-86-अत: मझे, निमार अहमद.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-ल की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तब्यति, जिसका उचित बाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

न्नीर जिसकी स० फ्लेट नं० डी० 205 जो, 2री, मिजिल, सिमला हाउस ने पियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रीर इयमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रीर जिसका करारणाम आयकर अधिक्यिम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 14-8-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरशमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वात अर्जे का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल का पंच्छ प्रतिकृत ने अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितयाँ) के शीच एोसे बंतरिक के लिए सय पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक स्प से कथिस नहाँ किया गया है :--

- (क) वंतरण से हुई चिन्ती शास की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कार वाने की बंतरक के दासित्व में अभी कारने या उससे वजने के सुनिध्य के सिए; जॉर/बा
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन वा जन्त हास्तिकों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस मूभिनियम, या भन्न जर व्यथिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

बतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुनिर द्वए० वल्बर्ट।

(अन्तर्क)

(2) हेलेन्द्र डी० शहा ग्रांर श्रीमती वोषीका एच० साह। (श्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के निष् कर्मवाहियां करता हूं।

धक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बद्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) रह स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं 'स्थी स्थित ह्वाप,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त संधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे को उस अध्याय में दिया।

# **प्र**नुसू भौ

पलौट नं० डी० 205, जो 2री, मंजिल, स्मिला हाउस नेपियातसी रोड, धम्बई—6 में स्थित है।

अनुसुची जैनाकी कर सर अई-1/37-ईई/7174/ 85-86 ग्रीर जो ाक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसीम 14-8-1985 की रजीन्टड रिया गया है।

> ित्राण अहमद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज⊶1, बस्बई

दिनां ह : 2-4-1986

भारत सहकार

अमिन्य. सहायक वायकर बाव्यत (विरक्षिक) अजन रेंज-1. बस्बर्ट

बम्बई, दिनाक 24 मार्च 1986

निवेश सं० अर्ड-1/37-ईई/7619/85-86-अत: मुझे, निसार अहमद,

कायकोर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विनेते इसको इसको पश्चात, 'उन्त अधिनियन' कहा गया हु"), अर्थ धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका जीचत बाचार मुख्य 1.00000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं क फलट नं कि 2, जो, 17, बी, मंजिल, जयवंस अपार्ट में हम् सादण्य के को गांच सुलसीवाडी भाडदेव रोड, बम्बई—34 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्थित हैं), श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है। दिना 12-8-1985

की पूर्वोक्ड संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के **स्थमान** प्रतिकल के लिए अंतरित की गई

है और मृत्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाबार मृत्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से ऐसे श्रवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंत-रण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबस, उक्से अभिनयम के अभीन कर दर्ज के अन्सरक के दार्थित में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा ये लिए, बाँद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उतः अधिनियम या धानकर अधिनियम विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, जिनाने में नौक्यों के लिए;

गत भेड, उक्ष्म विधितियम की भाग 260-ग सै अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीश, निम्मिनियत स्थितस्थां, अर्थात् ॥——

- (1) मार्स ायवंत डेब्ह्लायमेंट जापेरिशन। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स मारको।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त बम्पत्ति के वर्षन के किर कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालंग :----

- (कं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रेंब के व्यक्तियों में ही किसी स्थित बुवादा;
- (क्ष) इस मुखना क राजपण में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धध किसी अन्य व्यक्ति इवारा वाधोहस्ताक्षरी के याद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिशासिक हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय मी दिया क्या हैं।

#### अभसुची

पलट नं० 2, जो, 17वी, मंजाल, जयबंत अपार्टमेंटस दादरपर कांपाउंड तुलसी वाडी नाडदेव रोड, बम्बई--24 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7164/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिजारी बम्बई हारा दिनांक 12-8-1985 को रजस्टिई िया गया है।

> सिसार अह्यद मक्षम प्राधि हारी महाय हे आयंार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीत रेंज—ं, बम्बई

दिनांक: 24**-3-198**6

म**रून बाई** दी. **ए**न पृत्र ०००००

# प्राम्थार मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की पाच 269-म (1) के मंधीन मुचना

#### भारत चर्चमर

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंग--1, बम्बई

बम्धई, दिनांक 24 मार्च 1986

निदेश मं० अई--1/37-ईई/7737/85--86---अत: मुझे, निसार अहमद,

भामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीप जियकी सं पलैट नं 2 जो 18वी, मंजिल, ष्रययंत अपार्टमेंटस् दादरवर कंपाउंड तुलसीवाडी ताडदेव रोड, धम्बई 31 में निरा है (प्रीप इसते उताबद्ध अनुसूची में ब्राँप पूग रूप त विणित हैं), ब्रौंप जिसका कराएतामा आयक्य अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिलांक 26-8-1985

का पूर्वोक्त सम्पति के उपित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह क्षित्रास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मृख्य, उनकं दृश्यमान प्रतिफल से, एसे पृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह पितगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स आंधिनियम के संधीन कर दन के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उसके अचने में सविधा क (अध्: ब्लॉर/बा
- (था) एंसी किसी भाग या किसी भन वा क्रम्य आस्थियों अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोज-नार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा मा किया जाना चाहिए था क्रियाने में नुविधा के लिए?

- (1) भेगर्स गयवंत डेब्ह्लोपमेंट जा**पॅरिश**न। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रमोद जगवंतलाल ग्रहा ग्रौर श्रीमती कोकिला प्रबोध ग्रहा ग्रौर एस० पी० शहा। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाकोप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, तो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्ध स्विमतयाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिकित में किए जा सकेंगे।

स्वकासरणः — इसमे प्रय्कत सब्बों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

#### **धनुसू**ची

पलैट नं० 2 जो, 18वीं, मंजिल, जयबंत अपार्टमेंटस् दादरकर कंपाऊंड तुलसी वाडी ताडदेव, रोड, बस्बई-34 में स्थित है।

अनुसुची जैभाकी कर सर अई-1/37-ईई/7280/ 85-86 ग्रीर जी भक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 26-8-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 24-3-1986

# प्रकार बार्ड हो. एन. एन. ----

# भावसार सर्पिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थान

#### भारत संस्कार

# कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (मिर्दीक्रण)

अर्जन रेंग-1, धम्बई

भम्बई, दिनांक 24 मार्च 1986 निवेश सं० अई-1/37-ईई/7738/85-94--अत: मुझे, निमार अहमद

नानकर निधीनयन, 1961 (1961 का 43) (चितं इसर्वे इसके परभात् , 'उक्त निधीनयन' कहा गया है), की भारा 260-स ने नधीन समान प्रतिभकारी को, यह विधनात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका उचित नावार नुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप जिसकी सं ० पर्लंट नं ० 1, जो 18बीं मंजिल, जयबंत अपार्ट मेंटिया दाद्यप्राय के एउडंड तूलसी बाडी ताडदेव रोड बम्बई—34 में स्थित हैं (श्रीप इसके उपायद्ध अनुसुची में श्रीप पूर्ण कर के विजित हैं), श्रीप किसका क्याप्तामा आयक्य अधिनियम 1961 की धारा 269 7, खारे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 26—8—985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एमें ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्क में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के के जिए;

, अतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, किस्सीक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ्र—

- (1) में भा जयवंत डेव्हलोपमेंट नापरियान। (अन्सरक)
- (2) कोकीला प्रबोध गहा प्रबोध जे० सहा भीर एस० पी० शहा।

(अन्तरिती)

को वह बुचवा शारी करके प्यांचित इंपरित के वर्षन के सिह कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के सर्वत के तंबंध में कोई भी बाखेर :---

- (क) इत सूचना की राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की अविधि, को भी वविध बाद में समान्त होती हो, को भीतर प्रविक्त क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया बढा हैं।

#### बन्स्ची

फ्लट नं० 1, जो। 18वी, मीजिल, जयवंत अधार्टमेंटरा .बादरकर कंपाउंड तूलसी वाडी ताडदेव रोड, अम्बर्ध-34 में स्थित हैं।

अनुभुचो जैमाका ऋ० मं० अई-1/37—ईई/728185-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिलांक 26—8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद स**क्षमप्र**ाधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-1, बस्**बई**

दिनांक: 24 3 86

पक्रम शहरे तो . इस . एस . ------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की वधीन सुचना

#### बारव सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 24 मार्च 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/7726/85—86—अतः मुझे निसार अहमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आएण भ्रीकि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी फलैंट सं० फ्लटनं० 167, जो, 16वी, मंजिल, इन्टरप्रायजेस अपार्टमेंटस् फोर्जेट हिल रोड, ताडदेव बम्बई— 36 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रुप से विजिध है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिारीके कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 2~8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्त व अधिनियम के अधीन कर दोने के जुन्तरक बी शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा अक्षास्तर, क्षेत्र/कः
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिवधा के किए;

नत: जह, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मं, मं, जक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री सुरेश ग्रो० गहा।

(अन्तरक)
(2) श्री अतूल जयंतकुमार देसाई ग्रौर श्रीमती
गीता अतूल देसाई।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पृथांकत सम्परित के अर्थन के लिए स्थान सम्परित के सर्थन के संस्थान की फोड़ों भी साक्षीय :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारींख सं
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  बावधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकर,
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

त्थष्टीकरणः ----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हीं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लोंट नं० 167, जो 16वी, मंजिल, इन्टरप्रायजेज अपाटमेंटस् फोर्जेट हिल रोड, ताडदेव बम्बई-34 में स्थित है। अनुसुची जैसाकी क० सं० अई-1/37-ईई/7766/ 85-86 ग्रीए जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1985 को एजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 24-3-1986

भोहर:

्रऋष याहाँ० टी० एन्० एस०------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीय शुक्रका

भारत सरकार

कार्वालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 24 मार्च 1986

निदेण सं० अर्ड- 1/37-ईर्ड/7620/85-86--अत: मुझ, निमार अहमद,

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इकके प्रवाद (उपत सिधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर संस्थित विसका अधित बाबार मुख्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

भ्रीश विस्की संवपलेट नंव 2, जो: 1(की मिरिल, जयबंत अपार्ट मेंटर, दादरन्य कंपोड़ इ. त्वर्स काडी, ताडदेव रोड़ बम्बई-34 में स्थित हैं (ब्रॉल इससे उपायड़ अनुसुची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीप जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 209व, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिवस्ट्री है तारीख 12-8-1985

को पूर्विक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल को सिए अन्तरित को पढ़ें हैं जीर बूझे वह विकास कर. का कारण है कि बधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके क्यमान प्रतिकल से एसे क्वमान प्रतिकल का बंधह प्रतिकात से बाजिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल निम्नलिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बालायिक रूप स किथन नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती नाम की बाबत, उक्त निध-नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने एा उससे बचने में सुविधा के लिए कैर/बा
- (क) एली जिली प्राय या किसी थन या अन्य खान्तिकों अने प्रिन्हों भार पेट लायलार अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उच्ते बाधिनियस, या अनकर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा अकट नहीं किया वटा था वा किया बाना भातिए था कियाने के सुविधा के सिक्ट:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) केंडधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- मेतर्स जयवंत द्वेन्ह्लोपमेंट नापीरेशन।
  - (अन्तर्क)
- 2. मेमर्स मारको ।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अर्थाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन का तारीख सं 45 दिन के भीसर उदत स्थानर सम्प्रति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस जा करेंगे।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत जिमियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

पलैंट नं 2, जो, 16वी मंज्लि, जयवंत अपार्टमेंटस बादरहर कंपाउंड, तुलमीवाडी, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि क० सं० अई-1/37-ईई/7165/85-86 ग्राँए जो लक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिलांक 12-8-1985 को रिलस्टर्ड किया गया है।

निशार अहम्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिं—1, बम्बई

दिनां क: 24-3-1986

मा 🗀

प्रकृप बाइ . टी. एवं. एक . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

l बई, दिलांक 2 अप्रैल 1986

निदेश अई-1/37—ईई/4308/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिन्की सं० फ्लैंट नं० 191, जो, शायल महल वालामन पार्क को-आप० हाउसिंग सींमायटा लि०, 223, कफ परेश, बम्बई-5 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारोख 14-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति की उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब सामा गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण ने जिलत में बास्तविक रूप से कथिन नहीं कया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई निश्ती बाब की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसमे बचाने में सुविधा द्रायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय नार खिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा के सिए;

बतः प्रवं, उक्त वीधीनवव की भारा 269-व के जन्दरण ", धे उक्त लोधीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. तोतानो निमिटेड।

(अन्तर्क)

 श्री गोपाल िया गलुडिया और श्रीमती रंजना गलुडिया।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभंतरकाश्चरी के पास निकास में किए का सर्कों में

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उट्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं वही अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिक्ष गया है।

फ्लैंट नं० 191, जो, डायल महल, वालमल पार्क को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 223, कफ परेड, बम्बई 5 में स्थित है।

अनुसूची जेंका कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7176-ए०/ 85-86 थोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 14-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निमार अहमद अक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिना, बम्बई

**दिनां**क: 2-4-1986

# प्रकल कार्यो हो , युव , एव , क्लाउड

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक आयकार आपृत्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वम्बर्फ

बम्बई, विमांक 7 अप्रैल 1986

मिवेश सं ० अई-1/37ईई/7700/85-85-- अत: मुझेँ, मिसार अहमद,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सभन प्राधिकारी की, यह. विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उन्तित बाधार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं ० खुला जमीन का हिस्सा, जिसका विस्सार 6989 चौ ० मीटर, जो इमारत, शेंडस, यूनिट्स, ग्लास स्ट्रेन्स के साथ, जिसका एस० नं ० 1390 (अंश) और 1/1392 (अश), वावर डिविजन और एफ० पी० नं ० 488 (अंश) और 489 (अंश), टी०पी०एस० 45, हिम डिवीजन और असेस्ड अध्यर जी० वार्ड नं ० 3251 (1~4) अंश 3252 (1~3) अंश 3271 (1) (अंश), कंभार वाडा, वादर, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावस अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कला के अधील, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, पे एजिस्ट्री है तारीख 21-8-1985,

को प्रांक्त सम्मित के उपित माजार मूल्य से कन के दरमान प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्याल करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्मित का उपित बाजार मूल्य, जरूको दरमान प्रतिफल से दूरों दरमान प्रतिफल के पेक्ट शितात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निमिवित उद्दर्शय से उक्त कन्तरण जिल्हा में बाल्तिक रूप से कार्य तर्म स्वास्त्रिक रूप से कार्य कार्य है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत , छक्त निवस के अधीन कर दोने के अंतरक के बाबित्य में कसी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/याः
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के निए?

कशः कसः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं के अन्तरण मैं. मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) के अधीनः निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- (1) पदमश्री सिथेटिक्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) डी० के० इन्टरप्राईण।

(अन्तरिती)

- (3) प्रिंसो सिल्बर प्लेटिंग वन्सं धौर श्री पी० एम० पिगले। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में, सम्पत्ति है)।
- (4) अस्तरक और प्रिन्सो सिल्बर प्लेटिंग वनसं और श्री पी० एम० पिंगले।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह तुमना जारी करको पूर्वोक्त सन्यति को वर्णन को जिल् कार्ववाहियां करता हुं।

#### उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में जकाशन की तारीच से 45 दिक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींने।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रब्यत शब्दों और पदों का, जो: उक्त आंधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिजा। गन्ना हैं।

#### अगुसुची

खुला जमीम का हिस्सा, जिसका विस्तार 6989 चौ० मीटर जो, इमारत शेड्स, यूनिटेंस, ग्लास, छप्पर स्ट्रम्चसं के साथ, जिसका सर्वे नं० 1390 (प्रंश), घौर 1/1392 (प्रंश), वावर डिबिजन भौर फाइनल प्लाट नं० 488 (प्रंश), भौर 489 (प्रंश), टी०पी०एस० नं० 4, माहिम डिबिजन, असेस्ड् अप्डर जी०-वार्ड नं० 3251 (1-4) (प्रंश), 3252 (1-3) भंग, 3273 (1) (प्रंश), कुभारवाडा वादर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/7243/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिसाँक 21-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जागरें ज-1, अस्वर्ष

तारी**ख:** 7-4-1986

मोदर .

5-56GI/86

#### प्रकार बाह<sup>\*</sup>् दी ः एग ः एस ः -----

# नाथकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### शारत सरकार

# कार्यात्रय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिमांक ,25 मार्च 1986

मिदेश सं० नोटिस नं० 754/ अगस्त/85-86—अतः मुझे, आर० भारक्षाज,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) किये इसमें भूसके परमात् 'उक्त अभिनियम' कहा भवा हैं), कर्त भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० प्लाट नं० ही-2 है, तथा जो सेंट इनेज, पंनजी गोवा में स्थित है (सौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पुर्ण रूप से वर्णिन है), रजिल्ट्री हर्ता अधि कारी के नार्यालय, पणजी में रजिल्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1985,

को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार शृस्य ते का के स्वमान श्रीक्षण के लिए बन्तरित की नहां है और मुश्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाबार शृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बसरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिकास निम्नितियांत उप्चेष्य से उक्त अंतरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण सं हुई किसी माय की बाबत, उसक मिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के वाक्तिय में कमी करने या उससे अचने में स्विधा में लिए; मीर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी थन या बस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में मृतिधा वीडिया।

बतः वन, उनतं विभिनियमं की भारा 269-मं के अमृसरण वो, मी, उनतं अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) को अभीन, निम्नुलिनित व्यक्तियों, सर्भात् ४---

- (1) श्री एवाम लारेंस, लक्ष्मी कृपा, टी० पी० एम० 3, प्लाट नं० 108, बान्द्रा, बम्बई-400050 (अन्तरण)
- (2) श्री मूलजी एन० शाह, केयर आफ सीनियर रोड, लेंस, कुरदै करनगर, पंजिम गोवा। (श्रन्तरितो)

क्यों बहुं सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भाक्रप हन्न

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नह स्वाम की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्तास;
- (ब) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलवहभ किती अन्य स्थितित व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाष्ट सिहैंबत में किए या सकेंगे।

#### जन्मू ची

(दस्ताबेज सं० 522/216/85-86 तारीख 21-8-1985) प्ताट नं० डी-2, जो, ''ह्याम मो' होम''ः तम से परिचित बिल्डिंग में हैं, तथा जो सेंट इनेज पणजी, गोबा में स्थित हैं।

> आर**० भारद्वाज** स**क्षम प्राधि**ारी सहायात आयकर आयुक्त (िरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

तारी**ख**: 25-3-1986

# प्रकल् भार्च, टी. एन . एवं . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### नारत सरकार

# कार्यालय, महायक आवकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 25 मार्च, 1986

निदेश सं ० सी ० श्रा २० नं ० 62/97 3/अगस्त / 85-86--- अत: मुझे, आए० भाषद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्याल करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीए ितिकी तं अर्थों नि 71 है, तथा जो मेंट अन्तर, डी० अन्यिल, सानकेड, गोवा में स्थित हैं (श्रीए इतने उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप में विशित हैं) रिक्तिट्रीज्ती अधितारी के आर्यालय, गोवा में रिक्ट्रीजनण अधिनियम, 1908 (1909 वर 16) के अधीत, सरीखा 19-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के रागमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करते का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पतित का उभित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पल्यद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितियो) के बीच एसं अन्तरण क लिए तथ पान ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त कन्तरण जिल्हा भ्

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबल, उन्हें भौभित्यम् के बधीन कार दोने के दाल्लाक कि बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिभा को लिए; धीर/या
- (भ) एसे किसी बाय या किसी भन या कार कारितार कारितार कार किसी बाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उलले ऑधिनियम, दा भन-बार ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) लूयिस रेस कासटा बेनोलिम सालसेट, गोवा। (अन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र विकर केरनेर बोरडा, मारगोवा, गोवा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के शर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी ध्यक्तियाँ पृष्ठ स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवायु;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# ग्रम्यूची

(दरनावेज सं० 173/85-26 तारीख 19-8-1985) सब कृषि पमाति जो भोगो चेम बाटा या मानतचेम बाटा" माम सेपरिचित है जो सर्वे नं० 71मीट जो गंडी अरेयल, सब डिल्ट्रिक्ट आफ सालसेट, डिस्ट्रीक्ट आफ गोवा में स्थित हैं।

> आर० मा द्वार स**क्षम** प्राधिकारः महाया आया ४४ शायुक्त (िरी**क्षण**) अमी दिंगु चंगलोक

तारीख 25-7-1986 मोहर: भ्य**रूप नार्ट**ु टी. एन. एस<u>.</u>------

जावकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वंको अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलैंप बंगलैंप, दिनांक 25 मार्च 1896

निदेश सं० नोटिस नं० 97 8/अगस्त/ 85-86--अतः मुझे, आर० भारताज,

खायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर कलित, जिलका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

भौर जिसकी सं भीरियल नं 797 (जो पेज 118 से 123 तक, बुक I बाल्यूम 254) है, तथा जो गोवा में स्थित है (भ्रांप इस ने उपाबद्ध अनुसुची में भ्रांप पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधि ारी के कार्यालय, गोवा में रिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 9-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान शित्रका के किए जंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करवे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अग्रय या किसी धन रा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, एन्याने में स्विधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन विस्तितियों, अर्थात् :--

(1) कुमारी सूष्मा मक्ष्म नावरेकर ग्रांर कुमारी सुजाता मदम नावरेकर, पुणे उसके प्रतिनिधि श्रीमति सरमालकर, बोरङा मारगोवा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राजेश कन्स्ट्रक्शन्म जिसके प्रतिनिधि पार्टनर्स श्री केशव पी० नेवरेकर, 3, इरासमी, कारवालहो स्ट्रीट, मारगोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह पूजना बारी करके पूर्वीयस सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमहियां करता हो।

# उन्त सम्पत्ति के गर्नन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप हन्न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्थाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तज्यित में हितबब्ध किसी अन्य क्यमित ब्वारा अधीक्षस्ताकारी के वास सिक्ति में किए का सकेंगै।

स्पब्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त निधिनियमः, के नध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं नर्ध होगा जो उस मध्याय में विदा नया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेण सं० 1208/ 85-86 तारीख 20-8-1985) सम्पत्ति हैं जो फैल या आरसुम" नाम से परिचित हैं जो रैया विलेण पंचायत में स्थित है और सब रिष्ट्रार, सालसेट गोवा में पंजीकृत हो गया हैं (सोरियल नं० 797 पेज 118 से 123 तक बुक I बाल्यूम 254)।

> आर० भारद्वाण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 25-3-1986

# **ाक्य भार**े टॉ्नु **एव**ं पुरानु------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-४ (1) वे क्यीन व्याग

#### 

# कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तक)

धार्जन रें ज, बंगलौर बंगलौर, विनौंक 25 मार्च, 1986

निदेश सं० नोटिस सं० 979/ श्रगस्त/ 85-86--- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाण,

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विस्वास करनें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० श्रपार्टमेंट नं० 9, डूप्लेक्स, है तथा रिवर साल क्टेट बनोधिलम, गोधा, में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीरपुर्ण रूप से विणितहै), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गोधा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-1985,

को पूर्वेक्स संस्पिता के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पल्चह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे ज्नारण के जिए तब वाना प्या प्रति-क्ष्म विल्लिक्स क्ष्म सेन से स्वयं ब्रुग्यू के निष्य के वास्त्रिक कन से स्वित् वहाँ किया क्षा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत बब, उबत जीधनियम की भारा 269-ग की बनुसरण मीं, मीं, उबत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) ﴿ विक्ति: रिग्मिलिसित व्यक्तियाँ, संबंधि क—— (1) मेसर्स केरिकान प्रतिनिधि श्री पालियाक्कारा कुरिय -प्पेन जार्ज श्री रेमाण्ड जार्ज पलियाक्कारा, फ्लोर डेविड हाउस, मारगोवा, गोवा

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती शिरले गोम्स, डूप्लेक्स श्रपार्टमेंट नं० 9, रिवर साल इस्टेट, बनौलिम, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु बुचना चाडी करके पृक्षित कन्मित के नर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्बद्धि के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासोप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीत्र उक्त स्थावर सम्पित में दित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्यी

(दस्तावे<sup>ज</sup> सं० 1212/85-86 तारीख 29-8-1985) डूप्लेक्श अपार्टमेंटस नं० 9, जो II, बिल्डिंग में है और रिवर साल इस्टट, बेनौलिम, गोवा में स्थित है ।

> श्रारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, बंगलौर

तारीख: 25-3-1986

प्ररूप आह<sup>\*</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनाँक 19 मार्च, 1986 निवेश सं० नोटिस नं० 48201/ 85-86-- अतः मुझे, भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

**ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 28-ए या**, 28-5 सी 2 है तथा जो नं०

87 बी कार्दी विलेज, मंगलूर में स्थित है (श्रौ इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और श्रौ रपूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 265-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री रम ० एत ० कमला कर, श्रीमित एत ० पुष्पलना, वेजाय संकाय पृड्डे कार्वी विलेज, मंगलूर । (श्रन्तरक)
- (2) श्राबी रामवन्द्र, हेगडे नारिमार मृतु, बोला, विलेज, कारकल तालूक वैक श्राफ पटेल पटेल यल-प्या मोटटी श्रोमित समा हेगडे, पोलार विलेज, उडुपी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उद्धत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अच्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

(रण्याविश सक 719/85-86) तारीख 12-8-1985) सब पम्मति है जिसका सर्वे नंक 28-ए 2ए, 28-5 सी 2, जो नंक 87 बी अर्थी विशेष, मंगपूर प्रिटी में स्थित है

> श्रार० भारहान अक्षम शाधिकारी भाइविक त्रान हर प्रायुक्त (निरोजग) श्रर्जन रेंग, बंगलुर

नारीख : 19-3-1986

प्रकल् आहे. टी. प्रन. एक जनसम्बद

# सावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) में स्पीन मुपना

#### शारक करकाइ

**प्राथमिय, सहायक आयक्षर वायुक्त (विरीक्षण)** 

श्चर्जन रेंज, बंगलीर बंगलौर, दिनौंक 25 मार्च, 1986 निदेश सं० नोटिस नं० 48682/85-86⊸- श्वनः मुझे, श्चार० भारद्वाज,

बाबकर विधितिवन, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके वरवात् 'उनत विधितवन' कहा गया है, की धार 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उण्जित् काजार मृत्य 1,00,000/-रा. में अधिक ए

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 101--बी2, 101-1ए, श्रीर 113-1 बी, टी० एम० नं० 749-2ई है नया जो कदि विलेज मंगलूर में स्थित है (श्रीर इंसमें उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प में विणित है), रिजस्ट्री कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्री-करण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीयीन, तारीख 30-8-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को लिए मंतरित को गई है और मृभै यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्म्य , बरू के व्यवसान प्रतिकल हो, ऐसे व्यवसान प्रतिकल का पंछ बित्ति के विश्व है और जन्तरक (वस्परकों) और बन्दरिकी (बन्तरिकियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय पासा गया शितकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण संहुई किली आठ की जानस, सक्त अधिनिक्स के अधीन कर दोने की अस्तरण अही सामिरक में कर्या करने या उससे अधने था सुविधा के रिस्ता, जीर था
- (क) मुंबी किसी बाब मा किसी भन या बन्य कारितयों और, किन्हों भारतीय नाथ-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस किसिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की स्वोभनार्थ कानारिती इनारा प्रकट नहीं किया गण का भा किया बाना चाहिए भा कियारी में सरित्य की विद्या

अनः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपधास (1) के अधीन निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थातः:— (1) संपर्य अनुक कन्स्ट्रक्शन्त, प्रोपराइटरः-श्रीमिति रेखा मुरलाधर, पुराना केंट रोड, मंगलूर, ए० बी० आनष्टाचे, ब्लू डायमण्ड, कद्रि, मंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमांत तुनिसिया विन्नीफेडे श्रानड्राडे, ब्लू डायमण्ड, कद्रि, मंगलूर

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के कियु अर्थवाहियां करता हुं।

बन्ध संपत्ति के नजन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस भूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिए या तत्सकाभी न्यतित्यों पर स्पान की तामीन से 30 दिन की अविध, वो भी अनुधि बाद में समाप्त होती हो, ने भीत्र पूर्वों नद स्विभागों में ने किसी स्वतिस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख शे 45 बिन की भोतर उनके स्वाद सम्बन्धि में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति इवास अभोहस्ताक्षरी के पाथ दिक्तिल मों किए वा बकों है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 981/85 नारीख 30-8-1985)

सम्पति है जिपका संब्यारवण्यव 101-वी 2,10L-1 ए० श्रोर 113-वी, टीव्एसव नंव 749-2ई जो कब्रि विभिन्न मंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज पत्रम प्राधिकारो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बंगलौर

तारीख: 25-3-1996

मोहर 🖫

# 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर, बंगलौर, दिनौंक 25 मार्च, 1986 निदेश सं∘ नोटिस नं∘ 48181/85-86--अतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विजे इसके इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 52 से 60 श्रीर 60/1 है तथा जो एम० जी० रोड बंगलीर में रिथत है (श्रीर इससे उपिषद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णम्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1985,

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के असमान व्रतिफल को विष् बन्दारित की गई है बार मुझे यह विश्वास अदने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तर्भ के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कुमी करने या उससे बचने में सुविधा औ किए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हीं भारतीय आय-कर मिश्रियम, 1922... (1922 का 11) या उक्त मिश्रियम, या धनकर मिश्रियम, या धनकर मिश्रियम, पा धनकर मिश्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निक्;

स्था सब् वन्त नामिन्यन की पारा 269-म ने बगुकरक हैं को कि वन्त विजिनिया की पार 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री टी॰ सुब्जाराय, भागस्तः मेसर्स किन्ग पारट्रिडज नं॰ 26/1, लावले रोड, बंगलूर-1

(भ्रन्तरक)

(2) मित्रसंदक्षिण एन्टरप्राईजेज, नं० 4311/III, फ्लोर, है पाइण्ट, प्यालेस रोड, बंगलीर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह धूचना काडी कड़के पूर्वोक्त कम्मीत्त के वर्षत्र के विष् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन को संबंध में कोई भी शाक्षेप .---

- (क) इत क्षमा में हाजपन में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन की जबित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की जबित, को भी वर्षीय बाद में बजान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी स्थाबत ब्रवाय;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संम्मिस में दिसवद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस वा स्कॉरो ।

स्थानीकरण :---इसमें प्रयुक्त बच्चों और पदों का, को उक्त विश्वित्यम के वश्याय 20-क में परिवारित्य हाँ, यही अर्थ होता, को उस वश्याय में दिया पदा हाँ अ

#### वनपद्धि

(दस्तावेज सं 0 142/85/ तारीख ग्रगस्त, 1985,) सम्पत्ति है जिसका सं 0 52 से 60 ग्रीर 60/1, जो, एम 0 जी 0 रोड, बंगलौर में स्थित है।

> श्रार भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **रेंज, बंगलौर**

तारी**ख**: 25-3-1986

मोहर 🕹

# प्रकथ बार्च , टी , एन , एक , , , , , - , ---

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्थान

काम 111-खण्ड 1]

#### भारत बहुकार

# कार्यास्य, सहायक जायकर काय्क्य (विद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनौंक 25 मार्च, 1986

निर्देण सं० नोटिस नं० 48668/85-86--ग्रतः मुझे, भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

धौर जिसकी सं० 334/21 है, तथा जो कास, सढाशिवानगर, बंगल र में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाँधीनगर, में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन **सारीख 19-8-1985** 

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विद्वास करने का कारण है कि वधनपूर्वोक्त तंपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिखिब में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण संसुर्व किसी बाय की बावक, उक्क अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; भीर/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिसयों करे. जिन्हें भारतीय नाय-कर निधानियम, 1922 (1922 का 11) वा उपरा निर्धानयन, या धनकर विभिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, क्रियाने हैं इतिया से भिष्:

अत: वब, उनत किभिनियम की धररा 269-ग भी जनसर्ज भें, में, उत्तर विधिनियम की भारा 2,69-व की उपभारा (<sub>1</sub>)

🖻 স্থান - সিফালি**বিয় ক্ষবিত্রী**ও **প্রথার ১**৮৮৮ 6-56 TI/86

(1) श्रीमति सरस्वती वी ० एयर, नं ० 334/21,XIV क्रास-मदाशिवानगर बंगलर

(अन्तरक)

(2) 1. कुम्द प्रश्विन नागरवाडिया 2. श्री यनीश बोगि-लाल मेहता और कुछ लोग, 3. उमा महेन्द्रा नं ० 334/21, XIV कास मदाशिवनगर, बंगलर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

#### बक्त बन्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र ह---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर स्चनाकी सामील से 30 दिनकी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितववध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सुची

(दस्तावेज सं० 1943/85 तारीख 19-8-85) है जिसका सं० सम्पत्ति 334/21 जो, काम, सद-शिवानगर, बंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज, बंगल्र

तारीख: 25 -3-1986

प्रथम बाह्र हो, एस. एष., ----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289थम् (१)। के संधीतः सुचना

मारतः सम्भार

कार्याचय , तहायक नायकर बायुक्त (विरोक्ति)

धर्जन रेंज, बंगलीर बंगलीर, दि नॉक 19 मार्च, 1**98**6

निदेश सं० नोटिसनं० डी॰ श्रार० 742/ 37 ईई/85-86---श्रतः मुझे, श्रार० भारकाज,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (चित्तं इसमें इसके नश्यात् 'उक्त निधितयम' कहा नया हुं), की धारा 269-क के नभीत सक्षम प्राधिकारी को वक्क विश्वास करने का कारम है कि स्थायक सम्मतिः, विश्वकात विश्वक नावारं मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिकक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6 है तथा जो मुत्रमृद्धिमा एकोवा सालसेट डिस्ट्रिक्ट, गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के लायांलय, बंगलीर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मृत्य से काम के व्यवसाय श्रीतफल के लिए वंतरिक की गर्व हैं की मुस्केल हि विकासक का का कारण है कि यथायू वेंशक को प्रति का उपिया बाजार मृत्य । उसके क्रयमान प्रतिकाल से , एके व्यवसात प्रतिकास का पलाह प्रतिकात से विध्य है बीर बन्तरण (बन्यरण) बीर बन्तरहीं (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण में निष्यु तब बाबा पवा श्रीतफल, निम्नतिथित उद्देश्यों से उस्त बन्तरण हैं बिक्स में बास्तिक स्थ से अभित्य नहीं किसा प्रवा है हम्म

- (क) बन्तरण वं हुई फिली बान की वान्छ, बच्छ गीपिनियुत्र के अभीत कर दोने के बन्तरक को शांकित में कमी करने वर उत्तर्थ वचने में वृत्तिभा के लिए; वडि/या
- (क) प्रेसी किसी बाय गा किसी अन का शतक व्यक्ति वर्गा स्थाप का प्राप्त का शतक व्यक्ति वर्गा का प्राप्त का प्राप

नशः वन, उस्त विभिन्यमं की धारा 269-व से नगुतरण में, में: उस्त मधिनियमं की धारा 269-वः की उपधाराः (१०)। के मधीन, निम्ननिधित व्यक्तिकी<sub>य</sub>ं क्यांति क— (1) भ्रकार कन्स्ट्रक्शन्म भ्रंलकार बिल्डिंग मारगोवा, गोबा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रवेन्द्रा गणानन सुक्तान्कर हाउस नं० 309, ेमोडमाय बोरडा, मारगोबा, गोवा

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अवस्य सम्पत्ति को सर्पन को सम्बन्ध में कोई भी वासोप :---

- (का) इस सृक्षता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ले 45 दिश की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सृक्षता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास्त;
- (क), इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीक वें 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितक्षध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पार विकित में किए दा सकेंगे।

हमाबीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्यों जीर पतों का, थो उक्त जीश्रीवयक के अध्याय 20-क में परिभाषिते ही, शही जर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया नवा ही।

अनुसूची

(वस्तावेज नं० 414/85-86 तारीख 12-8-19 85) "प्रेडियो प्ररवनो दास कासाम काम सेन क्विन्टाल" नाम से परिचित है प्लाट में निर्माण हो रहा है बिल्डिंग के II फ्लोर में प्लाट नं० एस० 6 ग्रीर चाला नं० 32 जो मुरमुटि मारगोबा, तालसेट तालुका गोवा में स्थित है।

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 19-3-1986

अक्य आर्चान्छी । एन । एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन क्ष्मना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंग, बंगलीर

बंगलौर, दिनाँक 19 मार्च, 1986

निवेश सं ० नोटिस नं ० डी ० म्रार० 7 6 4/3 7ईई/ 85-86--मतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ज्वालता नं 26 पार्ट, 27, 32, श्रौर 35 श्राके पी ० टी ० शीट नं ० 261 है, तथा जो राजेन्द्रा प्रसाद स्टिख्यम से नजदीक मारगों में स्थित हैं (श्रौर इपमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजेस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, बंगलौर में रिजेस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के हश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल के पंद्रह् प्रतिस्त से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिक कत, निम्निसित उस्तर्य से उक्त अन्तरण मिवित में बास्तिवक एक से कथित नहीं किया गवा है 6——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वासता, उक्त ग्रीधनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तस वजने में सुविधा के सिए; ग्रीर/शा
- (क) ऐसी जिसी आम या जिसी भन का अन्य आस्थियों करे, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूबिश के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) 1. श्रीप्रसाद विश्व नाथ बोरकर 2. सुनन्द विश्व नाथ बोरकर 3. उत्तमराव विश्व नाथ बोरकर 4. प्रकाश सदानन्द बोरकर 5. ग्रशोक सदानन्द बोरकर 6. ग्रविनाश सदानन्द बोरकर 7. ग्रिनिल दामोदर बोरकर 8. प्रमोव दामोदर बोरकर 9. विनय प्रभाकर वोरकर 10. दोपक प्रभाकर बोरकर कोओनेंस अंककार बिल्डिंग पोस्ट बाक्स न० 8, मारसोवा गोवा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश कान्डेकर चिन्चल, नावेलिम, गोवा (श्रन्सरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्धन के लिए काय प्रारहियां कदता हो।

उनत सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वासोप 💵

- (क) इंक्त तृष्या के एकपण में प्रकाशन की तारीश से ≱5 क्रिया की समीध मा तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वमा की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इत स्वान भी रावधन में प्रकाशन की तारीब ते 45 वित के भीतर अचत स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किली क्या व्यक्ति बुवारा, मधोहस्ताक्षरी के शक सिवित में किये वा सकारी।

स्थळीकरणः — इतमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का को उनत अधिनियम, ने अध्याय 20-के में परिभावित हैं, बहुी अधि होगा को उस जभ्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेण सं० 409/85-86 तारीख 1-8-85) रत्न द्रीप विस्थित, ग्राउन्ड फ्लोर में गाप नं० ई जो राजेन्द्रा प्रसाद स्टेडियम के नणबीक, भारगोवा में स्थित है ।

> म्रार० भारक्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बंगलीर

तारीख: 19-3-1986

# दक्य बार्ड. टर्ने प्रव . यस , ------

# भाषकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बंधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दि नाँक 19 मार्च, 1986

निदेशसं नोटिस नं ०डी० श्रार० 745 | 37ईई | 85-86- -श्रतः मुझे , श्रार० भारताज,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं क्षावें नं क 57/1 है, तथा जो पिलरन बेटिम बरडेज गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, बंगलीर में तारीख 12-8-1985

को व्वांधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अध्यमन प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अभीरती (जन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के सिए सब वावा जमा प्रतिफल, निम्निचित उद्विप से उक्त जन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरूप से हुई किसी बाब की बाबत, उपल अधि-विवय में अधीन कर बाने के जम्मरक से बाहित्य में कमी कारने वा उसने वचने में सुविधा के किए; बाह्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त किधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था, जिया वृत्तिया के तिया

कि कि अप , उक्त मिथिनियम की भारा 269-व की सनुकारण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नारबरटो विकटर एन्टोनियो सिप्रियनी आरङ्गे हैं श्रीमित मेरिया वॉलिविया मिराण्डा श्रीर स्रमोरिम जोक्विम सिप्रियानो डी० श्रान्ड्रेड बटिम बारडेज, गोबा।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स दीपक इंजीनियर्स श्रीर बिल्डर्स पोन्डा, गोवा। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी अर्थन के निर्कत्र कार्यधान्नियों करता हुं।

क्ष्मत् बन्द्रितः के वर्षात के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्रः--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की धारीय से 45 जिन की जनश्चिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की जनश्चि, वो भी जनश्चित्र में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना क राजभन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य क्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकी थे।

स्वक्रीकारमः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्छ अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिशावित हैं, बही वर्ष होना को उस बच्चाय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 477/85-86 तारीख 12-8-1985)
"टेरसैरो लोट श्राक पामर बेटिम" और "क्वारटो लेट श्री
पामर बेटिम" नाम से परिचित्त सम्पत्ति में भाग जो नं० 57/1
पिलरन विलेज, बेटिम, बारडेज, गोवा में स्थित है

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 19-3-1986

प्रक्षं वार्षं ,दी .पुर्व .पुर्व ..-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अंगलीर

बंगलौर, दिनौंक 19 मार्च, 1986

निषेणसं० नोटिससं० डी० श्रार० 746/37ईई/85-86--श्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं व वर्षे नं व 57/1 है, तथा जो पिलारने नेटिम बारकेज, गोवा में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रॉर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बंगलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908( 1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के **धरमान** प्रतिकल के लिए अन्तरित की ग**र्द है और मूक्ते यह विद्यास** करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान इतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं कार कंतरक (अंतरकों) और कंतरिती (अंसरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषित में बास्तिबक रूप से कथित मही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अधि, उक्त आधानयम का धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री नारबरटो विक्टर एन्टोनियो सिशियानो श्रान्ड्रेड, श्रीमात मारिया श्रोवियो मिराण्डा श्रमोरिम जोनियम निश्रियानो श्राङ्ड,बटिम, बारडज,गोवा

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दीपक इंजीनियरिंग ग्रे<sup>क</sup>र बिल्डर्स, पोन्डा, गोवा।

(अन्सरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्फान के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा है।

## अन्सुची

"टरसैरो लोट श्राक पामर बटिम और क्वारटो लोट डी पावर बटिम मान पिरचित सम्पत्ति में भाग जो सर्वे नं० 57/1, पिलरने विलेज, बटिम, बारडेज गोवा में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज ाजम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्ब**ई**

तारीख: 19-3-1986

प्रकृष कार्ड, दी. युन् , एस , -----

# नामकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धाछ 269-भ ((1) वै वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आवकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनाँक 19 मार्च, 1986

निवेशसं० नोटिस नं० डी० ग्रार०-818/ 37ईई/85-86---ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा नवा हैं) हो चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 51/2, (पार्ट), स्रौर 51/4 (पार्ट) है, तथा जो कोटोम्बी विलेज, बिचीलिम तालूक गोवा में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याक्षय, बंगलौर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 26-8-1985,

का प्योंक्त संयक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बस्यजान पितफल के लिए जन्तरित की गई है जीर मुझे यह निवनांध फारने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एंडे ध्रममान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचत से जीधक है और जन्तरक (जन्तरकों) जौर जन्तरिती (जन्तरितियों) के धीच एंडे जन्तरण के तिए तब पाया गया प्रतिफल, जिम्न्तिचित उच्चेंच्य से उच्न अन्तरण जिलित में वास्तिकक रूप से किन्त महीं किया बना है है—

- (भ) नन्तरण ते हुद्दं किसी बाव करी वायस , स्थल नियमियम से नपीन कर दोने के बन्तर्क में वाहुँक्द में कभी करने वा कक्ष्ये क्यमें में सुनिया में किन्; स्ट्रिंग
- (क) एंसी किसी जाव का किसी अप वा बन्ध वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नासित व्यक्तिकों अधित :--

(1) शंकर सकारामा पारेब श्रीमति समिविद्री शंकरपोरब कोटोम्बी, बिचोलम तालुक गोवा।

(अन्तरक)

(2) मंसर्स वी० एम० सलगायकर भ्रौर बदर्स प्रा० लि०, वास्को-डि-गामा गोवा, या जिसका नामिनी।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वीक्स सम्बद्धित के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वनत् बन्गरित् के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस स्वया से राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जन्दि या मुख्यमणी व्यक्तियों वर ध्यान की तानीन से 30 विन की संबंधि, वो भी धनीय नाद में संबाध्य होती हो, से मीतड प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन के भीतर स्वत्त स्थानर सम्मत्ति में हिस्तवव्य किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पळीकरण:—इसमें प्रयुक्त सुन्तों और पन्नों का, जो उनके अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्यान में दिना नवा हैं।

#### नग्तुची

(दस्तावेज सं० 442/85-86 तारीख 26-8-85)।

सम्पयित है जो "उदयाव ली बान्डो प्रलियास "उलोबान्डो" एक ग्रौर सम्पत्ति "फाटोरबान्डो ग्रलियास "गलान्डो" नाम से परिचित है जो कोटाम्बी विलेज, बिचोलम तालूका, गोवा में स्थित है ग्रौर जिसका नापना 13.915 स्केवर मीटर्स है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजनरें जै, बंगलीर

तारीख: 19-3-1986

# THE REAL PLANTS

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मः (1) में नचीन सूचनाः

#### वारत स्रकार

# कार्यास्य, सङ्ग्यक नायकार कार्यक (विरोक्ति)

श्चर्जन रेंज, बंगलौर बंगलौर, दिनांक 21 मार्च, 1986 निवेश सं० नोटिस सं० श्चार० 1783/37ईई/ 85-86-- श्चतः मुझे, श्चार० भारद्वागज,

बावचर विधिवयम, 1961 (1961 क्य 43) (विधि इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 597/ए1, 578/2ए भ्रीर टी० एस० नं० 217/1ए, 216/2ए2 है, तथा जो कार्सिबा बाजार विलेज, मंगलीर तालूक में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बंगलीर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्ता से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एंसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्यदम चे हुद किसी बाच की नावत, अवध विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक की दायिएक में कमी करने या उद्देश्च बचने में सुविधा के लिए; वर्षिया
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सर्रिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतक बव, उक्त बीधीनयम की भारा 269-न को अनुसरक भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को अनुभारा (1) को संधीन, सिम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हु---- (1) होटल पूर्न्जा इस्टरनेशनल प्रा०लि०, के०एम० राव, रोड, मंगलीर 575001

(अन्तरक)

(2) क्लिफर्ड मेनिजिंग मास्टर मानिक मनिजिंग सने श्राफ श्री क्लिफर्ड मेनिजिंग हेलटोटा हाउस हेलटोटा हाउस, बान्डेल मंगलीर 57008 डी० के०

(अन्तरिती)

को वह क्षना बारी करके प्योक्त संपत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हो।

बन्द बन्दरित भी अर्थन् में बन्दरभ् में कोई भी नार्क्षप्र--

- (क) दक्ष बुजना के राज्यन में प्रकारण की तार्राष्ट्र श्री 45 दिन की अनुर्शित का तरकान्त्री कार्रास्त्रकों वृत श्रुजना की तातील के 30 दिन की अवधित, वो भी क्रिक्त बाद में समान्य होती हो, के भीतर वृद्धोंकह क्यितवार्त में वे किसी कार्यित कुशाराह
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिव के जीवर उक्त स्थावर कम्मित्त में हित्बकुथ किसी कम्म स्थानत द्वारा अथोइस्ताकड़ी के वास मिकित में किए वा सकोंचे।

स्पाद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनक जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा., जो उस सध्याय में विशा गया है।

#### अन्सूची

(दस्तावेज नं० 1535/85-86 नारीख 7-8-85) शाप न० प्रिमिसिज जिसका नापना करीब 879.79 स्केवर फीट जो पूर्त्जा श्रारकेड, के० एस० राव रोड, मंगलीर में स्थित है

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 21-3-1986

प्रस्थ आई. टी. एन. एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरिरा 269-म (1) के अधीर सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलीर बंगलीर,दिनॉंक 21 मार्च 1986 निर्देश सं० नोटिस नं० डी० श्चार०-805/37ईई<sub>/</sub> 85-86--श्वतः मुझे,श्चार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हीं), की धारा 269-स के 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्प्रित, जिसका उचित नाजार मस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 17 है, जो इसोरिसिम मारगोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बंगलौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-8-1986

भन्ने पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाबार मृष्य सं कम के क्षयमान वितक्त के सिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विवकार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शावार बूक्ब, उत्तके क्षयमान प्रतिफल से एसे उदयमान प्रतिफल का पन्ति प्रतिकार का पन्ति प्रतिकार के पन्ति दिया में बन्तरिती (बन्तरितिथीं) के बीच एसे बन्तरण के निए तय थाया गया प्रतिक्कन, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निकित में बास्त- विक क्य थे क्षियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनर किसी नाम मा फिली पर भा बन्न निम्त्यारे की, जिन्हों भारतीय आयम्बर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा अन्त निभानयम, या धनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्दरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना साहिए था, स्थिपान में स्विधा के लिए

बतः जवः, उक्त जीवनियमं की भारा 269-व के बनुसरण भी, भी, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थान, जिम्निशिक्त व्यक्तियों - अर्थात् ए--- (1) रंगवी रिपलटर्स न्यू मार्कीट, मारगोवा सालसेट, गोवा-403601

(अन्तरक)

(2) मेसर्म ग्रालकान रियल एस्ट्स प्रा० लि० वेलहो विलिंडेग, पणजी, गोवा-403001 ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# **उन्त् कम्पत्ति को कर्जन को सम्ब**न्भ में कोई भी **नायोद** ध~~

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की बारीच अ 45 दिन की जबीध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी वंबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 426ए/ 85-86-- तारीख 12-8-1985) कृषि सम्पत्ति है जो उबल्लो सेटिनो नाम में परिचित है और जिसका नापना करीब 1,90,000 स्केवयर मोटर्स थ्रौर जो सर्वे नं० 17, इस्सोरियम, मरमागोवा म्युनिसपिल्टी, तालूक ग्रौर सब डिस्ट्रिक्ट ऑफ गोवा डिस्ट्रिक्ट थ्रॉफ गोवा में स्थित है

ग्रार**्भारक्षज** संक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) ग्रजीनरें ज, बंगलीर

तारीख: 21-3-1986

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलौर बंगलौर, दिनाँक 21 मार्च, 1986 निदेश सं० नोटिस नं० 585/श्चगस्त/ 37जी/दारबार/85-86→ मत: मुझे श्वार० भारद्वाज,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स ने मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्थात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उण्यति वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीरजिसकी सं० 122/102 है, तथा जो न्यू काष्टन मारकेट हुबली दारवार डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कायोलय, हुबली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-8-1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के अभित नामार शृंक्य से कम के स्ववान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाध करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त संपत्ति का अभित बाबार गृंक्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एके स्थमान प्रतिकल का ग्ल्यू प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (बंचरकाँ) और बंचरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्वेषम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बच्चरण के हुए किसी बाद की बच्चर, कपक विधिनियम के अभीन कर दोने के बच्चरक के दाजिएक में कमी करने वा उत्तरी बच्चने में सुविधा के किए। बॉर/वा
- (क) वाली कियी बाग या किथी वन या अन्य वालिकों का, चिन्हें प्रारतीय अवकार वीभीनवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियन या धनकार विधीनवान, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास अकट महीं किया नया या किया बाना चाहिए का, कियाने बें गरिका के लिए:

कत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसक्त मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीत: निम्निस्तिकत क्विक्तयों, क्वांत ए----7---56GI/86

- (1) श्री प्रम्वाजी राव श्री शिवाजी राव, न्यू हुबली। (ग्रन्तरक)
- (2) मेनर्स एफ० टी० सोलंकी पार्टनर्स श्री टी० एफ० सोलंकी श्री एफ टं१० मोलंकी, न्यू काटन मार्कीट, हुबली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना वारी करफे पृष्ठित संपत्ति से वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त संपर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 हिंच की वंबीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर मूचना की दानील से 30 दिन की वंबीय, वा मी वंबीय वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वापत व्यक्तियों में तिसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीधर टक्न स्थानर सम्पत्ति में हिल-वयुष किसी अन्य व्यक्ति युवारा, अभोहस्ताक्षरी के बाद विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वाधिनिवन, के वध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिवा गया हाँ।

#### ननसूची

(दस्तावेज सं० 1507/ 85-86 तारीख 198-1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० 122/102 और एरिया  $16' \times 133'$  जो काटन मार्कीट इवली में स्थित है।

श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 21-3-1986

मोहरः

प्ररूप बाइ टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर बंगलौर, दिनाँक 21 मार्च 1986 निदेश सं० नोटिस नं० 601/ध्रगस्त/ 85-86--- 37जी:∽ ध्रतः, मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 237/1 है तथा जो JI कास II मैन पी० जे० एक्स-टेंगन दावणगैरे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिप्टिं वर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाहण-गैरे में रिप्ट्रिकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-8-1986,

को प्रवेषित सम्परित के उण्यत बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च है जीर मुझे यह विस्तात करने का कारण है कि स्थाप्चोंक्त संपरित का उपित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल्ल से एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उमत विध-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के पृथीन, निम्नुलिखित व्यक्तिस्यों, अधीत :—— (1) श्री एम० एच० कृष्णमूर्ती मेनर एन० के० पायन कुमार प्रतिनिधि डोरनं० 2175, एम० सी० सी० ए० ब्लाक दावणगैरे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हान्जी बसवराजण्या सन ऑफ हान्जी वीरभद्रण्या बेल्लाडी गली, दावणगेरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी आखेद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्गल से 30 दिन की कविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यी

(दस्तावेज सं० 3478/85- 86 तारीख 8-8-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 237/1, जो, II क्रास, III मैन, पी०जे० एक्सटेंशन, दावणगेरे में स्थित है।

> न्नार० भा रहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रज<del>ीन रैंज</del>, बंगलौर

**तारीख** 21-3-1986 मोहर:

# प्रसम् जार्च दी एन एच .-----

भायकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचका

#### भारत तरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रज न रेंज, बंगलौर बंगलौर, दिनाँक 21 मार्च 1986 निदेश सं० नोटिस सं० 657/37 जी/ भ्रगस्त/ डी० श्रार० 85-86→ श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 122/102 है, तथा जो काटन मार्कीट, हुबर्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हुबली में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम्, 1908 (1908का 16) के मधीन, तारीख 23-8-85 क्षां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबाद मृश्य से कम के करयमान प्रसिक्त के किए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उसके रस्पमान प्रतिफल बाजार मृत्य, क्रममान प्रतिकल के पन्क्रह प्रतिकृत से अधिक हैं भीर अंतरक (अंतरकाँ) भीर अंतरिती (अंतिधित्याँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया अविकास, निम्नुनिचित्त <u> अबुद्ध देव से अवत् अन्तरण कि विक्त में नास्तिनक रूप से व्यक्ति</u> अहीं किया गया है :---

- (क) कल्लरक से हुई किसी जान की बानत्, उपत अविनिधम के कभीक कर दोने से क्लाएक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाब वा किसी थन वा अस्य जारिता को, जिन्हें भारतीय जाब-कर की धीनयक, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियक, या धनकर अधिनियक, या धनकर अधिनियक, 1957 (1957 का 27) को प्रवासिक अस्तिरिती व्यारा प्रकट महीं निया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने वें सुविधा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, ध्वतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन कैनम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थादः---

- (1) श्री धम्बानी राव श्रोशिवाजो राव न्यू हुवली (ग्रन्तरक)
- (2) मेससं एफ ०टी० सोलंकी पार्टनसं श्री टी० एफ ० सोलंकी ग्रीर श्री एफ ०टी० सोलंकी न्यू काटन मार्कीट हुबली

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सन्दित के अर्थन के धिए कार्यवाहियां करता हूं।

**ब**क्षत संपत्ति के अर्थन के संबंध में **कोई भी बार्**क्षण :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की शारीब क्षे 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, वो भी समिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पात निस्ति में क्रिय वा सकेंगी।

स्पक्क शिक्षरण: --- इसमें प्रमुखत शब्दों भीर पदों का, जो उबस् अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभावित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसूची

(दस्तावेण सं० 1574/85-86- तारीख 23-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 122/102 घोर एरिया 16'X 133' जो काटन मार्कीट हबली में स्थित है।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, कंगलौर

सारीख: 21-3-1986

# प्रकृत नाम् ्टी-पुन्-पुन्-------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुखना

#### भारत सरका

# कार्याक्य, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलीर वंगलीर, दिनाँक 3 प्रप्रेंल, 1986 निदेश सं० नोटिस सं० 48192/85-86--- प्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतजे परचात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का काउन है कि स्थावर सम्परित, जिसका अचित बाबार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3(6) है, तथा जो करले स्ट्रीट, रिचमण्ड, टाउन बंगलार-25 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14-8-1985,

को पूर्भोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम को क्रयमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मूनो यह विश्वास कारने वा कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, असको क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्रयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) को बीच एसे अत्तर्भ के निए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मालिकत उच्चवेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्त कि स्प से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्धरण वं हुई किसीं नाम की नामतः, उपल विभिन्नम के ब्रभीन कर दोने के अन्तरक के द्यायल में कमी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के सिए; व्यक्तिया
- च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या ज्ञाय आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1927 (1927 का 27) किस विभाग नियम , 1937 (1937 का 27) किया नियम नियम जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बरा: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बनुसरण बाँ, बाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमिति शिरीन पत्नी श्री एमं० एमं० जफह्ल्ला, नं० 2, मिरटल लेन रिचमण्ड टाउन बंगलौर 25। (अन्तरक)
- (2) 1. जी एम अल्पा 2. श्रीमित शरामीदेवी 3. श्रीमित बैरम्मा, नं 3, करली स्ट्रीट रिचमण्ड टाउन, बंगलौर 25 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के खिए कार्यवाहियां कारता हैं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोए :---

- (क) इस स्वान के राज्यम में प्रकारन की सार्टीक से
  4.5 सिन की मन्द्रिय ना उत्सानना का निवादों पर
  स्थान की तानील से 30 दिन की अन्यि, जो भी
  अन्यि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर।
  व्यक्तियों में ने किसी स्पनित हुनारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकींगे।

स्थक्तीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उनक निर्मानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, का उस अध्याय में दिया नया हैं।

## नपृत्र्य

(वस्तावेश सं० 1489/85-86 नारीख 14-8-85)। सम्पत्ति है जिसका नया सं० 3(6) जो करलोस्ट्रांट, रिचमण्ड टाउन, बंगलौर 25 में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलौर

तारीख: 3-4-1986

मोहरः

# अक्न वर्ता, टी. एन<u>ः</u> एव*ः -----*

# बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मेभीन कुंचवा

## शारत चरकार

# कार्यासय, सहायक नायकार आयुक्त (निराधिकाँ)

श्रजंन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनाँक 3 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 48178/85-86—यत: मुझे, प्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का में अधिक हैं

और जिसकी सं० 56/39/(1) है, तथा जो मिलर्स रोड बंगलूर में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 5 धगस्त 1985

को प्रॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम को स्वयंत्रम अपित कस को निष् अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विस्थाल करने का कारण है कि स्थाप्योंकर सम्पत्ति का उचित वाधार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निष् स्थ शवा प्या प्रतिफल, जिम्मिलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तरच से हुइ किसी बाव की बावसं, खबसे अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी सिष्; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ ग अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै विषयः

बतः अब. उक्त अभिनियम की भारा 269-ए औ अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--  श्रीमती पंथा साम्बय्या नं० 56, मिलर्स रोड बेंगलुर।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री ए० गफीक श्रहमद।
 (2) श्रीमती एल० शाकिरा भानु नं० 47
 ओल्ड बम्बू बाजार रोक बेंगलूर।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्र<sup>ी</sup> कर सम्पत्सि के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध वो कोई भी धार्क्ष :---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की कनिथ या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर स्वान की तासी? से 30 विन की अविध, यो भी जबिध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबवृध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक में किसे का सकाने।

रनक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्ने का, जो उक्त जीवनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित ह्<sup>1</sup>, वह अर्थ होगा, को उस सध्याय में दिया गया है।

#### जन्स ची

(वस्तावेण सं० 1397/85-86 ता० 5-8-85) सम्पत्ति है जिसकी सं० 56, नया सं० 39/1, जो मिलर्स रोज बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बंगलुर

तारीख: 2-4-1986

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन कृषना

#### भारत संस्कर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 3 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 48358/85-86—यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज वावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको वश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित बाजार भूक्य 1,00,000/- क. से अधिक हुँ

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 5 (यू एम० नं० 8) है तथा जो लान्गफोर्ड टीन लान्गफोर्ड गाडन बेंगलूर में स्थित है (और इससे जपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ढ़ीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में भारतीय रजिस्ढ़ीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पृथेक्ति तम्परित को उरिवार बाबार बृत्य से का के कावजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और बृत्ये यह विकास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्प्रीत का उपित बाजार बृत्य, उसके दरवमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से विधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और बंदा-रिती (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए तम क्या पवा अतिफल, निम्निचित उद्देश्य से अवस्थ अंतरण विधित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (ख) नंतरण से हुई किया शाम की नामय, जन्द क्षांच-विवाद के अभीन कर दोने के विकास के खीवरच में करी कार्य का रुवाई नगर की स्थित के विहा; वरि/का
- (क) एथी किसी नाम जा किसी घर वा नम्ब शासितवी को फिल्हें भारतीय बावकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) जा उन्तर श्रीविनसम, वा वर्ध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ वैद्यारिती ह्याचे प्रकट नहीं फिला नवा था दा किया केना वाहिए था, कियार्थ में क्षिया की चित्र;

बतः अव, उक्त विकित्यम की भारा 269-क के अनुकरक मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती सुधा वेंकटसिवा रेड्डी वाइफ/श्राफ लेट टी० वी० रेड्डी नं० 2/1 पेलेस रोड़ वसन्तनगर बेंगलूर। (श्रन्तरक)
- (1) श्री एम० नूरूला शरीफ़।
   (2) श्री एम० ध्रजमतुल्ला शरीफ नं० 5, नारायणस्वामी पिल लेन कंलासिपाल्यम, बेंगलूर-2।
   (प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्श सम्मत्ति के वर्षण के किए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस नृथना के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविध, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्णेक्ट व्यक्तियों में से किसी न्यांतित ह्यारा;
- (क) हत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर उक्त स्थाधर सम्भक्ति में हितबबुध किसी सम्भ क्यमित बुधारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिक्षित में किस का सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्छ थीथ-ज़ियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, क्यों कर्य, होंगा के उस बभ्याय में दिया पदा हैं।

#### परस्पी

(दस्सावेज सं० 1642/85-86 ता० श्रगस्त 1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 5 (नया सं० 8) जो लागफोर्ड टाऊन बेंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीब : 3-4-1986

प्रथम बार्षं .टी . एन . एस . -----

भागकर जीवितियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) के स्थीन नुमना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण) स्रजन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 घप्रेल, 1986

निर्देश सं० 48198/85-86—यतः मुझे झार० भारद्वाज गणकर निर्धालयम, 1961 (1961 का 43) (रिश्ने इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर मन्पीरतः विश्वसा स्रीयत नाकार अस्ता 1,00,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जार एस 899 है, टी एस 589 तथा जो अतावर विलेज फालनीर वार्ड मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8 अगस्त 1985

को प्योंक्स संप्रित को उचित बाजार भूक्य से कम को स्वयमान गितफल को लिए मंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित्त का शिवत आजार गूक्य, उनके स्वयमान प्रतिपन्न से, एसे स्वयमान प्रतिपन्न का 'इह प्रतिस्ति से निधक है बीर बन्तरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (बन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के मिए तम वासा मवा प्रदि-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक खप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) कलारण से हुई जिली बाब का वाबत, सकत विधिवयम के लबीब कार दोने के बलारक के समित्य में झाबी कड़ने वा वास्त्रे द्याने में सुविधा के जिए; बहुर/सा
- (स) होते किसी लाय या किसी अन या बाय बास्तिको को, विन्ही सारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्योरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धो, भी, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की रणभारा (1) के बी अधीन, विक्तिनिविध्य अधिकार्यों, अर्थान १०००

- श्री डेनिज एस० मेन डोनिंस्या सन/ग्राफ लेट रिड मेल्डोका उज्जोडी, मंगलूर।
  - (भन्तरक
- श्रीमती शमयुत्रीसा नुबास बिशप काम्पौंड, कनकनाडी मंगलूर।

(अतरिती)

को यह स्वता चारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षत के निए कार्यत्राहियां करता शुं।

वक्त राज्योत्त के वर्षन के सम्बन्ध मा आहाँ भी नाक्षेप १.---

- (क) रल सूचना के राजवण में प्रकाशन की तारीश हैं
  45 दिन की जबीध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की शामील से 30 दिन की संबंधि, और भी
  वर्तीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
  व्यक्तिकों में हे किसी व्यक्ति प्रवर्गः
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के मीलर ज्वाज सारार सम्परित मों हिसबहुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

त्यव्यक्तिरणः--इक्ष्में प्रमुक्त कृष्यों कीए पृथ्वों का, जो क्या अर्ह्मिक्वक्, के बच्चाव 20-क में विरश्नामिक हीं नहीं कृषी क्षेत्रा को क्या बच्चाव में दिया बजा ही।

# नन्सूयो

(दस्तावेज सं० 715/85-86 ता० 8-8-85) सम्पत्ति है जिसकी सं० घार० एस० 899, टी० एस० 589, जो घत्ताबर विलेज मंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-4-1986

# प्रकर नार्वा की, पन्, यस्, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) वे वर्षीय द्वा

#### बाउव ब्रंकार

# कार्बासय, सहायक जायकर आयुक्त (हैंगरीक्षक) भ्रजन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 4 ग्रप्रैल, 1986

निर्वेश सं० 48354/85-86—यतः, मुझे, आर० भारद्वाज धामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को वारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्मीत, चिन्नका डिच्छ बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० 15 है, तथा जो एष० ए० एल० स्टेज बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28 ग्रगस्त 1985

को पूर्णोक्त इंग्लिस के उपित बाकार ब्रांस में क्रम के कारवान प्रतिकार में निर्म अन्तिरित की गई है जीर मूझे वह निर्माध करने का कारण है कि स्थापुर्वेषित संस्थित का स्थित बाजार सून्य उत्तके क्रममान प्रतिकात से, एसे क्ष्यमान प्रतिकात का उन्तह प्रतिकाद से स्थिक है कीर संस्थक (सम्बादकों) जोर सन्तिरिती (अन्तिरितिमों) के बीच एसं अन्तरण के लिए इस पाना पना प्रतिकास निर्मितीनीचा क्ष्यमिन से उस्त संतरण क्षितिका में बाकाविक कर से स्थिक क्ष्यों किया नवा है ए—

- (फ) अन्तरम् वं बुद्धं भिन्नी जाम् की वास्त्रः, उनस् वाचित्रम् से जनीत कर दोने चे मृत्युरक की दावित्य में क्यी करने ना उन्हें बृद्धे में द्वित्रा धे सिष्टः महि/श
- एनी किसी कान वा किसी वय वा नम्य नारिसकी नी. निन्हीं भारतीय वार्यकार व्यक्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिबिनियम, या परकर मीधीनवम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ बन्तिरिटी इवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- मिरना ग्रकरम महाबी नं 103, ब्लाक
   सी० पी० डब्ल्यू० डी० क्वाटर्स बेंगलूर-34।
   (श्रन्तरक)
- श्रीमती बी० विजयलक्ष्मी बाइफ/म्राफ़ वी० एन० रेड्डी चिन्नाकन्दाकूर म्नलीर नालूका नजागोडुडा, डिस्ट्रिक्ट। ए० पी०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के कर्जन के सिए कार्वनिहिमां तुक करता हूं।

तक्य सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेंच :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नदिश या तत्संबंधी व्यक्तियों वर स्थान की तायीस से 30 दिन की नदिश, को धीं किया नदिश की नदिश होती हो, के शींदर प्रशिक्त व्यक्तियों में के किया नदिश सुवारा;
- (क) इब स्थान के राज्यम में प्रकादन की सारीय है 45 पिन के भीतर अथव स्थावर सकत्त्र के निहर-बहुद किसी कम म्युवित पुरास, कप्त स्तावरी के नाम निवित में किस का स्वीपी?

भव्यक्रिष्य:---इसमें प्रयुक्त सम्बंधित पूर्व स्व, स्तेधिक अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही वर्ष होना को उन अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्**स्ची

(दस्ताव ज स॰ 1623/85-86 ता॰ 28-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 15 जो एव० ए० एल० III स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगल्र

अत: अब, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, नर्भात :----

तारीख: 4-4-1986

प्ररूप आहें. टी. ध्म. थ्स. न्यान

जावकर जीपीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कामकर नायुक्त (निरोक्तण) प्रजीन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1986 निर्देश सं० 48180/85-86--यतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज

भायकर नीधनिवस, 1961 (1961 का 43) (विसं इत्सें इसकें पश्चात् 'उमत अधिनियस' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विक्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उपित याचार नृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है, तथा जो ध्रपार्टमेन्ट नं० 602 IV फ्लोर, सिलवर लेक टेरेस बेंगलूर में स्थित है )और इससे उपाध्व धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 धगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार बूक्ब, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्निरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के सिए तय पावा गया प्रतिकृत्व कि कार्यक कि विश्वास में बास्तविक रूप से कि भित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुन्द किसी बाय की बाबत, उच्च निवस के अधीन कर वोने के बन्तरक के वासित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कवः, उक्त अधिनिधम की धारा 269-ग के बन्दरण कैं, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिचित व्यक्तिकों, शर्मान ४—— 8—56GI/86  श्री डी० एम० पिन्टो रोज डेल बन्टस हासटेल रोड मंगल्रा

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० बी० रिव नं० 22/1, रेस्ट हाऊस रोड़ बेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यें किरयों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिशबद्ध किसी जन्म स्थावत ध्वारा अधोहस्ताकरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याचीकरणं: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ इंगा जो उस अध्याय में स्थित गया है।

#### अनुसूची

(यस्तावेज सं० 1427/85-86 ता० 8-8-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 55 जिसमें श्रपार्टमेंट सं० 602 जो IV फ्लोर सिलवर लेक टेरेस बेंग्लूर में स्थित है।

> ग्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 7-4-1986

प्रस्य भार्'् टी. एत. एस. ------

ज्ञासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 260-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत बदकार

भायन्त्रमः, सहायक नायकर नायुक्त (निर्माणन)

श्रर्जन अ, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 स्रप्रल, 1986

निर्देश सं० 48213/85-86—यतः मुझे, मार० भारताज

आयकार अधिनिया, 1961 (1961 का 43) (विसे इसको इसको पहचाक (उनत अधिनियम' कहा गया हाँ), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सस्पत्ति, जिसका उपित बाखार सूक्ष्म 1,00,000/- रा. में अधिक ही

और जिसकी सं० 76 है, तथा जो बडगबेड विलेज उडुप्पी तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय उडुपी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 7 प्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित भाजार मृत्य से कम के अवमान प्रितण्य के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह निकास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उभित बाधार पूल्य उसके अवमान प्रितण्य से, एसे अवमान प्रितण्य का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्वल निकालिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण सं दुई किसी जाय की वाबसा, सबस समितियम को बंधीन कर दाने के बंसादुका को वासिस्थ में कमी करने या जससे बंधने में सुविधा के लिए: बीर/मा
- (स) तैसी किसी साथ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) न प्रयाजनार्थ अनिरमी द्वारा पकट नहा किया। प्रयो भा या किया जाना शाहिए था, कियाने भी र्वारण प्र ने निया।

जल. अब, उक्त आधानयम की धारा 269~ग के अनुसरण हे, मैं, उत्तक अधिनियम की धारा 269-म की मणधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्ते, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्ते, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्ते, 1. श्री चारलेस गोजर मिशन काम्पाउन्ड उडुपी टाऊन पोस्ट उडुपी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जफीरा ग्रार० तान्से तिम्मन्ना कुद्र तान्से वेस्ट विलेज उड्डपी तालूक पोस्ट, केम्मन्नु। (ग्रन्तरिती)

की बहु बुचना चारते करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तन्त्रीत में अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र प्र---

- (क) इस ज्वा को राजपत्र भें प्रकाशन की तारीक से 45 हिस की बनीं जा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तासील से 30 दिन की बनीं प, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (ख) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की सारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- व्यक्ति किया जनकारी के पास सिक्ति में किए जा मकारों।

स्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनसे कांधिनयम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, दही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्याही।

#### प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 755/85-86 ता० 7-8-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 76 जो बडमबेट्ट विलेज, उडुपी तालूक में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-4-1986

प्ररूप आर्च ,दी . एन ,एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजँन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 घप्रैल, 1986

निर्देश सं० 48767/85-86—यत: मुझे; प्रार० भारताज बायकर विधिनमन, 1961 (1961 का 43) (चित्र द्वार्य द्वार प्रमात् 'उक्त विधिनमन' कहा गया हैं), जी पार 269-व के विधिन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार कृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 16/1 है. तथा जो प्रारीस रोड बेनसन

मौर जिसकी सं० 16/1 है, तथा जो हारीस रोड़ बेनसन टाऊन बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबस मनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 7 मगस्त 1985

(1908 का 16) के अधान, ताराख 7 अगस्त 1985 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- ज्ञात. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1)

के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत :--

- 1. श्रीमती नाजमुत्रीसा नं० 34, एम० ए० जी० हाउसिना कालोनी कोरमन्गला, बेंगलूर। (ग्रन्सरक)
- श्रीमती नाज इकवाल 16/1, हारिस रोड़, वेनसन टाऊन बेंगलूर-46। (दस्तावेज सं० 2228/85-86 ता० 7-8-19865)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारी का से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाग।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **वन्**स्ची

सम्पत्ति है जिसका सं० 16/1 हारिण रोड़ बेनसन टाऊन वैंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-4-1986

प्रकृष **कार्युः ही**, एन*्* ए**व**ं 🗷 🗷 🤊

जाधकर अभिनियम, 1961 (1961 क्या 43) स्वी 269-भं (1) को अभीन स्पना

## भारत सरकाड

कार्थाजव, हहायक बायकर गायुक्त (। नरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 4 ध्रप्रल, 1986

निर्वेश सं० 48285/85-86--- यतः मुझे, स्रार० भारद्वाज

कायकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिक्कं इसमें इसके प्रकार 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विक्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० 8(16) है तथा जो मायनिवलो रोड़ लागफींड टाऊन बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुख्नी में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 30 ग्रागस्त 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का नेक्ष प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तर्य के निए तय पासा नय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण वे हुद्ध किसी बाव की वावष्ट, अंक्ष्य निविद्यम के मुचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने या स्वर्ध क्वने में बृदिया के लिए; अरि/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियां को, बिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम मा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था वा किया बामा चाहिए था छिपाने में विविधा के निरा;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती वैजयन्ती माला नं० 8 मायनविल्ले रोड़ लांगफींड टाऊन, बेंगलूर-5।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाशवती जी० श्रग्रवाल 592, एच० ए० एल० स्टेन XII मेन, बेंगलूर। (श्रन्तरिती)

की वह स्वना कारी करने पूर्वानस सम्पत्ति के शर्वन के किंद कार्यवाहियां करता हूं।

शक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्षांकरणः — इसमें अगुक्त शब्दों और पदों का, को उक्का विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पदा हैं 🖫

#### **मनुसूची**

(दस्तावेज सं० 1338/85-86 ता० 30-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 8(16) जो मायनिकले रोड़, स्नांगफोंड टाऊन बेंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रैंज, बेंगलूर

तारीख: 4-4-1986

## शक्य दार् टी प्रमृत्यस्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (१) जे अधीन स्वता

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर ब्गलूर दिनांक 2 प्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० 48326/85-86—यतः मुझ, आर० भारद्वाण नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हुं

ग्रौर जिसकी सं० 86 है, तथा जो अत्तावर विलें ज मंगलूर में स्थित (ग्रौर इंपमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) सारीख 26 अगस्त 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथिम नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तार्थ से हुई निस्ती बाध की वानत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की वासित्य में कशी करने या उससे अवने में सुविधा के किए; मीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, वा धनकर अभिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरिती बुगारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में तुनिभा के लिए;

श्री के ० अबुबकर प्रोपराइटर ःर्नाटका वड इंडस्ट्रिज तुम्बे, बन्टवाल सालुक।

(अन्तरक)

2. (1) रजीया।

(2) फाजिया।

ग्रौर (3) ऐशा मिलिया माईनर बच्चे श्री जी० एस० कमतालुधीन (फादर ग्रौर बंगलूर) विसनेसमेन बासलेन, फालनिर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्भक्ति को अर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

**एक्त** सम्परित के अर्थन क्षेत्र सम्बन्ध में **कोई भी आश्र**ेष :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की बचीच वा सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीज से 30 विन की बचीच, को भी नविच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत कानिवामों में वे किसी स्वविद्य ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक धै 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेग।

स्पद्धकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों माँ ए पदों का, जो उक्त विभागित हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया

# वनसूची

(वस्तावें ज सं० 785/85-86 ता० 26-8-85)

सम्पत्ति है जियका सं० 86, अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, बेंगलर

् अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण नः, भैः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 2-4-1986

## शास्य आर्घे टी . एन . एस् . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन स्चना

#### भारस सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, बेंगलूर

बॅगलूर, विनांक 3 अप्रैल, 1986

निर्वेण सं० 49618/85-86—यन मुझे धार० भारद्वाण सायकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनको सं० एते ० 48-1 भीर 120-2 है तथा नो चिकतमुद्दन्र विलेज पुत्त् तालूब में स्थित है (भीर इससे उताबद्ध अनुभुची में भार पूर्ण रूप से विणित है), रिक्ट्रीत-कर्ता अधिकारी के जार्यालय पुत्त्र में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, जारीख 22 अगस्त 1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है अन्तर्क

- (क) वंतरण से शुद्ध कियों बाय की वावत, धक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को यावित्य में कर्नी करने वा उत्तरे क्यने वें सुविका के सिक्; और/वा
- (ण) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के सिद्धः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन,, निस्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रो , जुन्हांमद।
  - (2) श्रीमती विविधि।
  - (3) श्री उमर।
  - (4) श्रीमती उमालिमा।
  - (5) श्रीमती कैंजम्मा।
  - (6) श्री अब्दुल कुन्ही।
  - (7) श्रीमती ऐसम्मा।
  - (8) श्री अञ्चास।
  - (9) श्रीमती एसम्मा।
  - (10) श्री अब्दुल रेहमाम।
  - (11) श्री अब्दुल खादर।
  - (15) श्री इब्राहिम।
  - (15) श्री अवशा।
  - (16) श्री अब्दुल कुन्ही जिक्कमपुदनूर विलेग मुदायुर पुनुर तालुक।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नतालिपा व्यास धिक्यमुदनूर विलेज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# बन्त जन्मित में अर्थन के संबंध में कोई भी भागेंच अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनूसूची

(दस्तावेज सं० 69/85-86 ता० 22-8-85) सम्पत्ति है जिसकी सं० एस० नं० 48-1, 120-2 जो जियकमदनूर विलेण पुत्तूर तालूक में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोंज, बेंगलुर

तारीख . 3-4-1986 मोहर:

# प्रकार बार्च .डी .पुन .युव .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहस्रार

कार्यातव, सहायक जायकर जाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० 48380/85-86--यतः मुझः, आर० भारद्वाज

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 44-1 श्रीर 143-2 है, तथा जो ईडिया विलेख श्रीर कालीपल्ला विलेख, मंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुमुखी में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिकट्टीवर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में भाक्तीय रिनिस्ट्री परण अधिकाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित साधार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयान प्रतिफल से, एसे स्वयान प्रतिफल का बन्सह प्रतिशत से स्विक है और अंतरक (जंतरकों) और संतरितों (जंतरितियों) के बीच एचे जंतरण के लिए तम पापा पदा प्रति-क्षा निम्नसिक्ति उद्देष्य से उच्त अंतरण शिविस में बास्तिक क्ष्य में कीच्त महीं किया क्या है क्षान

- (ल) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबता, उच्छ स्थितियस के खबीत कर दोने के अन्तरफ की शियत्व में कमी करने या उससे स्वाने में स्थिता को किए; बॉर/का
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तिओं की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

, कतः जब, <del>उपत विधिनियम की धारा 269-ण **के बन्**यरथ</del> बँ, मँ, अ<del>यत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)</del> के अधीन निम्नसिक्कित स**विक्रमों धर्धार**ः——

- 1. (1) श्री बी० एम० हसौत श्रीर
  - (2) श्री बी० एम० हमीद कृष्णापुरा मंगलूर नाल्या।

(अन्तरक)

 श्रीमती मैमुन्ना वाईफआफ श्री बी० महमद कादी, मंगलूर।

(अन्त रिती)

 मेसर्स भगीरथा एले भद्री कलस श्रीप स्ट्रक्चरल कम्पनी पत्रम्बूद मंगलूर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इंड सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारींच है 45 विन् की जनकि वा तस्त्रकान्धी व्यक्तियाँ पढ़ सूचना की तामील से 30 विन की जनकि, को भी वर्ष नाम में सुमान्द होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों भी किसी म्योंक्त प्रशास
- (स) इस बूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीध में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के अस जिल्लान में निम्ह का सकत्ती।

स्यस्त्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त वस्त्रों और वक्षों का, को स्वरूप जिभीनयम के सभ्याय 20-क में परिजायिस ही, बही सभी होगा, को उस सभ्यास में दिया गया ही।

# अनुसूची

सम्पत्ति है जिसकी सं० एस० सं० 143-2 श्रीर 44-1 जो ईडिया विलेज श्रीर कालीपल्ला विलेज मंगलूर में स्थित है।

> आर**०भारद्वाज** क्ष**क्षम प्राधि**ारी महायक आयकण आयुक्त (निर्दाक्षण) <mark>ग्रज</mark>ीन रेंज, बंगलूण

विनांक: 3-4-1986

मोह∵ः

## प्रकल लाइ . डी . एन . एस . -----

मानकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सङ्ग्रामक नायकः नाव्यत (निकासक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० 48183/85-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित याजार मूल्य बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है प्रारे चिसकी सं० 10(3) है, तथा जो जाउफिन्गहाम केसेन्ट बेंगलूर में स्थित है (प्रारं इसके उपाबद्ध अनुसूची में प्रारं पूर्ण कृप से विणित है), रिनिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985
की वृगोंकत सम्मत्ति के जीवल बाजार मृत्य से क्षम के दश्यमान्
प्रतिच्यत के लिए कस्तरित की गई है बीर मृक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि बजा पृत्रोंकत सम्मत्ति का उवित बाजार
मृज्य, उसके श्रम्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह
प्रतिकत से किथक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के मिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नीलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित में वास्तिकक
कर में कथित नहीं किया गया है है---

- (क) वन्तरण ने हुइ निस्ती आय की वावत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अस्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति जिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतं कर, उत्भा अधिनियम की भारा 269-ग की जनसरज में, में उत्त मधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) है अधीन, निम्मीनिश्चित व्यक्तियों, जशित ह—

- दि क्यातोलिक बिकास कांफरेन्स आफ इंडिया सोपायटी फार मेडिक्ल एजूकेणन किसके प्रति पिधि रोवरें। फादर परसीवा उरमानिक और पाविनी सैट अन्य मेहिक्ल कालेण बेंगलप। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री अशोक महजन।
  - (2) श्रीमती रम्बा महाजभ नं० 58, क्ष्मीन्गहाम रोड, बेंगलूर।

(अन्तिरिती)

का वह सूचना बाडी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्धन से सि। कार्यमाहियां करता हुँ।

ठक्त संपत्ति के वर्षन के मंत्रेष में कोई भी वासीय :----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सविधी व्यक्तियों पर गृषना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त हानेती हों, के भीतर प्रविक स्थितियों में से किसी स्थित इसारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितवक्षे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिक्ति में किए वा सकोंगे।

हमक्योकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त वाधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

#### अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1451/85-86 ता० अगस्त 1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० १०(3) जो किश्ननगहार कैसन्ट , बेंगलूर में स्थित है।

> आर०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आवना (नि**रीक्षण**) अर्जन रोंज, बेंगलूर

**क्षारीख:** 3-4-1986

मोद्र:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 3 श्रप्रैल 1986 निदेण सं० 48248/85-86---श्रतः मुझे, भार० र्भृभारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी सं० 32 है तथा जो नं० 151 III पलोर VII मैंन मिल्लेशवरम बेंगलूर में स्थित है )और इससे उपावद श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय राजाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1 श्रगस्त 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्ररिक्तित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्वोदना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन - फिक्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 9—5 6GI/86

- . (1) श्रीबी० एस० वेंकटसु**ब्ब**य्या।
  - (2) श्री बी० ए4० श्राविनारायणय्या।
  - (3) श्री बी० एस० गोपालकुण
  - (4) श्रीमती वी० प्रेमाकुमारी नं० 158 कोकनट स्रवेन्यू मल्लेशवरम वंगलूर-3।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री प्रकाण डी० देसाय।
  - (2) श्रीमती रक्शा पी० देसाय नं० 54/10-ए 1 क्रास माधवनगर डेंगलूर-1।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी जानी के धार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी. व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

(दस्तावेज सं० 1878/85-86 ता० 1-8-85) अभिजीत श्रपार्टमेन्टस III पत्नोर मिं जो नं० 151 VII मन मल्लेशवरम बेंगजूर में स्थित हैं।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रैंज बेंगलूर

तारीख: 3-4-1986

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज बेंगल्र

बेंगलूर, दिनांक 4 मप्रैल 1986

निद्रोश सं० 48186/85-86--यत: मुझे भार० भारकाज अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है तथा जो ब्रिगेड रोड बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित

है) रजिस्टीवर्ता अधिवारी के वार्यारण शिवाजी स्थार में रजिस्दीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 9 प्रगस्त 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, इसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, साधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्री दिनशा एस० इरानी 41 कुस्सन रोड़ बेंगलूर। (भ्रन्तरक)
- (1) श्री श्रतार श्रहमद ।
  - (2) श्री ग्रजहर ग्रहमद पौर
  - (3) श्री मुझावर श्रहमद नं० 79/2 बेनसन काम रोड बेनसन टाऊन बेंगलूर-46। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

#### अन्सची

(दस्तावेज सं० 1451/85-86 ता० 9-8-1985) सम्पत्ति है जिनकी सं० 47 जो त्रिगेड रोड़ बेंगलूर में स्थित है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख : 4-4-1986

प्रस्य **नव**्य की<sub>ल</sub> पुरात पुरात व साम सम्बद्ध

# भारतकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 48) मार्ग कास 269-म (1) में वामीन क्याना

#### HIZE SEAR

फार्नानव, सहावेक बावकर बावक्त (निरोक्तक)

म्रजॅन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर विनांक उम्रप्रैल 1986

निद्रश सं० 48361/85-86—यत: मुझे श्रार० भारकाज आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके गण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह जिल्लास करने का लाइण हैं कि स्थावर सम्मीस जिसका उष्टिय सक्तार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 23(19-ए) है, तथा जो विविधानी रोड़ रिचरडस टाऊन बेंगलूर में स्थित है (अंग इससे उपाबध अनुसूची हु आंर पूणं रूप से वर्णित है) रिज़र्द्वतं श्रिक्त कारी के कार्यालय शिवाजी नगर में भें रिज़र्द्विरण श्रिक्ति है। 1508 (1508 वा 16) के श्रिक्त तार्री स्थान स्थान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कव के दश्यवान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त सम्पत्ति का सरका दावार मूक्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अभिक है और अन्तरिक (बन्तरिकों) और अन्तरिती (बन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरिक के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नितिबत उद्देश्य से उनत बन्तरिण निक्तित में अस्तिबक उप से स्तिथत नहीं किया गया है अन्तरिक उप से स्तिथत नहीं किया गया है अन्तरिक

- (क) अरु/रूज् हे हुन्दे किशी बाव की बार त, कनत अधिनियात के जमीन कर दोने में बन्तरक के विधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शर्रिया
- (स) देशी किसी काम या किसी भग या लग्न वार्तस्वर्धी को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधिनार्थ कर रहीं किया गया था या किया जाना अधिकृत था. किया वे त्रिका के किए;

1. श्रीमती यशोदिम्माल, बैंक ग्राफ लेह० बी० गोविन्दराजा नं 23, विविभानी रोड, रिचरङ्ग टाउन, बंगलूर-5 (भ्रन्सर्क)

2. श्री ग्रब्दुल समद ग्रवानी वीटिल गौर श्रीमती भ्रमीना भ्रब्दुल सामाद नं० 17 हाल रोड़ रिचरडस टाऊन, बेंगलूर-5।

(भन्त रिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्ट संपर्तित के वर्जन के लि कार्यवाहियां करता। हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख तैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### en an an Air

(दस्तावेज सं० 1591/85-86 ता० 22-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 23 (19-ए) जो विनियानी रोड़ रिजरइस टाऊन बेंगलूर-5 में स्थित है।

> मार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बगलूर

सारीज : 3-4-1986

मोहर:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आनुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 श्रप्रैल 1986

निवेश सं० 48216/85-86—यतः मुझे श्रार० भारद्वाज आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 156/5 156/13 है तथा जो पालिबेट्टा कोडग डिस्ट्रिट है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बीराजपेट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5 ग्रंगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:——

- (क) जन्सरण ते इहुई किसी जाम की बामक उक्त जिमीनमा के वभीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिखु;

जतः अस उन्सं अधित्यम का पारा 269-ग क अमूसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ह——

- 1. श्रीमती चेन्दादा टी० देवव्या बाइफ/माफ श्री सी० जी० तिम्मय्या बडगा बन्तगला विशेष पौलिथे (ग्रन्तरक)
  - डाक्टर एस० सुधाकरा शेट्टी भ्रौर श्रीमती भ्रमीता एस० शेट्टी पालिबेट्टा।

(श्रन्तरिती)

(2) विजय बैंक। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग म सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीत सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अन्न अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

(दस्तावेज सं० 316/85-86 ता० 5-8-85) हौम सेंट नं० एस० 156/5 (ग्रोर 156/13 जो पालि-बेट्टा कोडमू डिस्ट्रिट में स्थित है।

> श्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्तनिरीक्षण) भजंन रेंज बेंगलूर

हारीख 3-4-1986 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आषकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 3 अप्रेंल 1986

निद्रेश सं० 48331/85-86--यतः मुझे श्रार०भारद्वाज आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000∕- छ. से अधिक है

भीर जिनको सं श्रार ० एन ० 581 टी ० एस ० 222 है, तथा जो कास्या बाजार विलेग बेंगलूर में स्थित है (ग्रंर इससे उपाबड ग्रनुमुनी में और पूर्ण रूप में विणकृत है), रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकृकारी के कार्यातय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्री करण धिनियम 190 ((1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 श्रमस्त 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का १) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ाक्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अमित्वधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- श्री एडवर्ड ए० स्नातकीत बालमट्टा न्यू रोड मंगलूर ६ (स्नारका)
- 2. श्रो एम० पद्मनाभा राव मर्चेन्ट उरवा, मंगसूर ध (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्णन से किल कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त बन्मरित के वर्षन के बन्मरूप में कोई भी वाक्षेप 🐎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच है 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबीध, को भी वर्षा वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं ४० दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दी, दही अर्थ कोगा, यो जस अध्याय में दिवा नेवा ही।

#### उन्स्पी

(वस्तावोज सं० 805/85-86 ना० 30-8-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एम० 581/टी० एस० 222 जो कास्बा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है।

> ग्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 3-4-1986

प्रसम् बार्ड्, टी. एन. एस.. :------

# बायकर गीर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के बचीय सुमना भारत सच्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 4 अप्रैल, 1986

निदेश सं० 48258/85-86---यतः मुझे आरं० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी मं० 28/1 है, तथा जो काम गाँधीनगर बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रेर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी में कार्यालय गाँधी नगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 के 16) के ग्रिधीन, तारीख 22 ग्रगस्त 1985

को पूर्वोक्स सम्मास्त के बीचए बाचार मूक्य से कम के सम्मान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यजाम्बॉक्स संगरित का उचित बाजान मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पर्म्मह प्रतिशत से अधिक है कोर बन्तरक (बन्तरकों) और बनारिती (अन्तरित्ता) के शैच एसे अन्तरण के लिए तब नवा ग्या प्रतिफल, निम्नलिचित उद्योग्य से सकत बन्तरण विवित में बास्तिक रूप से कांश्व महीं किया च्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विशिषक के अधीय कर देने के क्यारक की वार्षिक में कनी करने वा उन्तर क्यारे में बृधिमा के सिए; बौट/वा
- (क) एसी किसी बास था किसी वन या बन्स बास्तिबों की जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंक्टरा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

वतः वह, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन, जिल्लीकांचित व्यक्तिकों, अधीत हु---  श्री के ० श्रार० प्रभु नं ० 8/8, रंग राव रोड़ संकर-प्रम, बेंगल्र

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्रीवी० ग्रार० मन्जुनाथा ग्रीर (2) श्रीवो० ग्रार० शेगाद्रिनं० 1376, 32 कास IV टी ब्लाक जयनगर बेंगलूर (भ्रन्तरिसी)

और यह सूचना बारी करके पूनोंक्स सम्पत्ति के कर्चन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप :---

- (क) इस स्वाग के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहम्ताक्षरी के पास निक्षित में निकार जा सकींगा।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

(दस्तावज सं० 1489/85-86 ता ० 22-8-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 38/1 जो VI काम गाँधीनगर, बेंगलूर म स्थित है।

> म्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-4-1986

शक्य लाहाँ दी. एन् एस् ......

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ये वजीन मुच्छा

#### भारत सरकात

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनां रु 4 अप्रैल, 1986

निर्देश सं ० 483 79/8 5-86 - - यतः मुझे श्रार ० भारद्वाज भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'जवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के कथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित दाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं0.106/4 है, तथा जो मुदानिदम्बर विलेज उडुपी तालुक, उडुपी में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय उद्यो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन, नारीख 26 अगस्त 1985 को पर्धोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम को दश्ववान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पेंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अस्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के स्पि तय पावा गया प्रतिफल, निम्नजिक्ति उद्योग्य के उक्त बम्तरण सिक्ति वें यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (थ) असारम वे हार्ड किसी बाव की शक्त, असद बावि-विकास को बधीन कर वोने से बन्तरुक को दावित्व में कर्नी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बरि/पा
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अवस्तियों का े अन्ह<sup>र</sup> भारतीय जायकर जिंधनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम्, 1957 (195**7 का** 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

बत:, बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

कें अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 🗕

1. श्रो एम ० सुक्त्र राव मन/ग्राफ एम ० रंग राव रंग मन्दिर ग्रापीसिट सिटी बस स्टैन्ड उड्पी।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) भेवर्स केनरा प्रावर्टीप ग्रीर इन्वेस्टमेन्टम
  - (1) श्री कीर्तिचन्द्रा करकेरा।
  - (2) श्री कृतीणचन्द्रा करकेरा, करकेरा काटेज श्रोल्ड केन्ट रोड़ मंगलूर। (भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कांबद्द सूचना जारी करके पूजीवत संपत्ति की कर्चन के जिक् कार्यवाहियां श्रुक्त करता है।

उक्त सम्पर्तिल के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

स्वर्षकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो अन्ध विधिवयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होंगा भी उस अध्याय में दिया च्या है।

- (क) इस स्वता के राज्यन में प्रकादन की तारीय है 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना का तामील से 30 दिन की बद्धि, को भी वयि वाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाए;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-पाक विश्वित में किए का सकेंगें।

# अनुसूची

(दस्तावेज 812/85-86 ता० 26-8-85) सम्पत्ति है जो म्दानिदम्ब्र विलेज उड्पी ताल्क, उड्पी में स्थित है।

> श्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीखा: 4-4-1986

प्रक्रम आई', टी. एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनर्नाक 4 श्चप्रैल, 1986 निर्देश सं० 48353/85-86---यतः मुझे श्चार० भारक्षाज

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिछ इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गता हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण है कि वभाप्तोंक्त तथाति का उचित वाचार ब्रूच 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 67/टी है, तथा जो लेकेले रोड़ बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 ग्रगस्त 1985

का पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत तंपरित का उचित बाजार सूक्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रदिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम बामा गया प्रति-फल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निचित में शस्तिविक क्षा में किशा समा है है——

- (क) अन्तरण से हुई किली आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्राह्मक में कभी करने दा उनके स्वामे में हुविका के ब्राह्मक के स्वाम
- (क) कोती किसी बान ना किसी धन वा अन्य जास्तिनी का, किस्ह भारतीय जायकर विधितनस्त्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वाधिनियम, या धन-कर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नवा का एक वाना का किया में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की अबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रो शबीर श्रम्भाल बाई लोकन्डवाला नं० 30, सिशन रोड़ बेंगलूर।
  - (2) श्रो लादिक हुमैन शमसुद्दीन पचोखाला 24/40 नरितम्हा राजा रोड़ बेंगलूर।
  - (3) श्रो मोहामोडॉ यूसफ भाई वडत्गद्वाला नं० 32 कुमिबगल रोड़ वेंगलूर-2 (भ्रन्तरितो)
  - (1) श्रो मुरेश वासवानी।
  - (2) श्रोमतो गोता वासवानो नं० 22 लेवले रोड़, बेंगलूर-1।

(वह व्यक्ति जिन्नके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके वृषोंक्त संपर्ति के कर्पन के लिए कार्ववाहियां करता हु।

्यक्त सम्मन्ति के मर्थन के तस्वन्थ में कोई मी नाबोप ।:---

- (क) इस त्याना के राष्यात्र में प्रकाशन की शारील से 25 दिन की ननीथ या तत्त्वात्रस्थी व्यक्तिकों कर स्वान की मानील से 30 दिन की अपिय, जो भी अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## अमृत्यी

(दस्तावेज सं० 1594/85-86 ता० 22-8-1985) सैट नं० 67/1डी जो लेवले रोड़, बेंगलूर में स्थि है।

> श्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

**हिंतारीख: 4-4-198**6

मोष्ठर :

प्ररूप आहाँ, की. एन. एक. ------

कायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ष भारा 269-व (1) के नधीन स्थना

#### बार्व वरकाइ

कार्यालय, सहायक आगकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 सम्बर्ध

बम्बई दिनांक 4 म्प्रपैल 1986

निदेश सं० 48204/85-86---श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

चायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके प्रचाह 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव एसव 154, ग्राइंव एसव 321/1 है तथा जो कोडियाल बैंक विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुख्जी में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीखा 13-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मुख्य वे कम के क्रयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मुखे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार श्रुव्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से एसे दृश्यमान प्रतिकत का नंबह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-कस निम्निचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्त-विक कप से कि भित नहीं किया नया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बाँगित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के निए; और/बा
- (था) देशी किसी बाब का किसी बंध या अन्य कारिनामां को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया बाना वाहिष्य वा. कियाने को स्थिता की सिष्ट;

नतः अव, उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उसते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10---56GI/86 1. (1) श्री यू० प्रनन्त मलया सन/प्राफ़ यू० वामन सुबाया मलया परम्बूर है रोड़ मदास प्रतिनिधि श्री यू० वसन्त कुमार मलया (2) श्री यू० वसन्त कुमार मलया सन/प्राफ यू० प्रनन्त मलया नं, 182 7 कास रोड़ टी० एन० एच० बी० कालोनी व्यासरपाडी मदास (3) आक्टर यू॰ सुरेन्द्रा मलया *सन*/म्राफ यू० श्रमन्त मलया जेड्डा सौंदी भ्रारेबिया और उसके प्रतिनिधि श्री यू० वसन्त कुमार मलवा (4) श्री यू० विश्वनाथ मलया सन/प्राफ यु० वसन्त कुमार मलया नं 182, 7 कास रोड़ टी एन । एच० बी० कालोनी व्यासरपाडी मद्रास उसके प्रतिनिधि श्री यू० वसन्त कुमार मलया (5) श्री यू० सुमन्त मलया सन/ब्राफ़ डाक्टर यू० सुरेन्दा मलया उसके प्रतिनिधि डा० यू० सुरेन्द्रा मलया और उसके पी० ए० होल्डर यू० वयन्त कुमार मलया (6) श्रीयू० श्रीनिवास मलया सन/प्राफ यू० पदमनाभ मलया नं० 7/ 638 जैल रोड़ मंगलूर जिसके पी० ए० होल्डर श्री पी० देवदास शेनाय (7) श्री यु० रामचन्द मलया सन/ग्राफ यु० पद्मनाभ मलया नं० 7/638 जैल रोड़ मंगलूर पी० ए० होल्डर पी० देवदास मलया (8) श्रीमती गांतेरी डी० शेनाय डाटर/ग्राफ़ यू० पद्मनाय मलया नं० 7/638 जैल रोड़ मंगलूर उसके प्रतिनिधि श्री पी० देवदास शेनाय (9) श्रीमती रोहिनी ए० कामत डाटर/प्राफ यू० पर्मनाभ मलया मन्डक्र सौत केनरा वै पी० ए० होल्डर श्री पी० देवदास मेनाय (10) श्रीमती सुशीला ए० कामत डाटर/ग्राफ यु० पद्मनाभ मलया के० सीं० स्ट्रीट तीरतहल्ली में बी० ए० होल्डर पी० देवदास णीवोय (11) श्रीमती कुंसुमापी० बी० जी० डाटर/ग्राफ श्री यू० पद्मनाभ मलया डोर नं० 3-32; 2765 विश्वा ज्योति सुन्नमण्य सदन के नजदीक मंगलूर जिसके प्रतिनिधि श्री पी० देवदास शेनाय (12) मिस जयश्री मलया बाटर /म्राफ यू० पद्मनाभ मलया नं० 7/638 जैल रोड़ मंगलूर व पी० ए० होल्डर श्री पी० देवदास शेनाय (13) श्रीमती शान्ति बी० कामत डाटर/ग्राफ यू० पद्मनाभ मलया मरकेरा वै पी० ए० होल्डर श्री पी० देवदास भोनाय (14) श्रीमतीयू०सरस्वतीमलयानं० 7/638 जैल रोड़ मंगलूर बै० पी० ए० होल्डर श्री पी० देवदास शेनाय (15) श्री यू० कमलाक्षा मलया सन/ म्राफ यू० वामन सुन्नाया मलया 358 10, मैन 1 ब्लाक 3 स्टेज बेंगलूर-560079 (16) डाक्टर ग्रार० के० मलया सन/ग्राफ यू० के० मलया ओल्ड स्टेज रोड़ ब्रोन्ली केन्ट, यू० के० **ब**० पी० ए० **हो**ल्डर श्री यू० के**०** मलया

(17) श्री यू० बासुवेव मलया सन/म्राफ यू० कें मलया 1794 वृक्क्सैंड ड्रेंब मिचिंगन युक एसक एक बै पीक एक होल्डर यूक केंक मलया (18) श्री यू० रानाराम मलया सन/ म्राफ यू० वामन सुभ्राय मलया कार्दी रोड़ मंगलूर (19) श्र्वी यू० दामन मलया माफ य० राजाराम मलया कादी रोड मंगल्र (20) श्री यु० गौतम मलियास राजाराम मलया कार्बी रोड़ मंगलूर श्री यू० सुर्वेशन मलया सन/ग्राफ यू० वेंकट राक्षा मलवा पिन्टो लेन मंगलूर। श्री युष्**िविनोद कुमार मलया सन/ग्रा**फ यूष् वेंकष्टराया मलया पिन्टो लेन मंगलूर (23) श्रीमती मन्दनी एम० पाई, डाटर द्याफ यू० बैंक टारया, महस्या ब्लाक घं० 1, दारनीया नं० 72 सैगान ईस्ट बरकई-22 और प्र ए० ए० होरडर श्री यू० सुदेंग्स महाया (24) श्रीमती जी० वासन्ती थी० पै० डाटर/झाफ यु० वेंकटराया मध्या केट्टार रोड़ धेरेबैल मंगलूर ब पी० ए० होरडर भी यु० सुदन्यन मलशा (25) श्रीमती यू० मीनाक्षी मलया पिन्टो लेन मंगलूर व पी० ए० होल्डर श्री यू० सुदर्शन मलया (26) श्री यू० सुभ्राय मलया सन/म्राफ य० वामन सुभाय मलया करंगलपाडी मंगलूर, (27) डाक्टर यू० जगदीका मलस्या, सन/प्राफ यु० सुभ्राया मलया, गं० 23, औवरटम प्लेस वेस्ट ब्रौतनिक वेस्ट मिडलम्डस, यू० के ए० होइहर, भी यू० सुभ्राया मलया, (28) डाक्टर यू० नगोश मलया, सन/घाफ यू० सुधाया, मलया, मिडलबोरो लेक्क्डॅंड, यू० के० ब, पी० ए० होडलर, श्री यू० सुभाया मलया, (29) श्री ग्० मन्जुनाय मलया, सन/ग्राफ ग्० सुभाया मलया, कर गी, मंगलूर, बा पी ए० होल्डर, श्री यू० सुभावा मलया, (30) श्री यू० गोपीनाव मलया सन्निमाफ यू० सुभाया मलया करगलपाडी मंगलूर बल पी० ए० होल्डर श्री यू० सुभ्राया मलया (31) श्री यू० मरलीवर मलया, सक्याफ यू० सुभाया भलया करंगलपाडी मंगलूर व पी० ए० होस्कर, श्री यु० सभ्राया मलका।

(ग्रन्तरक)
2 श्रीमती बहुश्रिसा, (2) श्रीमती बीबी फातिमा
इसमाइल (3) श्री भव्दुल माजीद इसमाइल
(4) श्रीमती नदीबा इसमाइल,

(श्रन्तरिती)

3. बटकरू, नित, केनरां।
(वंह व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग में
सम्पत्ति है)

4. श्री गणेश मलया।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की बहु स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाष्ट्रिको करता क्ष्रों हैं

हान्स तस्यति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क्र.) इस स्तवा में प्रसम्ब में प्रकाशन की तारीक कें
  45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (व) इस बुध्यम से छापय में जन्मवन सी जारीक है 45 प्रित्न के बीत्रक वक्क स्थानक कमिता में दिस्तक्ष्य विभाग कन्य स्थानित बुगाय, मधोहताक्षरी से नाव विश्वित में निस् वा क्योंने।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20 क में सभा परिकारिकत है, वही अर्थ हत्रोग जो उस कथ्याव में विद्या रिया है।

## नगुत्रची

(यस्तावेज मं० 724/85-86, ता० 13-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० टी० एस० 154 मार० एस० 321/1 जो कोडियालबैन विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> शार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहावक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-4-1986

मोष्टर:

## प्रकप कार्च . दि . एम . १५४% ------

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन सूचन।

#### भारत सरकार

कार्यालमः, सङ्गयक आयकार आयुक्तः मिरीक्षण)

मर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 4 मप्रैस 1986

निदेश सं॰ नोटिस सं॰ 48220/85-86--म्रतः मुझे भार॰ भारदाज

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इक्यें इसके परवात् 'उनत निर्मागम' कहा वहा ही), की भारा 269-व के निर्मात समाम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारल है कि स्थानर सम्मत्ति, विश्वका उचित नावार मृश्य 1,00,000/- रा. से निर्मा है

भीर जिसकी सं 16 है तथा जी 5 कस 2 मैन रोड़् समजन्द्र पुरम बेंगजूर में रियत है (भीर इससे उपाय इ भनुसूची में भीर पूर्ण कप से यिंगत है) रिग्रिट्रीय कि कि मारी के कार्यालय श्रीरामपुरम में रिग्रिट्रीयरण श्रिधिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-8-1985 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूस्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का प्रमुख, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का प्रमुख, उसके दश्यमान प्रतिफल हैं और अन्तरण (अन्तरण के निए वस बाग गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्यन में वास्तरिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; बरि/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1.922 (1.922 का 1.1) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1.957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के तिए;
- जतः अव, उरक अभिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण में, में, उरत अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिविद स्वित्यों, वर्श्वद के---

- श्रीमती लक्ष्मी देवम्मा नं० 17 पिल्लप्पा लेन जुम्मा मस्जिद रोड़ कास नगरत पेट बेंगलूर। (धन्तरक)
- श्री राजाराम बी० शेनाय न'० 6 कस्तुरबा विलेज बोरिविल्ली एस्टेंट बम्बई-66।

(भन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांड़े भी बाधीय हैं---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि कार्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (वा) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधिकत्ताक्षरी के पास निष्यत में से किए का सकीयो।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधिष्ठ है वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## वन्यूची

(दस्तावेज सं० 1148/85-86 ता० 8-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 16 जो 5 कास 2 मैन रोड़ रामचन्द्रपुरम बेंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज बेंगलुर

तारी**ख : 4-4-**1986

## भक्त आर्चु<u>्टौ्यून ए</u>च्<sub>यान-१०४</sub>००

## शंबकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना धारा बरकार

कार्यालव, तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज बेंगलूर

**भतः मुझे, भार० भारदाज** 

बेंगलूर, दिनांक 2 श्रप्रल 1986 - निदेश सं० नोटिस नं० डी० श्रार०-773 $\frac{1}{2}$   $\frac{1}{2}$  85-86-

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वहनात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निवधास करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं जालता नं 60 है तथा जो मारगोवा सब डिस्ट्रिक्ट आफ सालसेट गोवा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिन यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-8-1985

को वृत्रोंक्त कम्मित के जीवत बाधार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि गथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाधार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जीद अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अध्यस्य के लिए तय पामा गया प्रतिपत्त, निम्निलिखित उद्देश्य से जवत उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों अरितीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री जैबन्त विश्वनाथ घोडे श्रीमती उका जैबन्त घोडे श्री धीनानाथ विश्वनाथ घोडे श्रीमती सुनील धीनानाथ घोडे श्री ग्रादित विश्वनाथ घोडे।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा श्राधित घोडे श्रीमती सीताभाई विश्वनाथ घोडे मारगोवा सब डिस्ट्रिक्ट शाफ सालसेटट गोवा।

(अन्यरिती )

3. मेसर्स नेशनल बिल्डर्स, स्वा डी० सोवाडेस पाजीकोन्छ। मारगोवा, गोवा।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना अररी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबिंध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाछ लिखत में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को जवल अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित इ. वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 430/85-86, ता० 12-8-85) सम्पत्ति है जो सेक्सानेसिमा पार्ट डी प्रेडिको कैबासैरा कलकोन्डेम नाम से परिचित्त है ग्रीर जिसका नापना 905 स्क्वेयर मीटर्स जो भारगोवा ,सब डिस्ट्रिक्ट आफ सालसेट गोवा में स्थित है।

> द्यार० भारद्वाज स**क्षम प्राधिकारी** सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

नारी**ख:** 2-4-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के व्यक्ति यूचना

### -

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन, बेंगलुर

बेंगलूर, दिसांह 2 अप्रैच 1986

िदंश सं० नोटिस नं० डी० आर०—773—ए०/85—86 अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'ब क्ल अटैभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन तक्षम प्राभिकारों को यह विश्वत्य करने का कारण है कि स्थावर संपर्टित विश्वका उचित्र वाचार संस्थ

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रांग जितकी सं क सर्वे मं क 14 (बी क) 18, 19, 20,
22,23, 26 है, तथा जो नावेलिम सालसेट,
गोबा में, स्थित है (प्रांग इसे उपाबद्ध अनुसूची
में ग्रांग पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बेंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सारीख 12-8-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एस दूरयमान प्रतिफल के उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नन्तरण वे हाई किसी नाय की बाबत. बाल्य विधिनवन् के वधीन कर दोने के बंदरक के नरिवल में करी करने ना उन्नचे नचने में द्विभा के किए: बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय वायक र विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिवयम, या धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 के 27) के प्रवीचनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट वहाँ किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे अधीन, निम्नलिखित अपिक्तियों, अर्थात् :----

 मेधर्स प्रतित एटएप्राईसस बाम्बी हाउस, अपोकिट मूको बैंक, मारगोवा, गोवा।

(अन्तरक)

2. मै॰ आल नान रियल एस्टेट्स प्रा॰ लिमिटेड, बेल ही बिल्डिंग, पनजी गोजा।

(अन्तरिती)

को वह बुचया चारी वाह्य पूर्वीवश सम्पन्ति से बचीन से जिल्ल समर्थवाहियां करता हो।

वक्त दंतींता के वर्षन के बन्धन्य में केह' दी वासेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की बनीय ना उत्संबंधी न्यन्तिनी अर बूचना की बाबीस से 30 दिन की बनीय को भी स्वृति नाव में समान्य होती हो के मीकर पूर्वीयम स्वतिसमों में बे स्विती न्यन्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रवृक्त सन्धी और वहाँ का, जो उनक वीधीनयम के लच्चाव 20-क में विश्वतीयक ही, वहीं नर्थ होता, जो उस अध्याद में विश्वत गवा है।

# <u>जन्म</u>्यो

(दस्तावेज सं० 431/85-86, ता० 12-8-85) सम्पत्ति है जो कोलमोरोडा ग्रीर राक्वेमोरोडा नाम से परिचित है जो डिस्ट्रिकट आफ सालसेट गीवा में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम न्नाधिकारी सहाबक नायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज बेंगलू द

तारी**ष: 2-4-198**6

में 🤄 :

त्ररूप आर्घे.टी.एन.एस.-------जायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के सभीन सुमना

### STATE SHOWER

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 9 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 28/प्रगस्त-1985--प्रतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेस,

नायकार मीधीनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके प्रश्नात 'उस्त मीधिनसम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के मधीम सक्षम प्राधिकारी को मह विकास करने का कारण है कि समागर बम्बरिस, विकास सम्बद्ध नायार मृज्य 1,00,000/- रा. से मिथक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 14, बेल्लियल गाँव, पोन्नेरी तालुक है, तथा जो चेंगलपट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीक्षकारी के कार्यालय, तिरूवोट्टियूर लेख सं० 2547/85 मे, भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीक्षित्वम, 1908 (1908 का 16) के सम्भीन, सारीख ग्रमस्त 1985

कि न्यांक्त संगितिक के अविद्या गाया मृश्य से अम में स्थान सिकान में निर्देश में तिया की गई है और मुझे यह निर्दास करने वा कारण है कि समापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थान प्रतिफन से एसे स्थान प्रतिफन का पत्त्रह प्रतिकत से अस्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अमारितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तथ वाना पता प्रतिफल, निम्निसियत उस्तेम से उस्त अन्तरण निवित भी वास्तिक रूप से कथित नहीं किया थया है है—

- (क) वन्तरक संशुर्ध क्रिक्टि बाथ की बाबत, उक्त वीभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उक्ते बाबने में सुविधा वीडिंक्ट; बीद/बा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन का कर्या व्यक्तियों करो... जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवन विधिनियम वा धन-कर विधिनियम: 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ वस्त्र क्रिये द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना चाहिए था, क्रियां में सुनिया में तिया;

बरु: तब, उपत वर्षितियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उपत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के तभीन, निम्निसिचत व्यक्तियों, अभीत :---

- 1. मे नर्स लक्ष्मो सरस्वती क्रिक फील्ड, सोल प्रोप्नाईटर जो० नावमुनि नायबू। (ग्रन्तरक)
- 2. मे तर्स श्री रामजयम् क्रिक इण्डस्ट्रीज। (ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

क कर सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप :---

- (क) इस स्पना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीक वें
  45 विन की कविष्या सरखंडियी व्यक्तिकों वद्
  चुचना की तामील के 30 विक की अविष्, को भी
  वनिष वाद में बनाप्त होती हो, के भीतार प्रविच च्यित्वों में से विक्रिती क्षिता बुनारा;
- (व) इस सूचना के खायपत्र में त्रफायन की तादीय हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में द्वितबत्य किसी जन्म स्थावत द्वारा सभोहस्ताक्षरी के
  पास सिमित में सिन्ध का ब्रोहों।

स्वध्यीकरणः इसमें प्रमुक्त कव्यों नीर पर्वों का, जो उन्हों व्याधनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वही वर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिना गया है।

## अनुसूची

भूमि सं० 14, वेल्लिवयल नांव, पोन्नेरी तालुक चेंगलपट डिस्ट्रिक्ट, तिरूघोट्टियूर लेख सं० 2547/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महासक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 9-4-1986

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

ŧξ

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 9-4-198<del>6</del>

निवेश सं० 47/ग्रगस्त-85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम • साम्बेल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 18, शिवरामन स्ट्रीट, मन्द्रवेशी है, तथा जो मन्नास-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उराबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैनापुर/निख सं० 1098/85 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे अव्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नीलिखित उक्येश्य ते उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कीशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आगय की अर्थात, जल्ल अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उत्तते बचने में तृत्रिधा के लिए; और/याः
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित स्पवितयों, अधीत:—— 1. श्रो जे० गुरुस्त्रामी श्रोर श्रातन्द्रवल्तो

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती के सरस्वती भाई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वार्षिक के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीवर व्यक्तियों में से किसी क्योंकित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीं के के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संबंधित में गिहरुक्ष्य किसी कन्य क्वित व्वारा अभोहत्तक्षरी के पत्र तिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्द बीर पदीं का, की हनेक निर्धासमा, के बच्चाय 2:0-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होना को उस कम्याय में क्रिक गया है।

## अनुसूची

भूमि और म614-18 शिवरामन् स्ट्रोट, मन्दवेलि, मज्रास $28 | \hat{\mathbf{H}} \hat{\mathbf{m}} \hat{\mathbf{g}} \hat{\mathbf{y}} \hat{\mathbf{y}} - \hat{\mathbf{e}} \hat{\mathbf{w}} \hat{\mathbf{u}} | 1098 | 851$ 

एम० सामुवेल सक्तम प्राधिकारी सहायक श्राथकर **श्राय<sub>ु</sub>क्त** (निरीक्षण) **प्रकं**न रेंज-2, मद्रास

तारीब: 9-4-1986

त्ररूप जाई.टी.एन.एत.-----

जाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज- 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 धप्रैल 1986

निदेश सं० 82/ग्रगस्त-85--ग्रतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन तक्षम अधिकारी को यह निश्चात करने का कारण है कि स्कानर तक्ष्मीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

भीर जिसकी सं० कृषि खेती, जी० एस० सं० 510/1, रामनाथपुरम गाँव है, तथा जो कोवम्बत्रूर में स्थित है (भीर इससे उपावद्य मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्रूर, लेख सं० 3414/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख ग्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त तम्बीत्त के उचित बाजार मूल्य से केन के दश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूसे यह विश्वात करने का कारण हैं कि वभाषवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंत्रह बनैतक्त से बाधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (बस्तरिक्ति) के बीझ एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, मिम्निजिक्त उद्विक्त से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंपत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से क्षुड़ जिल्ली क्षाय की बावत, उक्त जीभीपक्ष के क्यींग कर वेमें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तर बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क) एती किसी अब का किसी भन वा अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आसकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः जवः, उक्तं अभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्तं अभिनियमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) के अभीतः, निम्मलिचितं अधिकायों, अभीत् :--- 1. श्रीमती कमलबेणी श्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्री के० सुब्रमणियम् ग्रीर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्**स्ची

कृषि खेती जी० एम० सं० 510/1, रामनायपुरम, कोयम्बत्रूर, लेख सं० 3414/851

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्राप

तारीख: 9-4-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ध (1) के भौन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज- 2, मद्रास

मब्रास, दिनौंक 9 अप्रैल 1986

निदेश सं० 83/श्रगस्त- 85- - श्रतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' बज़ा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्तास करने का करने का कारण हैं कि यथापुर्वेषित ग्रापित हा रुचित दाखार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि खेती, जी० एस० सं० हैं जो 508/1,509/1, 510/1, रामनाथपुरम गाँव कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इयमें उपात्रड प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्धकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर, लेख सं० 3415/85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1985

हां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उत्तिन वाजार मृत्य मं क्रम के क्ष्यभाग ग्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विशास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित अंजार मृत्य मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से स्थिक है जार जंतरित (अंतरिता) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के निम्नितिवत उद्वेक्ष से उत्तर विश्वक विश्वत से वास्तिक क्य से कथित वहीं क्षिण कथा है क्

- (क) इन्हरण ते हुद्ध किसी नाम का नामत, उन्त सिमिनयम के स्पीन कर दोने के सन्तरक में वामित्व में करने या उससे अचने मी मिकिन, के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

1. श्रीमती कमलवेणी श्रौर ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती टी० शाँति श्रौर श्रन्यों

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

बन्ध सम्मृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश एँ
  45 विन की अविध में तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  स्वान की तामील से 30 विन की जविध, जो भी
  अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
  व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति व्याप्त ।
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर जेक्त स्थावर सम्मित्त में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्मित में किए शायकों ।

स्यख्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भरा है।

## वनस्यी

कृषि खेती--जी० एस० सं० 508/1, 509/1, व 510/1, रामनाथपुरम, गाँव कोयम्बतूर, कोयम्बतूर लेख सं० 3415/851

एम० सामुवेल गुनक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन १ँग-2, मद्रास

तारीख: 9-4-1986

परूप बाह्र ही एन एक -----

भारत अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (१) के अधीन स्कन

### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 9 ग्राप्रैल 1986

निवेश सं० 91/म्रगस्त-85--म्ननः सुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रमके पृथ्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया उ.). की धारा २69-स के अधिन सकत प्राप्ति-पूर्ण प्रीप्त कर प्राप्ति के स्थावन संपत्ति, जिसका प्राप्तिन नापान प्राप्ता 100,009/- का से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० संगन्र गाँव रामिंकाम नगर कोश्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड है, तथा जो गेट सं० 10, संगन्र, गाँधीपुरम, कोयम्बन्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, गाँधीपुरम में लेख सं० 3878/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के इत्यमान पतिफल के लिए सन्तरित की गई है

नर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवें किल स्थापवें किल स्थापवें किल स्थापवें किल स्थापवें किल स्थापते का उचित बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थापन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उपायक (बंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निणिकिन अवदेष्य से अध्य कार्य कर रण निस्तिय में आस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की आवत, उत्तर जिथितियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अक्षने में गरीवका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, विन्हीं भारतीय ध्राब-छर अभितियाः किसी शिव की विन्दा की वि

चतः वन उच्त निविध्य की भारा 269-न के अव्यक्तरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वें सधीन, निज्ञितिकित व्यक्तिकों, बचारि ह---- श्री एम० विक्वताथन

(ग्रन्तरक)

2. श्री वेलुमणि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कांद्रों भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (♥) इस स्मना है राज्ञा में एकाकत की तारील में 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-प्रदार रिगी जना स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गण्म जिल्लित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयस्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ हारेगा, जो रस शब्दाय में दिया यथा है।

### अनुस्ची

भूमि श्रौर महान-नित रामिलगम नगर कोन्नापरेटिय हाउन बिल्डिंग मोताजटी लिमिटेड, मेट सं० 10, गाँधीपुरम, कोयम्बतूर, गाँधीपुरम, लेख सं० 3878/85।

> एम० सामुबेल यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मटाउ

तारीख: 9-4-1986

प्रकण आही. दो एस मूल

जानकर बाधिनयम, 1961 (1961 का 43) की परा 269 व(1) के अधीन सकना

मानत अरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 9 अप्रैल 1986

निदेश सं० 94/स्रगस्त 1985 —स्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० वार्ड 2, टी० एस० सं० 38 6, दक्षिण रामिलंग मुदिलियार स्ट्रीट है, तथा जो मइलाइतुरै में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, मइलाइतुरै, लेख सं० 836/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्रगस्त 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई हैं और मृत रह निकास के ल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप

- (कः अन्तरण रं हुइं किसी आय की वाबत उक्त अधिनियमु के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व या कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयवार अधिनियम, . 32... (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, विश्व प्रभाजनार्थ अर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गाना धाहिए था स्थिपने का स्विधा के सिए;

कतः कव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग कै अव्दरण के, कें, जक्त विधिनयम की धारा 269-म की जन्मरा (1) के अधीन निम्नजिक्कि चिक्तियों, अर्थात्:—— 1. माइनर नास्मडी

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजुलु ग्रौर ग्रन्यों

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पात्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उनक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होता, को उस अध्याय मा दिसा नया है ।

## अनुसूची

भूमि ग्रौर मक्तान-दक्षिण रामिलग मुदिलियार स्ट्रीट, वार्ड सं० 2, टी० एत० सं० 386/मइलाडुतुरै, मइलाडुतुरै लेख सं० 836/85।

श्रीमित एन० सामृवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे-- 2, मद्रास

तारीख: 9-4-1986

मोहर '

वक्त बाहें त टी. एत. एत.------

नामकर नीमिनियम, 1961 (1961 का 43) कई पाड़ा 269-म (1) के नमीन क्षमा

#### मारक सरकार

# कार्याक्षय, सहायक बायकर बायूक्त (निर्दाक्रण)

श्रर्ज न रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनाँक 9 श्र**र्पंल** 1986

निवेश सं० 98/अगस्त-1985--म्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, चितका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नेगमम् पोल्लाच्ची कोलनूर गाँव है, तथा जो तिरुपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नेगमम क्षेत्र सं० 611/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाणार मृत्य से अन के अस्यमाय इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ते वह विकास अपने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का अचित नाजार मृत्य, उसके अस्यमाय प्रतिकत के, एवे अस्यमाय प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया अतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में से वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में भूषिधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बंतरिती इ्यारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए चा, कियाने में स्विभा के सिए;

अकः वयः, उक्त विधानियम की भारा 269-ए के जनुसरण भं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) मुं अभीत, निम्निल्लिक व्यन्तिवाँ, अभित म- 1. श्री ग्रार० रायप्पन

(अन्तरक)

2. श्री ए० एस० हमीद

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

## तकत सम्पृतित के वर्षय के सम्बन्ध में खोई ही बार्खका--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दवारा:
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लाशीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

लब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्ती और पद्दों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा को उस अध्याक में विया नगा हैं।

## अनुसूची

कृषि खेती नेगमम् पोलाच्ची तिरुपुर नेगमम् लेख सं० 611/85।

> श्रीमिति एम ० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 9-4-1986

प्ररूप बाइ . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वाना

#### भगण्त सरकार

कार्यानम महायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्राभ

मद्रास, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० 105/ग्रगस्त 1985- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रथ्वात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है,, की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० एस० एफ० सं० 233/1 है, तथा जो पेत्तताय हनूर गाँव में स्थित है (ग्रीर इएसे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता ग्रीविहारी के कार्यालय, श्रानेमलें लेख सं० 934/85 में, भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिधोन, तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोच्छ सम्पोत्त के उपित बाजार मून्य से कम के धरममान क्रितिफल के लिए अन्तरित की नक् हैं और भूमों यह निक्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोच्छ संपरित का उपित बाजार मून्य, उचार्क वचमान प्रतिकास से, एोचे वच्चमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिश्रेष्ठ से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (बन्दरितिमों) से बीच एवं बन्तरहण के लिए सब पामा बना प्रतिफल निम्निसियत उन्होंस से उस्त अम्तरण निचित में बास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया नवा है :—

- (क) बन्तरण सं कृदं किसी नाव को बाबत उक्त निध-मियुन में बचीन कुद देने के बन्तुद्रक के वाधिरण मं कमी करने या सतसे वचने में सुविधा के सिए; बीच/वा
- (क) एसी किशी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिया की, विनहें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 को 11) या अस्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 को 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, दिशानं में स्विधा के किए।

ज्ञतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-व क अन्सरण रेज्रा, स्त्री, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की स्थमारा (1) के ज्थीन, निम्नस्त्रिकाण कलिकसाँ. अभिन्न अस्त्र 1. श्री गुरुस्वामि नायकर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० जवलक्ष्मी

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन की मिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्विकरणः—इसमें प्रमुक्त शब्दां और पवां का, का उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा का उस अध्याय में दिया पवा है।

## धनसूची

कृषि खेती--एस० एफ० सं० 233/1, पेतानायकनूर गाँव कोयम्बत्त्र ग्रानीमलै, क्षेख सं० 934/85।

> श्रीमित एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंजें 2, मद्रास

तारीख: 9-4-1986

प्रकृष बार्ड. टी. एन., यस., --==--=

1. श्री ए० मुरली मनोहरन

(अन्तरक)

2. श्री ए० गुरुस्वामिधायकर

(अन्तरिती)

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयमत (निरक्षिण)

श्रंजीन रेंज-2 मदास मदास, दिनांक 9 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 106/ग्रगस्त-1985---ग्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अश्रीन सक्षम प्रशिधकारी की यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूज्य 1,00,000/- रुपयं से अधिक है

और जिसकी सं० पोलाच्ची ग्रानैमले हैं तथा जो तिरुपुर में स्थित है (आर इपत उपाबद ग्रनुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रानैमले लेख सं० 936/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1985

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित साधार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके रूपयमान प्रतिफल ते, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्क के निए क्षेत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में नास्तिश्वक कप से किया पहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांपत्थ में कमी करने या तससे अवसे में सुविक्या ल लिए; बाहर/बा
- (क) एकी जिन्ही आध या किसी भन या अन्य आस्तिमां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना पाहिए था, कियाने में सुविधा खे लिए:

करः अव, उसर विभिन्नम औ भारा 269-य के बन्धरूक में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

को यह सूचना बारी करकें पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हों।

उपत सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त ज्विस्तय। मा में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी के के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के पाश लिखित मों किए का सकर्गे:

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त सीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

## अन्स्ची

भूमि--पोल्लाच्ची तालुक--श्रानैमलै तिरुप्रर् जी० एस० सं० 416 श्रानैमले लेख सं० 936/85 ।

> एम० साम**ुवे**ल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेजें–2, मदास

तारीख 9-4-1986 मो**हर** :

## प्रस्तु बाह". ती. एव. इह... व ----

# भावजर अभिनियम, 1961 (1951 का 43) की भार 269-व (1) के व्यीन स्थता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, मदास मदास, दिनांक 9 ग्रप्रल 1986

निदेश सं० 107/श्रगस्त--1985--श्रत: मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पहचान 'उक्त मिंगनराम' कहा गमा हैं), की भीना 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उधिन बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० वेट्टै कारन पुदूर गांव है तथा जो वेट्टै कारनपुदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय आनैमले लेख सं० 1063/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख अगस्त 1985

्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिसिंह उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण निम्ति में पास्विक स्थ में स्थित कहीं किया क्या है स्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यक्त की धानग्रम 1925 (1922 का 11) या उक्स विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वौ भूषोजनार्थ अकिसिन (प्राचनार्थ अकिसिन) विधि अकर नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुनिधा के निए;

शतः जब उक्त अधिनियत्र को धारा 269-म को अनुस्थल को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ॐ अधीन, निम्न्नी**नीयत व्यक्तियों, अधीत् क्ष**— 1. श्रीमती वेल्लात्ताल और श्रीमती जयलक्ष्मी और ज्ञान सौन्दर्य

(अन्तरक)

2. श्री जगदीशन और ग्रन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके बुवॉक्स अर्जान के बर्जन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को जर्जन को सम्बन्ध में कांह भी बाक्षण :---

- (क) इस तुमना के रायपत्र में प्रकान की तारीख ते 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हा, को भीतर पृथिकत करिन्द्र में के किएने करिन्द्र हुएक
- (क) इस सूचना जे राजपत्र मो प्रकाशन की तारीखरी 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध विसी बन्य व्यक्तिस ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के जस लिखित मों किए जा सकोगें।

स्वयद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त उद्धों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

कृषि खेती वेट्टैकारन पुदूर गांव पोल्लाच्ची श्रानैमले लेख सं० 1063/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 मदास

तारीख: 9-4-1986

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास मद्रास, दिनांक 9 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 112/श्रगस्त-1985--श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० कुरिय्यी गांव है तथा जो कोयम्बत्र में स्थित है (और इससे उपाबद्व भ्रन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बत्त् र लेख सं० 3470/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिन्यम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रगस्त 85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कः) अन्तरण से **हुई कि**सी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

1. श्री सी० बी० गोविन्द राजन

(भ्रम्तरक)

2. श्री पी० पत्मगम

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हिसबवुष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, मही कर्ध होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि कुरिय्यी गांव कोयम्बत्तूर कोयम्बत्तूर लेख सं० 3470/851

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्बर्जन रेंज-2 मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारार (1) क्रो अधीत निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक : 9-4-1986

मोहर 🖫

प्राक्ष नाहाँ .टी. एन . एस . ------

नायकर नीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 घ (1) के सभीन भचना

#### मारत सरकाड

## कार्यासर, तक्षरक बारकर बायुक्त (पिर्वेक्स)

म्रर्जन रेंज-2, मदास

मवास, दिनांक 9 मप्रैल 1986

निवेश सं० 116/अगस्त-1985--अत: मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

वासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचर्च इसमें इसमें परवाद 'उनत विभिनियम' कहा गया ही, की वास 269-व के जभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वों के संपत्ति का उचित वाचार मूख्य, 1,00,000/- राज से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 5/587 है तथा जो कोयम्बलूर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बलूर में लेख सं० 3613/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त संपरित के समित बाजार मृत्य से कम में क्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपरित का उम्बत बाजार मृक्ष, उसके देश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के प्रतिकृत से मुश्कि है और कन्तरक (अन्यरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के निए तय पाया प्रवा विकास विन्यसिक्ति क्यूबेकों है क्या बन्तरूप विशिक्ष में बास्त्रिक रूप के क्षिय गई किया प्रवा है हुन

- [क) अन्यक्ष्य वं कृष निवास का का वाल्या, क्या अनिशिष्ण से स्थीप क्ष्य वंथे के बलाइक के स्थित्य में क्यी करने वा व्ययं दलने में यूषिया के रिस्ट; श्रीष्ट्र/वा
- (क) इसी किसी काम था किसी पूम ना काम वास्तिकी की विष्टु भारतीय भाव-कर विधिनवन, '1922 (1922 का 11) ना उनत विधिनवन, वा धन-कर विधिनवन, वा धन-कर विधिनवन, वा धन-कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाद्य प्रकट नहीं किया नया था ना किया जाना नाहिए ना, कियाने के व्यवधा में जिल्हा

1. श्री भार० बेठन गौडर और प्रन्यीं।

(म्रग्तरक)

2. श्री एम० मणि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## क्का कर्माच के क्वन में सन्दर्भ में केंद्र भी वासेप ह—

- (क) इस सूचना के रावप्त्र में प्रकाशक की सारीचा ही 45 दिन की शवधि या एत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की नवधि, को भी नवधि वाद में स्थाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (य) इत स्थान के राज्यण में प्रकाशन की तारीश हैं 45 थिन के झीतर बच्चा स्थानर बज्जित में हितबहुई किसी बन्य स्थानत स्थारा बमोहस्ताक्षरी के पाड़ विचित्त में किए वा क्योंने ()

क्ष्मक्षेत्रप्तः :--- इसको प्रमुक्तः कम्ब्री कोष्ट पूर्वो कातः आगि क्ष्मक्ष अधिक्षम् को सम्मान 20-क में पहिलाहिकः हाँ अही मूर्व होता को क्ष्म सम्मान में क्षिक क्ष्म हाँ 🏻

# अनुसूची

भूमि और मकान--टी० एस० सं० 5/587/कोयम्बस्तूर लेख सं० 3613/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मदास

दिनांक : 9-4-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, मदास

मवास, दिनांक 9 भ्रप्रैल 1986

निवेश सं० 118/ग्रगस्त 1985-- ग्रत मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं विवान बहादुर रोड आर एस पुरम कोयम्ब-सूर है तथा जो आर एस पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय कोयम्बत्त्र लेख सं 3640/85 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारत्तीय अथ-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः भव उक्त वीधनियम की भारा 269-न की ब्युबर्डन को, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के बभीन, निम्नतिविक व्यक्तिश्वों, अर्थात् ह— (1) श्री एस० रंगराज

(अन्तरक)

(2) श्री एस॰ धामोघरन् श्री वी० सुततिरराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिखत में किए जा सकर्गे।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान डोर सं० 28/242 (पुराना) [नई सं 28/554, 555 भौर 556, [टी० एस० सं० 8/440 (हिस्सा) 8/452 हिस्सा दिवान बहादुर रोड़ भार० एस० पुरम कोयम्बत्त्र-कोयम्बत्त्र लेख सं० 3640/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, मदास

विनांक : 9-4-1986

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-JI, मदास

मदास, दिनांक 9 मप्रौल 1986

निवेश सं० 161/अगस्त 1985--अतः मझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2-1 कास स्ट्रीट विजयरागवाचारी रोड है जो टी० नगर भवास-17 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 946/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक प्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की नई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्थत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बाल्यविक हम से किथा नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन या क्या जारितयों को, जिन्ही भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिथिनियम, या व्यक्तर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए वा, कियाने के ब्रिया के जिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री वी० जगन्नाथ राव और दूसरे

(मन्तरक)

(2) श्रीटी० के० वरदराजन और धन्यों

(मन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### अनुसूची

भूमि और (कामन पासेष) (वराण्डा) सं० 2-1 क्रास स्ट्रीट-विजयरागवाचारी रोड टी० नगर मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 946/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I7, मदास-6

दिनांक : 9-4-86

प्र<del>क्ष बाह</del>्य टी., एस<u>.,</u>------

# बारकर विधित्तवन में 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर वायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-ाृI, मवास

मद्रास दिनांक 9 मप्रैल 1986

निवेश सं० 163/बगस्त 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सावेमल

ब्राय्क ह बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व द्यान हुन्के प्रवाद 'उनद विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षार्य हैं कि स्थानर सम्पत्त, जिसका उजित बाजार मुख्य 1.00.000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2 विजयरागवा चारियार रोड I कास स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज़स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 948/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रगस्त 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए कृतिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्ष मान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत सं बीध है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) वे बीध एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेषम से उक्त अन्तरण कि लिख्ता में बास्तविक रूप से क्ष्मच नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तर्भ ले हुद्दं किसी बाय कर्त बाबत्त उक्त नियम के अधीन कर बोने के बंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िल्ए;) और/बा
- (ख) एके है किसी बाम या किसी धन या अग्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जला, उस्त जिथिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण औं, में उस्त जिथिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिकिटा व्यक्तिसमातः जर्थात्— 1. श्री वी० जगननाथ राव

(ग्रन्सरक)

2. श्री राजीव कोहली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रक्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्यव्यक्तिकरण : — इसमें प्रयुक्त शावों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुस्ची

भूमि 2, I क्रास स्ट्रीट विजयरावगवाचरी रोड मद्रास-12 टी० नगर (लेख सं० 948/85)।

श्रीमती एम् सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

विनांक : 9-4-1986

प्ररूप आहें ुटी, एन, एस,-----

1. श्री द्यार० महुन्द्र मणि

(भ्रन्तरक)

 श्री पी० एल० मुद्रमणियम और म्रन्य । (म्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वस (निरीक्षण) मदास, दिनांक 9 मप्रैल, 1986

निबेश सं० 164/ग्रगस्त/85--यतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट, डोर सं० 2 है, तथा जो रामचंद्रा रोड़, टी० नगर मदास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 949/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधियियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरक के जिए तब गावा गया प्रतिफल निम्निविक्त उद्वेष्य से उच्च दन्तरण निवित्त में वास्तिक क्य से कवित नहीं किया नवा हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किती जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के फिए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निज्यिक व्यक्तियों, अधीत् ध— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ध--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की जारी से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी 'अक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विविधों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारी से 45 धिन के भीतर उक्त त्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रश्या अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय़ जा धकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 2, ग्राऊण्डं फ्लोर, रीमचन्दा रोड़, टी० नगर टी० एम०सं० 5388--ब्लाक सं० 122टी० नगर लेख सं० 949/85 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकरी सहायक श्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, मदास-6

तारीख: 9-4-1986

मोहर ।

## REP RES EL SE SE SEL

मापकार वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की नधीन स्वना

#### STATE SERVICE

# कार्याचन, सहायक नायकर नायुक्त (हैनर्याक्रण)

मर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 4 म्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 26/अगस्त/85—यतः मुक्ते ए० के० तालपल कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रूपये व विश्वक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 144/1ई है, जो तिरुच्चि में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एसआर-1 करूर डा० नं० 1053/85 में भाग्तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

ध्ये पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल जे, एसे द्यममान प्रतिकल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया चया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नंतरण ते हुई किसी बाय की वावत, उसते बहिषनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एती किसी नाव वा किसी भन वा जन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भव-कड़े अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए था, स्थिपने में सुविधा ने किस्।

नतः नन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण ने, में, उक्त निभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीग, निम्निज्ञिक व्यक्तियों अभिति ॥——

- 1 मेसर्स सोरोजा सिव्यलिंगम एण्ड को० और दुसरे तिरुच्चि (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० एस० वस्त्राड 19, कुरुवियन टन्क स्ट्रीट तिरुच्चि-8

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

## उक्त कम्परित के वर्षम के क्षम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की जनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की जनीभ, जो भी जनीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकने।

स्पळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, वो उनक जिभिनियम, जे अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं जर्थ होगा को उस जभ्याय में दिशा गया है।

### acres with

मकान 39485 स्कोयर फीट.

ए० के० तालपक्ष सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, मदुराई

तारीख: 4-4-1986

प्ररूप नार्च.दी.एन.एस.------

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार हार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त निरक्षिण)

> श्चर्जन रेंज, मकुराई, मकुराई, दिनौंक 4 श्चर्यैल, 1986

निर्देश सं० 53/प्रगस्त/85~-यतः गुझे, ए० के० तालापता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 12 7/1, 128/1, 129/131, हैं, जो कोडैकानल में स्थित हैं इससे उपावक धनुसूची में धौर पूर्च रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडे कानल दा० नं० 91/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख भगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम जी बहरमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बहरमान प्रतिफाल से एसे बहरमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उब्बेड्स से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कांचित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किती नाम की वायत डेक्फ़ अभिनियम के अभीन कर देने के अक्षारक के वायित्व में कमी करने था उत्तसे बचने में तृषिधा के किए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

शतः शव उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण हों, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) हे अधीन, पित्नसिवित व्यक्तित्वों, जेवित् हि—

- मेसर्स इपि। इया एवाजेलीकल लुथेरन चर्च ट्रस्ट एसोसीएशसन कोद्रारपार्वतिषुरम रोड, नगरकोईल। (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स सेवील लिसिगंस (प्रा०) लिमिटेड 10-जेड़ कृष्णासामी मुक्ली स्ट्रीट कोयम्बलूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पव्योक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जभीन--3.87 एकड़।

ए० के० तालापता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मबुराई-625002

तारीख: 4-4-1986

मोहरः

प्रकृष बाइं.डी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### शारत चरुकान

## कार्याजय, ब्रह्मयक बायकर जागुक्त (निर्देश्वाण)

ग्रर्जन रेंजकु-1, मदास मदास, विनाँक ७ ग्रप्रल, 1986

निर्वेण सं० 35/म्रगस्त/85---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार भृत्य 1,00,000/- रा. से बिधक है

भौर जिसकी संव डोर संव 25ए० है, तथा जो कडैवीनी स्ट्रीट, पेश्वगरम पोस्ट घुर्मपुरी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेश्वगरम (दंव संव 8367/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख श्रमस्त 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मुक्ते गई विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि बथा पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य,, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से व्याधक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचन्न क्यूबरिय से उच्च बन्तरण विश्वत में बास्त् विक क्य से कि वित नहीं किया गया है —

- [क] बन्तक्षण चे हुई कियी वाय की वायत, उक्त विजिनक के स्वीय कर देने के बन्तरक के वावित्य में कनी करने वा उत्तरे वथने में सुविधा के तिए; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री एन० सी० के० रंगनाथन ग्रौर श्रन्य-

(अन्तरक)

2. श्री पी० एस० पान्डुरंगन।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। व्यवसिक्ष करका है।

उन्त उन्तरित के क्षर्यन के तत्रमध्य में कोई भी वालेप छ--

- (क) इस स्वा के राजपन में प्रकाशन की तार्रीय के 45 दिन की अपिथ मा तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की नविथ, को भी अपिथ साथ में तनास्य होती हो, के भीतर प्रवेत्य स्वतिकारों में से किसी स्पत्ति दुशाराः
- (अ) इस सूचना के शायनज में प्रकाशित की तारीय के 45 दिन के भीतार अनत स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात जिस्ति के किए या क्कोंने ।

स्वक्रीकर्णः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, यो उनके विधिनवन, के सभाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ज क्षेत्रा को उक्त सम्बाद में दिवा नवा ही।

### जन्सूची

भूमि भौर निर्माण — डोर सं० 25ए, बाजार स्ट्रोट, वेन्नगरम, धुर्मपुरी जिला।

श्रोमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास (भाई०/सी०)

तारीखाः 9-4-1586

मोहर 🖫

# THE RIE WILL STEE STEETS

# नारकार गीधींगरज, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 31 मार्च, 1986

निवेश सं० 28/अगस्त/85-- अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (विश्व का को स्तान परिचात 'उन्त विधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के विधीन सदाम प्राधित री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से विधिक है

ष्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 353/1, 353/2, 353/3 354/2, 354/3, 355/1बी, 355/2, 355/4, 358/6, 358/8, हैं जो कलनिष्पक्तम गाँव में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकतो धिकारी के कार्यालय मवेल्लूर ? इ० 3059/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण धिक्तियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के सरयमान प्रिक्षिण के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का जीवत बाजार मृत्य, उसके सरयमान प्रतिफल को एसे सरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि चित्र में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण चे हुई किसी माल की वायत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के इतिस्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए; जरिं/या
- (व) ऐसी किसी नाव वा किसी पन वा नाव वासिसी को, विक्ट भारतीय नायकर विधिवयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, वा पन-चंद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अत: लख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारम 269-म की उपधारा (1) के अधिम, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अधीत्:—— 13—56GI/86

- 1, श्री के॰ पो॰ गोबिन्दराज मुदलियार श्रीर श्रन्य (अन्तरक)
- मे सर्स नार्थ श्राकटि गेटर्स लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्- बत्र किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्त कि विता में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

## अनुसूची

पुज्य भूमि--कलनिष्पाक्कम गाव वेल्गुर तल्का नार्थ **भा**र्काट जिला ।

> श्रोमतो एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-ग्रामद्वास स्त्राई०/सी)

तारीख: म 1-म-1986

## प्रकप बाह् . दी . एन . एस . -----

आयकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 में (1) के विधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्मालय 🔑 सहायकः कामकर अन्नावता 🛪 (निक**रेशण**)

म्रर्जनर**ज**-ा मद्रास

मद्रासः, विनाक 11 मप्रैल, 1986

निर्देश सं० 25/अगस्त/85--- श्रतः मुझे, श्रीमती एम∙ सामुबेल,

वागकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) ज़िल इसके इसके पहेंचात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा भूगा हूं"), की भारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को वह हिल्लाच करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, विस्का बहुबत बाबार अस्व 1,00,000/- रो. से विभक्त हैं

श्रीर जिसकी सं एस सं 1/1, 1/3, 2/1, 3/1, 16/1 है जो जी मंगलम गांव, ही सुर तालूक धर्मपुरी जिला में स्थित है ग्रीर हससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से क्रिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्षय हो सुर वस सं 2449/C 85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के जनमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुख्य से वह विकास करने की गई है और मुख्य ने वह विकास करने की गई है और मुख्य ने वहिता का अधिक का अधिक का अधिक है कि अध्यास अधिक है कि लिए के प्रतिकति के विकास है कि एसे कम्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे कम्तरक के लिए तय पाया गंवा प्रतिकत्त कि कि अधिक उप्रवेश से उक्त अध्यास कि बिता में बास्त्रिक क्य है कि अधिक अप्रवेश से उक्त अध्यास कि बिता में बास्त्रिक क्य है कि अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण वे हुई निक्षी जान की वावस, उनक विधिनियंत्र के कुड़क्कीन सार दोने के बन्तरक के वायित्व में सजी नको या उतके वचने में मृतिधा के निक्; बॉर/वा
- (च) एडेली जिल्ली, जान, जान्य किली, अंत-सा , अस्य स्वास्तियों को , जिल्हों अस्पीय जान अन्य अधिन्यमा , ३००० (1922 का 11) वा चपत अधिनियम , बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्पीतियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्पीतियों व्यास प्रकट नहीं किया गया का या किया चाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के जिल्हा;

लतः अव, जनत जीभीनमम की भारा 269-ग की जनसरण मों, भी, अवत जीभीनमम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थाह्य :---- 1. श्रा बी० मुनि रेड्डी श्रीर अन्य।

(ग्रन्तरक)

 कृष्डिचयन ग्रहादमी ग्रकडिम ग्राफ इन्डिया। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संयोक्त के अर्जन के संबंध में कोई भी वासीप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी
  वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से सिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूमना के समयम में प्रकाशन की तारीय सैं 45 विन के भौतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हिल किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थिता में किए आ सकेंगे।

## वनुसूची

भूमि- - एस० 1/1, 1/2, 1/3, 2/1, 2/2, 3/1, 16/1 म्रोर 16/2 जॉमंगलम गाँव, होमुर तालुक धर्मपुरो (दस सं० 2449/85)

> (श्रीमती एम० सामुबेलमे स्थाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंग-I, (श्रई/सी), मद्रास-6

तारीख: 11-4-198 6

भोहर:

# प्रकार बाद् की एन प्रस्तान-----

भावकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-थ (1) के अधीन सुचना

### भारत तरकार

## कार्यातय, तहायक जायकर बायक्त (निर्दाक्त)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 9 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 21/ग्रगस्त/85--यतः मुझे श्रीमृती एम० सामुबेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 12, वार्ड 14 भग्रहारम है, जो नामकल में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय वेलट (द० सं० 1123/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाबार भूस्य से कम को क्यानान तिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार गूस्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का निक्क प्रतिकात से बिधक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया जवा मितिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अपि नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते, या उससे अपने में, सूदिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा सम्य वाहिस्तवीं करें, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वी किसः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण भे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभी जिम्मीसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ; —

- 1. श्री वी० मार० श्रीनिवासन मय्यगार ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सी० मल्लिका

(ग्रन्तरिती)

की नह सुनुता बाटी करके पूर्वों कर कमारिता के कर्यन के लिए कार्यनाहियां गुरू करता है।

कार्य क्षेत्रि, क्षे अर्थातु क्षेत्रे क्षेत्रं को कार्ये हाना कार्य हाना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 बिन की सुविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की संबंधि, यो भी सन्दिश बार्ब में स्वाप्त होती हो, के भीतर पर्वाकत कार्याकों के ने किसी स्वतित हैंगोड़ा;

(क) इक सूचना के राजपुत्र में त्रकालन की तारीज के 45 ज़िले की बीतर जैक्त स्थानर सम्मति में हिल-बद्ध किसी किसी केंग्सिक द्वारी अभोडेस्ताकरी के पास सिचित में किए जो सकी गै।

भ्यानिक्रकाः - इस्तू अपून्त बन्तां आहे पर्यो का जो उनत् जीभित्यमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता को उस अध्याय में विभा बन्ना है,

#### जनसंची

भूमि, भौर निर्मीण सु 12 अग्रहार्म बलूर गाव नामक्कल तालुका, सेव्रम जिला

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जुन देंज-1, (ग्राई०/सो०), मदास

तारीख: 9-4-1986

भोहर :

प्ररूप जाइ टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 16/प्रगस्त $_{/}85--$ यतः मुझे श्रीमती एम० सा मुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संवटी एसक्संव 2/8 जो ब्लाक संव 2 वार्ड सी है तथा जो अलगापुरम पुंयुर गांव सेलम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सूरमंगलम (द० संव 2192/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्ममान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे खर्ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः सन्, उत्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उत्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) औं अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री पी० एन० श्रम्माची मौन्डर।

(भ्रन्तरक)

2. डाक्टर पी० सुदरराजन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हिन्न 🧳

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकःशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भीक अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवेकिंश व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अक्षेत्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## भनुसूची

भूमि--श्रीलगापुरम पुदुर गांव सेलम --टी० एस० सं० 218 ब्लाक सं० 2 वार्ड सी।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, मद्रास

**सारीख** 9-4-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एम. एस.------

· 4064 (4064 = 42) = 9

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास दिनांक 1 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 14/ग्रगस्त/85--यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्भेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० श्रार० एम० सं० 69/4, श्रलगापुरम गांव है जो सेलम तालुका और जिला में स्थित है (और इससे-उपावद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से ब्रेविंगित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरमंगलम (ड० सं० 2035/ 85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

आक्षाः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ा—

1. श्री ए० गणपती गौन्डर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जी० जयरामन।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६स सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्स्ची

भूमि और निर्माण भ्रार० एस० सं० 69/4 भ्रलगापुरम गांव, सेलम तालका और जिला।

> श्रीमती एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास (श्राई/सी)

तारीख : 1-4-1986

प्रकम बाहाँ, टी. एन. एस. ----

1. श्री ए० गणपती गौम्डर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जे० सकुन्तला।

(भन्तरिती)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

## नारत तरकार

# कार्याचन, बहायक मानकार मानुक्त (विरोधक)

श्रर्जन रेंज -1, मंद्रास

मद्रास, दिनांक 1 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 13/प्रगस्त/85—यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

वानकर विभिनियत, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसर्वे क्सर्वे पक्चात् 'उन्त विभिनियत' क्स्या वदा हीं, की भारा 269-क के वर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 69/4 है तथा जो ग्रलगापुरम गांव सेलम तालुका और जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय सूरमंगलम (ड० सं० 2034/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल के दग्द्र प्रतिस्त से विधिक है बार बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरक के निए सब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उच्चदेव से उच्च बन्तरक कि बारतिक में बास्तविक स्था में कथित नहीं कि बा सवा है :---

- (क) बंधरण के हुई किया जान की नानक, क्या विधिनियम के बंधीन कर दोने के जन्तरक कें दासित्य में कनी करने ना उपसे वथने में सुनिया कें लिए; सॉर/सा
- (व) देशी किसी आव या किसी धन वा अस्य आस्तियों की चिन्हों नारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा को किए;

वर्तः वयः, क्यतं विधिनियमं की भारा 269-न वी वंग्यरण् वो, वो, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अर्थानः निरातिकात व्यक्तियों, वर्षातः :--- को वह स्वाना पारी करती पूर्वीक्ष ब्रास्ट्रीस्य में सूर्वन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

क्रमक ब्रेक्टिय के सर्थन के ब्रेडिय के क्रोडें भी साकेत क्रम

- (क) इस प्यान के राजपन में प्रकारन की शारीय के 45 दिन की सविध या तत्त्रंवंधी ज्यक्तियों पर कृषना की तासील से 30 दिन की सविध, को भी सुक्षि बास में क्रमाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोत्तर स्वित्यों में से किसी स्वित्त बुबारा;
- (क) इस सूचना के सक्यम में प्रक्राकृत की टारीज़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेथ द्वित्वव्य किसी बन्य स्थानत द्वारा विशेद्दस्ताक्ष्री के पास निवित में किए का सकी।

रचक्किरण:--इसमें अयुक्त कव्यों और पंची का, जो स्था अधिप्रियम के कश्माय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं कर्ण होगा जो उस क्रभ्याप में दिया गया ही।

## समय ची

भूमि और निर्माण मार० एस० सं० 69/4 मलगा-पुरम गांव सेलम तालुका और जिला।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रुजंन रेंज-1, मद्रास (श्रद्दी/सी)

**तारीख** : 1-4-1986

प्रकृषि आईं .टी. ऐनं . एसं . -----

---- 1. श्री श्रार० मन्दिरमूर्दिः

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० एम० नटराजन।

(ग्रन्तरिती)

श्रीयकर लेपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मास, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 12/ग्रगस्त/1985—-यतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

बाधकर विधिविषय, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके विश्वात 'उक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संश्मि नंश्व १८/5 है तथा जो झलगापुरम गांव सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालयसरमंगलम (४० संश्व 1698/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उभित नाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के अभि ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्द किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्से अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण नं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिवित्त व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत विभिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण डोर सं० 1/122 श्रलगापुरम गांव स्वर्णपूरी सेलम।

> श्रीमती एम० सामुवेल ्सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, मदास (श्राई/सी)

तारी**ख**: 31-3-1986

**प्रकार नार्ह**् हो<sub>ने</sub> हुन्<sub>य</sub> पुष्<sub>य स</sub>र र न नग ग र

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीत स्वता

#### भारत बरकार

कार्यालय, तहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० 10/प्रगस्त/1985——यतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

बाग्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर० सं० 7 है तथा जो घादरपेट नाणियम पाड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से निणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नाणियमपाड़ी (दम० मं० 1980/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयान प्रतिकस के सिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का स्वित्त बाबार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, एोसे ध्रवसान प्रतिकाल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (जन्तिरित्वों) के बीच एसे जन्तरण से निष् स्व वादा गवा प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा जे लिए; और/मा
- (स) एेसी किसी आथ या किसी धन या जन्य आस्तियों जां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के पथीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री पी० बी० परमेश्वरा श्रयर

(भन्तरक)

2. श्री कें एस० राजन अर म्रह्नय।

[(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कींड्र भी नाक्षंप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की ताशीस से 30 दिन की वर्वाप, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यासा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाक में किए बा सकने.

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक् अध्याय में विया गया है।

मन्भूचा

भूमि और निर्माण——डोर सं० 7 घादरपेट वाणियम-पाड़ी एन० भ्रारकोट जिला (दस सं० 1980/85) ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज-2, मग्रास-6 (ग्राई/सी)

तारीख: 11-4-1986

४कप कार्यं ु टी. एग<sub>ः</sub> एक<sub>ः</sub> फ•र=±

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 4:3) की भाग 269-व (1) के अभीन सुचना

1. डाक्टर वी० ग्रब्दुल रहिम

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्राईश शमीन

(भ्रन्तरिती)

#### भारत तरकार

## कार्वास्य, बहायक आयकर बायुक्त (विद्वीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 9/ग्रगस्त/1985——यतः मु**झे श्रीमती** एम० तमवेल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर सं० 554 है तथा जो ध्रंजी मोडीन साहिब स्ट्रीट मुस्लिम्पुर वाणियमवाड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाणियमवाड़ी (इस० सं० 1806/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निक्नीसियत उद्वोदय से उक्त बंतरण निचित में बास्तिविक कप से कथित नहीं किया नया है ड---

- (क) अस्तरण में हुइ किसी अप्रव की शायत, उक्त अभिनियम के अभीत कर को के अन्तरक के प्रायित्य में कमी करने या उससे सचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा क लिए;

सतः वय, स्वतं विधिनयम की भारा 269-म के बनुबर्ग में, में, स्वतं विधिनयम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्षात् ह— 14—56GI/86 की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के निष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को संबंध में कोहाँ भी आक्षोप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा ६. 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की स्वभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोजस्ताकरी के बाम निवित में किस वा सकतें।

त्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो: उक्त जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया जवा कै 🔝

## **भनुस्**ची

भूमि और निर्माण डोर मं० 554 श्रन्जी मोडीन साहिब स्ट्रीट मुस्लिमपूर जोनियमवाड़ी..

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, मद्रास (ग्राई/सी)

तारीखा: 31-3-1986

प्रकम कार्याः ही । पुन्नः पुत्तः । स्टब्स्सान्यन्यः

भावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के न्यीन सूचना

#### भारत चरकार

# कार्यावर, स्कारक मानकर मानुक्त (निर्दाक्ति)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 8/धगस्त/1985--यतः सुन्ने श्रीमती एम० सामुबेल

और जिसकी डोर मं० 512ए, 512ई, 512जी, 512 ई है जो जिन्ना रोड़ धाडरपेट वाणियमपाड़ी नार्थ आरकाट जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाणियमवाड़ी (दस सं० 1773/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को प्रांतिक तम्पीत को अधित बाजार यूच्य ते कन के वस्त्रकान प्रांतिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच पूर्व अन्तरण के किए तम पाया गया प्रतिकृत, निम्निसित उद्वरिय से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दरक के समित्व में अभी खरने वा उन्नसे भूषभे में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एवी कियी जान ना कियी भन ना अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर सिभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या धनकर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिक्हा

बतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती ए० सजिदा जबीन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए०, हनिफ श्रहमध।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्स्ची

भूमि और मकान ——डोर सं० 512ए, 512जी, 512ई, 512ई, है जिमा रोड़ वाणियमपाड़ी नार्थ आरकाट जिला (दस सं० 1773/85):

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 (ग्राई/सी) मद्रास-6

तारीख: 11-4-1986

मोहर 🛭

वस्त<sub>ा</sub> बाहु<sup>\*</sup>ा हो<sub>ड</sub> पुत्र पुत्र हुन । • • • •

बावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

## शारत संदुकाड

कार्वाचय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दाक्तक)

श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक 8 मप्रैल- 1986

निद्रेश सं० 39/म्रगस्त/85--यत मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

नायकर निधिनयस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत निधिनयन' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निधीत सक्तम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित्र वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 363/2 384/2 बी 385/1 ए 385/1 385/2 363/2सी 384/1 384/2बी 363/बी 363/2ए बी और 206/2-सी है तथा जो पिन्जी गांव वालाजा तालका, अरकोनम नार्थ आर्काट जिला बोलजा नगर (द०सं० 2655 2656 और 2657/85 हुभारतीर रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्मित् के उत्तित बाजार मृस्य से कन के दस्तमान वितास के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह दिख्या करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपृत्ति का अधित बाजाड़ मृत्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का बन्द प्रतिश्वत से बिध्य है बीड बन्दर्क (अस्तर्कों) और बन्दरिती (अन्दर्शितयों) के दीज एके अन्तर्क के जिए तस्यामा गया प्रतिफक निम्मितिकत सङ्ग्रेस को उन्तर बन्दर्क विद्यास गया प्रतिफक निम्मितिकत सङ्ग्रेस को उन्तर बन्दर्क विद्यास गया प्रतिफक निम्मितिकत सङ्ग्रेस को उन्तर बन्दर्क विद्यास विद्यास के विद्यास विद्यास की कार्यास कर के विद्यास विद्यास विद्यास कर के विद्यास विद

- (क) अन्तर्भ संहुई किसी बाय की बाबत उक्त विधित्रिक में अधीन कर दोने के बन्तरक में विधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सियों की. जिन्हें भारतीय बाय-कर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, दा भन्-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारण प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

सत्तर जन, उत्तर काँभीनवन काँ भारा 269-न की बनुतरक कों, भीं, अन्त निधिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के नभीन- निध्यतिकार स्पितियों, अर्थात् ≟— 1. श्री मनर मालक ग्रकबर हुसन और ग्रन्य

मन्तरक)

2. श्री एम० ग्रब्बुल हलीम एम० डी० के० एच० लेदर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

की वह सूचना वाडी करनी पूर्वोत्रत सम्पत्ति के वर्षन के हिस्यू कार्यवाहियां कडता श्रृंहें

वन्त् धुम्बृत्ति के नर्वत् के बुम्बन्य में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वभा के रावपम के प्रकावन की शारी के 45 दिन की सबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 10 दिन की जनिंध, आ में अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त अपिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हित-वद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मीं किस् वा सकोंगे।

स्वयक्तिकरण हुन्स्का प्रयुक्त सन्तो और पदी का, को उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभीषित हूँ, वहीं वृष्ट होगा को उन्न अध्याय में दिका। कृता हूँ वि

### अनुसुम्बी

पुंजा भूमि ——पिन्जी गांव वालाजा तालका नार्थ मार्काट जिला (सर्वे सं० 363/2 385/1ए 384/2 बी 385/1 385/2 ू 363/2सी 384/1 384/2बी 363/2ए और 206/2सी

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 8-4-1986

## भ्यम् वार्<u>द्धीः एवः एवः ।----</u>-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक 1 श्रप्रैल 1986

निद्रेश सं० 4<sup>7</sup>/ग्रगस्त/85---यत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं डोर सं० 243 है तथा जो कीलुपाक गार्डन रोड़, कीलपाक मद्रास-60 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पेरियमेंट (द० सं० 914/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्राथीन तारीख अगस्त 19865

का प्रविभित्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूक्य से कम के दूशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्पित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अन , उन्से अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उन्ते अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) वे सभीन , निव्निमित्रिक श्वित्तियों, नर्मात् =-- 1. श्रीमती लक्ष्मी नारायणन और श्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० म्रार० कबीरदास

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्षन के दिए। कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## क्षमत कम्परित को वर्षन् में सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सची

भूमि और निर्माण डोर सं० 243 कीलपाक गार्डन रोड़ कीलपाक मद्रास-10

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख 1-4-1986

प्रकृष बाह<sup>र</sup>्डी . एन . एस् <sub>१,2</sub>------

## मायक्य मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I मदास

मद्रास दिनांक 31 मार्च 1986

निर्द्रोण सं० 49/म्रगस्त/85—यतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की मं० डोर सं० 52 है तथा जो वृत्त काट्टन स्ट्रीट पेश्यिमेट मदास-3 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची और पूर्ण का में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट (द० सं० 943/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

कर पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रोतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिश्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; अदि/या
- (ध) एसी किसी बाय या किसी धन या उत्य अस्तियों कां, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

बरः बाब, एक्त विभिनिधम की भारा 269-त के अनुसरक में, में, उथत अधिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री शिवदत माल नागून और अन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० शाहुल हमीद और श्रन्य

(अन्तीरती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 52 बूत्त् काट्टन स्ट्रीट पेरियमेट, मदास-3

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज -1 मदास (म्राई/सी)

तारीख: 31-3-86

मोहर 🖫

प्रकार कार्य <u>। टी. पुने व पुर्व व्य</u>वस्थानका

## नावकर निधानवन, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के संधीत क्षता

#### भारत चहुन्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 श्वर्षेल 1986

निदेश सं० 51/ग्रगस्त/1985——यतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त कधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर सं० 5है तथा जो सेकन्ड स्ट्रीट सेट कालोनी एगमोर मदास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूचों में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय पेरियमपेट (द० सं० 987/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पेक्ट प्रतिकार से अधिक है और जंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अंतरण खिचित में बास्यिक रूप से क्षित की किया गया है है—

- (क) शुन्तरण वे हुन्द किसी लाग ऋषी नामत्<sub>छ</sub> स्थव वर्षित्त्रम के वर्षीय ऋष्ठ दोने औं अन्याद्रक के वावित्य में कनी कड़ने ना उन्नसे नक्ष्म में सुन्तिका के सिए; बीड़/शा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भग या अक्त आस्तियों को को किस् भारतीय जाय-कर जीभीनयम , 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम , या भन-कर जीभीनयम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति हिता बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात ह—

- श्री पी० बी० विजयरागवन और ग्रन्थ (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीपी० के० कमल नाथन

(ग्रन्तरिती)

की वह कुमना कारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के विषय कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी धाओंद :---

- (क) इस स्थान के राभपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी शवधि, बोद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाहा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किस वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसून,

भूमि और निर्माण ---डोर सं० 5, सेकन्ड स्ट्रीट सेट कालनी एगमोर मदास-8

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 2-4-1986

प्रकृष बाह्" . टा. एव . एस ., ------

# नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाड़ा 269-प (1) के न्भीन एपना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1986

निदेश सं० 12/प्रगस्त/1985-- मनः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका अजित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 3. 4वा श्रवेन्यू हारि-न्गटन रोड़ मद्रास में स्थित है (और इसके श्रनुबंध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट (द० सं० 991/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संजापनीकत सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके ११वमान प्रतिफल से, एसे ११यमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिस्ति से विश्व है और मन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (बन्तरितियों) के बीच एते बन्तरक के सिह तब बाजा बना बतिकल निम्नसिवित उद्दोश्य से स्वतः बन्तरक विज्ञित में बास्तविक रूप से कांचित नहीं किया बना है ——

- (क) अन्तरण ने दुर्घ किसी नाग की नानत उपत सींपनियम के सपीन कर बोने के अन्तरक में नामित्व में क्षती करने मा सबसे क्यमें में सुनिया के सिद्द, कोंद्र/ना
- (क) ऐसी किसी जान या धन या जन्म आस्तिनों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनते जीधीनयम, वा वन-कर नीधीनयम, वा वन-कर नीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना चाहिए था, कियाने में हिविधा के किए;

चतत्र वया, उपता विधिनियम की भारा 269-व वौ अभूसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात ∷—— 1. श्रो सी० एस० भ्रमरेन्द्रा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती इन्दु दिनारा

(भ्रन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## वक्त क्यारित के मर्थन के बुम्बन्ध के खोड़ों भी बाबांध्र--

- (क्रं) इस त्यना के उत्तरण में प्रकाशन की तान्त्रीय से 45 दिन की जनिए या तत्त्वंत्री व्यक्तियों धर गृपना की सामात से 30 दिन की व्यक्ति, को भी स्वतिष् नाम में स्वतन्त्र होती हो, में शीत्र पृत्तीत्व व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति प्राप्ता
- (य) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय से
  45 विन ने पीतर उनक स्नायर सम्पत्ति में दितमपूथ
  किसी मन्य स्थानित द्वारा भूभोद्दिताक्षरी के शाद्व
  विविध में किस ना सकीय ।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण --डोर सं० 3ग्रौर 4था भ्रवेन्यू हारिन्गटन रोड़ मदास

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज -I, सद्वास (ब्राई/सी)

तारीख: 1-4-1986

प्ररूप बाइ ुटी, एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत श्ररकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्राक्तण) प्रजीन रेंज -I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० 53/ग्रगस्त/85--यतः मृक्षे श्रीमती एम० सामुबेल

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 3 है तथा जो हन्टर्स रोड़ चूलें वेपेरी मवास-112 में स्थित है (और इसके प्रमुबंध में और पूर्ण कृप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट (द० सं० 993/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रगस्त 1985

फा प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह बितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में एस्तिक रूप में किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एस किसी आय या किसी भन या अन्य असिस्वां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयक्ताथ अतिरक्षा इन्तर किया नहीं किया परा ना वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के निए;

बतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् प्र-- 1. श्रीमती बी० मरिया और भ्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री कें कें कें मोहन और श्रीमती कें एम दुर्गा नन्दिनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां खुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की विविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 विन की विविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापत ह्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किये जा सकती।

स्यख्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यया हैं।

#### **अनुसूची**

भूमि और निर्माण ---डोर सं० 3 हत्टर्स रोड़ चूर्लें वेपेरी मदास-112

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मदास/(श्राई/सी)

तारीख: 7-4-1986

प्ररूप का**इ**ै, टी, एन. **एस**ु-----<del>श</del>्र

## आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 54/श्रगस्त/85——श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाखार म्स्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर सं० 3 है तथा जो हन्टर्स रोड़ चूलें वेपेरी मदास में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेंट (द० सं० 994/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकायम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एक्ड़ किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 या 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री बी० भाटिया और श्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० के० सावित्री

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कटके पूर्वों ता सम्पत्ति के अर्जन के सिधु कार्यशाहियां करता हुई ।

## उन्ह तम्पृत्ति के वर्षन के बम्बन्ध में कोइ भी बासेब ---

- (क) इस स्वना के राज्य में प्रकारन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यम्बर्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किये जा सकेंगे.

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हा।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण —— छोर सं० 3 हन्टर्स रोड़ चूरु वेपेरी मदास-112:

श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज- , मदास (श्राई/सी)

तारीख: 8-4-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

-आर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मार्च 1986

निदेश सं० 55/प्रगस्त/1985--यतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 16 है जो श्रगस्तीस्थर नगर हालस रोड़ मद्रास-10 में स्थित है (और इसके श्रनुत्वध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट (६० सं० 1001/85) में भारतीश किन्द्रीवरण श्रधिक्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहसमान प्रतिफल से, एसे दहसमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित भे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के क्षित्रल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, भिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा चै सिए;

भतः वयः, अवतः वीधनियमं की धारा 269-गं के वनुसरण
. , मैं, उक्त विधिनयमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख व्यक्तितयों, अर्थात् :---

1. श्री मूलचन्द कूट्रमाल

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जयश्री कन्ना।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषना वारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्थन के तिष्यु कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी बालोप 🏗 🖚

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यनितयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानतस्यों में से किसी स्थानित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति त्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त वर्षेश्वियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### मन्त्र्य

भूमि और प्लाट सं० 16 श्रगस्तीस्वर नगर हालस रोड़ मद्रास-10।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास (श्राई/सी)

तारीख: 31-3-1986

## नावजूल विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-में (1) के सभीन सूचना

#### भारत परकार

## कार्यातय, सहायक अध्यकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें ज, मुद्रास

मद्रास, दिनाँक 7 श्रप्रैल, 1986

निदेश सं० 56/ग्रगस्त/ 85—- ग्रतः मुझे,श्रीमति एम०

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- क. से अधिक हैं

प्रॉर जिसकी सं ० डोर सं ० 61, पेरियन मेस्ती स्ट्रीट, है, तथा
जो पेरियमेट मद्रास-3 में स्थित है (भीर इससे उपाब अनुसूची में
श्रीर पूर्णरूप से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पेरिमेट (द०सं ०.1015/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 85
श्रि पूर्णेंक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मून्य से कम के दश्यमान
गरिपल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार
गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपन्न से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पेदह
गरिवृत्त से अभिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नितित उप्वरंश से उक्त बंतरण सिवित में वास्तिकक
स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई जिल्ली जाय की वास्ता उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शहियत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: बहुर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिद्धी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निय;

(1) श्री मोहम्मद जान,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इशारूल हक ग्रीर कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश थें 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों 9र सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुभ किसी अन्य व्यक्ति इयारा अभोहस्ताक्षरी को नास लिखित में किए जा सकोंगे।

#### वम्युची

भूमि द्वौर निर्माण डोर सं० 61, पेरियन्न मेस्त्री स्ट्रीट, पेरियमेट, मद्रास-3

> श्रीमित एम ० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रावैन नेज-3, मद्रास

भते भव, उक्त अभिनियस, की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अभिनियस की धारा 269-थ की उपधारा (1) । अधीन निम्निसित अधिकतथों, अर्थात् :---

तारीख: 7-4-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस., कर्यक्रिक

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 3 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं ० 14/ग्रगस्त/ 1985-- ग्रातः मुझे, श्रीमती एम ० सामुबेल,

बायके दु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'जनत् अधिनियम' कहा गया हैं), को नारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित् बाजाद मूक्ष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्मौर जिसकी सं० स्नार ०एप०नं० 376/25, ब्लाक सं० 23 है, तथा जो पेरियमेट में स्थित है (स्मौर इससे उपाबद्ध स्मनुसूची में स्मौर पूर्णरूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्निधकारी के कार्याक्षय, पेरियमेट (दश्र० सं० 1020/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के स्रधीन, तारीख स्मन्द 85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाबार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जावल बाबार कृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बासांकिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि——

- (क) अन्तरण के हुए किशी जान की नानतः, उनते विश्विम के अभीत कर दोने के अंतरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की सिग्र, अर्रिशा
- (क) एली किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना जाहिए था, कियाने जें सरिधा के निए;

व्या: अब, उक्स विभिन्तियम की धारा 269-व की अनुकरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उच्चभारा (1) को अभीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) एस्टेट म्राफ लेट एम ० म्रनन्तनारायणन । (म्रान्तरक)
- (2) ती ० यूनियन क्रस्टीयन एसोसिएणन। (अन्तरिती)

क्रहे बृह्द सूचना चारी कारके पूर्वीक्य स्टब्सिस के वर्षन से सिह्द कार्यवाहियां कारवा हो।

वनकु बुल्लीका नी भूषीन को संबंध में कोई भी बालीए ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की बर्बीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की वानील से 30 दिन की शबीं को भी श्वीं वार में संबोध्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष कियी क्या व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताकरी के पाइ तिचित में किये वा सकीन।

स्यक्तीकरण :----दशमों प्रयूक्त श्रव्यों और पर्यों का, को उकर क्रिपेनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा स्वाही

#### नन्त्र्यी

> श्रीमती एम ० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 3-4-1986

प्रसम् सार्व<sub>ा</sub> दी<sub>य</sub> एत्<sub>य</sub> प्रस्<sub>वन्धानस्थान</sub>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) वे वर्षीन क्वना

#### RIEG BETTE

कार्यानय, सक्षयक वायकर वायुक्त (विद्यालय) ग्रजन रेजना, महास

मद्राभ, दिनांक 1 अप्रैल, 1986

निदेण सं० 64/ग्रगस्त/85— ग्रनः मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल.

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त है

श्रीर जिसका सं० प्लाट सं० 784, श्रन्ता नगर, (पेरियक्डूडल), में स्थित है (श्रीर इ.ते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से बिजा है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यात्रव, श्रन्ता तगर (दगमं० 3052/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीत, नारीख श्रमस्त, 1985

का' पूर्वोक्त कम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के क्याबार प्रतिकता के लिए अंतरित की गई है और माने

न्ह विकास करणं का कारण है कि यथाप्यें कि सम्पत्ति का अभित वाजार मून्य, उतके क्ष्यमान प्रतिकत तें एषे क्ष्यमान वितिकत तें एषे क्ष्यमान वितिकत को पंत्रह प्रतिकत से जिथक है जोर जन्तरक (क्ष्यत्वक) कि बाद क्ष्यत्वि (क्ष्यतिकति के वीच एसे अन्तरक के सिए क्षय पामा प्रमा प्रतिकत निक्तिविच चड्डेक्स से क्ष्यत क्ष्यत्व क्षिय क्ष्यतिक के विद्या के क्ष्यतिक क्षयतिक क्ष्यतिक क्षयतिक क्ष्यतिक क्ष्यतिक क्षयतिक क्षयतिक क्ष्यतिक क्षयतिक क्ष

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी नाय की बासक, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या बन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवता मधिनियम, 1922 का 11) या अवता मधिनियम, वा भन-कार बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्रयापा या किया जाना जाहिए था जिपाने में सुनिधा के सिसु।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) व वर्षणाः, निम्मनिविष व्यक्तिस्यों, श्रविष् (1) श्री बी०ई०कोषी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री के ०ए ० पिणाटोटी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चार्डी कर्युं पूनोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🛶 🕒

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जयिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्तियों में से माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (थ) इंड सूचना के रावपण में प्रकारण की तार्टीय वें 45 दिन के भौतर उत्तत स्थानर सम्प्रति भें द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वें पास सिखित में किए था सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

**प्रमुखो** 

भूमि---प्लाट सं ० 784, श्रन्ता नगर, (पेरियकुडल) ।

श्रीमती एम ० सामुबेश |सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-I, मद्रास

तारीख: 1-4-1986

प्ररूप बाई. दी. एन. एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाय 269-न (1) में अभीन सुम्रुग भारत सरकार

## कार्यस्य , सहस्यक नायकर नायुक्त (विद्वतिक))

श्रर्जन रें ज-I, मद्रास मद्रास, दिनाँक 31 मार्च, 1986

निदेश सं ० 65/ श्रगस्त/ 85 - श्रतः मुझे, श्रीमती एम ० सामुबेल,

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्वापर समित, जिसका उनित बाचार मुस्क 1,00,000/- से अधिक है

मीर जिसकी छोर सं ० 17, देवकी घम्माल स्ट्रीट, शेनाई नगर है तथा जो मद्रास-30 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रन्ता नगर (दस० सं ० 3141/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ग्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के कर मान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित प्राजार मूल्य, उसके करकान प्रतिकल से, एंस करयमान प्रतिकल के बन्दह प्रतिकत से विष्क है जीर अंतरक (अंतरकों) जोर बंदियों (अंतरितयों) के बीच एंसे अन्तरक अन्तरण लिखित में वास्तविक कप तं किशत नहीं किया यथा है है क्या प्रसार अन्तरण लिखित में वास्तविक कप तं किशत नहीं किया यथा है है

- (क) बन्तरण में हुए जिस्से नाम की बादसः एकः अधिनियन की वर्षीत कर योगे को अन्यरकः वे शामिरण में करी करने मा अवसे बचने में सुद्रिका के सिक्ष्ट जीलः/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीम आयकर नीभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनयम, वा भनकर सभिनयम, वा भनकर सभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिकी स्नारा प्रकट नहीं किया क्वा भा या किया जाना जातिहरू था, कियाने में सुविधा के सिरा

जतः जब, उपत अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उस्त जिधिनियम की गारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) श्रीमति चेल्लम्माल औरश्रीवी०रामचन्द्रन । (धन्तरक
- (2) श्री ग्रो० जयकुमार ग्रौर औय गिरिदर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करका हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों भू से कि को कार्या कर होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों भू से कि को कार्या कर होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों भू से कि को कार्या कर होती हो है के सिर्वास कर होती हो है के सिर्वास कर होती है कि को कार्या कर होती है कि कार्या कर होती है कि कार्य कर होती है कि कार्य कर होती है कि कार्य कर है कि कार्य कर होती है कि कार्य कर है कि कार्य कर होती है कि कार्य कर है कि कार्य कर होती है कि कार्य कर है कि
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध
  किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टांकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

#### अनुसुची

भूमि और निर्माण-डोर सं० 17, देवकी श्रम्मास स्ट्रीट, शेनाई नगर, मद्रास-30 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-I, मद्रास

तारीख: 31-3-1986

## 

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 श्रप्रैल, 1986

निदेश सं० 66/श्रगस्त/85~~ श्रतः मुझे, श्रीमती एम ० सामुबेल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1.00,000/-रा. से स्थिक हैं

स्रोर जिसकी सं ० फ्लैंट दूसरा फ्लोर प्लाट मं ० 2898, 14 वाँ मेन रोड, है, तथा जो अन्ता नगर, मद्रास -40 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से व्यापत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रन्ता नगर, (द ० मं ० 3170/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्नगस्त, 1985

कां पृत्रेकित सम्पत्ति को उषित बाजार मृत्य से कम को स्वयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं भीर संतरक (अंतरका) और संतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (फ) जनतरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; बार्ड/मा
- (न्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों कर, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें सिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निक्सिसिस स्पिक्तियों, अधीन में— (1) भ्रार० पदमा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री टी०एन०सोमसुन्दरम।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियों करता हूं।

सकत संपत्ति को नर्पन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविभ, जो भी वविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन को शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहन्साक्षरी को पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरणः — इसमें प्रभूषत शब्धा और पवां का, को उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### अगुजुर्या

प्लौट दूसरा प्लोर प्लाट सं० 2898, 14 वाँ, मेन रोड, भ्रन्ना नगर, मद्रास-40

> श्रीमती एम ० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, मद्रास

तारीख: 3-4-1986

प्रकार कार्य, दी एन . एस . ------

बाबफर वीचिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की बचीन स्वता

#### MIZE EZENZ

कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मदास

मद्राम, दिनाँक 2 श्रप्रैल 1986

निदेश सं ० 67/अगस्त/85 धः:---मुझे, श्रीमती एम० स(मुबेल

कारकर विश्विषया, 1961 (1961 का 43) (निस्ते इसमें इसके परवाध् 'जन्म विश्विषय' कहा गया ही, की बारा 269-स के अभीन सक्तम प्राविकारी को यह विस्ताप सहने का आरम है कि स्वावर सम्पति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 26, कोन्तूर हाई रोड, वेन्कटेसपुरम कालोनी है, तथा जो श्रयना वरम, मद्राम-23 में स्थित है (ग्रीरह ससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रन्ता नगर, (द० सं० 3201/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1985

को वृशेंक ता ता को छोचत बाजार मृत्य ते केन के द्यममान प्रतिक के सिए क्यारिकी की पद्दं और मुखे यह विश्वास करने ना कारण है कि यक्षम्वाँक सम्पत्ति का उचित वामार मृद्य, शबके वश्ममान प्रतिक्ष है, इसे द्यममान प्रतिक्ष का क्याह प्रिकृत से अविष्ठ हैं की क्यारक (क्यारक) और क्याहिकी (क्यारिकी) के बीच एवं क्यारक वे तिए उच नाम प्रभा प्रतिक्ष विश्वकितिक स्वारंग से क्या क्यारण निवित में वास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया है है—

- (क) नकारव से हुनुं किसी बाव की संबद्ध, अबस बीधिनधन के क्वीब कर दोने के कासरक की बीधन में कहीं करने वा बढ़ते क्वने में स्विभा के तिन्; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922-(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयाज-नार्थ अंहरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाडिए या कियाने में सुविधा के सिर्धः

(1) श्रीमति एलि वित तामस ग्रीरग्रन्य ।

(2) श्री ए०गनेसन।

(ग्रन्तरक) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में काई वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की दानीस से 30 वित की बविध, को भी जबीध वाद में सनस्य होती हो, के नीवड प्रोंचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उपत स्वादर सम्पत्ति में हितवयूथ किती बन्य व्यक्ति व्याच अपोहस्ताक्षरों के पास सिचित में निष्य का सर्वोगे।

स्वक्षिक्ष :-- इसमें प्रयुक्त करूजें बौर पक्षे का, को छक्त विभिनिषय के बच्चाच 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ष होता, को उन अध्याय में दिया नवा ही 1

### ं अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-कोर सं० 26, कोन्नूर हाई रोड, वेन्कटेसपुरम कालोनी, ग्रयनावरम, मद्रास ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) श्रर्जन रें ज-I. मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निकासियिय व्यक्ति कर्मां कर्मां ह—

तारीखा: 2-4-1986

प्ररूप बाइ .टी. एन .एस ------

## जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ज (1) के अभीन सूचना

#### **वारत उरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आस्वत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, मद्रास्] मद्रास, दिनाँक 2 श्रप्रैल, 1986

निदेश सं ० 70/ग्रगस्त/ 85-- ग्रतः, मुझे, श्रीमिति एम ० सामुबेल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृस्य बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 11, कोन्डलैंग्यर स्ट्रीट, मद्रास-79, है, तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीवर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, सौकारपेट (द० सं० 419/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रमस्त, 1985

का पूर्वाक्स सम्पर्गत के उचित बाजार मूल्य म कम के सम्यान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की अवत उपत मिय-नियम के बधीन कार दाने के बनारक के बायित्य में कभी करने था उसम बचने म स्थित। के लिए; गरि/या
- (ख) एसी किसी लाय या किसी अन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या तकन अधिनियम . या धम-कर अधिनियम . या धम-कर अधिनियम . १९५७ का 27) के प्रपालनार्थ अन्ती गत द्वार प्रकट नहाँ किया गणा थ। या किसी अन्ती नगर धा किसी था किसी किसी के लिए;

- (1) श्री मोहन भेवा शमाज पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट (ग्रन्तरक)
- (2) श्रं कान्दुलवेल दिगम्बर जैन ट्रस्ट (श्रन्तरिती)

**की वह सूच**ना चारी करके प्रवेक्त सम्पर्णि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## अबस सम्पत्ति के वर्जन में सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तस्प्रान्तन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो में जबिप बाद हों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक ध्याना से के किसी व्यक्ति स्थान:
- (क) १६४ स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्दित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्तित में किए जा सकेंगी।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पद्धों का, जो उक्त किंतियम, के अध्याग २०-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

भूमि स्रोर निर्माग~डोर सं० 11, कोन्डर्नैय्यर स्ट्रोट, मन्नास-79 ।

> श्रीमित एम ० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, महास

तारीख: 2-4-1986

इक्प, बार्च, टी. एन. एक. ----न

भाषकार गरिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की थाडा 269-च (1) के बचीन स्चना

भारत सरकार

कार्बालब, सष्टायक आयकर बाबुक्त (निरीक्नण) श्रर्जन रेंज, महाम

मद्रास, दिनांक 8 श्रप्रेल, 1986 '

निदेश सं० 71/85--- श्रनः मुझे, श्रीमति एम ० सामुबेल बायकर अधिनियम, 196 '1331 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमें कहा गया हैं), जी बाज 260-च में अधीन शक्य प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिस्सा अधित गंबार क्रम

1,00,000/- रह. में बधिक हैं

प्रौर जिसकी सं श्रीर ० एम० नं ० 275, जो अंटाउन है, तथा जो
सोकारपेट मद्रास ~79 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची
में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय,
सौकारपेट (द०सं० 433/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 ) 1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रगस्त, 85
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिखन बाजार मृत्य सं क्रम के अध्यान
विकास से तिए अंतरित की नहीं है और मृत्रे यह निश्नास करने
कस्ते का कारण है कि यथाए गैंक्त सम्पत्ति का अधित बाजार
पूजा, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे अध्यान प्रतिफल का
विद्या प्रतिकत से अभिक है बोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा नया
शिवफ स, निम्नतिबित उद्देश्य से अच्छ अन्तरण विवित्त में
शास्तिक रूप से क्रिकत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई स्थिती बाम की बाबत जनत बर्धिन विवस को बभीन कर को के बन्तरक के बायित्व के क्षती करने या उसने बजने में सुविधा के लिए बीए/बा
- (ह) इसी किसी बाब वा किसी धन वा बस्य ब्रास्तियों की, चिन्हों भारतीय बाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्रोंधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा खे सिक्स

- (1) श्री टी० ग्रार्० सरीग्रा ग्रौर मोती लाल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० रामचन्द्रन।

(ग्रःतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्षा कामारित के क्षांम के सम्बन्ध को कोई भी जाओर 🛶

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशप की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ ब्रांचा की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी क्यांचा कहा में समान्त होती हो, खे मीलर प्रविक्त क्यांकरायों में से किसी व्यक्ति त्यांचा;
- (न) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य न्यनित द्वारा वक्षेष्ट्रताकारी के लास टिमिल में किए जा सकींगे।

प्रवाहितरण: -- प्रसान प्रयोग शब्दों कीर पदों का, वो जनत अधिनिषम, वो जन्माय 20-क में परिभावित ही, नहीं अर्थ होंगा, वो उच्च अध्वाय में विका गया ही।

#### भगुसुची

भूमि ग्रौर मकान-ग्रार० एम० सं० 33, वेंकटराम ग्रयर स्ट्रीट, जॉर्ज टाउन, मद्रारा।

> श्रीमिति एम ० नामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राप्कत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, मद्रास

अतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269 में की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 8-4-1986

माहर:

## प्रथम साम् ः दौः पुत्र ः पुत्र ः सन्न----

## नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-म् (1) में न्यीन स्पना

#### भारत सरकार

## कार्यालयः महायक आयकार वायुक्त (निहासक)

शर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक १ शर्पेल, 1986

निदेश सं० 74/प्रगम्त् 85 --- प्रतः मुझे, श्रीमति एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० फाए० एस० नं० 274, जार्ज टाउस है सथा जो सोकारपेट मद्रास-79 में स्थित है (और इसके प्रमुख्छ के और पूर्णस्य से पंजित है) एजिस्ट्रीजनि प्रधिकारी के कार्यास्य (मीकारोट (दस० गं० 134/85) म भारतीय रजिस्ट्रीकारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के पंधीन, ज्ञारोब श्रास्त 1985

को वृत्तीकत सम्पत्ति के उचित वाबार मृत्य से कम कै जनवाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्ति दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्ति दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्ति दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्ति विश्वास विश्वास के विश्वास विश

- (क) ब्रुग्यरण से हुइ किती बाय की बाबत, उक्छ बीधनियम की बधीन कह दोने के ब्रुग्यरक की हार्यक्त में कृती कहने वा उक्को बृज्यों में सुविधा को तिए; बीर/या
- (क) एसं किसी बाव या किसी धन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिए।

(1) टी० भार० सरोब और मोती लाल।

(अन्तरक)

(2) एस० सरस्बती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## **उक्त परमित् के वर्जन के संबंध** में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्षत्र की तानीब से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय नाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिंत- कुष किसी न्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के प्राप्त सिचित में किए था सकींगे।

स्यष्टीकरण .-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया एया हैं।

#### बन्स् ची

भूमि और मकान-आर० एस० सं० 274, जार्ज टाउन, सौकारपेट मद्राम 79 (दस० सं० 434/85)।

> श्रामित एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजन रें, मद्रास

अक्ष: अक्ष, अक्षत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, को, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपचारा (1) भी सभीन् निम्मिसिक्षित व्यक्तिकों का स्थारि का

सारीख: 8-4-1986

मोहर 🖫

मक्ष आष्ट्री हुन भूक जनका हुन न

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्थना

#### बार्क करकाई

## कार्यासय, सहायक नायकर नायका (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, मद्रास मद्रास, दिनांच 2 लप्रैध 1986

निदेश सं० 77/प्रग०/ 85 --- अत: मुझे, श्रोमिति एम०. सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) — (विसंद्रसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से **बधिक हैं** 

और जिसकी सं० डोर सं० ३ ट्यागराज पिल्लै स्ट्रोट, पेष्द्-साय अनुपेट भदाप में स्थित है (और इससे उराबद बनुसूची ं और पूर्णेरूका ने परिति है)। अधिक्द्रोकर्ती अधिकारी है। कार्यात: तोकारवेट (द० सं 454/85) में भारतीय रिजय्ही-ंजरत अबिधित 1908 (1908 के 6) के अबीत वारीख **फ्रास्त**, 1985,

की पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रहवमान 9 विफल के लिए अन्तरित की गर्दह**ै और** मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है। कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उपक अध्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फस, निम्नलिखित इष्टेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-भिक्ष रूप से कथित नहीं किया गमा 💕 ६---

- (क) अन्तरम संबुध किसी गाम की बाबस, उक्ट मधिनियम को लाभीस कार होते को जलाएक की दावित्य के कभी करूने या उच्चे क्यमें में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अलिस याँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भव: भव, उक्त बाँचिनियम की धारा 269-र के जनसरह भें, में, तक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) 🛊 सम्बन्<sub>य</sub> निम्नीसम्बद्ध व्यक्तियोँ 🗷 सम्बद्ध 🗗 🚾

(1) श्री एस० के० अलगण्य पि**स्लै**।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० रामचन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारा करक नुकारत संबंदित से वर्षन के पिछ कार्यवादियां करता है।

### नवत सम्परित के वर्षन में लम्बन्ध में खोड़ी मी बाकोप हरू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षन की तारीखं से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवश्य बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध ं किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकें ने।

अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, अहीं अर्थ लोगः जो उस अध्याव भे विया गया है।

#### अमस्ची

भूमि और निर्माण- डोर सं० ६, त्याग राय पिल्ले स्ट्रीट, पेच्यु-नायकनपेट, मद्रास-I

> श्रीमनि एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीतरिंग, मद्र(स

तारीख: 2-4-1966

प्ररूप आर्ड्: टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

शर्जन रें ज-, मद्रास मुद्रास, हिनांक **8 श्रप्रेल** 1986

निदेण सं० 7४/श्रगस्त/४०— श्रदः मुझे, श्रीमदि एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संं 9, पट्टुरासण मुदलि स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास I-है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (दस० संं 459/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करणप्रधितिय म , 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख प्रगस्त 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुइ जिसी आय के बादत, उपत अधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० दौरेनाज

(अन्तरक)

(2) श्री एस० गलाम और श्रन्यों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं !

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र' 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रजूबत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अन्सूची

भूमि आर मकान--डोर सं० 9, पट्टुरासप्प मुदली स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-I (दस० सं० 459/85)।

श्रीमति एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास-6

तारीख: 8-4-1986

## प्रका आहें .ध्रां.ध्रां.ध्राः.ध्राः...

## णाथ्कर माधिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) की धारा 260-म (1) के अधीन सूचना

#### बारव ब्रक्ट्र

कार्याजय, बहायक भायकर जायूक्त (निर्माण)

श्रर्जन रें ज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 31 मार्च 1986

निदेश सं० 83/अगस्त/85--- ग्रनः मुझे, श्रीमिति एम० सामवेल.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इस्वे इसके प्रवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम विध्कारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

आंर जिसकी स० आर० एस० सं० 31/1 और 31/2 महुरैस्थामी महम है सथा जा स्ट्रांट नेम्बियम, भद्रास में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रमुख्ती में अंशिय एणे रूप ने विधित है), रिजिस्ट्रीकर्ती जिप्ति को के कार्यालय, नेम्बियम (दस० भं० 2969/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीयरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख प्रमस्त, 1985

को पूर्वेशित सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्निमित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिवित में वास्तविक कम से किंचत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्दरम् इंड्रां किसी थाय की शतद उस्त वर्षि-ग्रियन के वर्षीय कर दोने के बन्दरक के दावित्य में कभी करने वा उससे नवने में नृष्टिश के दिए।
- (था) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तिनों स्तो, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा बन्त विभिनियम, या सन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, सियाने में स्थिका न्दे सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भमसे टी० जी० भन्भुग सुन्दरम और शन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री टी० थामस एजुकेशन द्रस्ट।

्(अन्सरिती)

को यह बुचना बारी करके पृत्रांक्ष सम्मित्त के वर्षन के निए कार्यनाहिया करका है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूखी

भूमि टी० एम० सं० 31/1 और 31/2; मदुरैस्वांमी महम, स्ट्रीट, सेम्बियम, मद्रास ।

> श्रीमिति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-I, मदास

तारीख: 31-3-1986

मोहर .

प्रकृष कार्षे . टी . एन . एस . ----

बायकर ब्रीभनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीत स्पना

#### बारक बडकाह

भागनिय, महायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनौंक 7 श्रप्रौंख, 1986 निदेण सं० 84/श्रगस्त/85-- श्रतः मुझे, श्रीमिति एम० सामुबेख,

नावकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा.सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 35, मुर्थैय्या मृदुली स्ट्रीट, ओल्ड, है, तथा जो वापरमेन पेट, महास-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णेष्टप से वर्णित है), रिंग्स्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, रायपुरम (द०सं० 1379/85) में भारतीय रिंग्स्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख श्रगस्त, 1985,

ना पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्नित संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल के क्षेत्र प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्निनिवित उद्बोध्य से उचित अन्तरण निवित में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया प्या है ——

- (का) अन्तरण ते कुड़ किसी नान की नामत, उत्तर अधिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक बी दायित्व मो कामी कहने वा रामसे अवने में सुविधा को निष्; और/शा
- (था) एसी किसी जाय या किसी धन या करण प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाब-कर निधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था. स्मिन में स्विधा वी किया

बतः सन, सनत अधिनियम की भारा 269-ण के जनसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 209 व की उपधारा (1) दे स्थीन, निम्नसिधित खिलकों, स्थात ३---

- (1) श्रा वी ० एग ० शिजय रंगन और 19 मन्य। (भन्तरक)
- (2) श्रो सैन्ने वाझ पूलावूरनी नाडार्स उरविनमुरे श्रिभ-बीरुवी धर्म फन्ड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारिकरके पूर्वांक्त सम्पर्टित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

दक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों युद्ध सूचना की तासील से 30 दिन की संबंधि, जो भी अनिधि बाद में सभाप्त होती हो, को भीतर पूर्णों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट निकित में किए जा सकोंगे।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण---होर सं० 35. मुर्थैय्या मुहुली स्ट्रीट ओल्ड वापरमेनपेट, मदास-21

> श्रीमित एम ० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहामक श्रायक्तर प्रापुक्त (तिरीक्षण) प्रजैन रें जे-1, मद्रास

तारीख : 7-4-1986

महिर:

प्रका आई टी.एन.एस -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनाँक 3 अप्रशैल, 1986

निदेश सं० 85/ग्रगस्त/ 85→ ग्रनः मुझे, श्रीमति एम० सामवेलः

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी मं० डोर सं० 149, कोरल मर्चेंट स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इपमे उपावद्ध अनुसुनी में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिवस्ट्री इर्ता ग्रिधि तथे के कार्यालय, उत्तर मद्राम (दं०सं० 2424/85) में नारतीय रिवस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, नारीख ग्रामन, 1985.

को प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिण् अन्तरिह की गर्थ है लाँर मृत्रों वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसिहत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी साथ की बाबस उथक अधिनियस को जसीन कर दोन के बन्दरक औं शियत्व में कमी करने गा तसमे सकते में सुविधा भ लिए; बीट/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी बन गा बस्य अस्तियां की, जिस्हां भारणीत अध्यक्ष अत्यक्षित्रामा 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियमा या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, राजित उत्तरिती हुआ प्रचल उत्तरितियम स्वाचित्र का प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुआ प्रचल उत्तरितियम स्वाचित्र का क्षिपाने में सुविद्या खें बिए;

अत: अब, ६ वत अधितियम ती शता 269-म के अन्सरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमित राजम्माल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमति एम ० लक्ष्मो।

(ग्रन्तरिती)

की यह सृचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकाशन में किए जा सकरें।

स्पर्ध्वाकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण--डोर सं० 149, कोटल मर्चेंट स्ट्रीट, मद्रास-1 (द० सं० 2426/85)।

> श्रीमित एम ० साम् वेल सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-I मद्रास

तारोख: 3-4-1986

प्रका बात्र'. हो. एक वृद्ध -----

नायकाद्र मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-क (1) में अभीन स्वना

#### भारत बहुकाट

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 8 श्रप्रैल, 1986

निदेश सं ० 8 6/अगस्त/8 5-- श्रतः मुझे, श्रीमित एम ० साम् वेल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षण प्राधिकारी थी, यह विश्वास करने का कारण

हैं कि स्थावर सम्बक्ति, विवयन्त एपिए बाजार काला 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० डोर सं० 115, चूलै हाई रोड, चूलै मद्रास-7 में तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास (द०सं० 2469/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, तारीख श्रगस्त, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफ का को लिए अन्तरित की गई है गौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंच्य संपरित का उचित गायार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल से, एसे दश्यमान प्रतिफ स का बल्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तच पाना गवा प्रति-कम् निम्निकित सम्बद्धिक से सक्छ सम्हर्म सिक्स में बाक्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी साथ को बाबस, सबस विविचय के वशीन कर देने के अल्डरक के स्वित्य में क्ष्मी करने या उससे वचने में सुविधा जी सिंह; बीर/या
- (ण) प्रेची किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जानकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अयोजनार्थ अन्तरिती उनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाना चातिए था, जिपाने में श्विधा वे विद्धाः

बतः वयः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अवस अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के सबीत नियमितियस व्यक्तियाँ, अवस्ति है (1) श्रीमति एम ० एस ० के ० साधक फातिमा श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरक)

(2) श्री के ० थंगायाई ।

(भन्तरिती)

को सह सूचना जारी कहके न्योंक्य संपरित में वर्षण के जिल्ला कार्यगाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के नर्बन के सम्मन्ध में कोई भी नाकोर ह---

- (क) इस त्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर् थे 45 वित्र की श्वीध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तालीं के 30 वित्र की श्वीध, जो भी श्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर अवस स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास सिचित में किस जा सकेंगे।

स्वक्टीकडुण: इसमें प्रवृत्त सम्बा नीर पर्यों का, को स्वस विधित्तवस में बच्चाय 20-क में परिश्राणित हैं, वहीं सर्थ होता को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसुची

भूमि ग्रीर निर्माण-डोर ैंसं० 115, चूलै हाई रोड, वेपेरी, मद्रास।

> श्रीमित एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुड्त (निरीक्षण) ॄै श्रर्जनरें जा•्री, मद्वास

तारीख: 8-4-1986

मोहर 🚁

117-56GI/86

प्रकम आई. डी. एत. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरौक्षण)

म्रर्जन रें ज, मद्रास मद्रास, दिनाँक 31 मार्च, 1986 निदेश सं० 87/ग्रगस्त/85-— म्रतः मुझे, श्रीमिति एम० सामुबेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रार०एम० सं० 186/5, श्रलगापुरम पुदुर, गाँव है तथा जो सेलम तालुक धौर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रन् सूची में भौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकरी के कार्यालय, सूरमंगलम (दम० सं० 2372/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख श्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बाध्यभाभ प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूस्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गवा बितिफल, निम्नितिबित उद्श्वेष्य से उक्त बंतरण तिवित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक सं हुई किसी जाय की बानत, उसत जीध-विषय की अधीन कार दोने के संतरक के दासित्य में कसी करने या उससे क्यमें में सुविधा के लिए; वरि/या
- (व) एवी किसी भाव था किसी थन वा जन्य नास्तियों करे, चिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अध्यरिती इवारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा में सिक्ह;

कतः जब, उक्त ओधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मिषिकत व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री जगदीसन।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मुरूगण फैनन्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त इस्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-य-श्रार०एस०सं० 186/5 श्रलगा सेलम तालुका।

> श्रीमित एस० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-I मद्रास

तारीख: 31-3-1986

मोहर 🕃

प्रकृष बाह्र . टी . एन . एवं .-----

भागभर मृथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-म् (1) को मुशीन सुमना

#### THE STATE

## कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दालक)

श्रजंन रेंज-1 मब्रास मद्रास दिनांक 10 श्रप्रैंस 1986 निदेश सं० 88/श्रगस्त/85—यतः मझे, श्रीमती एम० सामुबेस

नावकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्नत लिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के लभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से लिभिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० सी०-35 है तथा जो सकेन्ड भ्रवेन्यू भ्रिरिंडनर भ्रमा नगर मदास-40 में स्थित है (और इसके मनुबंध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय भ्रमा नगर (द० सं० 3106/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का

16) के प्रधीत तारीख अगस्त, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान
प्रतिक्षम के जिए जन्तरित की गई है और मृन्धे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सम्बद्धम से हुए किसी बाव की बावत उपल विध-विश्वन के बधीन कड़ दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उत्तर वचने में स्विधा के लिए, बीझ/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य अस्तियों के जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

शत शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निकासिया व्यक्तियों आविष्य करूर- 1. भसर्स कोरमपांडल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड श्री जी० वी० रेड्डी मानोर्जिग डारेक्टर मद्रास-6 (श्रन्तरक)

2. श्री एम० जी० पोडवल

(धन्तिस्ती)

की यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित् के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्म्यरित के वृजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ये :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्त में किए जा सकेंगे।

स्यव्यीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, बही अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

पलट नं० फ़स्ट फ्लोर--सी-35, सेकन्ड श्रवेन्यू श्रका नगर मवास-40।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज-1, मदास

तारीख : 10-4-1986

मोहर ः

## HAM BEEN STATE OF THE PERSON OF

भावकर नद्विश्रीनयम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सूचना

#### प्राप्त ररकार

## कार्यासक, तहावक नायकड आवृत्तक (निर्दीक्षक)

ष्मर्जन रेंज-1 मद्रास मद्रास, दिनांक 7 ग्रप्नेल 1986 निर्द्रोग सं० 59/श्रगस्त/1985—यत: मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

शायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवार् जनत अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-वा के जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर तम्बीच, विश्वका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो निकटोरिया क्रीसेंट रोड़, एग्मोर मब्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यां जय परियमेंट (इस० सं० 1052 और 1053/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूस्च, उसके रहयमान प्रतिफल से एोड़े रहयमान प्रतिफल का पन्तर ब्रितिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एोड़े अन्तरण के निए तय पाना गया प्रतिफल जिम्मिलिल उप्पेश्व से उक्त अंतरण निवाद में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधः, क्षं निए; जीर/या
- (क) क्सी किसी जान वा किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर सिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर सिभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नमा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में विषया के लिए;

बक्ध जब, उन्त विधिनियम की धारा 269-य के नन्दरन में, में, जबत अधिनियम की धारा 269-य की उपदारा (1) है अधीन, मिन्निविवित अधिवारों, वर्षी । :----

1. श्रीमती तारा चेरियन

(ग्रन्तरक)

मेसर्स दी इण्डिया सिमेन्ट्स.

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के क्षित्र कार्यक्रिक्का शुरू करता हूं।

उन्ह तल्पित के बर्जन के संबंध में कोई भी बार्धा द--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविस्तरों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्मध्वीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बहुी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसुची

भूमि और मकान --सं० 5 विक्टोरिया क्रीसेन्ट रोड़ एग्मोर मद्रास-8 (दस० सं० 1052 और 1053/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) श्रजंन रेंज-1 (श्राई/सी) मद्रास-6

तारीख: 7-4-1986

तारीख अगस्त 1985

प्रारूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-J1, मद्रास मदास, दिनांक 11 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 18/ग्रगस्त/85--ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० · साम्**वे**ल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० एस सं० 116/5, 120 है, तथा जो चेरन स्ट्रीट मद्राम-87 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी को कार्यालय, प्रोपंड लैंडम लेख सं० 2102/85 में भारतीय रजिसीट्करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री टी० तामस

(अन्तरक)

2. श्रीपी० टी० तंगम

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीवसु सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और मकान-एस० सं 116/5, 120, चेरन स्ट्रीट , मदास-87 थीस इलेट्स--लेख सं० 2102/85।

> श्रीमती एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-4-1986

## गुरुक जाहाँ, दी. एन . एचा. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुमना

#### MIST STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-II, मदास मब्रास, दिनांक 11 श्चर्यल, 1986 निर्द्वोग सं० 81/श्चगस्त/1985—यत: मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रभात 'उन्त कि भिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ऑर जिसकी सं० टी० एस. सं० 7/3517 है, तथा जो ग्रार० एस० पुरम कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में है और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बत्तूर लेख सं० 3413/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्क्रिय बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्क्रित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से विश्वक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीख एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित के बास्तरिक स्थ से कर्षित नहीं किया नदा है ——

- (क) बन्तरण ते हुई किबी बाब की बाबत उक्त अभिनियम के बर्धान कर दोने के अंतरक के पायित्य में क्रियों करने या उससे बजने में सुविधा के निम्नः और√वा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्सियों को, जिन्हें आरतीय जायकर अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खियाने ने स्विभा के ब्रिस्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, कुर्यात् म 1. श्री ए० मृहमद यूसुफरौतर और श्रन्य

(अन्तरक)⊀

2. श्री टी॰ एम॰ कादर वा और दूसरे (अन्तरिती)

करे यह सूचना थाद्री करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त संपरित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप 🖫 🔻

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामीस से 30 दिन की अविधा, जो औी सब्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पंचीकरणः --- इसमें प्रयुक्त श्रम्यों और पत्तों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हीं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया हीं।

#### अनुसूची

भूमि -- आर० एस० पुरम-कोयम्बत्तूर लेख सं० 3413/ 85 कोयम्बत्तूर

> श्रीमती एम० सामु वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-गृ<sup>I</sup>, सद्वास

तारीख 11-4-1986 मोहर 🏻 अक्स बाह्" द्वीं स्म प्रक ्रान्यकान्यका

1.श्री सी० कुमरनन

(अन्तरक)

श्रासक्तर कर्र्रियरियय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन ब्रुक्ता 2.श्री एस० शेल्वराजः

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यात्रव, सहायक मायकाह मानुका (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-II, भद्रास मदास, दिनांक 11 श्चर्येल, 1986 निद्रोश सं० 88/श्चगस्त/1985—स्वता मुझे श्रीमती एम० सामयेल

हाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्षणें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया हैं), की बाहा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाधार बुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० एस० एफ़० सं० 329/263 है, तथा जो अतुक्कुल पोनाय्यों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पोफलाय्यी लेख सं० 1690/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख श्रास्त 1985

को पूर्वोक्स संपक्ति के उचित वाजार मूल्य ते कन के जरवजान प्रतिकल के सिए वंतरित की गर्द है और जुओ वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कम्पीत का उचित वाजार कृष्य, उसके अवमान प्रतिकल हो, इसे अवमान प्रतिकल सा विकास सा प्रतिकल से विकास कि प्रतिकल से विकास कि प्रतिकल है और वन्तरक (जनारकों) और जन्म कि (जंतरितियों) के बीच एसे वंतरूद के विषय कम कम कम कि कल, निम्नितियिस जुन्दिन में कम कम कम कम कम कम से कि सा नम्मितियां कम से कि सिंप नम्मितियां कम से कि स्वाप्तियां कम से कि स्वाप्तियां कम से कि से कि स्वाप्तियां कम से कि से कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त वर्षिणियम के वधीन कर दोने के वध्यरक की करियर में कती करने वा उक्को मुजने में कृतिका के लिए; क्रीं/वा
- (व) ऐसी किसी बाद वा किसी पन ना केन्न जास्तिनों को चिन्हों भारतीय साम-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम सा समुख्य अर्डिप्रियम, 1957 (1957 का 27) की बुख्यमार्थ कन्द्रीरियो कुनारा प्रकट नहीं विश्वा क्या वा वा किया याना आहिए था. कियाने में स्थित की की किया की किया

अत: अब, उक्त कींधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अवस्तु ;~~ को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहिया कुक अरुता हुने।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष ह—

(क) इस सचना को राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की नवींच वा तत्सम्बन्धी आजितयों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की भवींच, जो भी अविध नाय में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:

कि इस बचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध कि ती कम्प व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के नास जिला में किए जा सकेंगें।

रचका किएक :-- इसमें प्रमुक्त संबाधित पर्यों का, जो उनका विश्वित है, वहीं वर्ष होगर, को उनका विश्वास में दिया गया है।

### अमुसूची

भूमि और मकान — जमीन श्रर्त्तंक्कलि गांव, पोल्लाय्यी लेख सं० 1690/85.

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख: 11-4-1986

प्ररूप बाह्रै. टी. एन. एवं. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, तहाबक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल 1986 निदेश सं० 96/अगस्त 1985

अत: मुझें, श्रीमती एम० सामुबेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें षर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के के अधीन सक्षर पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00.000/- रु. स विभिक्त हैं
श्रीर जिल्लिकों सं० शीरकाली है तथा जो तं जाबूर में स्थित हैं
श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है,
रिजिस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय शीरकाली लेख मं०
988/85 में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृक्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल सा बन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरक से लिए तय भाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उन्त अन्तरण निम्नलिखित उद्वोदय से उन्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-निवास के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कभी करने या उक्तसे बचने में तृत्विधा के लिए; बौर/या
- क) एसी किसी बाय का किसी भन वा अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, द्विपाने में सृविधा के लिए;

जसः व्या, उन्ना अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उन्ना अभिनियम की भारा 269-ग को उपधारा (1) के वभीन, निम्नलिखित स्मीम्सर्वों, अभीत् क्षा (1) श्री जी रामन्

大大学学 (Company Company Transport Of the Company of

(अन्तरक)

(2) फरीदा बीवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परें सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुसुची

भूमि श्रौर मकान कृषि भूमि शीरकाली-शीरकाली लेखा सं० 988/85।

> श्री मती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 11-4-1986 मोहर: प्रकप भार्च , दी , एम . एस ..-----

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-ज के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजॅम रेंज-2, मद्राम मद्राम, दिनांक 11 अप्रैल 1986 निदेश सं० 101/अगस्त 1985-- अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः शाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं जिन्हदासययनायम् मेहुघानयम् है तथा जो कोयमत्रत्यः में स्थित है (श्रोर इससे उपात्रकः अनुसूची में स्रोर पूणे रूप ये बिजत है, रिस्ट्री क्रिंग अधिकारी के मेतुबालयम लेख सं 1986/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक अगस्य 1985

की पृथें कत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवींकत सम्पत्ति का उचित वाजार कृत्य, उत्तके क्रयमान प्रतिकल से एसे अत्यमान प्रतिकल का नंबह प्रतिवाद से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय वाया गवा प्रतिकल निम्नतिविद्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए त

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, इक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

मत: वज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, वर्धात् :---- 18—56GI/86

- (1) श्री इन्द्राणी जय गंकर ग्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री গ্ৰুৱাছ चन्द নहर ग्रांर अन्य। (अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यकितयों में से थि,सी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषिक हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गंवा है।

अन्सूषी

भूमि विकास्थ्रम्यालयम् मेठुवालयम् मेटु्वालयम लेख सं० 1986/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ते (निरीक्षण अजॅम रेंज-2, मद्राम

दिनां कः 11-4-86

मोहर

प्ररूप नाहर, टी, एन, एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजॅन रेंज-2, मद्राम मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल 1986 निदेश सं० 108 अगरन 1985—अत: मुझें, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी लेख सं० 993 | 85 के शेंडुल में दी हुई सम्पत्ति (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनं मले लेख सं० 993 | 85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां के अंगस्त 1985 मने पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरच ते हुई कियी जान की बाबस, उससे शीधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक को वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में बुविशा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भे अधीन, निम्नालिंकत व्यक्तियों, सर्थात :----

- (1 पी० नटराजन श्रीर पी० राम सामी (अन्तरक)
- (2) आर० लक्ष्मी पती श्रीर कमला पती। (श्रन्तरिती)

कों यह सूचना बारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के कर्बन औं किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बादा है

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, को सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

लेख सं० 993/85 की ग्रेडुल में दी हुई सम्पन्ति आनमलें लेख सं० 993/85 (

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंल-2, मद्राम

दिनांक: 11-4-1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 अर्जंल 1986 निदंश सं. अर्ज-3/37-जी/2693/85-86√--अत: मृक्षे, श्रीमती एम० कामुक्लेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाबाद मृज्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 7033/2 फ्रीर 3—कोर सं० 12 फ्रीर 13 है जो रामन स्ट्रीट में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 980/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को मुर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरेखी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कल्क्षरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्क व्यक्तियों, अर्थात् ६1. श्री अशोरु कुमारा

(अन्तरक)

2. श्रीमती नंद कुमार।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भे अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकिंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और धवों का जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाव पित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि—— 12 घौर 13, रामन स्ट्रीट । टी० नगर, मद्रास 17: (टी० नगर लेख सं० 986/85।

> श्रोपती एम० सामुर्वेल ाक्षम प्राधि नारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास-6

ता ी 1 -4986 मो**हर**: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे ज-2, मद्रास मद्राम, दिनांक 11 अर्प्रल, 1986 निर्देश सं० 124/अगस्त/85—यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं आर एस क्सं 53/3 ग्राँर 53/1—12 ग्राँर 13 है, जो रामन स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के ट्रायित्य टी नगर लेख सं 987/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० अशोक कुमार ग्रीर दूसरे।

(अन्तर्ग)

2. श्री पी० वी० शर्मा

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की गरोक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पवा का अवह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि 12 फ्राँर 13, रामन स्ट्रीट, मद्रास टी० नगर (लेख सं० 987/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल मश्रम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

गरीख 11-4-1986 मोहर :

## प्ररूप नार्रं\_टी. एन \_एस \_======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे व्योन युव्या

#### ं भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बावकर बाबुक्त (विद्रोक्तक)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास मद्रास दिनाँ रे 11 श्रर्शेल 1986 निर्देश सं० 126/श्रगस्त/85—यतः सुझ श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिंसकी संरुप्लाट नं 4v-2 है तथा जो काम स्ट्रीट विजय रागवाचारी स्ट्रीट टी० नगर मन्नास-17 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर लेख मं 1000/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निक्निविचित उद्देश्य से उक्त बन्तरक सिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है सन्तर

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाद की बाबत, उसल बिधीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बज़ने में सुविधा के सिक्ष्ण अरि/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन वा बन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर सिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तु सिभिनियम, वा धन्कर सिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नृष्टी किया गया था या किया जाना चाहिये था सिमाने में सिवधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री वी० जगन्नाथ राव ग्रीर दूसरे

(श्रन्तरक)

2. श्री एस० मुत्तैयन् ग्रीर दूसरे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्डके पूर्वोक्त संपत्ति में अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी शाओप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्द व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (घ) इत् त्वना के राष्प्र में प्रकावन की तारीश है, 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी जन्म व्यक्ति दुनारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकति।

स्यम्बीकरणः --- इसमें प्रतृक्त शब्दों और पदों का, को उक्त व्याधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि—स्लाट सं० 4, 2. I क्राप्त स्ट्रीट, विजयरागवाचारी स्टीट टी० नगर, मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 1000/85

> श्रोमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-4-1986

## प्रथम् वार्ड्ः टो. २२, १६ .....

बायकार अधिरित्यम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीत बुब्बा

#### 124 227

## कार्याचम, सहायक जायकर नायुक्त (विराधक)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, विनाँक 10 श्वर्प्रैल, 1986 निर्देश सं० 174/श्चगस्त/85—-यतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

वायकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दसवे दसके परवात 'उनते विभिन्नम्' कहा पता है), की बाख़ 269-य के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका उचित् वाचार कुन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० 26 है, जो गोविं दन् स्ट्रीट कामराज नगर पाँडिकोरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कायोलय, ग्रोलुग हैं लेख सं० 1892/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मृख्य से कम से कम क्रियमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गर्द हैं और मृझे यह विश्वास करने कारण हैं यथापूर्वेक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृख्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शिंतिक रूप से किशा वहीं किशा गया हैं।

- (क) बन्धरुष संदूष्ट (कार्यी बाव की बावक के कार्य वीधीनवृत्र के वृत्तीय कार वार्त के अन्तरक के वादित्व में कभी कार्य का कब्ब वृत्त्य में शृतिका के (सुष्: बांद्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 की 11) या अन्त विधिनियम, वा बन-कर विधिनियम, वा बन-कर विधिनियम, वा बन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः बय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् प्र—— 1. श्रीमती एस० इन्द्राणी

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स सेन्टिगो स्कूटर्स प्रायवेट लिमिटेड (मन्तरिती)

को यह स्वना जा<u>री कहके</u> पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुई ॥

उन्त सन्ति के बर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र हान्त

- (क) इस स्वरा के रावधन में प्रकावन की हारीय से 45 विन की नविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की सविध, वो भी ब्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर राजस स्थावर संपत्ति में हित्तवकृष किसी जन्म क्यक्ति द्वारा जभोइस्ताकारी के पास सिवित के किए वा स्केंगे।

स्पष्टिकरण: ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त आयक्रर । अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **प्रनुसूची**

भूमि और मकान-'-पन्धिक्चेरी---ग्रोलकरें 'लेख सं० 1892/85

> श्रीमती एम० सामुवेस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11; मद्रास

तारीख: 10-4-1986

प्राख्य आई.टी.एन.एस.्. . . . . . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास] मद्रास, दिनाँक 11 घ्रप्रैल, 1986 े निर्द्रोग सं० 189/ध्रगस्त/85--यतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

मानकर विविध्यम् , 1961 (1961 मा 43) हिंदाचे जाने इसके परकात् 'उन्दर अधितियम' कहा पदा हुने, की पहा 269-च के वधीन उद्धर प्राधिकारी को यह निकास नकते का बाह्य है कि स्थानर बंदरित, विक्रका स्थित वाकार कृत्य 1,00,000/- क. से शिक हैं

भीर जिसकी सं आर एस कं सं 23 ि । है, जो तंनाबूर नीलगिरी में स्थित है (भीर इससे उपायत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय तैनाबूर — लेख सं 1704 से 1708 तक में भारतीय, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उन्नित वाजार मुख्य से कम के क्रयमान मिल्क्य में सिन् कन्तिया की नर्ष है बोर मुम्मे वह निश्वास करने का कारण है कि अपन्यूर्वोक्त वेप्टीत का जीवत क्षमान मुख्य, उन्ने क्षमधान विवक्त से, एों स्थमान मिल्क्स का पुल्ल, मिलक से बीप्त है बीर अन्यस्य (बंतरका) भीर बंतरिशी (बन्द्रिशियों) में बीच दोने कन्यस्य में किए वर पाम पूरा प्रविक्त सभा निज्याविक्त उप्योक्त से उन्मत बन्दरण निक्ति में वास्त-विक्त कर से किया नहीं किया नवा है :----

- विश्वी सरकारण से शुर्भ किसी नाम नहीं नानशः, उनश स्वीमनियम से स्थीन कर दोने के बन्तरक के सामस्य में कभी बहाने वा क्यूबे न्द्राने में स्वीम्था में बिए; बीर/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्सियों की, विन्दी भारतीय वाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्त विभिन्नियम, या वनकर विभिन्नियम, या वनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती वृक्षारा प्रकट नहीं किया येता वा या किया वाना वाहिए था कियाने में स्रीवास वी किस्सू

क्रतः भ्यं, व्यव मृश्निवंदः की पास 269-ए के, बवुक्रम् भा, मी, उक्त वीभीनयम की धारा 269-म की स्पर्धास (1) के बभीन भिन्नकिषिय व्यक्तियों वर्षाय है—- 1. श्री शिवानंदम

(भ्र₹तरक)

्रिश्ना के० एस० बिश्वनाथान पावर एजेंट टी॰ ही० इन्बेस्टमेन्ट ट्रेडरस् प्रायवेट लिमिटेड

(पन्तिनित्ती)

को यह सूचना त्रास्त्री करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षक के विषष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्क सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप :---

- (त) इस स्वान के राजवत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) क्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बख्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिषित में किय जा सकोंगे।

स्पाक करण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

हा। खेता--म्रार० एम० मं० 236/1 , तंजाबूर, नी जिरी तंजाबूर: लेख सं० 1704 से 1708 तक

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक **श्रा**यकर श्रायु<del>क्</del>त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, मद्रास

तारीख : 11-4-1986

मोहरः

प्ररूप आहू".टी.एन.एस.,-----

कायकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सुधना

#### भारत सरकार

## कार्यानव, सहायक बावकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 11 श्रप्रैल, 1986

निर्वेश सं० 190/श्रगस्त/85--यतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल ै

बायकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पर्थास् 'उक्त अधिनिवन' कहा गया है'), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वतम् कको का फारण है कि स्ध्यावर सम्पत्ति, विश्वतम् उचित्त बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० ब्लाक मं० 59 है तथा जो 4था वार्ड -तिरूपुर सुन्दरी तंजाबूर लेख सं० 1766/85 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याक्षय ग्रगस्त 1985) लेख सं० 1766/85) तंजाबूर 85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) श्रिधीन के तारीख श्रगस्त 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अधके दम्यमान प्रक्षिकल ले, मूले दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप में करियत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बावस , उपल विधिनियम की जधीन कर दोने के बन्तरक को स्विधक में कमी करने या उपसे दचने में सुविधः वो सिष्ठ; शरि/वा
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिक को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

अत: अब, रुक्त अभिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- 1. श्री श्रारावमूदन

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती टी० परमेश्वरी भौर दूसरे

(ग्रन्तरिती (

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अब्दा सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के समयत्र में प्रकाशन की तार्षित ता 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्सी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्त व्यक्ति को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं[!]

### मन्त्रवी

भूमि ग्रौर मकान~-तिरूपुर मुन्दरी तंजीबूर टाऊन तंजाव्र--लेख सं० 1766/85

> श्रीमता एम० नामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II: मद्रास

**सारीख:** 11-4-1986

प्ररूप आर्द्दा. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II मद्राम मद्राम दिनाँक 11 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 193/ग्रगस्त/86---यतः मुझे श्रोमती एम० माम् वेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० 254है जो पूलियंग्टी गाँव कोट्टानल्लर नीडामंगलम में स्थित है (और इपसे उपायद और पूर्ण रूप से वर्णिय है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कुत्तनल्लूर लेख सं० 934/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रगम्त 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्सर्व बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था य. किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, रिम्निलिखित व्यस्तियों, अर्थात् ---19-56GI/86

श्री एम० एम० ग्राल गाघर

(अन्सरक)

2. श्री के० एन० ए० सलामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्विक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपीत्त में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

भमि ग्रौर म कान---प्रलियगुडो गाँव--नीडामंगलम क्तानल्लूर लेखा सं० 934/85

> श्रीमती ए म० सामुवे ल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रप्रास

तारीख 11-4-1986

प्रस्था क्षाइ<sup>‡</sup>. टी. **एन**. **एन**. क्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थान

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रजीन रेंज-11, महास

महास, दिनाँक 11 श्रप्रैल 1986

निर्वेण सं० 10/ग्रगस्त/ 85-→ग्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त विधिनयम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- उ. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं०1 है जो बलकार बाक्कम् गांव है जो मद्रास में स्थित है (श्रोर इपने उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीसन्डलैंटस लेख सं० 1998/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रास्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार गृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि सम्प्राप्तिक सम्पत्ति का उपित बाजार मूस्य उसके देण्यमान प्रतिफल से. ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के निए तम पासा क्या प्रति-क्य निम्निशिषित स्वृद्देश्य से स्वतः सम्बरण मिनिक्तः से बास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरन से हुई किसी बाय की बासत, बक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्य में कभी करने वा उपसे क्यने में सुदिक के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा अवन् अधिनियस, वा धनकार अधिनियस, वा धनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने । धनिया के सिए;

अतः अतः अतः, उत्तन अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीत :—

1. श्री कें ० एन० रामम्ति।

(ग्रह्मरक)

2. श्री श्रार्० वेंहटकुण्ण मुब्रमणियन ।

(भ्रन्तरिती)

को सह स्थान आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वत के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# अवस् सम्पृतित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पृविक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अगर सम्पत्ति में हितबस्ध किमी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास निर्मिष्ठ में किए जा सकर्ष।

स्थ्यीकरणः—श्समं प्रयुक्त सन्धां और पदां का, जा अवत विधिनियम के अध्याल 20-क मां परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विधा विश्व हैं।

अनुमुची

भूमि श्रीर मकान--विलयर वाक्कम गाँव, मद्रास श्रीसन्डलैठ्स लेख सं० 1998/85।

> श्रीमती एम ० यामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-4-1986

मोहर

प्ररूप आई.टो.एन.एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुवत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-<sup>11</sup>, मद्राग मद्राग, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2/ग्रगस्त/1985--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिलका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 17/बी, नयी सं० 17/2 है जो नान्सी स्ट्रीट पुरशवाकरम् , मद्राप में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय पुरशवाकरम् लेख सं० 1390/85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन, तारीख ग्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; आर्-या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अव. उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री मुहमद एस० एस० रफोक।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सैयद म्रब्दुल रावूफ म्रौर इसरे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि ग्रौर महात--नान्सी स्ट्रोट--पुरशवाकरम्, पुरशवा-कर्म्, लेख सं० 1390/85।

> र्श्वीमती एम ० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रात

तारीख: 10-4-1986

# प्रकम बाद्दी हों. एत ह एवं हुन्यान्यान

# नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन सूथना

# भारत सरकार कार्वाजय, सङ्गयक जायकर जायुक्क (निरीक्न)

ग्रजेन रेज-II, मद्राय मद्राय, दिनाँक 10 ग्रजेल, 1986 निर्देश सं० 10/ग्रगस्त/1985—-यतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अभीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं ० 104 है, जो चिन्सम्बाकतम् गाँव में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय थीसन्डलैंडस लेख सं ० 2103/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1985

को पृथिति संपत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के उपवरतन हिथार के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उत्यक्षे दश्यमान प्रतिफास से एसे दश्यमान प्रतिफास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-पिष्य को अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य से अभी अपने या सबसे बचने में सुविधा के सिसे;
- (क) एंती किसी बाब वा किसी धन वा जन्य बास्तियों को, धिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेषकार्य अस्टिती व्यारा प्रकट वहीं किया गया धा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में ब्रिक्श वे लिए;

1. दो ० एक्सिक्यूटिव इन्जोनीर

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० वी० मुक्रमणियन

(भ्रन्तरिती)

की सह स्वा बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अवन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप ह—

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की सर्वीध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की कविध, को भी अविध नह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपर्तित में हित-नक्ष किसी जन्म स्थानत द्नारा जभोड्स्साक्षरी ये पास निकास में दिश्य जा करोंने।

# अनुस्ची

भूमि —-विकाम्बाकतम गाँव--प्लाट नं० 885 मद्रास है थीयन्डलैंटस--लेख सं० 2103/85 ।

> श्रीमती एम ० सामुबेल सक्षम प्राधि कारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

अंतः अबः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 10-4-1986

इल्प् मार्थं, टर्र. एव. एव. .....

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बभीत सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-11, मुद्रास मद्रास, दिनाँक 10 श्वर्प्रैल, 1986

निर्देश मं० 30/ग्रगस्त/1985--यतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परणाद 'उक्क अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वात करने का छारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं०टी० एस० सं० 48 ब्लाक सं० 70 है, जो को उम्बाकरम् गाव--मद्रान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय को उम्बाकरम् लेख सं० 2401/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीभीन, तारीख श्रगस्त 1995

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिक्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और क्लिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय कामा गया प्रतिफल जिम्निलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण किया गया है हम्--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बावत, उक्क विविधिय के वधीन कार दोने के जन्तरक वी दापित्व में अभी करने वा उक्क क्ष्मने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी आप या किसी भन या अन्य जास्तियां की फिन्हें आपतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट मही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- ा श्री ए० श्रीनिवासन्
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एन० मीनाक्षी

(श्रन्तरितो)

को यह तुम्ता जारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के वर्षत् के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

प्रवत् सम्मील के वर्षन् के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से बैं 45 किन की अन्धि या तत्सुम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अन्धि, जो भी वर्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्वित्यों में से किसी स्पृत्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य स्थानत व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्त किसी किस में किए का स्केंगे।

स्वच्छोकरण ---- इसमें प्रवृक्त कव्यों और पर्यों का, वा उच्य अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृक्त है।

# धनुसूची

भूमि श्रीर मकान --टी० एस० सं० 48 ब्लाक सं० 70 कोडम्बाक्कम् गाँव---मद्रात, कोडम्बाक्कम--लेख सं० 2401/85

श्रीमती एम ० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास-6

तारीख: 10-4-1986

प्ररूप नार्ष्, टी. एन , एस .-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, मद्राय
मद्रास, दिनाँक 10 अर्थैल, 1986

निर्देश मं० 33/ग्रगम्त 85 कातः पुत्तेश्रोमती एमक यामुवेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/-छ हो अधिक है

श्रीर जिसकी संबद्धाक संबद्धान संबद्धान संवद्धान के प्राप्त है। में किया कालांनी काड स्वाप्त संवद्धान से सिथत है इसरी ज्याबद्ध अनुभूती में और पूर्ण क्ष्म से धणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोड स्वाप्त ते संबद्धान संबद्धान संबद्धान स्वाप्त के अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रागस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसर अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसरो बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्कर अधिनियम, या धनक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

. **बत: बंब,** उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, बों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की तपधारा (†) **के बर्ध**ण, निम्नीय**धित व्यक्तियों अर्थात**ंच⊶ (1) श्रीमर्तः ग्रारः एसः जानका

(अन्तरक)

(2) राज लक्ष्मी शिवाजी

(ਕਵਰਗੇ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन क तिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांड्रें भी आशंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को जर्जाश, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, यो भीतर पूर्णेक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भंगतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्द किसी अन्य अ्थिकित द्वारा अधाहरताक्षरों के पास लिक्ति में किए ना सकेगे।

स्पच्डीकरणः — इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियस, को अध्याप 20-क मा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अधाय मे दिया गमा है।

# थनुसूची

भूमि श्रीर मकान--10, III का। स्ट्रीट--युनाटड इण्डिया कालोनी--कोडम्बाक्कम्--मद्राय-24 कोडम्बाक्कम लेख सं० 2566/85

> श्रीमती एम० सामुबेश सक्षम प्रायिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्शक्षण) भ्राजीत रेंज- 1, सद्राय

तारीख: 10-4-1986

M. 77. CH . ....

णाथकार क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीत स्पना

1. श्री टी० गुन्दर राग

(अन्तरह)

2. श्रीततो राजाययो दुरैमाणिकतम

(ग्रन्तरिती)

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रान, दिनाँक 10 श्रर्यं ल, 1985 निर्द्रेण सं० 37/ग्रगम्न/85--यत मुझे श्रीमती एम० सामुवेल प

मायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एप्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-य के अधिन सक्ष्म प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिनकी लंक टीक ए एक मंक 32,1 हिस्सा— ज्लाक संक 27 है, जो कोडम्बाकाम् गाँव मद्राप में स्थित है (श्रीर ह परे उपावस सनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीकारी के सामित सकोडम्बाक्कम लेख संक 2673/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रायकर 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख श्रमस्त 1985

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया असिफल निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्बद्ध प्रसे के धन नहीं किया गया है क्ल

- (क्ट) अन्तरण क्षं हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य बास्तकों को जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 राज्य का ११ के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

सतः वस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीत, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए पा सकेंगे।

स्पर्ध्याकरण: — इसमे प्रयोकत भन्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अससची

भूमि ग्रौर मकान--बोबिली राजा मद्रास कोडम्बाक्तम्--लख सं० 2675/४७

> श्रीमती एम० सामुबल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ऋायुक्त (तिरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 10-4-1986 मोहर

# मच्य बार्ष है हो पुर्व पुर्व व्यवस्थान

# बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से वर्षीन सुर्वना

## नारत स्रकार

कार्यालय, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राम, दिनाँक 10 ग्रंप्रैंल, 1986

निर्देश सं 41/ग्रगस्त/1985--ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं०एम० मं० 419/2 हिस्सा है, जो कोउम्बाक्कम में स्थित है (ग्रौर इससे उगवद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कोउम्बाक्कम् लेख मं० 2723/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रगस्त 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाषार मुख्य से कम 📽 करमान अन्तरित तिए की गर्इ है और मभ्रे विष्वास करने का यह कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकें ददयमान प्रतिफल से., एसे ददयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सि**स**ित में वास्तविक **रूप से किथत नहीं किया गया है:---**

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी जाय की बाबत, उक्त वीचीपयम् के सधीन कर दोने के अन्तरक जी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा जै विष्; जीद्र√न।
- (श) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निभिन्नियम, या अनकः विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया क्या वा किया वामा चाहिए था कियाने में सुविधा में सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा श्रीमती यमुना चंद्रशेकर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० विजयलक्ष्मी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृवाँक्य सम्मृत्ति के वृज्य के वृज्य कार्यवाहियां करता हुं।

# सम्बद्ध सम्मति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी नासीय हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिसिस में किए जा सकी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बान्दों और पदों का, वो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस कर या में दिया नया है।

## अनुसुची

भूमि श्रौर मकान--एस० सं० 419/2 हिस्सा, कोडम्बाक्कम गाँव कोडम्बाक्कमलेख सं० 2724/85 मद्रास

> श्रीमनी एम० सामुबेल सक्षम प्राविकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-4-1986

प्रारूप आई.टी.एन एस:-----

the time of the same of the sa

# बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक बायकर वाष्ट्रका (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-II. मद्राम

मद्राम, दिनाँक 10 ग्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 84/ग्रगस्त/85--यतः मझे श्रीमती एम० सामवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 75/2, डोर सं० 38बी-1है, जो वसंता रोड़ दाराप्रम रोड़ में स्थित है (ग्रीर इस्से हपावद्ध ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय दारापुरम --विलेख सं० 2182/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1985

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाबार मृख्य से कम के करमान वितिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ते यह विक्वास करने का कारण है कि ग्रथाप्नीतल गरंगील के उपित नामार ब्ल्ब, उसके खरमान प्रतिफल हो. ेसे दश्यमान प्रतिफल का ग्न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और एलंडक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकास निम्निस्ति उद्देश्य से उस्त बन्दरण विविद्ध के शास्तीयक स्थ से कथित नहीं किया गया है अ---

- (क) बन्तरण वं शुर्द किसी बाब की वाबस, उक्त विधिन्तिम के बचीन कर देने के बंतहक के वामित्य में कृषीं हरूने या उन्नर्भ वचने में यूरिया के लिए: बरि/बा
- (क) एंसी किसी बाद वा किसी धन वा अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अभिनियम, १९५७ (१९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया **वा या किया बाना बाहिए बा, क्रिया** में सीया प चे जिए:

शतः ख्व, उक्त विधिनियस की भाग 269-ग ले अनुसरण में, में, तक्त विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🔫 बधीन . ४नव्मीलिंखत व्यक्तिकों, अर्थात 🦫 20-56GI/86

1 श्री रघुपति

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० नटराजन डायरेक्टर

(ग्रन्तरितो)

को वह स्वमा बादी सहके प्रवेक्ट सम्बन्ति के बर्बन के बिय कार्यवाहियां करता हं।

उन्तर सम्मत्ति में वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बबीध वा उत्तकान्थी व्यक्तियों यह सूचना को तामीब से 30 दिन की श्वधि, को मी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्वीक्त स्वाच;
- (क) इस सूचना के एक्एव में प्रकाबन की तारींच से 45 दिन के शीत्र उक्त स्थावह सम्बद्धि में हितबहुध कियी जन्म व्यक्ति हवारा, जभोहस्ताशादी के पास जिबित में किए या सकें ने।

स्वकारिकरून :---दसमें प्रमृक्त सम्बद्धे नौह वसी का, वा स्टब्स मधिनियम, के तथ्याव 20-क वे परिभाषित हैं, वहीं बर्ब होगा को तम बन्नाह में दिय एया हैं।

# अन्स्वी

भिम रिप्रौर मकान-- दारापुरम--दारापुरम--दारापुरम लेख सं० 2182/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 10-4-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) प्रार्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 10 श्रप्रैल, 1986 निर्देश सं० 92/श्रगस्त/85---- श्रतः मुझे, श्रीमति एम० सामुबेल,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्षणाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं टी० पी० स्कीम-सं० 6, जी० एस० सं० 376, गाँधीपुरम संगन्द गाँव है, तथा जो ठी० एस० सं० 125, टी० एस० वार्ड सं० 12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में मोर पूर्णस्य से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाँधीपुरम लेख सं० 3877/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित सावार मून्य से कम के द्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्मलिचत उद्देश्य वे उक्त अंतरण जिचित में बारतिक स्थ से कृषित महीं किया पवा है हिन्स

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीन कर बेने के बंधरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में तृतिभा के सिए; बार/या
- र्षं। एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बस्क जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वें अधीन, निम्नीसिवत व्यक्तिक्टें स्थान --- (1) श्री ए० गोपालन की पावर एजेन्ट एम० बाल सुक-मिणियम्।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० आर० एन० स्वामी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष क्रिक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और बदों का, को उक्त क्रिक्ष-नियम, को अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रची

भूमि-टो॰ पी॰ स्कीम--सं० 6 जी॰ एस॰ सं० 376, संगन्र गाँव टो॰ एप॰ सं॰ 125, टी॰ एस॰ वार्ड सं० 12, कोयम्बत्र गाँधीपुरम लेख सं॰ 3877/85

> श्रोमति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, मद्राम

तारीख: 10-4-1986

मोहर 🔅

# प्रक्य बार्ड टी.इन.एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ते भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक नायकर नायक (निरीक्न)

श्चर्जन रेज, मदास

मद्राम, दिनांक 10 श्रप्रैल, 1986

निर्वेश सं 102/श्रास्त 85—यत:, मुज,श्रीमती एम श्रमभूबेस बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें क्षान्त 'उता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के संशीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति जिसका उचित बाजार बृत्य

1,00,000/- रु. से **अधिक हू** 

भीर जिसकी सं० टी० एस० सं०-360, व्लाटसं० 25 राजेश्वरी नगर है, तथा जो मईलाईचुर ; स्थित है ? भीर इससे उपाबद अनुस्णो में भीर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रोकती अधिकारी के कार्यालय, मईलाईचुरै लेख सं० 840/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख भगस्त, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कृतिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह फ़्तिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त प्रीधिनियम के वधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य वो कमी करने वा जबसे वचने में सुविधा के निए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थण या कल्प बास्तिकों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्रीवी० चन्द्रशेकरन।

(भन्तरक)

(2) श्री ए० मुहम्मद जिन्ना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां बुरू करता हूं।

क्ष्मकु स्ट्याचि के वर्णन के बंदंध में कोई भी आखेर है---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (क) इत भूजमा के राज्यत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उथव स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी बन्ध विक्त द्वारा अधोहस्त्याकरी के पास सिवित में किए वा सकोंने।

स्वध्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कम्बां और वदां का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

**जन्**स्थी

भूमि ग्रौर मकान-टी० एस० सं० 360, राजेश्वरी नगर , मईलाडुतुरै- मईलाडुतुरै लेख सं० 840/85

> श्रीमिति एम० सामुबेल सक्षम प्राजिकारी सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज्सी, मद्रास

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. की. डशत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

**़**तारीख: 10-4-1986

# प्रका बार्ड . हो . हम . एत . ---=----

# नावकर नोधाँतवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (1) के नधीन सूचना

### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्थन रेंज, मदास मद्रास, दिनांक 10 अर्थेल, 1986

निदेश सं० 102/ग्रगस्त/85—ग्रतः, मुझे, श्रीमित एम० सामुवेल;

नामकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बस्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्विकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य

1,00,000/~ स्त. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अोडन्तुरे गाँव है, तथा जो मेडुप्पालयम में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रार पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, मेडुप्पालयम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन, तारीख श्रगस्त, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का धारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी आयं की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिशाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण , मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीटी० वेंकटेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीके० एन० गणेशन भीर दूसरे।

(भ्रन्तरितो)

का. यह सुधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकारा;
- (स) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण:----द्वसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, को उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिल है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुधी

कृषि खेती-श्रोडन्तुरै गांव, मेडुणालयम मेडुणालयम लेख सं ० 1997/85 ।

> श्रोमित एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्राय

तारीख: 10-4-1986

मोहर ः

प्ररूप आर्द्दा. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्राय

मद्रास, दिनांक 10 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 172/ग्रगस्त, 85—श्रतः मुझे, श्रीमित एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसको सं० प्लाट सं० 7-डोग सं० 7 वार्ड 3, ब्लाक 6 है, तथा जो जिदम्बरम वाकीशनगर I<sup>I</sup>, मेन रोड, चिदम्बरम में स्थित है (श्रौर इमसे उभावद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिविकारी के कार्यालय, चिदम्बरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख श्रगस्त, 1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत उपक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लियः। और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधी द्वाननिविद्यालयों, अधिह्याल (1) श्री पी० जल्याणम पिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैयद रशाहुसैन तबीत वीबो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्यज्योतिहरा. — इसमी प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मीं परिभाषित ही, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मीं दिया गया है।

# **मन्स्**धी

भूमि श्रीर मकान-प्लाट मं० 7 डोर मं० 7, वार्ड 3-ब्लाक ६, टी०एन० सं० 258, वाकीण नगर, II मोन रोख, चिदम्बरम-चिदम्बरन लेख सं० 1915/85

> श्रोमति एम० नामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-4-1986

प्रस्थ आइ.टी.एन.एस-----

नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

# भारत बहुक्कर

# कार्यालय, सहायक अध्यक्तर नाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिमांक 10 अप्रैल 1986

निदेश सं० 173/अगस्त/85---अतः मुझे,श्रीमति एम० मामुबेल,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भास 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० वरदम्पालयम गांव है, तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), एतिस्ट्रीलर्ना अधिगारी के जार्यालय, रत्यमं रूप लेख सं० 1840/85 में भाग्तीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908) (1908 जा 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्णे तस सम्पन्ति के उचित बाजार बुस्स से कम के दश्यमान् प्रतिपत्त की लिए बन्सिरत की गई है और बुक्त सह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्स, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एते दश्यमान प्रतिकल के बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) कीर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलीखत सक्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक्ष रूप से किया गया हैं:——

- (क) अस्थारण संबुद्ध मिलती आर्थ की कामचा, उपत जरीधनिकम के अधीन कर धोने को जनसक्त के दामित्व मों कामी करने का उसके वचने मों सूर्णिधा के लिए; और/धा
- (ब) एसी किसी नाथ मा किसी मन का कर्य करिसकों को, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक निधिनियम, मा भनकर विधिनियम, मा भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनीर्थ अन्तरियों व्वास्त अकट नहीं किया गया था मा किया जाना वालिएए था, छिनाने में स्वित्र के लिए;

जतः अस, अस्त जीधीनयम् की भाषा 269-म के जन्दरण में, में, क्यस जीधीनयम् की भाषा 269-व की क्यभारा (1) को क्षीन निस्तिलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :--

- (1) श्रीएम० पनिसामि, एस० एम० तंगवेलु श्रीर अन्य (बन्तरक)
- (2) श्री एस० पी० सामिगीर ग्रीर अन्य।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्भक्त के वर्षन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उनदा संगीत को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सी 45 दिस की अनिच का बरसंबंधी न्यातियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिय, जो जी अविध बाद में तमान्त होती हो, के भीतार पूर्वोंका स्वित्वकों में किसी न्यायत क्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीय के 45 दिन के भीतर जन्म स्थायर संयक्ति में हिस्सब्ध्य किसी बन्ध स्थानत क्यारा अधोहत्ताक्षरी के पास सिक्कित में सिक्स जा सकींगे।

स्यन्तिकरणः — इसमें प्रमृक्त बक्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 29-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा स्था है।

# अमृसुची

भूमि--वरदम्पात्रयम, मत्यमंगलम लेख सं० 1840/85!

श्रीमतो एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I मद्रास

तारोख: 10-4-1986

माहर :

म्बल् साम्<sup>त</sup>्र टी. प्र<sub>न</sub>्ष्याः प्रवात- - ≥ ≥०००

बायकर बर्भिनियम, 1961 (1961 का 49) हाँ। भाष 269-म (1) के बधीन स्वया

### राज्य सर्वस्य

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास मद्रास,, दिशांक 10 अप्रैल 1986

निवेश सं० 176/अगस्त/85-- अतः मुझे, श्रीमित एम० ·साम्**ये**ल,

**बायकर अ**धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पङ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारत 269-स के अधीन तक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थापर सध्योत ,जिबका डिवल बाजार जुल्ब 1,00,000∕- फ. **ते अभिक है** 

श्रीर जिसकी सं० 9, वार्ड सं० 20, 4शी स्ट्रीट-षण्म् गपूरम कालौनी है क्ष्या जो विलुपुरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में स्रोप पूर्ण रूप से वर्णित है), रिप्स्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, विल्पूरम लेख सं० 1889/85 में भारतीय एजिस्दी करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीव, तारीख अगस्त, 1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूक्त के कव के करकात शिवफास के जिए अन्तरित की वर्ष है बीर मुक्ते वह विस्तास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का संविध कावाह म्रुव्य, तक्ष हे द्रव्यमान प्रतिपन्त से, एवे व्यथमान जिपस्य अह पन्तक प्रविकाल के समिन है और क्<del>यान्तक (क्राफ्टक)</del> और बन्तौरती (बम्तौरतियाँ) ६ बीच एंसे बम्तरण के क्याए तब नाया गया प्रतिकास, निम्नसिक्ति समुद्रक्य से सम्बद्ध समारक भि<u>षित में वास्ततिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---</u>

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्लरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्रो, जिन्ह<sup>े</sup> भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रशोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया। गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वे चिए:

भतः। इतः , अच्य विधिनियमं की धारा 269-व के अवस्थान भौ, मौ, उक्त निधिनियम की भारा 269-च 🖷 **उ**पाधार (1) भे धर्थान , क्लिक्किक **व्यक्तित ,** मर्मारा अ---

(1) श्री जीहन हुए एलियट ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री वीऽ राजेकण्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति से वर्षन के सम्भन्ध में कोई भी बाक्षर :--

- (क) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकारन की हातीब सं 45 दिन की वसीच या उत्सम्मन्धी व्यक्तिस्यों दर सुचता को तामील से 30 दिन की मयीभ, जो भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति अवाद्धः
- (क) इस सुचना के राज्यपन में प्रकारत करी सारीच से 45 दिन् को भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में दितवस्थ फिसी अस्य व्यक्ति इवास वभोहस्ताकारी के पास निषित में किए का सकों में ।

स्वकास्त्रस्यः — इसमें प्रवृत्य सन्दों और वर्षा का, की सम्बद्ध जीभीनक्षम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ण होगा को उस सभ्याय 💉 विका गया हु≛।

# जनसूची

भूमि स्रौर मकान---षण्मुगपुरम कालोनी विल्पुरम लेख स० 1889 85

> भौमति एम० नाम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-II, मद्रास

तारीखा : 10-4**-**1986

माहर :

# ध्र**क्ष्यः बाह्रः .टो. एवः एक**् ------

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) की मधीन सचना

# भारत सरकार

# कार्यालय, बहायक मामकाह मामुक्त (विराह्मण)

अर्जन रेंज, मदाग

मद्रास, दिलांग 10 अप्रैल 1986

तिदेश सं० 181/अगस्त/ 85--- अतः मुझे, श्रीमिति एम० साम्बेल,

बाबक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परवाल 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्लाकी सं ० 515, 505, जडलू र है तथा जो सदा १ में स्थित, है (प्रीर डच १ उ अबद अनुसूची में क्रींप पूर्ण रूप से वर्षिण है) रिजिस्ट्री हर्ता अधि कारी के वार्यालय, उन्हर लेख सं ० 1212/85 में भारतीय रिजिस्ट्री हरण अधितियम, 1908 (1908 जि.16) के अधीम, तारीख अगस्त, 1985,

को पूर्वोक्त राम्पति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थ्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मृत्य, इसके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के सीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मका प्रतिफल निम्नितिबत उद्वेक्ष के उक्त अंतरण सिचित के बारतिक रूप से करियत महीं किया का है क्ष

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) श्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री जो एक स्वामिनाथन ।

(अन्तरक )

(2) श्री ंउ०हमीय मरैदिया ।

(अनाति)

को वह त्वना बारी कारकं पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं !

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ४-

- (क) इत सूचना के राजपन भें प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की अविध या तत्त्रस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सविध, जो भी साथि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानत्त्रयों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) एक स्थाना को राज्यपण में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन को भीतार उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिए-बह्भ किसी शन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भा किए जा सकोंगे।

स्वाधीकारण: — इसमाँ प्रश्वात शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनवन के अध्याय 20 का में परिभाषित हो, अही प्रधी होंगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

# अनुसूची

भूमि फ्रीर म तह—लेख सं० 1212/85 की षोडुल में दी हुई सम्पत्ति। कडलूर लेख सं० 1212/85 ।

> श्रीमित एम० साम्वेल यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, मद्रास

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, अधीत :——

**तारीयः :** 10-4-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयकत निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निवेश सं० 182/अगस्त/ 85— अतः मृझे, श्रीमिति एम० साम्बेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स में बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से बिथक है

श्रीर जिसकी सं० सेख सं० 1213/85 की शेडल में दी हुई सम्पत्ति है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्री एक एक एक इस्कृषि में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिएस्ट्रीवर्ता अधियारी है जार्यालय, कडलूर लेख सं० 1213/85 में भारतीय रिस्ट्री जरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, रासीख श्रगस्त 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ शातशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

शतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, विस्तिवित स्वित्यों, सर्थात् — 21—56GI/86 (1) श्री जोसक स्वामीमायम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति फारिमा बी०।

(अन्तरिती)

को यह: तुवना आरौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क्रूक करता हूं।

उन्त सम्परित के नर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 किन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 किन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (वं) देश्य सूचना वो राजपण में प्रकाशन की तारीच से 46-दिक के श्रीकर जनसा स्थापकर सम्परिष्ण में हिराजक प्रका किसी: जनमा व्यक्तिक-प्रकार अपसेहरसाकरण के प्रका विधित में किए जा सकेंगे।

रच्याकिरणः — इत्तमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का जो उधत जीध-निवसः के बध्यायः 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्म-हृतेग जो जन्म-बध्याय में दिया गया है।

# नगत्त्रीः

लेख सं 0 1213/85 की शेष्ट्र में दी हुई सम्पत्ति एउलूर लेख सं 0 1213/85

> श्त्रीमित एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

सारोख: 10-4-1986

मोहर 🏻

# प्रकृप, काइ' . की पुन . युस . -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचमा

## भारत सरकार

श्रायां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-U, मुद्रास मद्रास, दिलांक 9 अप्रैल, 1986 निदेश सं० 183/अगस्त/85— अत मुझें, श्रीमिति एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्हा बाजार मन्या 1.60 000/- जा से अधिक हैं

ग्रीट ी (हो पंज बाउँ, पूरन अपन तेन टी०एस० सं० 2228 है, तथा जो कुम्बकोणम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य धनुसूचीमें ग्रीर पूर्ण उप से विधित है ), रिविद्दीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कुम्बकाणम लेख सं० 1913/85 में भारतीय पिक्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 10) के अधीम, धारीख अगस्त, 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (अ) अन्तरण ते हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधः के लिए:

बत् अथ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अभुतरण बी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीन, निक्निसिवित व्यक्तियों, समित क्रिक्त

- (1) श्रीमति एत० लक्ष्मी अम्मारल श्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री ए० मुरूगैय पिल्लै।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### गगस्4ी

भूमि भ्रौर मकान--II वार्ड पूरव पश्चिम अयय्म स्ट्रीट, कुम्बकोणम, तचजायूर, कुम्बकोणम लेख सं० 1913/85

श्रीमति एम० सामु**वेश** 

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मुद्रास

तारीख: 10-4-198**6** 

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्राम मद्राः, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निदेश सं ० 184/अगस्त/85— अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन क्षम प्राधिकार की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संवदी अपनव 2379/2, 2330 डोर सठ० 34, पश्चिम स्ट्रीट, है तथा जो कुम्बकोणम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), सिस्ट्र-ता अधि नारी के जार्यालय, कुम्बकोणम में भारतीय रिष्ट्र-ति अधिनयम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन , निम्मन्तिचित व्यक्तियों , अर्थात् ह—ः (1) श्रीमति शेलम स्वामीनाथन।

(अन्तरक)

(2) श्री ह्लूनूर रहमान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

स्ट्रीट हाउस-34, पश्चिम उष्य्यत स्ट्रीट, कुम्बकोणम कुम्बकोणम लेख सं० 1918/85

> श्रीमित एम० सामुबेल संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनन रेंण, मद्रास

ता**रीखः: 10-4-198**6ः

ংগ্ৰাহ আৰু <u>কী কো কৰা , -----</u>

# बातकर समितियय, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म रीड़ें से पूर्णन युवस भाषा बरकार

# कार्यालय, राह्यक बायकार भागुम्ह निर्देशक)

अर्थें **रें**ज, **मन्रा**स

मद्रास, विनाक 10 अप्रैल, 1986 निदेश सं ० 186/अगस्त/86-- अतः नुझे, श्रीमिति एम० साम्बेल,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परनात् 'उन्त कथितियम' कहा चना हैं), की बाद्य 269-व के वधीन सक्षन प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिल्ला जिल्ला नायार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं वाड नं ० ७, लक्कमी हु गांव है, तथा जो गोपि-येट्टिगलयम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, गोपियेट्टिपालयम लेख सं ० 949/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अगस्त,

को प्रामित सम्मत्ति को स्थित सामार मुक्त से कर को स्थमान प्रतिकास के लिए वंशिरत की गई है और मुझे यह विस्थात करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्मत्ति का उचित सामार मृस्य ; असके स्थमान प्रतिकास से एोड़े स्थमान प्रतिकास का प्रमुद् प्रतिकास से विभक्त है और वंशिक्त (वंशिक्त) बीद वंशिक्त (जन्यरितियों) के बीच एसे सन्यरण से सिए सब पाया नमा प्रतिकास, निम्नसिवित उन्होंने से स्थल सम्बद्धण निवित में वास्तिक रूप से काविस नहीं किया नदा है।

- (क) मन्द्रश्य हो हुए कियाँ बात की आसक्त, उसक कार्यात्त्वर के बचीन का होने के बच्चहरू के बावित्य के कार्य कार्य वा क्यार्थ के प्रतिकत के दिव्य; कार्य/का
- (प) ऐथी निवर्ष नाव ना भिन्नी धन या नन्त नास्तियों को निवर्ष भारतीय भारतका अधिनिवर, 1922 (1922 का नृत्त) का सन्त निधिनियम, या धन- नर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोण्नार्थ नम्तिरती वृत्तारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना शाहिए था, कियाने जें स्विभा के विक्रा

भतः सव, उनल मिश्रीनयन की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उनक मिश्रीनथन की थां। 269-न की क्रमाय (1) के नभीत, निम्मीसिक व्यक्तिकों, अपीक् :---- (1) श्री टी० ए० पलि नियप्पन

(अन्तरक)

(2) जी० हि० पेरूमाल।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पृतिक को कर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उत्तर राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नार्क्ष :---

- (क) इस स्वना के राजपणि में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः ---हराः प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो उत्तर जो अनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही कर्य होना, जो उस सुध्याम में दिश भवा है।

# अन्सुची

कृषि खेती—लक्कम्पिठ्ठ गांव, गोपिये हिपालयम-गोपिये-दिपालयम लेख सं० 949/85

> श्रीमित एम० सामुबेल सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मन्ना स

नारी**ख:** 10-4-1986

माहेर 😗

प्रकृप् नाइं.टी. एन . एस. -----

भाषकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### मारत तरकार

भव्यतिय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अप्रैल, 1986

भिदेश मं ० 188/85 अगरू/-- अतः मुझे, श्रीमि एम० सामुबेल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रोर जिपकी सं० सी-12, काच है 12 कृष्णचेट्टी वीधी हैं, तथा जो त्यू टी० एस० सं० 16 ईरोड में स्थित हैं (ग्रीर दूपसे उपायद्ध ततुनूती में प्रोर पूर्ण रूप में विणित्तर), राजिस्ही उर्ता जिल्लिकारी के जायांत्रित, में राजिस्ट्रीकरण निवस, 1908 (1908 जा 16) के ज्ञीस, तारीख अगस्त,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित्र सम्बार मूल्य से कम को दश्यमाम प्रतिफल को जिए सम्बाद्ध कमें गई है और मूक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित सामार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रक्रिश्च से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (जंतनिरितयों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित्

अवदिष्य से उक्त बन्तरण सिक्तिस में वास्तविक रूप से काथित

अक्को कियागमाहर्देः—

- (ण्ड) अन्तरण से हुर्द किसी आय की वाबस, उक्त अधिकिश्व के अधीन कर दोने के अप्सरक के दाक्किक में कभी कारने या उससे अपने में सुविधा के किए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाग था किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्ति रिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सृविधा के किए;

जतः। अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्वात् क्र-- (1) श्रीबी० गणपति ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री ती स्वामीनायम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए व्यविवाहियां करता हूँ।

उपत सम्पत्ति के नपीन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि का में स्वाप्त होती हो , के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (व) इस भूषेना के हाकंपन में प्रकारत की राष्ट्रीक है 45 विन के मीराद संपद्ध स्थापन संस्पत्ति में द्वित-क्षूच कियी किया व्यक्ति व्यास नवोहस्ताकरी के पास विविद्य में सिह्म का क्योंने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, थे। उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होया थे। उस अध्याय में दिया गया है।

# ann ill

भूमि और मकान--कृष्णचेट्टी स्ट्रीट ईरोड, ईरोड, लेख सं० 3685/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-II, मदास

तारीख: 10-4-1986

# प्रस्प बाही, टी. एग. एस ५,०००००००

# शामकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन कुचना

# भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1986

निर्वेश सं० नोटिस नं० 48273/85-86--मतः मुसे, भार० भारताण

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाबार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/1 है तथा जो जमादार महमूद गौस लेन एस० पी० रोड़ नित बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याक्ष्य गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-8-1985

को प्रांचित कलाति के बिच्छ बाबार मृत्य के क्य में क्यान्य प्रतिफल के लिए कल्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्योंका सन्मत्ति का उचित बाजार प्रम, इसके क्यानान प्रतिफल से एंडे क्यानान प्रतिकत का पंछ् प्रतिकत से निम्म है और मन्तरफ (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिनों) से बीच एंसे बन्दरच के जिए सब पाना का प्रतिकस, विम्मीनिवड उन्नदेख के उच्छ मृत्यरण विशिष्ठ में वास्त्रिक क्य से कियद नहीं किया नवा है है---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उच्च विधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/या
- (क) एसी किसी आब या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए:

जतः तम, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मैं, मैं, उस्त जिमिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित अयिक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री दादा सैंट श्रलियास दादा श्रहमद सैंट नं० 3/1 जमादार महमद गौस लेन बेंगलू र-2।

(अन्तरक)

2. श्री मुनीर श्रहमद और (2) श्री इमटियास श्रहमद न'० 5 हकीम महमद गौस लेन कुम्बारपेट बेंगलूर-2।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्रीमती मधु गुप्ता 116/1-सी० बूल टेम्पल रोड़ बेंगलूर (ग्राडण्ड फ्लोर में दुकान)
(2) श्रीमती सुरेश गुप्ता 27/1 सरदार पालप्पा रोड़ बेंगलूर (ग्राडण्ड फ्लोर में दुकान)
(3) श्री इसमाइल नं० 12/ए क्लैंब टाउन फलकत्ता (दुकान बं० 3/1) (4) श्री उलहास चन्द III फ्लोर 3/1 महमद जमादार लेन बेंगलूर (3 फ्लोर के टेनेन्ट हैं)
(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थाना आरी करके पृथंक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता है।

**उक्त संपत्ति के अर्क्जन के संबंध** में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अपिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बख्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1569/85-86 ता० 30-8-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 3/1(11) जो जमादार महमद गौस लेन एस० पी० रोड़ नित बेंगलूर में स्थित है।

> न्त्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **धर्जन रोज** बेंगलुर

सारीख 3-4-1986 मोहर 🕽 The same of the sa

प्रकृप बाई. टी. एन. एस. - - -

बायकर बाधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचनः

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 ग्रप्नैल 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/5590/85-86--ग्रत:

मुझे, निसार श्रह्मद श्रायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269-का है अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करन का कारण ने कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं 69 जो, पाँचवीं मंजिल सुखमणि बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनाँक 26-8-1985

को प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करों का फारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिवत से अधिक है और जन्त्रद्र (जन्तरका) और बन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तर्य के निए उस पाना गया प्रतिकत, निम्निसिंख उद्देश्य से उस्त बन्तरण लिखित में अस्तिकक, निम्निसिंख उद्देश्य से उस्त बन्तरण लिखित में अस्तिविक क्य से किथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, गा धन-फर अधिनियम, गा के प्रयोजनार्ध अस्तिरिती द्वारा प्रभट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सांबधा के लिए.

बतः भव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में ४ फ्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभेग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभौत् :--- (1) श्री ग्रनिल एल बहीरवानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोना वाशी सदारंगानी।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ग्रौर श्रीमती मधु एल० बहीरवानी (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्ष्णे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद् सूचना की तामीन से 30 दिन की अग्रिय, को भी व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्व्यों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट हों, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिय में हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 69, जो पाँचवीं मंजिल सुखमणि बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई−36 में स्थित है

श्चनुसूची जैसा कि क० सं० श्चई-1/37-ईई/7278/ 85-86 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 28-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 7-4-1986

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 7th March 1986

No. A.19016/5/85-Admn.I.—On repatriation from the deputation post of Private Secretary in the Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, New Delhi with effect from the forenoon of 23rd December, 1985, Shri T. R. Veeraraghavan proceeded on 67 days leave with effect from the same date and joined duty as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 28th February, 1986.

M. P. JAIN Under Secretary (Per Admn.) Union Public Service Commission

# ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-110003, the 11th April 1986

No. A-11/31/76.—Shri R. K. S. Nim, Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Srinagar Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 18-3-86 (F.N.) and until further orders.

No. A-11/31/76.—Shri R. Ravindranath, Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Hyderabad Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 31-3-86 (F.N.) and until further orders.

L. K. SINGHVI Deputy Director (Admn.)

# MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS. PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

# (DEPARTMENT OF PERSONNEL TRAINING)

### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 16th April 1986

No. A-19036/28/84/AD.V.—The services of Shri Didar Singh, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were placed at the disposal of Government of Punjab with effect from 31st March, 1986 afternoon on superannuation.

## The 17th April 1986

No. A-19019/1/82-AD.V.—The services of Shri G. Ramachandran, IPS (GJ: 1955), Jt. Director Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police. Special Police Establishment are placed at the disposal of Government of Gujarat with effect from the afternoon of 14th April. 1986, on repatriation.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS

# INSTITUTE OF CRIMINOLOGY AND FORENSIC SCIENCE

New Delhi-110055, the 18th March 1986

No. 1/2/86-ICFS.—The Director, ICFS (MHA), New Delhi is pleased to appoint Shri S. S. Gola, Steno. Grade 'C' of the MHA as Senior Personal Assistant ICFS in the pay earle of Rs. 650-960 on deputation w.e.f. the forenoon of 6th March, 1986 for a period of one year in the first instance.

2. While on deputation, Shri S. S. Gola will be governed by the provisions of Ministry of Finance OM No. F.1(11)-E.-III(B)/75 dated 7th November, 1975 as amended from time to time and other usual terms of deputation.

R. S. KULKARNI Director

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 8th April 1986

No. D.1.2/81-Estt.I.—The President is pleased to accept the technical resignation tendered by Shri S. H. Khan, Assistant Commandant CRPF with effect from 11-6-84 consequent upon his proposed absorption in the Trade Fair Authority of India as Chief Security Officer in the public interest under Article 67 of Chaudhri's compilation of the CSR Vol.-I.

### The 14th April 1986

No. O.II.2144/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Vinod Kumar as General Duty Officer Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 24th March, 1986 till further orders.

## The 15th April 1986

No. O.II-1971/84-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy to the post of Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 25-3-86 (F/N) for a period of one month or till the regular incumbent joins, whichever is carlier.

M. ASHOK RAI Asstt, Director (Esit).

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 11th April 1986

No. E-16016(1)/85-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to parent Deptt.. Shri V. K. Popli, relinquished charge of the post of Asstt. Director (Accounts) CISF Hqrs.. New Delhi with effect from the forenoon of 31st March, 1986.

# The 16th April 1986

No. E-16014(2)/17/85-Pers.L.—On re-employment, Shri R. K. Singh has assumed the charge of the post of Deputy Commandant. CISF Unit. CPT Calcutta with effect from the forenoon of 1st April, 1986.

No. E-16014(2)/3/86-Pers.I.—On appointment, on deputation Shri 'N. S. Yadav. Comdt., 104 Aux Bn. CRPF. New Delhi has reported his arrival in CISF Hqrs., New Delhi on 20-3-86 (F/N). Later he proceeded to CISF Unit, MUL. Gurgaon where he assumed charge of the post of ommandant w.e.f. the forenoon of 3rd April, 1986.

(Sd/-) ILLEGIBIF Director General/CISF

# MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION (DFPARTMENT OF LABOUR) (LABOUR BUREAU)

Shimla-4, the 2nd May 1986

No. 5/1/86-CPL.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960-100 increased by five points to reach 638 (Six hundred thirty eight) for the month of March, 1986. Converted to Base: 1949: 100 the index for the month of March, 1986 works out to 775 (Seven hundred seventy five).

> J. N. SHARMA Director Labour Bureau

### MINISTRY OF FINANCE

# (DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 15th April 1986

No. 7(60) /404.—Shri V. M. Pardesh, Inspector Control, is appointed to officiate as Assistant Chief Control Officer in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-. purely on ad-hoc basis with effect from 2/10/1984 to 5-9-1985.

S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 16th April 1986

No. Admn.I/O.O No. 4.—Consequent on his attention the age of superannuation Shri M. L. Goel, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th April, 1986. His date of birth is 2nd April, 1928.

No. Admn.I/O.O.No. 5.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri C. P. Khanna, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th April, 1986. His date of birth is 7th April, 1928.

#### New Delhi, the 9th April 1986

No. Admn.I/O.O.No. 11.—The Director of Audit, Central Revenue-I hereby appoints the undermentioned officiating, Audit Officers of this office, in a substantive capacity against permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-I200/- with effect from 1-4-1986.

- (1) Shri M. B. Johnl.
- (2) Shri K. K. Aggarwal.
- (3) Shrl K. L. Rajput.

No. Admn.I/O.O. No. 12.—The Director of Audit, Central Revenues. New Delhi hereby appoints the under mentioned permanent Section Officers (Now Asstt. Audit Officers) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200/- with effect from the forenoon of 8th April, 1986 until further orders.

S/Shri

- (1) Lakhbir Singh.
- (2) L. R. Sharma.

M. L. KHURANA Dy. Director of Audit (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)

Trivandrum-695 039, the 31st March 1986

No. A&E/OE(E&C)/IV/10-3|85-86.—The following official of this office retired on superannuation from the afternoon of 28-2-1986.

Shri K. P. Rama Kurup, Accounts Officer.

M. K. RANGA Accountant General.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)

Jaipur, the 15th April 1986

No. Admn.II/G.Notn/85-87/20.—The Accountant General (A&E) Rajasthan, Jaipur is pleased to promote Shri M. P. Jain Section Officer of this Office to officiating Accounts Officer with effect from 7-4-86 (A/N) till further orders.

A. K. MAITRA Sr. Dy. Accountant General/Admn.

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 10th April, 1986

No. AN/I/1150/1/Vol-VI—On the basis of the results of the Civil Services (Main) Examination, 1984 held by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Defence Accounts Service, with effect from the dates shown against their names -:—

Sr. Name No.	Date of apointment			
1. Kum Gurjot K. Sondhe .		. 26-08-85 (FN		
2. Shri Nirmal Chandra Asthana	-	. 13-01-86 (FN)		
3. Shri Marella Anjaneyulu .	•	24-12-86 (FN)		
4. Shri Mudi Abraham Lincoln .		16-12-85 (AN)		
5. Shri Nawal Kishore		. 13-12-85 (AN)		
6. Shri Gajanan D. Pungle .		31-12-85 (FN)		
7. Shri Alok Chaturyedi		. 26-08-85 (AN)		
8. Shri P.D. Vaghela		. 09-12-85 (FN)		
9. Shri Ratan Kabir Choudhary		. 06-01-86 (FN)		

R. B. KAPOR
Addl. Controller General of Defence Accounts
(Admin)

## MINISTRY OF DEFENCE

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 001, the 16th April 1986

No. 26/A/G.—Shri C. Narasimbalu, It. GM (Subst. Permt. Manager) voluntarily retired from I.O.F. Service w.e.f. 1-12-85 F/N.

V. K. MEHTA DDG/Estt, & C.V.O.

# MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 7th April 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1493/84-ADMN(G)2276.—On attaining the age of superannuation, Shri G. C. Mahey, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31-3-1986.

No. 6/424/56-Admn(G).2285.—On attaining the age of superannuation, Shri V. K. Mehta, Joint Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1986.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports.

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION—6)

New Delhi-110001, the 16th April, 1986

No. A-31014/1/85/A-6-To Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following

Assistant Inspecting Offices (Textiles) subjectantively against the permanent posts of Assistant Inspecting Officer (Textiles) with effect from the dates noted against each -:—:

Sl. No. Name of Officer						Date of con- firmation		
S/Shri		****	, ,,	, , , , ,	<del></del>	, n-1-2		
1. O. P. Malhotra							01-01-1981	
7 I I Mahana							13-05-1981	
3. S. C. Kohli							01-1-1983	
4. S. K. Chakraborty							01-09-1984	
5. D. S. Banerjee						• ,	01,02-1986	

R. P. SHAHI

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Spplies and Disposals,

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 15th April 1986

No. A-19011(393)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri V. S. Murthy, Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th March, 1986.

No. A-19011(388)/85-Estt.A.Vol.I.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri W. K. Sontakke to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 1st April, 1986 until further orders.

P. P. WAIDHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th April 1986

No. 12/1/70-Viz-S.H.—Shri K. V. Subba Rao. Farm Radio Officer, All India Radio, Hyderabad has retired voluntarily from Government Service with effect from the forenoon of 1st April, 1986.

MOHAN FRANCIS
Dy. Director Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASSTING BROADCASTING) OFFICE OF THE REGISTRAR OF NEWSPAPERS FOR INDIA

New Delhi-110-066, the 21st March 1986

No. A-19012/4/84-Admin.—In continuation of this office. Notification of even number dated 14-6-1985, the period of deputation of Shri R. Sridharan, officialing Accounts Office (O/482) in the Office of the CDA (ORs), Madras, as Circulation Officer in the Office of the Registrar of Newspapers for India. Bombay is hereby extended for one more year beyond 3-1-1986 under existing terms and conditions.

No. A-19011/2/84-Admn.—In continuation of this office Notification of even number dated 31-1-85, the period of deputation of Shri M. K. Goswami, Accounts Officer in the Office of the Controller General of Defence Accounts, as Circulation Officer in the Office of the Registrar of Newspapers for India. New Delhi is hereby extended for a period

of one more year w.e.f. 27-12-85 to 26-12-86 under existing terms and conditions.

MIRPA SAGAR Registrar of Newspapers for India

### SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 19th March 1986

No. A-12025/3/84-CGHS.I.(Pt).—The Director General of Health Service is pleased to appoint Sh. S. G. Gupte to the post of Administrative Officer in Central Govt. Health Scheme, Celcuits on temporary basis with effect from the Forenoon of 17th Feb., 1986.

Dy. Director Admn. (COHS)

# New Delhi, the 16th April 1986

No. A-12026/2/85-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. K. Bhatt to the post of Technical Officer (Stores), Directorate General of Health Services, New Delhi, on deputation basis with effect orders.

P. K. GHAI Dy. Director Admn. (C&B)

# MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT, OF AGRI. & COOP.)

# DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 20th March 1986

No. F.2-3/85-Estt.I.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee Group B of the Directorate of Extension, Shri J. S. Bedi, Assistant Exhibition Officer (Gr. II) and officiating as Assistant Exhibition Officer (Gr. I) on an adhoc basis is appointed to the said post on a regular basis with effect from forenoon of 20-3-1986, and, until further orders.

### The 16th April 1986

No. F.5-51/86-Estt.(I).—On the recommendations of Departmental Promotion Committee (Group. B') of the Directorate of extension, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture and Cooperation, Shri P. N. Seth is amont ted substantively to the permanent post of photographick Officer, General Central Service, Group B' (Gazetted) with effect from 12-5-1985.

R. G. BANERJEE Director of Admn.

### INTEGRATED FISHERIES PROJECT

Ernakulam, the 10th April 1986

No. IFP/ADM/VIII/7--2/86.—Shri K. Gopi is appointed as Refrigeration Engineer in GCS Group B (Gazetted) Non-ministerial in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in the Integrated Fisheries Project in a temporary capacity with effect from the forenoon, of 27-1-1986 until further orders.

R. SATHIARAJAN Director

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township-202389, the 19th April 1986

No. NAPP/Rectt./11(6)/86/\$/4154.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Smt. P. A. Tejwani, a temporary Assistant Accountant in NAPP to officiate on adhoc basis as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narora

Atomic Power Project with effect from the afternoon of February 7, 1986 until further orders or til a regular incumbent is posted, whichever is earlier.

SAMIR HUKKU Chief Adm. Officer

### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 11th April 1986

No. DPS/1-8/Estt./2104.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri W. C. Jethi, Assistant Purchase Officer, Central Purchase Unit in this Direcotrate has retired from Government Service with effect from 31-3-1986 (AN).

S. KRISHNAN Administrative Officer-II

## Bombay-400001, the 15th April 1986

Ref. No. DPS/41/3/85-Adm/2162.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. Unnikrishnan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer to officiate as an Accounts Officer-II on an ad-hoc basis, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB&40—1200 from 14-2-86 (FN) to 22-3-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri S. R. Shidlyali, Pay & Accounts Officer, KRAU, Kota granted leave.

No. DPS/41/3/85-Adm/2167.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. G. Mathew, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of payoff Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 from 3-3-1986 (FN) to 4-4-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri A. R. Nair, Assistant Accounts Officer granted leave.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 2nd April 1986

No. AMD-2/3271/81-Adm./5910.—The resignation tendered by Shri K. Kishan from the post of SO/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by Director, Atomic Minerals Division with offset from the foreneon of 20-6-1984.

# The 16th April 1986

No. AMD-16, 8/85-Rectt./5874.—Director, Atomic Minerals Division., Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ram Nath. a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an adhoc basis with effect from February 20, 1986 to March 21, 1986 vice Shri I.S. Mokha, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st March 1986

No. A-19011/16/80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri S. Balram, Deputy Director General stands retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st March, 1986.

> J. C. GARG Jt. Director of Admn.

New Delhi, the 9th April 1986

No. A.12025/1/84-EW,—The President is pleased to appoint Shri S. C. Narula to the post of Electrical & Mechanical

Officer in the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 700—1300, in an officiating capacity with effect from 25th March, 1986 (F.N.) and until further orders.

Shri Narula is posted to the Electrical and Mechanical Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi,

VED PRAKASH Dy. Director (Admn.)

# New Delhi-110 066, the 9th April 1986

No. A. 38013/4/86—EC,—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organization of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on to date indicated against each:—

S. No. Name and Designat	Date of retire- ment.		
S/Shri			
01. P. A. Sastri	ACS Hyderábad	31-10-1985 (AN	
Technical Officer			
02. J. K. Chopra	ACS Palam	30-11-1985 (AN)	
Technical Officer			
03. S. K. Bhattacharya	ACS Calcutta	30-11-1985 (AN)	
Technical Officer		• •	
04. R. V. Khare	ACS Bombay	30-11-1985 (AN)	
Communication Officer	_	,	

V. JAYACHANDRAN

Dy. Director of Administration

# New Delhi, the 15th April 1986

No. A.12025/1/84-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri T. D. Nageswara Rao to officiate as Airworthiness Officer in the scale of Rs. 700—1300 with effect from 28-2-1986 (FN) until further orders.

Shri T. D. Nageswara Rao is posted in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

# MINISRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the High Court of Judicature for Rajasthan

At Jodhpur

In the matter of the Companies Act 1956

And

In the matter of Standard Woollens Limited

Company Petition No. 2 of 1984

M.s. Madhu Chemicals Centre Roop Sadan, Ganga Sahar Road, Bikaner

-Petitloner

# Jaipur, the 7th February 1986

No. STA/Liq/1834.—By an Order made by the High Court of Rajasthan, at Jodhpur in the above matter, dated the 28th day of October, 1985 it was ordered that the above named company be wound up under the provisions of the Companies Act, 1956.

V. P. SINGHAL Registrar of Companies Rajasthan In the matter of the Companies Act, 1956 and of Deys Industries Pvt. Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 23035/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Deys Industries P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Abacus Systematics Private Limited
Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 32083/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Abacus Systematics Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ramensons Private Limitea

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 20006/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Com, ames Act, 1956, that the name of Ramensons Private Limited has this day been struck off the Register and the said Compary is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of G. B. Ghosh & Co. Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 16569/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of G. B. Ghosh & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kanak Productions Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 24530/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kanak Productions Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rupnarayanpur Timber Industries Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 29757/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rupnarayanpur Timber Industries Private Limited has this day Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Halder Agencies Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 27284/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Halder Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Usha Lubrication & Protection Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 32756/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Usha Lubrication & Protection Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Blue Angel Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 30847/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Blue Angel Private Limited has this day beer struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sutyen Bose Productions Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 27392/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that name of Satyen Bose Productions Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Barnnagar Iron & Steel Works Private Limited

Calcutta-20, the 15th April 1986

No. 24264/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Barnnagar Iron & Steel Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. V. Purushottam Exports Private Limited

Calcutta,-20 the 15th April 1986

No. 26335/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. V. Purushottam Exports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Madhavi Pictures Private Limited

Calcutta,-20 the 15th April 1986

No. 26289/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Madhai Pictures Private Limited has this day been struck off the Register and the Said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Emri Instruments Private Ltd.

Calcutta,-20 the 15th April 1986

No.26364/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Emri Instruments Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL Addl. Registrar of Companies West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Everest Ceramics Corporation Ltd.,

Bombay, the 16th April 1986

No. 670/12180/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Everest Ceramics Corporation Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kosmek Fashions Pvt. Ltd.

Bombay, the 16th April 1986

No. 684/17222/560(5).—Notice is htreby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kosmek Fashions Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX Cochin-682016, the 2nd April 1986 ORDER

Subject: —Establishment—Promotion to the cadre of Incometax Officer, Group 'B'.

C. No. 2/Estt./Com/86-87.—Shri Kuruvilla M. George, Inspector of Income-tax is promoted to officiate as an Incometax Officer, Group 'B', in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date he takes over charge and until further orders.

2. He will be on probation for a period of two years.

3. The above promotion is made on a provisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not confer on the promoted official any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

# The 8th April 1986 (INCOME-TAX)

No. 1/86-87.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-

tax, Cochin, hereby abolishes the following Circles at Trichur:---

1. Income-tax Circle

2. This Notification shall

- 2. Survey Circle
- 2. This notification shall take effect from 15-4-1986.

No. 2/86-87—In excercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby directs that the following new Income-tax Officers at Trichur shall be created with the wards shown in the Schedule below:—

SCHEDULE

Sl. Name of Circle. No.	Name of the Wards.	IAC	's Range.	
Income-tax Circle-I,     Trichur.	ITO, A/Ward ITO, B/Ward ITO, C/word ITO, D/Ward ITO, E/Ward	I. A.C., Trichur		
<ol> <li>Income-tax Circle-II, Trichur.</li> </ol>	ITO, A/Ward ITO, B/Ward	I.A.C., Range,	Trichur Trichur	

M. J. MATHAN, Commissioner of Income-Tax

take effect from 15-4-1986.

### FORM INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7746/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 122, 12th floor, Shantinagar, A Wing, 98, Napeansea Road, Malabar Hill, Bombay-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28/8/85

for an apparent consideration which is tess that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Smita Jitendra Jhaveri.

(Transferor)

(2) Mrs. Aruna K. Jhaveri, Yamini K. Jhaveri, Neeta K. Jhaveri & Mina K. Jhaveri.

(Transferee)

(3) Smt. Smita J. Jhaveri. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 122, 12th floor, Shanti Nagar building A Wing, 98, Napeansca Road, Bombay-6.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7288/85-86 on 26-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS---

(1) Shri T. B. S. Thapar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1 Mr. Rajesh Manilal Soni. Mrs. Manjula M. Soni,
 Mrs. Bharati Vinod Soni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38.

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7623/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 604, 6th floor, Rajmala Premises Co-op. Soc. Ltd.,
87-B. Napeansea Road, Bombay-6,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Rajmala Premises Co-op, Society Ltd., 87-G, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay. under S. No. AR-I/37EE/7169/85-86 on 14-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-4-1986

### FORM ITNS----

(1) Shri Ganleshbhai M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Venus Gems.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7810/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1607, 16th floor, Panchratna Co-op. Housing Soc. Ltd., Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority and Authority at

Bombay on 30/8/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1607, 16th floor, Panchratna Co-op. Society Ltd., Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7348/85-86

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 2-4-1986

## FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) 1. Shri Nandalal H. Kela, 2. Shri Ashoka N. Kela, 3. Shri Subhash N. Kela, and 4. Shri Kishore N. Kela.

(2) Montrose Trading Company Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/5576/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 402, Car parking space No. 14, Raheja Chambers,
213, Nariman Point, Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 8/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—56 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 402, alongwith open car parking space No. 14 in the building known as Raheja Chambers at 213, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7132/85-86 on 8/8/1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-1986

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7730/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Coranetent Authority under Section 269B of the Incornetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 1516, 15th floor, Maker Chamber V, Nariman

Point, Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Abdul Hakim Kukda and Mrs. Abeda Banu Hakim Kukda.

(Transferor)

(2) Bobby Enterprises.

(Transferee)

(3) Bobby Enterprises.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Office No. 1516 15th floor, Maker Chamber V, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7270/85-86 on 22/8/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-1986

### FORM ITNS

### (1) 1. Mr. A. V. Balan and Mrs. Janaki Balan,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) M/s. Machine Fabrik Polygraph (I) Ltd. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

AR-I/37EE/7652/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 702, 7th floor Regent Chambers, Plot No. 208, Block No. III, Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Said Act in the Office of the Commetent section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Office No. 702 on the 7th floor, 'Regent Chambers' Plos No. 208, Block No. III, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competer's Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7197/85-86 on 16-8-1985.

(b) frieduting the concealment of any meome or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS.

- (1) M/s. Jetron Laboratories Pvt. Ltd.
- (Transferor) Ltd. (2) M/s. Ravi Shashi Paper Mills Pvt. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7602/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 38 on 3rd floor, Atlanta building, Plot No. 209,
Nariman Point, Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer 

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Office No. 38 on 3rd floor of 'ATLANTA' Building, Plot No. 209, Nariman Point, Bombay-400 021. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/7146/85-86 on 9/8/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Ac, to the following persons, namely :-

Act. 1957 (27 of 1957);

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Jetron Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ravi Shashi Paper Mills Pvt. Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38**

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7601/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

Inig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 31 3rd floor, Atlanta, 209, Nariman Point, Bombay-400 021, (and more fully described in the schedul approved hereto)

(and more fully described in the schedul annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9/8/1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the sate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 31, 3rd floor, Atlanta, 209, Nari nan Point, Bombay-21,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7145/85-86 on 8-8-1985

> NISAR AHMED Compete it Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-thid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pertons, namely :-

Date : 2-4-1986

#### FORM INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7758/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 31, 37 & 38 on 3rd floor of Atlanta Building, Plot No. 209, Nariman Point, Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ravi Shashi Paper Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Bank of Credit and Commerce International (Verseas) Ltd.

(Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 31 37 & 38 on 3rd floor, Atlanta Building, Plot 209, Nariman Point, Bombay-400 021,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7300/85-86 on 27/8/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-4-1986

FORM ITNS---

(1) Mrs. Suncela Khosla.

(Transferor)

(2) Benco Engineers.

(3) Benco Engineers.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### 17.2 AC1, 1901 (43 Ox 1901)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7580/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 84, 8th floor, Mittal Chambers, Nariman Point,

Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8/8/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 84, 8th floor, Mittal Chambers, Nariman Point Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7126/85-86 on 8-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS...

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7582/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 97, 9th floor, Bajaj Bhavan, Nariman Point, Bombay. 21

Bombay-21.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr. is respect of any income arising from the transfer: end/er
- (3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 4957 (27 of 1957):

(1) 1. M/s. Gaurisins, Partners,

M/s. Gaurisins, Partiers,
 S/Shri Kishan Chand Gupta, and
 Bimla Devi Gupta
 Sh. Sushil Kumar Gupta, and
 Sh. Vinod Kumar Gupta.

(Transferor)

- (2) Laxmanbhai Construction (India) Pvt. Ltd. (Transferce)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto,

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 97, 9th floor, Bajaj Bhavan, Nariman Point Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7129/85-80 on 8-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

AR-I/37EE/7821/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Piece of land and Premises together with the structures standing thereon, situated at Antop Hill, Wadala, CTS No. 75 (part), 81, 86 and 88. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 30/8/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

24-56 GI/86

(1) M/s. Janak Manufacturing Works.

('Transferor)

(2) M/s. Ankect Enterprises.

(Transferce)

(3) 1 M/s. Metalbeds India, M/s. Nita Cosmetics.

(Person in occupation of the property).

(4) Dena Bank, Sion Branch. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATSON: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land & Premises together with the structures standing thereon, situated at Antop Hill, Wadala, CTS No. 75 (part), 81, 86 and 88.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/7359/85-86 on 30/8/1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-4-1986

FORM ITNS-

(1) M/s. Jetron Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Ravi Shashi Paper Mills Pvt. Ltd. (Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7603/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 37 on 3rd floor, Atlanta building, Plot No. 209,

Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 37 on 3rd floor of ATLANTA building, Plot No. 209, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7147/85-86 on 9/8/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7734/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 48, 5th floor, Prem Milan, 87-B, Napeansea Road, Bombay-26, (and more fully described in the Schedule appared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26/8/1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or symmon of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Sudhaben K. Aga

(Transferor)

(2) Mr. Dilip P. Shah & Mrs. Usha Dilip Shah.

Transferor.

Transferor.
(Person in occupation of the property).
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac., shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 48, 5th floor, Prem-Milan, 87-B, Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EP/7276/85-86 on 26/8/1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-4-1986

#### FORM I'INS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/7581/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 153, 15th floor, Satnam Apartment, Cusse Parad, Bombay-5

(and more fully described in the schedul annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act. it respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Shrikant Sharma.

(Transferor)

(2) Mr. Murlidjar H. Kewalramani.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 153, 15th floor, Satnam Apartment, Cuffe Parad

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7128/85-86 on 8/8/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTIVE ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38 Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I AR-I/37EE/7800/85/86 --- Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, Sunita Building Cuffe Parade, Bombay-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Kishen B. Ramchandani & Smt. Lachmibai B. Ramchandani.

(Transferor)

(2) Mr. M. L. Patwari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, Sunita building, Cuffe Parade Sunita CCHSL, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7339/85-86 on 29/8/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS

(1) Shri Munir A. Kalvert,

- (Transferor)
- (2) Helendra D. Shah and Mrs, Dipika H. Shah.
  (Transferee)
- (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7628/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D/205, 2nd floor, Simla House, Napeansea Road,

Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. D/205, 2nd floor, Simla House, Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7174/85-86 on 14/8/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1986

#### FORM ITNS-----

#### NOTICE UNDER VECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Jaywant Development Corpn.

(Transferor)

(2) M/s. Marco.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 24th March 1986

Rcf. No. AR-I/371 E/7619/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2 on 17th floor, Jaywant Apts. Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardoo Road, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 17th Floor, Jaywant Apts. Dadarkar Compound, Tusli, Wadi, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7164/85-86 on 12-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-3-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ms. Jaywant Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Prabodh J. Shah, Mrs. Kokila P. Shah, Shrikunj P. Shah.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7737/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have leasth to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fait No. 2, 18th Floor, Jaywant Apts. Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bumbay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 18th Floor, Jaywant Apartments, Dadarkar Compound, Rulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.I/37EE/7280/85-86 on 26-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Date: 24-3-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

#### 18285

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7738|85-86.—Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 18th floor, Jaywant Apts. Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trul-transfer with the object of id instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wonkin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 25—56 GI/86

(1) M/s Jaywant Development Corporation. (Transferor)

(2) Kokil P Shah, Prabodh J Shah & Shripal P Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and explanation in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 18th floor, Jaywant Apts., Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road. Bombay 31

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37FE/7281|85-86 on 26-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 24-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mr. Suresh C Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Atul J Desai & Mrs. Geeta A Desai.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 24th March 1986

AR-1/37EE/7726|85-86.—Whereas Ref. No. AR NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter immovable to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have feason to believe that the .nimovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 167, 16th floor, Enterprises Apts., Kapasi CHSL, Forjett Hill Road, Tardeo, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Continuo 160AB of the Solid Act in the Office of the Conventor Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 22-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 167, 16th floor, Enterprises Apts., Kapasi CHSL, Forjett Hill Road, Tardeo, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7766[85-86 on

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-3-1986

#### FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Jaywant Development Corporation.
  - (Transferor)

(2) M/s. Marco.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7620[85-86.—Whereas NISAR AHMED,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 16th floor, Jaywant Apts., Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred and the accessment is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 16th floor, Jaywant Apts., Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7165[85-86 on 12-8-1985.

> **NISAR AHMED** Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-3-1986

#### FORM ITNS-

(1) Tolani Limited.

(Transferor)

(2) Mr. Bhopal Singh Galundia & Mrs. Ranjana Galundia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

AR-I/37EE/4308|85-86.--Whereas I, Ref. No. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 191, Dial Mahal, Dalamal Park, CHSL, 223, Cuffe Parade, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the

Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Att, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 191, Dial Mahal, Dalamal Park, Co-op. Housing Society Ltd., 223, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7176-A|85-86 on 14-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-86

#### FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 7th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7700/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2699 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and betring No. Land & ground adm. 6989 sq. mts. together with structures.

Land & ground adm. 6989 sq. mts. together with structures, consisting of bldg., sheds, units, galas—chhaparas standing thereon bearing S. Nos. 1390 (pt) & 1/1392 (pt) of Dadar Divn, and F. P. Nos. 488 (pt) and 489 (pt) of TPS IV of Mahim Divn. & assessed under G Ward Nos. 3251 (1-4) part 3252 (1--3) Part 3271 (1) part at Kumbharwada, Dadar, Bombay

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pays tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Padmashree Synthetics Private Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. D. K. Enterprise.

(Transferee)

(3) Prinso Silver Plating Works, Shri P. M. Pingle.

(Person in occupation of the property)

(4) Padmashree Synthetics Pvt. Ltd., M/s. Prinso Silver Plating Works and Shri P. M. Pingle.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and ground admeasuring 6989 square metres approx. together with structures consisting of building, sheds, units galas and chhaparas standing thereon bearing Survey Nos. 1390 (part) and 1/1392 (part) of Dadar Division and Final Plot Nos. 488 (part) and 489 (part) of T. P. S. IV of Mahim Division and assessed under G Ward Nos. 3251 (1—4) part 3252 (1—3) Part 3273 (1) part situated at Kumbharwada, Dadar, Bombay.

The statement has been registered by Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/7243/85-86, on 21-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-4-1986

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/754/Aug/85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the important the competent of th movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D-2, situated at St. Inez Panaji, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vide Registration No. 522/216 Dated 21-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aring from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Ivan Lawrence, Laxmi Krupa, TPS. 3, Plot No. 108, Bandra, Bombay-400 050.

(Transferor)

(2) Mr. Mulji N. Shah, C/o. Senior Road Lines, Kurdaikar Nagar, Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said AS shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 522/216/85-86 Dated 21-8-85]. Flat No. D-2 of the Building known as "Happy Home" situated at St. Inez, Panaji, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1986

#### FORM ITNS--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1986

(Ref. No. C.R. No. 62/973/Aug|85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. 71

and bearing No. Survey No. 71
situated at St. Jose de Areal, Salcete, Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hareto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vide Registration No. 1173/85-86 Dated 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Luis Reis Costo. Benaulim, Salcete, Goa.

(2) Narendra Bhiku Kerker Borda, Margao Goa.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1173/85-86 Dated 19-8-85] All that Landed agricultural property known as 'Manezachem Beta on Marauchem Bata' situated at St. Jose de Areal, Sub Dist, of Salcete Dist, of Goa. (Survey No. 71)

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 25-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/978/Aug/85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sl. No. 797 (at Page 118 to 123 of Book I Volume-254)

situated at Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vide Registration No. 1208/85-86 Dated 9-8-85

Vide Registration No. 1208/85-86 Dated 9-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Susma Madan Navrekar and Kumari Sujata Madan Navrekar Pune Reptd. by Constituted Attorney Mrs. Rama Sermalkar Borda, Margao.,(

(Transferor)

(2) M/s. Rajesh Constructions, Reptd. by its partners Mr. Keshav P. Nevrekar 53, Erasmo Carvalho Street, Margao.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1208/85-86 Dated 28-8-85]

Property known as 'FAIAL' or 'ARLEN' situated in the Village Panchayat of Raia registered in Sub-Registry of Salcete Goa. (under Scrial No. 797 at Page 118 to 123 of Book I Volume 254.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1986

#### FORM ITEM ...

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/979/Aug/85-86|ACQ|B.—
Whereas I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Duplex Apartment No. 9
situated at River Sal Estate Benaulim, Goa
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Vide Document No. 1212/85-86 Dated 29-8-1985
fort an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I nave
reason to believe that the fair market value of the
supparent consideration and that the consideration for such require
ensideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other anoth which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1822 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—56 GI/86

 M/s. Fericon by Mr. Paliakkara Kuriappen George Mr. Raymond George Paliakkara, Ist floor, David House, Margao, Goa.

(Transferor)

----

(2) Mrs. Shirley Goces
Duplex Apartment No. 9
River Sal Estate,
Benaulim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1212/85-86 Dated 29-8-85]

Duplex Apartment No. 9 in the 2nd Building consisting of Ground and first floor situated at River Sal Estate, Benaulim, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1986

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/48201/85-86/ACQ|B.—
Whereas I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Sy. No. 28-A2A, 28-SC2
situated at No. 87B, Kadri Village, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registering Officer at
Mangalore under document No. 719/85-86 on 12-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of Transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. It respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have ant been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-181 Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri M. H. Kamalakar Smt, M. Pushpalatha Beja Sankai Gudde Kodri village, Mangalore.

(Transferor)

 Shri B. Ramachandra Hegde Narimar Guthu.
 Bola village Karkal Taluk
 Smt. Sampa Hegde W/o Patel Yellappa Shetty Pilar village Udupi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicalled of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 719/85-86 Dated 12-8-85]

All that property bearing No. Sy. No. 28-A2A, 28-5C2 situated at No. 87B, Kadri village, Mangalore city.

R. BHARDWA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-1986

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/48682/85-86/ACQ|B.—
Whereas I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
RS. 101-B2, 101-1A & 113-1B
situated at Kadri village of M'lore city
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at M lore on 30-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse fer the purposes of the Indian Income-ten Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the a Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Satguru Constructions, Prop : Smt. Rekha Muralidhar, Old Kent Road, Mangalore,

(Transferor)

(2) Shri A. V. Andrade, Blue Diamond, Kadri, Mangalore. 2. Mrs. Tunisia winnitred Andrade, Blue Diamond, Kadri, Mangalore.

(Transferee)

(3) Purchasers.

(Person in occupation of the property);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 981/85-86 Dated 30-8-85] Property Nos. RS. 101-B2, 101-1A & 113-1B, TS. No. 749-2E, at Kadri Village, Mangalore city.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1986

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1986.

Ref. No. C.R. No. 62/48181/85-86/ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. 52 to & 60/1, situated at M. G. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. Subbarao, Partner of M/s. King Pastridge, No. 26/1, Lavelle Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. Decean Enterprises, No. 4311, III floor, High Point, Palace Road, Bangalore-1.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the Property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1428/85-86 Dated Aug., 85] Premises Nos. 52 to 60 & 60/1, at M. G. Road, Bangalore

> R. BHARDWAl Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1986

#### FORM ITNS----

#### PROFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/48668/85-86/ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 334/21, situated at XIV Cross, Sadashivanagar, B'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 19-8-1985

for an apparent consideration which is test than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the turn market value of the property at aftersaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tested in the cold instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income writing two the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any incente or any ranneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acqualition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Smt. Saraswathi V. Iyer, 334/21, XiV Cross, Sadashiyanagar, Bangalore,

(Transferor)

(2) Kumud Ashwin
Nagarwadia,
2. Mr. Yetish Bhogilal Mehta & Others,
3. Uma Mahendra,
No. 334/21, XIV Cross,
Sadashivanagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

MAPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1943/85-86 Dated 19-8-85.) Property bearing No. 334/21,at XIV Cross, Sadashivanagar, B'lore.

R, BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-742/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6 situated at Murmuti, Margao, Salcete Dist. Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the orifice of the Registering Officer at Bangalore Vide Registration No. 414/85-86 Dated 12-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beside that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Akar Constructions, Alankar Building, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Ravindra Gajanan Sukhthanker House No. 309 Modsai, Borda, Margao, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 414/85-86 Dated 12-8-85)
Flat No. S-6 on the second floor in the building to be constructed on the plot "Predio Urbano Das Casas Com Sen Quintal", Chaeta No. 32 situated at Ward Murmuti, Margao, Salcete Taluka Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fithis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-1986

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TO SECURE OF A SECURE OF A

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-764/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ. Whereas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Chatta Nos. 26 (Part), 27, 32 and 35 of P. T. Sheet No.261 situated at Near Rajendra Prasad Stadium, Margao (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Vide Registration No. 409/85-86 Dated 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason than the fair market value of the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer i
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) 1. Shripad Vishwanath Borker 2. Sunand Vishwanath Borker
  - Sunand Vishwanath Borker
     Uttamrao Vishwanath Borker
     Prakash Sadanand Borker
     Ashok Sadanand Borker
     Avinash Sadanand Borker
     Anil Damodar Borker

  - 7. Anil Damodar Borker
    8. Pramod Damodar Borker

  - 9. Vinay Prabhakar Borker 10. Decpak Prabhakar Borker Co. Owners Alankar Building

Post Box No. 18, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Khandekar Chinchal, Navelim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this votice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 409/85-86 Dated 1-8-85) Shop No. E Ratnadeep Building on the ground floor situated near Rajendra Prasad Stadium, Margao.

R, BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-3-1986

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-745/37EE/85-86|ACQ|B.-

Whereas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 57/1 situated at Pilerne, Betim, Bardez, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Vide Registration No. 417/85-86 dated 12-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforwald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Norberto Victor Antonio Cipriano Andrade Mrs. Maria Olivia Miranda, and Amonm Josquim Cipriano De Andrade Residing at Betim, Bardez,

(Transferor)

(2) M/s. Deepak Engineers & Builders Ponda, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 477/85-86 Dated 12-8-1985)
Part of the property known as "Terceiro Lote of Palmai
Betim" and "Quarto Lote de Palmai Betin" a bearing
survey No. 57/1 situated at Village Pilerne, Betim, Bardez Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-3-1986 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-746/37EE/85-86|ACQ|B.—Whoreas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Survey No. 57/1 situated at Pilarne, Betim, Bardez, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Bangalore Vide Registration No. 418/85-86 Dated 12-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—27—56GI/86

 Mr. Norberto Victor Antonio Cipriano Andrade, Mrs. Maria Ouvia Miranda, Amorim Joaquim Cipriano Andrade Residing at Betim, Bardez, Goa.

(Transferor)

 M/s. Deepak Engineering & Builders, Ponda, Goa.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saïd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 418/85-86 Dated 12-8-85)

Part of the property known as 'Terceiro Lote of Palmar Betim' and "Quarto Lote de Palmar Betim" bearing Survey No. 57/1 situated at Village Pilerne, Betim, Bardez, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-3-1986

Seal ;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-818/37EE/85-86|ACQ|B,—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. Nos. 51/1 (Part), 51/2 and 51/4 (Part) situated at Cottombi Village of Bichohim, Taluk, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Mo. 442/85-86 Dated 26-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exaceds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Mr. Shanker Sakarama Porob, and Mrs, Savitri Shanker Porob, Cottombi Bicholim Taluk Goa.

('Fransferor)

(2) M/s. V. M. Salgaccar & Bros (P) Ltd., Vasco da Gama, Goa or its Nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said (
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-and Act, 1957 (27 of 1997);

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 442/85-86 Dated 26-8-85.)

Plot of land known as "Udeabailo Bando" alias "Ultabando" and another known as 'Fatorbandi & Shelando' situated at Cottombi Village of Bicholim Taluka, Goa (together admeasuring 13.915 sq. mt.)

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 19-3-1986

PORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1783/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. R.S. No. 597/1A, 578/2A2 and T.S. No. 217/1A, 216/2A2 situated at Kasba Bazar Village of Manglore, Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bangalore Vide Registration No. 1535-85-86 Dated 7-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hotel Poonja International (P) Ltd., K. S. Rao Road, Mangalore-575 001.

(Transferor)

(2) Mr. Clifford Menezes, Master Manik Menezes, S/o Mr. Clifford Menezes, Heltota House,

(Transferee)

Bondel, Mangalore-575 008 D.K.

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1535/85-86 Dated 7-8-85). Shop Premises measuring about 879.79 sq. ft. situated at Poonja Arcade, K. S. Rao Road, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometal
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-3-1986

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR-805/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 17 situated at Jesoncim Mormueso.

Survey No. 17 situated at Issorcim Mormugao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore

Vide Registration No. 426A/85-86 Dated 12-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than actions per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Rangari Realtors. New Market. Margao, Salcete, Goa-403 601,

(Transferor)

(2) M/s. Alcon Real Estates (P) Ltd., Velho Building, Panaji, Goa-403 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 426A/85-86 Dated 12-8-85).

Agricultural property known as 'Ubollo Setino' measuring approximately about 1,90,000 sq. mts. under survey No. 17 situated at Issorcim, within the limits of Mormugao Municipality Taluk and sub Dist of Murmugao, Dist of Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-3-1986

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st March 1986

Ref. No. C.R. No. 62/585/Aug/37G-DWR|85-86|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 122/102 situated at New Cotton Market, Hubli, Dharwar

Distt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hubli Vide Registration No. 1507/85-86 Dated 19-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and the remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conceniment of may income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Mr. Ambaji Rao, Mr. Shivaji Rao, New Hubli,

(Transferor)

(2) M/s. F. T. Solanki, (Registered Firm) by its pattners Mr. T. F. Solanki, and Mr. F. T. Solanki, New Cotton Market, Hubbi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1507/85-86 Dated 19-8-85.) Property No. 122/102 area of 16' X133' situated at Cotton Market, Hubli.

R. BHARDWAJ

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-3-1986

#### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. M. H. Krishna Murthy, Minor M. K. Pawankumar By M. H. Krishna Murthy Door No. 2175, M.C.C. 'A' Block, Davanagere.

(Transferor)

(2) Mr. Hanji Basavarajappa S/o Hanji Veerabhadrappa, Belludi Galli, Davanagere.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

#### ACOUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd March 1986

C.R. No. v2/v01/Aug/85-86/ACQ/B.]37B-GWR.— Wacreas, I,

R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of

income-1ax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing

No. 237/1 situated at II Cross, III Main, P. J. Extension

Davanagere (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Davanagere vide Registration No. 34 3478/85-86 dt. 8-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor he were said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, end for

(Registered Document No. 3478/85-86 dated 8-8-1985) House property No. 237/1, II Cross, III Main, P.J. Extension Davanagere.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1962 (11 of 1922) or the enid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range, Bangalore

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesse of the notice under subsection (1) of Section 26910 of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 21-3-1986

#### FORM ITNS-----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 21st March 1986

C.R. No. 62/657/Aug/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARIDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 122/102 situated at Cotton Market, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hubli vide Registration No. 1574/85-86 dated 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, runnely:—

(1) Mr. Ambaji Rao, Mr. Shivaji Rao, New Hubli.

(Transferor)

(2) M/s. F. T. Solanki, (Registered Firm), By its Partners Mr. T. F. Solanki and Mr. F. T. Solanki, New Cotton Market, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE
Registered Document No. 1574/85-86 dated 23-8-1985)
Open land bearing No. 122/102 area of 16 x 133 situated at Cotton Market, Hubli.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range,
Bangalore

Date: 21-3-1986

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48192/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

No. 3(6), situated at curley Street, Richmond Town, Bangalore-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sivajinagar on 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesait exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respec of any income arising from the transfer; andlor

(b) is distance the concealment of any income or any reconeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

(1) Mrs. Shireen, W/o Mr. M. M. Zafrulla No. 2, Myrtle Lane, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) 1. Mr. G. M. Krishna, 2. Mrs. Sharame Devi, 3. Mrs. Byrama, No. 3, Curley Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be unide in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afterested persons within a period of 45 days from the data of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used brech are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1489/85-86

Dated 14-8-85)

Premises New No. 3(6), at Curley Street, Richmond Town, Bangalore-25.

> R. BHARDWAJ Acquisition Range, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDLA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48178/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

saing the Compatent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding 8s. 1,00,000/- and bearing No. 56, (39/1), situated at Millers Road, Bangalore and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred under the Registering Officer of the Pagistering Officer at

1908), in the Office of the Registering Officer at Bandhinagar on 5-8-1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason o believe that the fair market value of the property as goresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the stati Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Padma Sambayya, No. 56, Millers Road, Bangalore.

(Transferor.)

(2) Shri A. Shafeeq Ahmed, 2. Smt. L. Shakira Banu, No. 74, Old Bamboo Bazaar Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1397/85-86 Dated 5-8-85) Property No. 56, New No. 39/1, Millers Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range, Bangalore

Date: 3-4-1986

Seal:

28-56 GI/86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd April 1986

Ref. No. C.R. No. 62/48358/85-86ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI,
Supposes on the latter may a Suinbel Arisdoud
equation of the angles of total and '(Lov pres, out is
equation in the latter of the feeth total and '(Lov pres, out is
equation to geor united to the feeth total and the second of the Registration and the latter of the Registration and the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration and 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Shivajinagar on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sudha Venkatasiva Reddy, W/o Late T. V. Reddy, No. 2/1, Palace Road, Vasanthanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. M. Nooruila Sharifi, 2. Mr. M. Azmathulla Shariff, No. 5, Narayanaswamy, Pillai Lane, Kalasipalyam, Bangalore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgued :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1642/85-86 Dated Aug. 1985) Plot No. 5 (New No. 8) Longford Garden, Longford Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Acquisition Range
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Bangalore

Date: 3-4-1986

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48198/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

being the Competent Authority under Section 269B of the

ward, Mangalore

has been transferred as per deed registered under the Indian Rs. 1,00,000/- TS. 589, situated at Attavar Village, Faluir 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to be tween the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer; respect and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Deunis S. Mendonea. S/o Late Rid Mendonca, Ujjodi, Mangalore.

(Transferor)

Smt. Shamsunnissa Zubas, Bishop Compound. Kankkavady, Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the relice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 715/85-86 Dated 8-8-1985)

Property No. RS. 899, TS. No. 589, at Attavar Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-4-1986

#### PORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th April 1986

C.R. No. 62/48354/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 15, situated at H.A.L. III Stage. Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Officer at Shive imager on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising i om the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mirza Akram Mahadi, No. 103, IX Block, C.P.W.D. Quarters, Bangalore-34.

(Transferor)

(2) Smt. B. Vijayahakahmi, W/o V. N. Reddy, Chinnakandakur, Alir Taluka, Nalagonda Dist. Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1624/85-86 Dated Site bearing No. 15, H.A.L. III Stage, Bangalore, Dated 28-8-85)

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisiton Range, Bangalore

Date: 4-4-1986

garagi ngapa ilipatriki se Kalin ang paggang paggan ilipatriki sa pag

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF- THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore, the 7th April 1986

C.R. No. 62/48180/85-86/ACQ/B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to income-tax Act, 1901 (45 of 1901) (hereinatter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 55, situated at Apartment No. 602 in VI floor Silver Lake Tenace, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tar Act, 1957 (87 of 1967);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri D. M. Pinto, Rose Dale, Bunts Hostel Road, Mangalore. 3

(Transferor)

(2) Mr. C. B. Ravi, No. 22/1, Rest House Road, Bangalore,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Att, shall have the same meening as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1427/85-86 Dated 8-8-85) Property No. 55, alongwith apartment No. 602 in VI floor at Silver Lake Tenace, Bangalore.

> R. FHARDWAJ Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 3-4-1986

Marrier Stripter and Arter the Control of the Contr

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48213/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

k. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (thereinafter referred to as the saidd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 76, situated at Badagabettu Village, Udupi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Udupi on 7-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oressed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--Scal:

(1) Mr. Charles Gojer, Mission Compound, Udupi Town, Post Udupi,

(Transferor)

(2) Smt. Zafira R. Tonse. Thimmanna Kudru, Touse West Village, Udupi Taluk, Post Kemuannu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of any an use accretion persons wearm a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 775/85-86 Dated 7-8-1985) Property No. 76, Bradabettu Village, Udupi Taluka

> R, BFARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 3-4-1986

\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Najnunnisa, 34, M.I.G. Housing Colony, Koramengala, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Naz Jqbal, 16/8, Harris Road, Benson Town, Bangalore.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48767/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/1, situated at Harris Road, Benson Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 7-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to my tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2228/85-86 Dated 7-8-1985)
Premises No. 16/1, Harris Road, Benson Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby niltiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date: 3-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th April 1986

C.R. No. 62/48285/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8(16) situated at Moiyinville Road, Longfold Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 30-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any issues arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimathi Vyjayanthi Mala, No. 8, Moiyiniville Road, Longford Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shrimathi Prakashvathi G. Agarwal, 592, HAL II Stage, XII Main, Bangalore.

(Transferee)

(3) Self.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1338/85-86, dated 30-8-85]

Property No. 8(16) Moiyinville Road, Longford Town, Bangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-86.

(1) Shri K. Abubakar, Prop. Karnataka Wood Industries, Thumbe, Bantwal Taluk.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1261)

# (1) Razia (2) Fozia & (3) Aysa Milliya, minor children of Mr. G. S. Kamaluddin (father & Guardian), Businessman, Vasline, Falnir, Mangalore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bangalore-560 001, the 2nd April 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/48326/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
86, situated at Attavar Village, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereo),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 26-8-1985

mangaiore on 20-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduuction or evadon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 785/85-86 dated 26-8-85]

Property No. 86, Attavar Village, Mangalore. (1098 Sq

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-29-56 GI/86

Date: 2-4-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/49618/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. 48-1 & 120-2, situated at Chikamudnur Village puttur taluk

S. 48-1 & 120-2, situated at Chikamudnur Village puttur taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Puttur on 22-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said. Act, in respect of any treeses erising from the transfer; and/or

nb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Kunhimad (2) Bibi, (3) Unmar, (4) Umialima,
 Kaijamma, (6) Abdul, Kunhi, (7) Aisama,
 Abbas, (9) Aisama, (10) Esmali, (11) Sarama,
 Abdul Rahman, (13) Abdul Khader, (14) Ebrahim, (15) Avama, (16) Abdul Kunhi,
 Chickamundnoor Village,
 Mudayur, Puttur Tq.

(Transferor)

(2) Smt. Nathalia Pyas, Chicamudnoor Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 669/85-86 dated 22-8-85]

Property S. No. 48-1, 120-2, at Chickanudnur Village, Puttur Taluk

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely:—

Date: 3-4-86.

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48380/85-86/ACQ/B-Whereas, I, C.R. No. 62/48380/85-86/ACQ/B—Whereas, I,
R. BIJARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
44.1 & 143.2 situated at Iddy Village & Kalipalla Village

44-1 & 143-2, situated at Iddya Village & Kalipalla Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri B. M. Haussain & (2) B. M. Hameed, Krishnapura, Mangalore Tq.

(Transferor)

(2) Shrimathi Maimuna, W/o Mr. B. Mohd., Kadri, Mangalore.

(Transferee)

(2) M/s Bhagiratha Electrical & Structural Co., Panambur, Mangalore.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 962/85-86 dated 26-8-85]

Property S. No. 143-2 & 44-1, at Iddya Village & Kalipalla Village, Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Insecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-4-86.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48183/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10(3), situated at Cunningham Crescent. Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on Aug 1985 for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 The Catholic Bishops Conference of India Society for Medical Education repd. by Rev. Fr. Pexival Fernandes & Navino, at St. Johus Medical College, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Mahajan,(2) Mrs. Rambha Mahajan,58, Cunningham Road,Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1451/85-86 dated Aug. 85] Property No. 10(3), Cunningham Crescent, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, inpursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-4-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) B. S. Venkata Subbiah, (2) B. S. Adinarayanaiah,(3) B. S. Gopalakrishna, (4) Smt. V. Prema Kumari, No. 158, Coconut Avenue, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

(2) Shri Prakash D. Desai, (2) Smt. Raksha P. Desai, No. 54/10-A, I cross, Madhavanagar, Bangalore-1.

(Transferor)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48248/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32, III floor situated at No 151, VII Main, Malleswaram, Rungalore

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Rajajinagar on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1878/85-86 dated 1-8-85] Apartment No. 32 in III floor of "Abhijit Apartments". No. 151, VII Main, Malleswaram, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48186/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 47, situated at Brigade Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dinshaw S. Irani, 41, Cookson Road, Bangalore.

(Transferor)

Shri Athar Ahmed, (2) Azhar Ahmed &
 (3) Munuavar Ahmed,
 No. 79/2, Benson Cross Road,
 Benson Town, Bangalore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1457/85-86 dated 9-8-85] Premises No. 47, Brigade Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48361/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 23 (19-A), situated at Viviani Road, Richards Town,

Bangalore-5

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

(1) Mrs. Yesodiammal, W/o late V. Govindaraja, 23, Viviani Road, Richards Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Samad Ayani Vcetil & (2) Mrs. Amina Abdul Samad, No. 17, Hall Road, Richards Town, Bangalore-5.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1591/85-86 dated 22-8-85] Premises No. 23 (19-A), at Viviani Road, Richards Town. Rangalore-5.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48216/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 156/5, 156/13 situated at Polibetta, Kodagu Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Virajpet on 5-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid preparent and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the taid instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Mrs, Chendanda T. Deihava, W/o Sori C. G. Thimaih, Badaga Bannangala Village, Polibetta.

(Transferor)

(2) Dr. S. Sudhakana Shetty, & Smt. Anitha S. Shetty, Polibetta.

(Transferce)

- (3) Rented out to Vijaya Bank.
- (4) Col. No. 1.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the same

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 316/85-86 dated 5-8-85]

House site No. S. 156/5 & 156/13, at Polibetta, Kodagu Dist.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 3-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd April 1986

C.R. No. 62/48331/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
RS. 581, TS. 222, situated at Casba Banzaar Village, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore City, on 30.8, 1985

Mangalore City on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of may income or ear mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely:-30-56 GI/86

(1) Shii Edward A. Alfred, Balmatta New Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Padmanabha Rao, Merchant, Urva, Mangalore.

(Transferor)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 805/85-86 dated 30-8-85] Property bearing No. RS 581, TS-222, Casba Bazaar Village Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore, the 4th April 1986

R. No. 62/48258/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearng No. 38/1, situated at VI Cross, Gandhinagar, Rangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at petent Authority at Gandhinagar on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. R. Prabhu, No. 8/8, Ranga Rao Road, Shankarapuram, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri V. R. Manjuvatha & V. R. Sheshadri, No. 1376, 32nd Cross, V 'T' Block, Jayanagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressons used herer as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1489/85-86 Dated 22-8-85] Property No. 38/1, VI Cross, Gandhinagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-86 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMIS-

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore, the 4th April 1986

C. R. No. 62/48379/85-86/ACQ/B....Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. 106/4, situated at Moodavidambur village of Udupi Taluk,

Udupi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Udupi on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shri M. Subba Ro, Shif M. Subba Ro, S/o M. Ranga Rao, Ranga Mandir, Opp: City Bus Stand, Udupi.

(Transferor)

- (2) M/s. Canara Properties & Investments. Partners i-
  - Mr. Keesthichandra Karkera.
  - (2) Kritishchandra Karkara, Karkera Cottage, Old Kent Road, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 862/85-86 Dated 26-8-85]

Property situated in Moodavidambur village of Udupi Taluk, Udupi.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-86

# NUTICE UNDER SECTION 2690 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore, the 4th April 1986

C. R. No. 62/48353/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1 C. R. No. 62/48353/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 67/ID, situated at Lavelle Road, B'lore (and more fully described in the Schedule appeared hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Shivajinagar on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor se can sax under the said Act, respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Shabir Abbas Bhai Lokhandwala, No. 30, Mission Road, Blore.
  - 2. Sri Sadiq Hussain Shamsuddin Pachorawala, 24/40, Narasimbaraja Road, B'lore-2.
  - 3. Shri Mohamodi Yousuff Bhai Vadnagarwala, 32, Krumbigal Road, B'lore-2.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Suresh Vaswani &
  - 2. Smt, Geetha Vaswani, No. Lavelle Road, B'lore-1.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

[Registered Document No. 1594/85-86 Dated 22-8-85] Site No. 67/1D, situated at Levelle Road, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, he pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following thereons namely :-

Date: 4-4-86

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-560 001

#### Bangalore, the 4th April 1986

C. R. No. 62/48204/85-86/ACQ/B.--Whereas, 1 R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ct 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 7S. 154 RS. 321/1, situated at Kodialbail Village, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1608) in the Office of the Registering Officer at

M'lore on 13-8-1985

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
  - (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weidth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Name and address of the transferors:

- (1) 1. Shri U. Anantha Mallya, Son of U. Vaman Subraya Mallya, aged about 83 years, residing at Perambur High Road, Madras, represented by his power of attorney holder U. Vasanth Kumar Mallya.
  - 2. Shri U. Vasanth Kumar Mallya, Son of Anantha Mallya, aged about 47 years, residing at 182, VII Cross Road, T.N.H.B. Colony, Vyasarpady, Madras.
  - Dr. U. Surendra Mallya, Son of U. Annatha Mallya, aged about 38 years, residing at Jed-dah, Saudi Arabia, represented by his power of attorney holder U. Vasanth Kumar Mallya.
  - Shri U. Vishwenath Mallya, Son of U. Vasanth Kumar Mallya, aged about 19 years, residing at 182, VII Cross Road, T.N.H.B. Colony Vyasarpady, Madras, represented by his power of attorney holder U. Vasanth Kumar Mallya.
  - Shri U. Sumanth Mallya, Son of Dr. U. Surendra Mallya, aged about 7 years, Minor, represented by father and guardian Dr. U. Surendra Mallya, through his power of attorney holder U. Vasanth Kumar Mallya.
  - Shri U. Srnivas Mallya Son of U. Padmanabha Mallya, aged about 33 years, residing at 7/638, Jail Road, Mangalore, by his power of attorney holder P. Devadas Shenoy.
  - Shri U. Ramchandra Mallya, Son of U. Pad-manabha Mallya, aged about 29 years, residing at 7/638, Jail Road, Mangalore, by his power of attorney holder P. Devadas Shenoy.

- 8. Smt. Shanteri D. Shenoy, Daughter of U. Padmanbha Mallya, aged about 41 years, residing at Hari Kripa, ranemangalore, reresented by her power of attorney holder P. Devadas Shenoy.
- 9. Smt. Robini A. Kamath, Daughter of U. Padmanabha Mallya, aged about 40 years, residing at Mundkur, South Kanara, represented by her power of attorney holder P. Devadas Shenoy.
- 10. Smt. Sushcela A. Kamath, Daughter of U. Padmanabha Mallya, aged about 37 years, residing at K. C. Street Teerthahalli, represented by her power of attorney holder P. Devadas Shenoy.
- 11. Smt Kusuma P. Pai G., Daughter of U. Padmanabha Mallya, aged about 31 years, residing at Door No. 3-32-2765, Vishwa Jyoti, near Subramanya Sadan, Mangalore, represented by her power of attorney holder P. Devadas Sheuoy.
- 12. Miss. Jayashree Mallya, Daughter of U. Padmanaha Mallya, aged about 27 years, residing at 7/638, Jail Road, Mangalore, represented by ner power of attorney holder P. Devadas Shenoy.
- Smt. Shanthi V. Kamath, Daughter of U. Pad-manabha Mallya, aged about 24 years, residing at Mercara, represented by her power of attorney P. Devadas Shenoy.
- 14. Smt. U. Saraswathi Mallya, Widow of U. Padmanabha Mallya, aged about 63 years, residing at 7/638. Jail Road, Mangalore by her power of attorney holder P. Devadas Shenoy.
- Shri U, Kamalaksha Mallya, Son of P. Vaman Subraya Mallya, aged about 70 years, residing at 358, 10th Main, I Block, III Stage, Bangalore-560 079.
- 16. Dr. R. K. Mallya, Son of U. K. Mallya, aged about 40 years, residing at 52 Oldstead Road, Bromley, Kent, U. K. represented by his power of attorney holder U. K. Mallya.
- 17. Shri U. Vasudeva Mallya, Son of U. K. Mallya, aged about 31 years, residing at 1794 Woodside Drive, Michigan, U.S.A., represented by his power of attorney holder U. K. Mallya.
- 18. Shri U. Rajaram Mallya, Son of U. Vaman Subraya Mallya, aged about 64 years, residing at Kadri Road, Mangalore.
- 19. Shri U. Vaman Mallya, Son of U. Rajaram Mallya, aged about 31 years, residing at Kadri Road, Mangalore.
- Shri U. Gautham Alias Rajaram Mallya, Son of U. Vaman Mallya, aged about 4 years, minor represented by father and guardian U. Vaman Mallva.
- 21. Shri U. Sudarshan Mallya, Son of U. Venkatraya Mallya, aged about 29 years, residing at Pinto Lanc, Mangalore.
- Shri U. Vinod Kumar Mallya, Son of U. Ven-kataraya Mallya, aged about 26 years, residing at Pinto Lane, Mangalore,

  23. Smt. Nandini S. Pai, Daughter of U. Venkatraya
- Mallya aged about 34 years, residing at Block 1, Dharinia, No. 72, Sion East, Bombay 22, represented by her power of attorney holder U. Sudarshan Mallva.
- 24. Smt. G. Väsanthi B. Pai, Daughter of U. Venkatraya Mallya, aged about 31 years, residing at Kottar Road, Derebail, Mangalore, represented by her power of attorney holder U. Sudarshan
- 25. Smt. U. Mecnakshi Mallya, Widow of U. Ven-katraya Mallya, aged about 54 years residing at Pinto Lane, Mangalore, represented by her power of attorney holder U. Sudarshan Mallya.
- Shri U. Subraya Mallya, Son of U. Vaman Subraya Mallya, aged about 59 years, residing at Karangalpady, Mangalore.
- 27. Dr. U. Jagdish Mallya. Son of U. Mallya aged about 30 years, residing at 23 Overton Place West Bromwich, West Bidlands, U.K., represented by his power of attorney holder U. Subraya Mallya.

28. Dr. U. Nagesh Mallya, Son of U. Subraya

Dr. U. Nagesh Mallya, Son of U. Subraya Mallya, aged about 28 years, residing at middle-borough, Cleveland, U. K., represented by his power of attorney holder U. Subraya Mallya.
 Shri U. Manjunath Mallya, Son of U. Subraya Mallya, aged about 26 years, residing at Karangalpady, Mangalore, represented by his power of attorney holder U. Subraya Mallya, aged about 24 years, residing at Karangalpady, Mangalore, represented by his power of attorney holder U. Subraya Mallya.
 Shri U. Muralidhar Mallya, Son of U. Subraya Mallya, aged about 24 years, residing at Karangalpady Mangalore, represented by his power of attorney holder U. Subraya Mallya.
 Shri U. Muralidhar Mallya, Son of U. Subraya Mallya, aged about 20 years, residing at Karangalpady Mangalore, represented by his power of attorney holder U. Subraya Mallya.
 Mrs. Badrunnisa.

(2) 1. Mrs. Badrunnisa,

1. Mrs. Bibi Fathima Ismail,

3. Abdul Majecd Ismail, 4. Miss Madeena Ismail, Bhatkal, N.K.

(Transferces)

(3) Vendors.

(Persons in occupation of the property.)

(4) Shri Ganesh Mallya.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property] Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 724/85-86 Dated 13-8-85]

property No. TS, 154, RS, 321/1, Kodialbail village, M'lore.

> R. BHARDWAI Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-86 Seal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd April 1986

C. R. No. 62/48273/85-86/ACQ/B.--Whereas, I C. R. No. 62/482/3/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/L situated at Jamudar Mohd, Chose Lane, S. P. Road 3/1, situated at Jamadar Mohd, Ghose Lanc, S. P. Road

North, B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hase been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1608) n the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said mercument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dada Sait also called Dada Ahmad Sait, Mohd. Ghouse Lane, B'lore-2.

(Transferor)

(2) Shri Muneer Ahmed & Imtiaz Ahmad, No. 5, Hakeem Mohd, Ghouse Lane, Kumbarpet, B'lore.

(Transferce)

- (3) 1. Mrs. Madhu Gupta, 116/1C, Bull Temple Road, B'lore, Shop in Ground floor.
  - 2. Smt. Suresh Gupta. 27/1, Sadar Patrappa Road, B'lore, Shop in Ground floor.
  - 3. Ismail, No. 12/A, Clive Town, Calcutta, Shop No. 3/1.
  - 4. Ulhas Chand, III floor, 3/1, Mohd. Jamadar Lane, B'lorc, tenant of the III floor. (Persons in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1569/85-86 Dated 30-8-85] Property No. 3/1(11), Jamadar Mohd. Ghouse Lane, S.P. Road North, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-4-86 Scal:

----

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Baugalore, the 4th April 1986

C. R. No. 62/48220/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16, situated at V Cross, II Main Road, Ramachandrapuram, B'lore (and more fully described in the Schedule appared, hereas)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Srirampuram on 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Lakshmidevama, No. 17, Pillappa Lane, Jumma Masjid Road Cross, Nagarathpet, B'lore-2.

(Transferor)

(2) Shri Rajaram V. Shenoy, No. 6, Kasturba Village, Borivilli Estate, Bombay-66.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHIDULE

[Registered Document No. 1148/85-86 Dated 8-8-85] Property No. 16, in V Cross, II Main Road, Ramachandrapuram, B'lore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-86

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore, the 2nd April 1986

C. R. No. 62/DR-773/DWR/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Chalta No. 60 situated at Margao Sub Dist. of Salcete, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), with the competent authority under Section 269AB, in his has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration No. 430/85-86. Dt

office at Bangalore under Registration No. 430/85-86 Dt. on 12-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Zaivanth Vishwanath Ghode. Mrs. Usha Zaivanth Ghode. Mr. Dinanath Vishwanath Ghode. Mrs. Sunil Dinanath Ghode. Mr. Avdhut Vishwanath Ghode. Ms. Sharad Avdhut Ghode. Mrs. Silabai Vishwafiath Ghode. All are Resident of Margao, Sub Dist, of Salcete, Goa. (Transferor)

(2) M/s. National Builders, Rua de Saudades, Pajifond, Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registred Document No. 430/85-86 DateJ 12-8-85] Property known as 'Seragessina Parte de predio Cabaceira Calcondim measuring about 905 sq. mt. at Margao. Sub Dist of Salcete, Goa.

> R. BHARDWAJ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Dated: 2-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF ENDIA**

#### (1) M/s. Pranit Enterprises, Bombi House, Opp. UCo Bank, Margao Goa.

(Transferor)

(2) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panail, Goa.

(Transferes)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

#### ACQUISITION RANGE-560 001

Bangalore, the 2nd April 1986

C. R. No. 62/DR-773A/DWR/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a few market value acceptaint. property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Survey No. 14(B), 18, 19, 20, 23, 26 situated at Navelim

Salcete, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Property known as Col Moroda and R, 128 7128 1289
with the competent authority under Section 269AB, in his
office at Bangalore under Registration No. 431/85-86 Dated on 12-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the gartles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by may of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

[Registered Document No. 431/85-86 Dated 12-8-85]

Property known as 'COL MORODA and ROQUEA NO-RODA situated at Navetim District of Salcete, Goa.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I havely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-31-56 GI/86

Dated: 2-4-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600-006, the 9th April 1986

Ref. No. 28/Augi/85.—Whereas, I, MRS. B. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometaix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14, Vellivdyal Village, Ponneri Taluk, situated at Chingle-put dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Thiruvettriyur/Doc. No. 25471/85 in Aug., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the mid Act, or the Weakh-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, paragely:—

Messrs. Sri Lakshmi Saraswathy Brick Field, Sold Propriotor G. Nathamuni Naidu, No. 84, Perumal Agaram, Thiruverkadu, Saidapet Taluk, Chingleput Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Ramajayam Brick Industries, No. 29, Thiruvotriyur High Road, Thiruvotriyur, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the traderigued:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lands: No. 14, Vellivoyal Village, Ronneri Taluk, Chinglepjut dist. Thiruvotriyur/Doc. No. 2547/85.

MRS, M. SAMUFL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras

Date: 9-4-1986

### FORM ITES

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF ENDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600-006, the 9th April 1986

Ref. No. 47/Aug/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. 18. Siveraman St. Mandaveli situated at Madras-28

No. 18, Sivaraman St., Mandaveli situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 1098/85 in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preparty and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by interesting from the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disloved by the transferoe (ethe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri J. Goruswami and Sri Anandavalli, Central Food Technological Research Institute, Mysore-570 013
 Res.: E.I/2, CFTRI Quarters, C. F. R. I., Mysore-570 013.

(2) Smt. K. Saraswathi Bai, (Transferor)

24, hiruvalluvar Koil St., Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcaton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: No. 18, Sivaramen St. Mandaveli, Madras-28,

Mylapore / Doc. No. 1098 / 85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income \*\*\*& Acquisition Range-II Madras

Date: 9-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMILTAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600-006, the 9th April 1986

Ref. No. 82/Aug/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural lands: G.S. No. 510/1 in Ramanathapuram situated at Village, Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3414/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has the been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer with the object of the consideration and that the consideration for such transfer with the object of the consideration and that the consideration the consideration and that the consideration the consideration the consideration and that the consideration the consideration and that the consideration the consideration the consideration and that the consideration the consideration and that the consideration the consideration the consideration and that the consideration the consideration the consideration the consideration that the consideration the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kamalaveni M/o Shri P. R. Doraisamy Garden House, Opp. to Sugami Mills, Sowripalayam, Coimbatore, Sh. Padmavathi, 2. Sh. Fatinavatan,
3. Sh. R. Veluswamy,
4. Sh. R. Nagarathinam,
5. Sh. V. V. Kanakarathinam and
Sh. R. Jothimani, Sowripalayam, Colmbatore.

(Transferor)

 1. Sri K. Subramaniam,
 2. Sri K. Venkatachalam both sons of S. Krishna,
 126, Kalidas Road, Ramnagar. Coimbatore-9, 3. Dr. Chitra Raghupathy, W/o Dr. Raghupathy, Krishnaswamy Nagar, Coimbatore-45. W/o Sh. P. V. Devaraj W/o Sh. P. V. Devaraj, 69, II Layout, Krishnaswami Nagar, Coimbatore-45.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands: G.S. No. 510/1, Ramanathapuram, Coimbatore. Coimbatore/Doc. No. 3414/85.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600-006, the 9th April 1986

Ref. No. 83/Aug/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'anid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agricultural land: G.S. Nos. 508/1, 509/1 and 510/1, in
Ramanathapuram village, Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been propertied under the Paristration Act. 1008 (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3415/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, re the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kamalaveni. Wi/ o Shri P. R. Doraiswamy, W/O Shri P. R. Doraiswamy,
2. Smt. Padmavathi
W/O Late N. Raju Naidu,
3. Sh. R. Veluswamy,
4. Sh. R. Nagarathinam,
5. Sh. V. Kanakarathinam,
6. Sh. R. Jothimani,
Sons and Daughters/and residing at Garden House Opposite to Sigami Mills, Souripalayam, Coimabtore. (Transferee)

(2) 1. Smt. T. Santi, d/o B. Thangaswamy, Sivananda colony, Coimbatore-12, 2. Shri M.F.X. Bellarmine, S/o Mariasundaram, Bank St., Kilpauk, Madras,

3. Dr. David Rajan, , Vaidyalingam, Trichy Road, Coimabtore, 4. Shri. S. Augustine, S/o Santiage, 22. Raghuman Sait Colony. R. N. Puram, Coimbatore-45.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

Agricultural lands: G.S. Nos. 508/1, 509/1 and 510/1, Ramanathapuram Village, Coimbatore,

Coimbatore/Doc. No. 341\$/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras

Date: 9-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600-006, the 9th April 1986

Ref. No. 91/Aug/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sanganoor Village G.S. Nas 373 and 374 in T.S. Nos. 12/37, 38, 39, 41 and 42 in the Ramalingam Nagar Cooperative Housing Building situated at Society Ltd., Site No. 10, Sanganoor, Gandhipuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at at Gandhipuram/Doc. No. 3878/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Viswanathan S/o Sri A. M. Pillai, 1129, Ramalingam Road, R. S. Puram, Kovai.

(Transferee)

(2) Sri Volimani, S/o K. Ramachandra Naidu, 90/CROSS, CUT ROAD/KOVAL.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: G.S. Nos. 373 and 374 in T. S. Nos. 12/37, 38, 39, 41 and 42, in The Ramalingam Nagar Cooperative Housing Building Society Ltd., Site No. 10, Nandhipuram unphatore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Trapecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II Madras

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600-006, the 9th April 1986

Ref. No. 94/Aug/85.—Whereas, J,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Ward 2, T.S. No. 386, South Ramalinga situated at Mudaliar
St. Maviladuthurai

St. Maviladuthurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mayiladuthurai/Doc. No. 836/85

August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

-----(1) Minor Nazmuddi, S/o Sri A. Abdul Salam Mail Road, Pavattakudi.

(Transferor)

(2) Sri Rajulu, S. Vijaya Kumar, 3. S. Sureshkumar, Sri R. Ramesh, Srinivasulu Naidu's sons, Chettitheru, Ambabai Theru, Mayiladuthurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and and Building: South Ramalinga Mudaliar St., Ward No. 2, T.S. No. 386, Mayiladuthurai.

Mayiladuthurai/Doc. No. 836/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 9-4-1986

# FORM ITNE-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

#### ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006; the 9th April 1986

Ref. No. 98/Aug. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2008 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Ra. 1,00,000/- and bearing No.
Negamum Sub district, Pollachi, situated at Cholanur Village,

Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Negamum/Doc. No. 611/85 on Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more control of such apparent consideration. offices per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri R. Rayappan, s/o Rangagounder, Cholanur, Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri A. S. Hameed, Sidhivinayagar Koil St., Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land: Negamum, Pollachi, Thirupur. Negamum/Doc. No. 611/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-4-86 Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 105/Aug. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S.F. No. 233/1, WET 9,00 acres situated at Pethanaickanur

Village

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai/Doc. No. 934/85 on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other sucets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :---

32-56 GI/86

(1) Sri Gurusamy Naicker. s/o P. Gurusami Naicker, Pethanaickanur Village, Pollachi, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. N. Jayalakshmi,w/o K. Natarajan,271, Kottur Road, Pollachi, Pollachi, Coimbatore dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land: SF. No. 233/1 Wet 9.00 acres: Sethanaickanur Village, Coimbatore. Anaimalai/Doc. No. 934/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri A. Murali Manoharan, s/o Anganna Pillai, 21, Thappakulam St., Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri A. Gurusamy Naicker, s/o P. Gurusamy Naicker, Pothanaickanur.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 106/Aug. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pollachi, Anaimalai situated at Tirupur dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai/Doc. No. 936/85 on Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-unid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land: ollachi Taluk, Anaimalai, Tirupur. G. S. No. 416, Anaimalai/Doc. No. 936/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 9-4-86

#### FORM ITNS----

 Smt. Velathal. W/o Samiappagounder, Smt. Jayalakshmi, W/o Senapathigounder, Gnanasondari, W/o Rajagopal, Vettaikaranpudur, Pollachi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Jagadeesanr, Ganesan, Lakshmipathy,
 Somanathapuram, Vettaikaranpudur, Pollachi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 107/Aug. 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vettaikaranpudur Village situated at Vettaikaranupudur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai/Doc. No. 1063/85 on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land: Vettaikaranpudur Village, Pollachi. Anaimalai/Doc. No. 1063/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref No. 112/Aug/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reseen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Kurichi Village situated at Colmbatore Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3470/85 on Aug 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and[or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Sri C. V. Govindarajan S/o A. Venkatramagounder Rangagounder St., Coimbatore-1,

(Transferor)

(2) Sri P. Shanmugham S/o Poomalai Pillai For Heaps India, Coimbatore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kurichi Village, Coimbatore, Coimbatore (Doc. No. 3470/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 9-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri R. Bettan Gowder and 2 others (i.e. B. Selvaraj Gowder and B. Rangaraj)
R. S. Puram,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri M. Mani 341, Telugu Brahmanal St., Coimbatore.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 116/Aug/86.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
T.S. No. 5/587 situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3613/85 on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

### THE SCHEDULE

Land and building: T.S. No. 5/587, Coimbatore. Coimbatore. (Doc. No. 3613/85).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL
Competent Aubority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 118/Aug/85.—Whereas, I. MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value movable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 28/242 part (Old), 28/554 (New), 555 and 556 situated at in T.S. No. 8/440 part (Old) New 8/452 part in Diwan Bahadur Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 3640/85 in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Sri S. Rangaraj S/o Dr. V. R. Subba Rao 28/241, Diwan Bahadur Road, R, S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

 Sri S. Dhamodaran S/o Srinivasan 28/32, West Pertisamy Road, R. S. Puram Coimbatore-2.
 Sri V. Suthanthiraraj, S/o Velayutham Mud 189, Thadagar Road, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 28/242 part (Old), New 28/554, 555 & 556 in T.S. No. 8/440 part (old) New 8/452 part in Diwan Bahadur Road, R.S. Puram, Coimbatore. Coimbatore. (Doc. No. 3640/85).

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 9-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 161/Aug/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Half share in 1960 sq. ft. of land and 1/6th share in 2101

sq. ft. of common passage at No. 2, I cross st., Vijayaghava-chari Road situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 946/85 on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) Sri V. Jagannatha Rao (75%). No. 7, Manonmani Ammal St., Kilapuk, Madrus-10. and Mrs. S. Aiana (25%), I O, West Palm, Wingate Garden, No. 2, School Road, Mandavelli, Madras-28.

(Transferor)

(2) 1. Sri T. K. Varadarajan

2. T. V. Balasubramaniam

3. Mrs V. Lakshmi Varadarajan

Plot No. 24, 31A, Takshila Mahakali Caves Road, Building, Andheri Road, Bombay-400 093,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and common passage: No. 2, I Cross St., Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 946/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Madras-600 006

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 163/Aug/85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .1,00,000/- and bearing No. 2, Vijayaraghavachariar Road Madras-17 situated at

1st Cross St.,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 948/85 on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the tree and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any propeys or other sasets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) Sri V. Jagannatha Rao Manonmani Ammal St., Kilpauk, Madras-10,

(Transferor)

(2) Sri Rajijv Kohli 15-D, Spring Haven Road. Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the gualication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in est Cha

### THE SCHEDULE

Land: at No. 2, 1 Cross St., Vijayaraghavachari Road Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 948/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Dato: 9-4-1986 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 164/Aug/85.—Whereas I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat in Door No. 2, ground floor, Ramachandra Road T Nagar, T.S. No. 5388, Block No. 122 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 949/85 on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—33—56GI/86

(1) Sri R. Mahendra Mani No. 78, Vysyal St., Coimbatore-1.

(Transferor)

 Sri P. L. Subramaniam and others No. 94, Sullivan Gardens, Mylapore, Madras-4,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat: in Door No. 2, Ground Floor, Ramachandra Road, T. Nagar, T.S. No. 5388, Block No. 122.

T. Nagar/Doc. No. 949/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Dato: 9-4-1986

Scal:

(1) M/s, Sorojasivalingam & Co. & others, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. S. Vastrad 19, Kuruvian Tank Street, Trichy-8.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADURAI-620 002

Madurai-625 002, the 4th April 1986

Ref. No. 26/Aug/85.—Whereas, I, A. K. TALAPATRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. R. No. 144/1E situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Karup D. No. 1053/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the edd instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Building 39485 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-620 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-4-1986

### FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### M/s. India Evangelical Lutheran Church Trust Association, Kottarparvathipuram Road, Nagerkoil.

(Transferor)

(2) M/s. Servall Leasings (P) Ltd. 10-Z, Krishnasamy Mudali St., Coimbatore-11.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADURAI-620 002

Madurai-625 002, the 4th April 1986

Ref. No. 53/Aug/85.—Whereas, I, A. K. TALAPATRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the unid Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 127/1, 128/1, 129/B1 situated at Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Kodaikanal Doc. No. 791/85 in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 3.87 Acres.

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-620 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 35/Aug/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereignafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immediable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 25A, Kadai Veedhi St. Pennagaram Post, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pennagaram (Doc. No. 837/85) in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to solicive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the sames has not been truly stated in the each instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse, for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons namely:—

(1)Sri N. C. K. Ranganathan & Others S/o Nagiam Chettiar Door No. 2/66. Bazaar St., Pennagaram Taluk, Dharmapuri Dist.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Pandurangan, 2/21, Bazaar St., Pennagaram Post, Dharmapuri Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laser;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 25-A, Bazaar St., Pennagaram, Dharmapuri Dist. (Doc. No. 837/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 9-4-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st March 1986

Rcf. No. 28. August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 353/1, 353/2, 353/3, 354/2, 354/3, 355/1B, 355/2, 355/4, 358/6, 358/7 & 358/8 situated at Kalanipakkam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore (Doc. No. 3059/85) in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri K. P. Govindaraje Mudaliar and 2 others,
 No. 37, L. No. 3, Meenakshi Kovil St. Cross, Bangalore-560 051.

(Transferor)

(2) M/s North Arcot Leathers Ltd. No. 7, Ranganathapuram Street, Chetpet, Madras-600031.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Dry land at Kalanipakkam Village, Vellore Taluk, North Arcot Dist.
(Doc. No. 3059/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tau
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 9-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600006, the 11th April 1986

Ref. No. 25/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the knowoble property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 1/1, 1/3, 2/1, 3/1, 16/1 situated at Jeemangalam Village, Hosur Taluk, Dharmapuri Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registertion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hosur (Doc No. 2449/85) on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 B. Muni Reddy & Others, S/o Chinnanna alias Balareddy, Jeemangalam Village Bagalur Panchayat, Hosur Taluk, Dharnapuri Dist.

(Transferor)

(2) Asian Christian Academy of India No. 70, Charles Campbell Road, Coxtown, Bangalore-560 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Jeemangalam Village, Hosur Taluk, Dharmapuri Dist. in S. No. 1|1, 1|2, 1|3, 2|1, 2|2, 3|1, 16|1 and 16|2.

(Doc. No. 2449/85).

MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Maddas-600 006

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 21/August/85.—Whereas, J, MRS. M. SAMEUL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000% and bearing
Survey No. 12, Ward 14 situated at Agraharam, Namakkal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registertion Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Velur (Doc. No. 1123/85) in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Sri V. R. Srinivaşan Iyengar & Others, S/o Roghava Iyengar, Velur Village, Kasba Agraharam, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Smt. C. Mallika, W/o Chinnathambi Punjauadyarmelmugam Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand/or

### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 12, Agraharam, Velur Village, Namakkal Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 1123/85)

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Maddas-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Pudur Village, Salem 636007. (2) Dr. P. Sundararajan, M.C.M.H. S/o Perumal Gounder,

(1) Sri P. N. Ammachi Gounder, S/o Nagappa Gounder,

(Transferor)

(2) Dr. P. Sundararajan, M.C.M.F. S/o Perumal Gounder, Narayanan Street, Sivasamypuram Extension, Salem.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1986

Ref. No. 16/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing TS. No. 2/8, Block No. 2, Ward C situated at Alagapuram Pudur Village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registertion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doc. No. 2192/85) in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act. In respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-limition (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned \*--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Alagapuram Pudur Village, Salem in T.S. No. 2/8, Block No. 2, Ward C. (Doc. No. 2192/85)

MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Maddas-600 006

Date: 9-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1986

Ref. No. 14/August/85,—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R.S. No. 69/4, Alagapuram Village situated at Salem Taluk and Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registertion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doc. No. 2035/35) in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34--56GI/86

 Sri A. Ganapathy Gounder, S/o Aayina Gounder, Vinayaga Illam, New Fairlands, East Colony, Salom-16.

(Transferor)

(2) Shri G. Jayaraman, S/o R. Govindarajulu, 6/125, Konabalaramasamy Chetty Street, Arisipalayam, Salem-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. No. 69/4, Alagapuram Village, Salem Taluk and Dist. (Doc. No. 2035/85)

MRS M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Maddas-600 006

Date: 1-4-1986

Şeal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### Sri A. Ganapathy Gounder, S/o Aayina Gounder, Vinayaga Illam, New Fairlands, East Colony, Salem-16.

(Transferor)

(2) Smt. J. Sakuntala, W/o G. Jayaraman, 6/125, Konabalaramasamy Chetty Street, Arisipalayam, Salem-9.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1986

Ref. No. 13/August/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMEUL.
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
R.S. No. 69/4, Alagapuram Village
situated at Salem Taluk and Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registertion Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Suramangalam (Doc. No. 2034/85) in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and Building at R.S. No. 69/4, Alagapuram Village, Salem Taluk and Dist. (Doc. No. 2034/85)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

MRS M. SAMUEI-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Maddas-600 006

Date: 1-4-1986

Seal;

### PORM ITNS-

# VOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st March 1986

Ref. No. 12/August 1985.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 98/5, Alagapuram Village, situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doc. No. 1698/85) in August, 1985 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Sri R. Mandiramurthy, S/o Rajagopala Mudaliar, C.1/122, Vanchinatha Iyer St., Alagapuram Swarnapuri, Salem Taluk and Dist.

(Transferor)

(2) Shri R. M. Natarajan, S/o R. Mandiramurthy, C.1/122, Vanchinatha Iyer St., Alagapuram Village Swarnapuri, Salem Taluk and Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 1/122, Alagapuram Village, Swarnapuri, Salem.
(Doc. No. 1698/85)

MRS M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Maddas-600 006

Date: 31-3-1986

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 10/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 7, Khaderpet, Vaniyambadi situated at Vaniyambadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaniyambadi (Doc, N. 1980/85) in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeadd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeadd exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) thoustaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice united sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. V. Parameswara Iyer, S/o Sri P. S. Viswanathiyer, 584, Balu Chetty Street, Fort, Vaniyambadi.

(Transferor)

(2) \$ri K. S. Rajan & Other, \$5/0 \$ri K. Subramaniam, 233, Compounder Narayanasamy Street, Newtown @ Gandhi Nagar, Vaniyambadi, North Arcot Dist.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 7, Khaderpet, Vaniyambadi, North Arcot Dist. (Doc. No. 1980/85)

MRS M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Maddas-600 006

Date: 11-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st March 1986

Ref. No. 9/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 554, Oonji Modeen Sahib St.,
situated at Muslimpur, Vaniyambadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaniyambadi (Doc. No. 1806/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Prof Dr. V. Abdul Rahim, S/o V. V. Abdul Subhan Sahib, 554, Oonji Modeen Sahib Street, Muslimpur, Vaniyambadi.

(Transferor)

(2) Smt. V. Aiyesha Shameem, W/o Cholavaram Abdul Ghani Sahib, 554, Oonjimodeen Mahib Street, Suslimpur, Vaniyambadi, North Arcot Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 554, Oonji Modeen Sahib St., Muslimpur, Vaniyambadi, (Doc. No. 1806/85).

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Maddas-600 006

Date: 31-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 8/August/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMEUL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs, 1,00,000/- and bearing
Door No. 512A, 512E, 512G, 512E situated at Jinna Road,
Khaderpet, Vaniyambadi, North Arcot Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vaniyambadi (Doc. No. 1773/85) in August, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. A. Sajceda Jabin,
 W/o Rabhik Ahamed Sahib,
 Anna Pillai Street,
 George Town, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri A. Haneef Abmed, S/o A. M. Ibrahim Sahib, 1307, Methakar Jailafudin Sahib Street, Nalikollai, Vaniyambadi, North Arcot Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 512A, 512E, 512G, 512E, Jinna Road, Khaderpet, Vaniyambadi, North Arcot Dist. (Doc. No. 1773/85)

MRS M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Maddas-600 006

Date: 11-4-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### COVERNMENT OF MELA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1986

Ref. No. 39/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMEUL, being the Competent Authority under Section 267B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. Nos. 363|2, 384|2-B 385|1A, 385|1, 385|2, 363|2C, 284|1, 384|2B, 363|2A, B & 206|2-C situated at Pinji Village, Walaja Taluk, Arakonam, North Arcot Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registertion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Walaja Nagar (Doc. No. 2655, 2656 & 2657/85) in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the evict of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factinating the concealment of any nacone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Minor Malak Akbar Hussain Minor Malik Aktar Hussain, Smt. Mohisina Begum No. 9, Old Post office St., Mel Visharam Walaja Taluk, North Arcot Dist.

(Transferor)

(2) Sri M. Abdul Haleem, Managing Director, K.H. Leather Industries Pvt. Ltd.. No. 26, V.V. Koil Street, Periamet, Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Dry land at Pinji Village, Walaja Taluk, North Dist. in Survey Nos. 363|2, 385|1A, 384|2B, 385|1, 385|2, 363|2C, 384|1, 384|2B, 363|2A and 206|2C. (Doc. No. 2655, 2656 and 2657/85).

MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 8-4-1986

### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 1st April 1986

Ref. No. 47/August/85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Doo. No. 243, Kilpauk Garden Road, situated at Madras-10 (and inder fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 914/85) in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Lakshmi Narayanan & Other. W/o V. T. Narayanan, No. 243, Kilpauk Garden Road, Kilpauk, Madras-600 010.

(Transferor)

(2) Sri B. R. Kabirdas, 16, Dr. Guruswamy Road, Chetput, Madras-600 031.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cha

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 243, Kilpauk Garden Road. Kilpauk, Madras-10. (Doc No. 914/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I (i/c)
> Madras-600 006

Date: 1-4-1986

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st March 1986

Ref. No. 449/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 52, Wuttucotton Street, situated at Periamet,

Madras-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 943/85) in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-35-56GI/86

(1) Shri Shivdutt Mal Maggon & Other, S/o Late Ladharam Maggon, 19, A/6, 1st Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-560 046.

(Transferor)

(2) Sri S. Shahul Hammed & Brothers, No. 28, E. K. Guru Street, Periamet, Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 52, Wuttucotton Street. Periamet, Madras-3. (Dog. No. 943/85),

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. B. Vijayaraghavan & 2 Others, No. 9, First Street, Sait Colony, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Sri P. K. Kamalanathan, No. 2, Sait Colony, 2nd Street, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 2nd April 1986

Ref. No. 51/August/85.-Whoreas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 5, Second Street, Sait Colony, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 987/85) on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extends the apparent consideration therefor herefore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (11 of 1922), or the said Act or the Act, 1957 (27 of 1957); Act, 1922 Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 5, Second Street, Sait Colony, Egmore, Madras-600 008. (Doc. No. 987/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-4-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Sri C. S. Amarendra, No. 3, IV Avenue, Harrington Road, Madras-600031.

(2) Smt. Indu Dhingra, No. 33, Anderson Road, Madras-600 006. (Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION .RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 1st April 1986

.Ref. No. 52/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of in Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 3, IV Avenue, Harrington Road, situated at Madra
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 991/85) on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30
  days rfom the service of notice on the respective
  persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 3, IV Avenue, Harrington Road, Madras. (Doc. No. 991/85).

MRs. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-4-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 7th April 1986

Ref. No. 53/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 3, Hunters Road, Choolai, situated at Vepery,

Madras-112.

at Periamet (Doc. No. 993/85).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Periamet (Doc. No. 993/85) on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer te pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wonkin-tax Ad, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the fellowing persons passals: ing persons, namely:-

2. B. Rukaiya,

3. E. Igbal 4. B. Tajuddin

B. Rafi,

No. 3, Hunters Road, Choolai, Madras112.

(Transferor)

(2) Sri K. Mohan and Smt. K. M. Durga Nandini, No. 2, Thirumalaiappa Mudali Street, Pursawalkam, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period a 45 days from the date of publication of this notice the Official Gazette or a period of 30 days m the service of metics on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in iihte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 3, Hunters Road, Choolai, Vepery, Madras-112, (Doc. No. 993/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-I, Madas-600006

Date: 1-4-86

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-J MADRAS-600006

Madras-600 006, the 8th April 1986

Ref. No. 54/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 3, Hunters Road, Choolai, situated at Vepery,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 994 85) on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unedr sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:— (1) 1. Smt. B. Mariya, W/o V, C, Yusuf,

W/O V. C. Yusur,

2. Smt. B. Rukiya,
W/O T. P. Hamza,

3. B. Iqbal, S/O K. Marumothihaji,

4. B. Thajuddin, S/O M. Marumothihaji,

5. B. Rafi S/O K. Marumothihaji,

No. 3, Hunters Road, Choolai, Madras-112. (Transferor)

W/o K. S. Kuppuswamy, No. 2, Thirumalaiappa Mudali Street, No. 2, Thirumalaiappa Mudali Street, Purasawaikam, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 3, Hunters Road, Choolai, Vepery, Madras-112. (Doc. No. 994/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 8-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) Sri Moolchand Kotoomal, S/o Sri Kotoomal, No. 16-A, Casa Major Road, Egmore, Madras-8.

Madras-3.

(Transferor) (2) Smt. Jayashree Khanna, No. 10, Devaraja Mudali St.,

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 31st March 1986

Ref. No. 55/August/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 16, Aghateswar Nagar, Halls Road, situated at

Madras-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1001/85) on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 16, Aghateswar Nagar, Halls Road Madras-10 (Doc. No. 1001/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-I, Madas-600006

Dated: 31-3-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 7th April 1986

Ref. No. 56, August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No 61, Parisana Maistry Street, Periamet, Madras-3,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1015/85) on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully 1997 by the said live unwent if transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Mr. Mohammed Jan, S/o Late Janab Mohammed Zahiruddin Sahib, No. 148, Durga Road, Pallayaram, Madras-43.

(Transferor)

(2) Izharul Huque & Co., Tanners, 34, E. K. Guru Street, Periamet, Madras-600 003,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the vall property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever regried expense times.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grante

EXPLANATION: - The terms and expressions used The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 61, Perianna Maistry St., Periamet, Madras-3. (Doc. No. 1015/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-I, Madas-600006

Date: 7-4-86

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd April 1986

Ref. No. 571/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. R.S. No. 376/25, Block No. 23, situated at Perinmet. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc No. 1020/85) on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly wated in the said instrument of transfer with the elect of the said instrument of transfer with the elect of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenkh-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely:—

- Estate of late M. Ananthanarayanan, Represented by C. Ramakrishna, Advocate, S/o late C. Arunachala Mudaliar, 'KRPA', No. 7, Taylors Road, Kilpauk, Madras 600 010.
  - (Transferor)
- (2) The Union Christian Association (Madras), No. 33, Nowroji Road, Chetput, Madras-600 031.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building in R.S. No. 376/25, Block No. 25 at Periamet, Mastras. (Doc. No. 1020/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 3-4-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

OF INCOME-TAX,

Madras-600 006, the 1st April 1986

No. 64 August /85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (.43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 784, Anna Nagar (Periakudal)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Anna Nagar (Doc. No. 3052/85) on August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
lifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid respectly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

36---56GI/86

(1) Sri V. E. Koshy, S/o N. K. Cipes, 9/1, Proimorse Road, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Sri K. A. Pisharoti,
 S/o late Achutha Pisharoti,
 E-8, IIIrd Flor Parsns,
 Apartment, Gemini Complex, Malras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 784, Rnna Nagar (Periakudal) (Doc. No. 3052/85).

Madras-600 006
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisistion Range-I, Madas-600006

Date: 1-4-86

(d.

### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 31st March 1986

Ref. No. 65/Aug/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. Door No. 17, Devaki Ammal Street, Shenoy Nagar. Madras-30. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3141/85) on Aug. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26% of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chellammal and Sri V. Ramachandran, No. 23, Chellammal Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

كالمناص المستنبي والسهامة والمناسقين والماء المناسقة والماء المناسقة والمناسقة

(Transferor)

(2) Sri Y. Jayokumar and Y. Giridhar,Sons of late Y. Baliah Chetty.6 1. Chellammal Street,Shenoy Nagar, Madras-600 030.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 17, Devaki Ammal Street, Shenoy Nagar, Madras-30, (Doc. No. 3141/85),

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax
Acquesition Range-II. Madras (I/C)
Madras-600 006

Dated: 31-3-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MADRAS 600 006

Madras, the 3rd April 1986

Ref. No. 66/Aug/85.—Wherens, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereafter referred to as the 'said Act'), have Pason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and

bearing No. Plat in Und Floor at Plot No. 2898,

14th Main Road, Anna Nagar, Madras-40 situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3170/85) on Aug 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incorpo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-bus Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore to pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mrs. R. Padma, AL. 147, Anna Nagar, Madras-600040.

(Transferor)

(2) Mr. T. N. Somasundaram, 28, Bharathi Nagar, I Street, T. Nagar, Madras-600017.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

14at No. 11nd floor at Plot No. 2898, 14th Main Road, Anna Nagar, Madras-600 040. (Dinc. No. 3170/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Dated: 3-4-86

(1) Mrs. Elizabath Thomas & Other, W/o Dr. K. L. Thomas, No. 26/2, Venkatesapuram Colony, Ayanavaram, Madras-23,

- ~<del>---</del> ----

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. Ganesan, 38, Bhavani Ellamman Koil Street, Madras-12.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd April 1986

Ref. No. 67/Aug/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. 26, Konnur High Road, Venkatasapuram

Colony, Iyanaya am, Madras-23

and more fully described in the schedule annexed hereto), of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3201/85) on Aug 85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and ca

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ludian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 26, Konnur High Road, Venkatesaputam. Colony, Ayaniyaram, Madras-33. (Doc. No. 3201/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras (I/C) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said U.st. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the apprecial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 2-4-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd April 1986

Ref. No. 70/Aug/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/~ and
bearing No. 11, Kendalier St., Madras-79
situated at Madras-79
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Sowcarpet (Doc. No. 419/85) on Aug 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sree Lohana Seva Samaj Public Charitable Trust, 171. Mint Street, Madras-79.

(Transferor)

 Sh. Khandolwal Digambar Jain Trust, 11, Kondaliar Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 11, Kondaliar Street, Madras-79.

(Doc. No. 419/85).

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras (I/C)
Madras-600 006

Dated: 2-4-86

#### FORM IINS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1986

Ref. No. 73/Aug/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and

bearing No. R. S. No. 275, George Town, situated at Sowcarpet, Madras-79.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16. of 1908) in the Office of the Registration Officer at Sowcarpet (120c. No. 433/85) on Aug 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the accressed property and I have reason to believe that the fair market value of the accressed property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Sr. Sri, Smt, T. R. Saroja, Motilal No. 3, Vallaba Dasari Lane, Park Town, Madras-3.

(Transferor)

(2) S. Ramochandran, No. 33, Venkatarama Iyer St., George Town, Madras-1,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 33, Venkatarama Iyer St., George Town, Madras-1.

(SRO: SOWCARPET Doc. No. 433/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras (1/C)

Dated: 8-4-86

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 8th April 1986

Ref. No. 74/Aug/85.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing No. R. S. No. 274, George Town situated at Sowcarpet, Madras-79, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 434/85) on Aug. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 30 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nameter with the chaest of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: eaction.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (22 of 1937);

 Sh. T. R. Saroa & Motilal, No. 3, Vallaba Dasari Lane, Park Town, Madras-3.

(Transferor)

(2) S. Saraswathi, No. 33, Venkatarama Iyer St., George Town, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 274, George Town, Sowcarpet, Madras-79. SRO: SOWCARPET (Doc. No. 434/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-86

### FORM ITNS

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 2nd April 1986

Ref. No. 77/Aug/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 6, Thyngarayn Pillai Street,

Peddunaickenpet, Madras1.

situated at Madras-1,

of 1908) in the office of the Registering Officer at Sewcarpet (Doc. No. 454/85) on Aug. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ! transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 cf 1957);

(1) Sri S. K. Alagap, a Pillai, No. 55, Seven Wells Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sr; G. Romachandran, No. 77, Nattu Pillair Koil St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notics in the Official Cozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 6, Thyagaraya Pillai Street, Peddannickenpet, Madras-1,

(Doc. No. 454/85).

MRS, M. SAMUFL Composited Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated: 2-4-86.

Sent .

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 8th April 1986

Ref. No. 78/Aug/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Patturasappa Mudali St., George Town,

Madras-1.

situated at Madras 1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SOWCARPET (Doc. No. 459/85).

on Aug. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldette Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

37-56G1/84

Sh. A. Dorairaj, 225, Govindappa Naichken Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) S. Gulam and others, , Malayappan Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the ressective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House and ground at Old No. 20, New No. 9, Patturn-appa Mudali Street, George Town, Madras-1.

SRO: SOWCARPET, (Doc. No. 459/85),

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-4-86

#### FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s, T. G. Shanmuga Sundaram & Others, No. 23, Lakshmianman Koil St., Perambur, Madras-11.

(Transferor)

(2) T. Thomas Education Trust, No. 10, Rajavelu Street, Perambur, Madras-11.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st March 1986

Ref. No. 83/August/85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T. S. No. 31/1 and 31/2 situated at Maduraisamy Madam
Street, Sembiam, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sembiam (Doc. No. 2969/85) in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land in T. S. No. 31/1 and 31/2 at Maduraisamy Madam Street, Sembiam, Madras.

(Doc. No. 2969/85)

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I(i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1986

Ref. No. 84/August/85.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 35, Muthiah Mudali St., Old Washermanget,

Madras-21

and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram (Doc. No. 1379/85) in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons and the section 269D of the said Act, to the following persons and the section 269D of the said Act, to the following persons and the section 269D of the said Act, to the following persons and the section 269D of the said Act, to the following persons and the section 269D of the said Act, to the following persons are section 269D of the said Act, to the following persons are section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, to the following the section 269D of the said Act, the s ing persons, namely:-

Sri V. S. Vijayarangan & 19 Others, S/o. Late V. S. Rathinavelu Mudaliar, No. 5, Audiappa Mudali Lane, Purasawalkam, Madras-600 084.

(Transferor)

(2) Sennai Vazh Poolavoorni Nadras Uralamai, Abiviruthi Dharam Fund No. 14, Srinivasa Pillai Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 35, Muthiah Mudali Street, Old Washermanpet, Madras-21, (Doc. No. 1379/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c) Madras-600 006

Date: 7-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd April 1986

Ref. No. 85/August, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 149, Coral Mechant Street,

boor No. 143, Conat include Street, situated at Madras-1, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. No. 2426/85) in August 1985,

for an apparent consideration which is

less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Rajammal, 149, Coral Merchant Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. M. Lakshmi, 86, New Street, Madras-600 001.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 149, Coral Merchant Street, Madras-1.

(Doc. No. 2426/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-4-1986

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1986

Ref. No. 86/August/85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

seing the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 115, Choolai High Road, Choolai,

Madras-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. No. 2469/85) in August 1985,

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. S. M. K. Sadhak Fathimma, S.A. Mohamed Hassan, S.A. Mohmood, Naina Street, Kayalpattinam, Tirunelveli Dist.

(Transferor)

(2) K. Thangathayee, No. 115, Choolai High Road, Madras-600 112,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 115, Choolai High Road, Vepery, Madras. (Doc. No. 2469/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st March 1986

Ref. No. 87/August /85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R. S. No. 186/5, Alagapuram Pudur Village,
Salem Taluk and Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Suramangalam (Doc. No. 2372/84) in August 1985,
tor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not ocen truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Srì B. Jagadeesan, S/o S. Bangaru Chettier, No. 14, Rajagopalachariar St., Salem-7

(Transferor)

 Sri Sri Sri Mutugan Finance, 48-B, Cutcherry Street, Rasipuram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-3-1986

#### FORM ITNS--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 88/August/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. C-35, Second Avenue, Arignar Anna Nagar, Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3106/85) in August 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  M/s. Coramandal Industries Pvt. Ltd. represented by its Managing Director Sri G. V. Reddy, No. 5, Pyerofts Garden Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Sri M. G. Poduval, C-35, Flat, Second Avenue, Anna Nagar, Thirumangalam, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inservable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat in First Floor at C-35, Second Avenue, Anna Nagar, Madras-40.

(Doc. No. 3106/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforasaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1986

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1986

Ref. No. 59/Aug/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, Victoria Cresent Road, Egmore,

Modras-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet Doc. No. 1052 and 1053/85 in August 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby miliate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely :---

(1) Smt. Taracherian. 8. Victoria Crescent, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) The India Cements Ltd., 827, Anna Salai, Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ac are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House and ground at No. 5, Victoria Cresent, Egmore, Madras-8,

SRO: Periamet, Madras DOC No. 1052 & 1053/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Author:tv Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 7-4-1986

(1) 5ri T. Thomas, 64 Jaya Nagar Thiruvellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. T. Thangam, 120, Cheran Street, Madras-87.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 18/August 85,—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL.,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 116/5 120 Cheran Street,
situated at Madras-87,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights Doc. No. 2102/85 in August 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building S. No. 116/5 120, Cheran St., Madras-87.

(Thousandlights Doc. No. 2102/85).

(b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Date: 11-4-1986

Scal:

38-56GI/86

#### . HORM STNS-

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961441:OF (1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600,006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 81/August/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 7/3517 R.S. Puram situated, at Coimbatore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore Doc. No. 3413/85 in August 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
ronsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri A. Mohamedyusuf Rowther and others.
 Yakkar Palghat, Kerala.

(Transferor)

(2) Sri T. M. Kadhar Sha and another 521, Rangai Gowder Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the said sylgned:—

- (a) by any of the correspid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metioin the Official Gameto or a period of 30 days from which pervice of notice on the respective persons. which pervice period expires later.
- (b) by any other person interacted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetso.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at R.S. Puram Coimbatore. (COIMBATORE DOC No. 3413/85).

MRS. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-1, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 88/August/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinster retained to
as the 'said Act') have reason to belive that the immovable
property having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S.F. No. 329/263,
situated at Uthukuli village Pollachi T.K.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Pollachi Doc. No. 1690/85 in August 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
afroesald exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri C. Kumaran, Srinivasapuram Jameen Uthukuli village Pollachi T.K.

(Transferor)

(2) Sri S. Selvaraj, 64 Meenkarai Road, Pollachi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the amile related:—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the 'Official' Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building Jameen Uthukuli village Pollachi T.K. (POLLACHI DOC. No. 1690/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Madras-600 006

Date: 11-4-1986

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-J MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 96/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Sirkali, Tanjore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirkali Doc. No. 988/85 in August 1985, Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri G. Raman, S/o Krishnasamy Iyengar, Kadukkammanagm, Kolasamudram Vattam.

(Transferor)

(2) Smt. Faridda Bivi, W/o A. M. Abdullah, 44. Mugapettai, Sirkali,

(Transferce)

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same neaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land :--Agricultural land at Sirkali. Sirkali/Doc. No. 988/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 11-4-1986

#### FORM ITN9-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 101/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chikkadasampalayam, Mettupalayam, situated at Coimbatore, and more fully described in the Schedula appearad, hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam/Doc. No. 1986/85 in August 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of can-fer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Indirani Jayasree Shankar and others, New Bungalow, Chikla dasampalayam, Mettupalayam.

(Transferor)

(2) Sri G. Jabbar Chand Nahar and Sons, Mcttupalayam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land :—At Chikkadasampalayam Mettupalayam, Mettupalayam/Doc. No. 1986/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 11-4-1986

Scat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 108/Aug.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 993/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai/Doc. No. 993/85 on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (11 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Natarajan and P. Ramasamy, Chinnammapalayam, Pollachi,

(Transferor)

(2) R. Lakshmipathy and Kamalapathy, (Saudiarabi, Jeddah City), Peddanaickenpalayam, Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Dec. No. 993/85. Anaimalai/Doc. No. 993/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 11-4-86.

S⇔al:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 122/Aug.85,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1962 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 7033/2 and 3, Door No. 12 and 13, situated at Raman Street, T. Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 986/85 on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vlaue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evention of the Rability of the transferor to pay tax under the mid Act, he respect of any income arising from the transfer 1 Page 1 / 1 of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee lot the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-res Aut. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald apoperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Senira 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Sri Ashok Kumar, No. 165, Govindappa Naicken Street, Maras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Nandakumar, T. Nagar, Raman St., Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: Door No. 12 and 13, Raman St., T. Nagar, Madras T-Nagar/Doc. No. 986/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-4-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 124/August 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. No. R.S. No. 53/3 & 53/4 situated at 12 & 13, Raman Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Duc. No. 987/85 on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. Ashok Kumar and another, 165, Govindappa Naicken Street, Madras.

(Transferor)

Sri P. V. Sarma,
 B-8, Prabhat Apartments,
 I. Kamala Bai Street,
 Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 12 & 13, Raman Street, Madras, (T. Nagar Doc. No. 987/85).

MRS. M. SAMUE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-4-86.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Sri V, Jagonnatha Rao and other (75%), 7 Manonmani Ammal Street, Kilpauk, Madras-10, (Transferor)

Kotturpuram. Madras-85.

(2) Sri S. Muthian and Mrs. Valliammai Muthiah, (Block 14) A. 3, II St., Thandayuthapani Nagar,

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 126/Aug. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immortal the section of the sect as the said Act), having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Plot No. 4, 2, 1 Cross Street, Vijayaraghavachari Street, situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 1000/85 on Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficer was consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land:—Plot No. 4, 2. Ist Cross Street, Vijayaraghavachari Street, T. Nagar, Madras-17.
T. Nagar/Doc. No. 1000/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 39—56GI/86

Date: 11-4-86,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Smt. S. Indirani, W/o. V. Selvaraju, 83, Saint Rozerio Street, Muthialpet, Pondicherry-3.

(Transferor)

(2) M/s. Centigo Scooters Pvt. Ltd., Mount Road, Madras-2.

(Transferec)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 174/Aug. 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 26, Govindan Street, Kamaraj Nagar situated at Pondi-

cherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai Doc. No. 1892/85 on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Pondicherry. (Kohulkarai Doc. No. 1892/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-4-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th April 1986

Ref. No. 189/Aug. 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. R.S. No. 2361/1 Tanjore, Nilagiri Vattam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thanjavur/1704 to 1708/85 in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Sivanandam S/o. Lakkaian and others, Melavastha Chavady, Thanjavur.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Viswanathan, Power Agent of Investment Trades P. Ltd., Thanjavur. Than Javur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land:—R. S. No. 236/1 Thanjavur, Nılagırl. Thanjavur/Doc. No. 1704 to 1708/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras, the 11th April 1986

Ref. No. 190/August 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Blook No. 59 4th ward Thirupurasundarai situated at Magn Nagar Tanjore Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tanjore Doc. No. 1766/85 on August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:

(1) Sri R. Aravamuthan,
Plot No. 49 T.P.S. Nagar
M.C. Road, Tanjore.

(2) Smt. T. Parameswari and others Ravathi Ilam, Ukadai Ambal Colony, Vivek High School Road, Tanjore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Thirupurasundarai Tanjore Town Tanjore Doc. No. 1766/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-86

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Sri M. Λ. Aglagappar North Street, Puliyangkudi.

(Transferor)

(2) Sri K. N. A. Salamath, 93, Kamalaya Street, Koothanallur

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th April 1986

Ref. No. 193/August 85.—Wheres, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 254 Puhiyangkudi village

situated at Kottanallur Needamangalam T.K. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Koothanallur Doc. No. 934/85 on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and less

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Puliangudi village Needamangalam Taluk. (Koothanallur Doc. No. 934/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 11-4-86

(1) Sri K. N. Ramamurthy, 117, Majastrice Colony, Madras-87

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. Venkatakrishnasubramanian J-10, Navarathana Colony, Rajamannar Salai, Madras-87.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th April 1986

Ref. No. 10/Augsut 85.-Whereas, J MRS, M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Valasarawalkam village situated at Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 1998/85 on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bfly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at Valasarwalkam village Madras (Thousandlights Doc. No. 1998/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUN SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 2/August/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17/B, New No. 17/2, Nancy Street situated at Purasawalkam, Madras-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Pursasawalkan Doc. No. 1390/85 on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income **O**I any moneys or other meets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons namely:---

(1) Sri Mohammed S. S. Refique 6, United India Colony, I Cross Street. Kodambakkam, Madras-24,

Tamil Nadu.

(Transferor)

(2) Sri Syed Abdul Ravoof and another 3/19, Main Road, Valoothoor, Thanjavur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Nancy Street, Purasawalkam, (Purasawalkam Doc. No. 1390/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madray-600 006

Date: 10-4-1986

 The Executive Engineer and A. O. Ashok Nagar, Madras-83.

(2) Sri C. V. Subramanian,

Madras-78.

Plot No. 885, Ramsamy Salai, K. K. Nagar West, (Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 19/Aug./85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
104 Virugambakkam Village Madras
situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights D. No. 2103/85 in August 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfet: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at Virugambakkam Village Plot No. 885, Madros. (Thousandlikhts Doc. No. 2103/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 30/August/85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. No. 48 Block No. 70 situated at Kodambakkam village
Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
(Doc. No. 2401/85) Kodambakkam in August 1985
for an apparent consideration which is less than the tair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——40—56GI/86

(1) Sri A. Srinivasan,
Plot No. C-547 53rd Street 9th Avenue,
Ashok Nagar,
Madras-83

(Transferor)

(2) Smt. N. Meenakshi, M12A 3rd Avenue, Ashok Nagar, Madras-83

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building T. S. No. 48 Block No. 70 Kodambakkam Village Madras. Kodambakkam Doc. No. 2401/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 33/Aug.85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Block No. 40 No. 10 filred cross street, situated at United
India Colony Kodambakkam, Madras-24
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Kodambakkam Doc. No. 2566/85 in August 1985
for am apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
atteen per cent of such apparent consideration and that the
ronsideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. S. Janaki, 10, IIIrd cross street, United India Colony, Kodambakkam Madras-24.

(Transferor)

(2) Raj Lakshmi Shivaji, P.B. No. 898, ANNOC-D.P.S. Abudhah UAE.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 10 IIIrd cross st., United India Colony Kodambakkam Madras-24. (ΚΟΣΑΜΒΛΚΚΑΜ DOC No. 2566/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-4-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 37/Aug.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 32/1 (Part) Block No. 27 situated at Kodambak-

kam village Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 2673/85 on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri T. Sunder Raj, No. 39, Arcot Road, Saligramam, Madras-93.

(Transferor)

(2) Rajeswari Duraimanickam Plot No. 1115, Bobbili Raja Road, K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Bobbili Raja Road, K. K. Nagar, Madras-78.

(KODAMBAKKAM DOC No. 2673/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-4-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 41/August/85.— Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 419/2 part situated at Kodambakkam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 2724/85 in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Yamuna Chandraseker Plot No. 391 K. K. Nagar, Madras-78,

(Transferor)

(2) Mrs. V. Vijavalakshmi Post Office Street, Thiruppathur, Ramnad District,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- period (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as even in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building S. No. 419/2 part Kodambakkam Village Madras. (Kodambakkam Doc. No. 2724/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-4-1986

#### FORM ITNU

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri T. Raghupathy S/o. Sri A. T. Thirupathy 5, Cloths Store Street. Dharapuram Town.

(Transferor)

(2) Sri R. Natarajan Director, S/o. C. Ramaswamy,
18, Sundaram Kudi Street,
Dharapuram Town,
Periyar District,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 84/August/85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 75/2 D. No. 38 B1 situated at Vasanatha Road, Dharapuram Town
(and more fully described in the schedule appeared hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram Doc. No. 2182/85 in August 1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and Building at Dharapuram. (Dharapuram Doc. No. 2182/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 92/Aug. 85.—
Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. T. P. Scheme, No. 6, G. S. No. 376, Gandhipuram situated at Sanganoor village T. S. No, 125 of TS. Ward No. 12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 3877/85 in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in-

strument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evidence of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri A. Gopalan,
 S/o. A. S. Ananthanarayana Iyer,
 by its Power Agent, M. Balasubramanian,
 S/o. N. Mahadeva Iyer,
 25,2es Cross Bharatti Part Road,
 Coimbatore-43.

(Transferor)

(2) Dr. R. N. Swamy, S/o.Ramakrishna İyer, Advocate, 10/48, Ajit sion (East) Bombay-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underrigued.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The iterms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land:—T. P. Scheme No. 6, G. S. No. 376, Sanganoor Village, T. S. No. 125 T. S. Ward No. 12, Combatore. Gandhipuram/Doc. No. 3877/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 95/August 85.— Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T. S. No. 360 Plot No. 25 Rajeswari situated at Nagar Mayiladuthurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai Doc. No. 840/85 in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair wet value of the aforesaid property and I have reason to be eve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. Chandrasekharan S/o. Venkadesa Iyer, B1/8 Govt. Quarters, Anna Nagar, West Madras

(Transferor)

 Sri A. Mohamed Jennia, S/o. Ameenullah, Sabiya Street, Needur, Mayiladuthurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nestee in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building T. S. No. 360 Rajeswari Nagar, Myladuthurai.

(Mayladuthurai Doc. No. 840/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 10-4-1986

#### FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 102/August/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Odanthurai situated at Village Mettupalayam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Mettupalayam Doc. No. 1997/85 in August 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that he fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri D. Venkatesan, 8/0 Duraisamy, Bangalow Medu, Sikkadampalayam Village, Mettupalayam.

(Transferor)

(2) Sri K. N. Ganesan and another, 152/1-C Karunanedhi Nagar, Sikkamdampalayam village, Mettupalayam T.K.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural lands at Odandurai village Mettupalaym. (Mettupalayam Doc. No. 1997/85.)

MRS. M. SAMUFL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Sectlen 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 10-4-1986

Seal;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 172/Aug./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Pior No. 7, Door No. 7, Ward 3, Block 6, T.S. No. 258/

Chidambaram, Vakeesanagor, II Main Road situated at Chidambaram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ut Chidambaram/Doc. No. 1918/86 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to theve that the fair market value of the property as aforesaid ceeds the apparent consideration therefor by more than even per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tal Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--41-56GI/86

(1) Sri P. Kalyanam Pillai, S/o Pazhamalai Pillai, No. 7, Vakeezha Nagar, Chidambaram, Block No. 19, 2. F. 408 Quarters, Neyveli.

(Transferor)

(1) Sri Syed Rasahusain, s/o. Syed Ismail, Sabira Bibi w/o SyedRasa Hussain, Kottai, Palayankottai Upper Part.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this native in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 7, Door No. 7, Ward 3, Block 6, T.S. No. 258/Vakeesa Nagar, II Main Road, Chidambaram. Chidambaram/Doc. No. 1915/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-4-1986

FORM ITNS———

NO OFFICE AND A SECOND CONTRACTORS AND ADDRESS OF THE CONTRACTORS OF T (1) Sri M. Palanisamy, S. M. Thangavelu and others, Kettuthottam, Rangasamudram, Sathyamangalam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S P. Samigounder and oth rs. Varadampalayam.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 173/Aug./85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Varadampalayam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (1.1 of 1908) in the office of the Registering Officer at the Competent Authority at Sathyamangalam/Doc. No. 1840/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afformatic exceeds the apparent consideration therefore by 1993 than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to believe the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property me be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of the noder in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvemble property, within 45 Jan from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, what have the same meaning as give. in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Varadampalayam. Sathyumangalam/Doc. No. 1840/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under expection (1) of Section 26900 of the said Act, to the following versons, namely :--

Date: 10-4-1986

5. - **31**2-11-12-1-12-1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri John Huk Elivat and others, , 4th Street, (cross) Shanmughapuram Colony Villupuram,

(Transferor)

(2) Sri V. Rajasckaran, 14. A. Anna East Street, Villupuram.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 176/August /85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Ward No. 20 4th Street, Shanmughapuram situated at

Colony villupuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

the Competent Authority at at Villupuram Doc. No. 1889/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULK

Land and Building at Shanmughapuram Coiony, Villu-(Villupuram Doc. No. 1889/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pirramance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-4-1986

[PART III-SEC. 1

FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Joseph Swaminathan, s/o. Ponnyswamy Mudaliar, Madras.

(Transferor)

(1) Sri K, Hameed Maraikayar, Parangipettay.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 181/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 515, 505, Cuddalore

transfer with the object of :---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at Cuddalore/Doc. No. 1212/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Property as specified in schedule to Doc. No. 1212/85.
Cuddalore/Doc. No. 1212/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 10-4-1986

TION 269D(1) OF THE INCOME-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 182/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 1213/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuddalore/Doc. No. 1213/85 in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Sri Joseph Swaminathan, s/o. Ponnusamy Mudaliar, Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. Fathima Bi, W/o K. Hameed Marakayar, Parangipettai, Chidambaram Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property as specified in schedule to Doc. No. 1213/85. Cuddalore/Doc. No. 1213/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 183/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

If Ward, East Appan Theru, T.S. No. 2228 situated at Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Kumbakonam/Doc. No. 1913/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. S. L. Lakshmi Ammal, w/o T. S. Swaminathan, Sri T. S. Ramachandran, T. S. Natarajan, S. Sujatha and S. Pushpa, song and daughters of Sri Swaminathan, Thimmakudi village.

(Transferor)

(2) Sri A. Murugaiya Pillal, 11,Karikkaraththaru, Kumbakonam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: 2nd Ward, East Ayyan Street, Kumbakonam, Thanjavur.
Kumbakonam/Doc. No. 1913/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 184/August/85,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. 2379/2, 2380—D. No. 34, West Ayyan Street situated at Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam/Doc. No. 1918/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sollam Swaminathan, w/o K. K. Swaminatha Iyer and others, 34, West Iyen Street, Kumbakonam.
 (Transferor)

(2) Sri Halilur Rehman, s/o Abdul Mazced, 8/13, West Street, Sholapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Street House: At No. 34, West Ayyan Street, Kumbakonam. Kumbakonam/Doc. No. 1918/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-4-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sri T. A. Palaniappan,
 6/11, Kannikaparameswari Extension,
 Gopi.

(Transferor)

Sri G. K. Perumal,
 S/o Kandappa Mudaliar,
 Kuppaiar Street,
 Gopi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 186 / August /85.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 7, Lakkampatti village situaaed at Gopichettipalayam has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gopichettipalayam Doc. No. 949/85 in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sancts which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, at the following persons namely:—

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land at Lakkampatti village Gopichettipalayam. (Gopichettipalam Doc. No. 949/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri B. Ganagathy and others, Anaigoundenpudur, Erode.

(Transferor)

(2) Sri D. Swaminathan, 12, Muthusamy Mudali Street, Erode.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th April 1986

Ref. No. 188/August/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-12 Block 12 Krishnachetty situated at veedhi New T.S. No.

16. Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode Doz. No. 3685/85 in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market veine of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any inmoce or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at 12 Krishnachetty Street, Erode, (Erode Doc. No. 3685/85),

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-4-1986

Seal r

#### FORM ITNS----

(1) Mr. Anil L. Bahirwani.

(Transferor)

(2) Mrs. Mena Vashi Sadarangani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3)Mr. Apil 1. Bahirwani & Mrs. Madhu L. Bahirwani. (Person in occupation of the property).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/5590//85-86.---Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 69, 5th floor, Sukhmani, Bomanji Petit Road,

Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 69 on 5th floor, Sukhmani Bomanji Petit Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37FE/7278/85-86 on 26/8/85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1986